संपादकीय

सफलता का पथ प्रशासन, शिक्षक, और छात्राओं प्रयासों में छिपा होता है । उषा के इस नव– सृजित संस्करण का उद्देश्य न केवल ज्ञान का प्रकाश फैलाना, अपितु रचनात्मकता, सोचने की क्षमता, और सामाजिक जागरूकता का वर्धन करना भी है। इसी परंपरा को नित नवोन्मेष के साथ सभी के समक्ष प्रस्तुत करने का हमारा प्रयोजन रहता है तथा पूर्ण तन्मयता के साथ हमारा लक्ष्य आपके समक्ष समाज के विभिन्न पहलुओं को परिलक्षित करने का रहता है। आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास भी है कि हमारा यह छोटा सा प्रयत्न मील का पत्थर साबित होंगे।

छात्राओं द्वारा विभिन्न विषयों पर लेख एवं कविताओं से सुसज्जित महाविद्यालय की इस पत्रिका द्वारा नवीन सोच को बढ़ाने और प्रेरित करने का प्रयास किया गया है। प्रबुद्ध प्रध्यापिकाओं और छात्राओं द्वारा विभिन्न विषयों पर लेखन की संप्रेषणीय परंपरा का निर्वह्न करने में ''उषा'' पत्रिका का यह संस्करण महत्वपूर्ण योगदान रखता है। महाविद्यालय विभागों के द्वारा समय–समय पर अनेक गतिविधियों के माध्यम से छात्राओं का बहुमुखी विकास कराए जाने हेतु किये गए कार्यक्रमों की रिपोर्ट भी पत्रिका में संलग्न की गयी है। इन सभी कार्यों में हमारे पूरे संपादकीय मंडल ने पूर्ण निष्ठा के साथ अपनी भागीदारी की है।

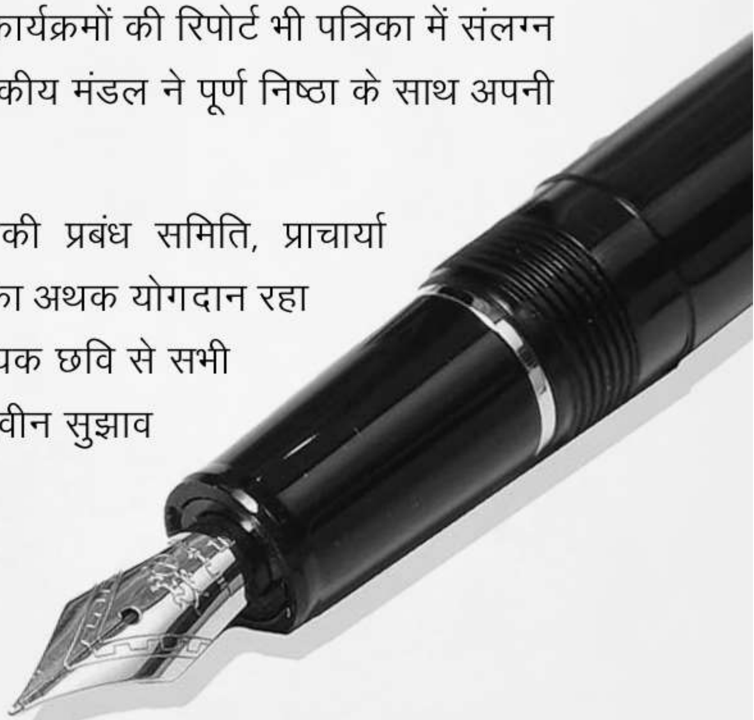

पत्रिका को सहेजने में महाविद्यालय की प्रबंध समिति, प्राचार्या महोदया, शिक्षिका वर्ग, एवं समिति के सदस्यों का अथक योगदान रहा है। हम आशा करते हैं कि उषा अपनी प्रेरणादायक छवि से सभी को लुभान्वित करेगी तथा अग्रिम पत्रिका हेतु नवीन सुझाव हमे प्राप्त होंगे।

धन्यवाद!

– प्रो. मेधा सचदेव

अनुक्रमणिका

संस्कृत

1.	प्रोफेसर राधाबल्लभ त्रिपाठी आधुनिक कवि	साक्षी भारद्वाज	1
2.	पुराण	दुर्वेष कुमार	3
3.	न भारत विकीर्यताम्	मनीषा	4
4.	भारतीय संस्कृति : प्राचीन संस्कृति	महक कुमारी	5
6.	वाराणसी	प्रगति रानी	6
5.	नारी शिक्षा	दिव्या ठाकुर	7
7.	महाकवि बाणभट्ट	नेहा यादव	8
8.	भाषासु मुख्य संस्कृत भाषायाः	लवली यादव	9
9.	योग भारतवर्ष की देन	दिव्या ठाकुर	11
10.	संस्कृत की दृष्टि से कम्प्यूटर की उपयोगिता	प्रगति रानी	12

हिन्दी

1.	आजादी का अमृत महोत्सव एवं महिलायें	डॉ. मंजू सारस्वत	13
2.	दिव्यता के अंकुर	राव फरीदा शाहीन	13
3.	स्वास्थ्य ही जीवन है	वंशिका सिंह	14
4.	यादों की स्क्रीन से	सुश्री जगवती	15
5.	आत्म विश्वास में बल	कमलरानी शर्मा	16
6.	कविता	मनतशा फातिमा	16
7.	सफलता	नेहा बानो	17
8.	सोचा मैंने लिख डालूँ	राधा कुमारी	17
9.	चिड़िया और बाज	डॉ. मंजू सारस्वत	18
10.	परोपकार	प्रगति रानी	19
11.	मंजिल के निशान	अनुरक्ति	19
12.	संत कवयित्री सहजोबाई	सुश्री सोफिया खातून	20
13.	बिरजू किसान	डॉ. अन्जू सिंह पटेल	21
14.	वूमन एण्ड पिलर स्ऑांग ऑफ सोशल डेवलपमेंट	रिया	22
15.	फूल	अनुरक्ति	22
16.	हमारे प्यारे आजाद भारत का इतिहास	कु. महिमा	23
17.	वक्त की चुनौती	सुश्री जगवती	24
18.	स्थान पाना चाहती हूँ	प्रो. मिश्कात आबिदी	24
19.	मैं और मेरा विद्यालय	अर्पिता	25
20.	स्थिर मन	चंचल	25
21.	माँ	प्रगति रानी	26
22.	अनुरक्ति	नेहा महाजन	26

23.	हाँ, मेरी माँ अब मुझे प्यार नहीं करती	दिशि अग्रवाल	26
24.	सोच को बदलो बदले संसार	डॉ. हरज्ञान सिह	27
25.	पढ़ाई	हिरा इकबाल	27
26.	वो अजनबी–सी हवायें थीं (बदलाव)	पूजा सैनी	28
27.	मेरे मन का दहेज	डॉ. तरूणा सिंह	28
28.	मेरी कहानी (संघर्ष)	पूजा सैनी	28
29.	मेरा प्यारा भाई	नेहा यादव	29
30.	मेरी माँ	नेहा यादव	29
31.	मतदान जागरूकता	नेहा मलिक	29
32.	मुझे आज फिर	ऐश्वर्या शर्मा	29
33.	मेहनत	हिरा इकबाल	30
34.	अनमोल बचन	शिवी सक्सैना	30
	ENGLISH		
1.	Nature in Abundance in Switzerland	Dr. Mamta Srivastava	31
2.	Mother	Dr. Medha Sachdev	34
3.	The Journey	Asna Khan	35
4.	Technology	Hira Iqbal	35
5.	Stop Pollution, Save Environment	Maryam Zubaida	36
6.	Ease Vs Difficulty		36
7.	Safety of Women in India		36
8.	Sweet Girl		37
9.	Power of Knowledge	Hira Iqbal	37
10.	In Appreciation of My College	Shurmaila	38
11.	Some Thoughts to Learn		38
12.	House of Grammar		38
13.	Teacher		38
14.	Women Empowerment	Lal Bahadur Gupta	39
15.	Riddles	Hira Iqbal	40
16.	Literature is useful for our Life and Society	Bharti	41
17.	My Hero My Father	Hira Iqbal	43
18.	Education and Human Rights	Dr. Hemlata Agarwal	44
19.	Value of Time	Maryam Zubaida	45
20.	Body Cabinet		45
21.	G-20 : Climate Issues, Perspectives and Challenges	Deeksha Verma	46
22.	Cyber Security and Cyber Peace	Tamanna Agarwal	47
23.	Climate Change and its Impact	Priyanka Deshmukh	48
24.	Our Green Friends	Karishma Saxena	49
25.	My Journey	Neha Malik	50
26.	A Lovely Song for a New Life	Rashmi Singh	50

रिपोर्ट

1.	महाविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट	51
2.	यूथ काउन्सलिंग सेन्टर	53
3.	यूथ काउन्सलिंग सेन्टर : कार्यशाला रिपोर्ट	55
4.	करियर काउन्सलिंग एवं प्लेसमेन्ट	56
5.	Counselling, Placement and Internship	60
6.	IQAC - 2022-23	61
7.	संस्थापक दिवस समारोह	63
8.	आजादी का अमृत महोत्सव	64
9.	छात्र कल्याण समिति	68
10.	व्यवसायिक पाठ्यक्रम	69
11.	हिन्दी विभाग	71
12.	संस्कृत विभाग	73
13.	इतिहास विभाग	75
14.	संगीत विभाग	76
15.	शिक्षा शास्त्र विभाग	78
16.	चित्रकला विभाग	78
17.	अर्थशास्त्र विभाग	82
18.	मनोविज्ञान विभाग	83
19.	गृहविज्ञान विभाग	84
20.	G-20	87
21.	शिक्षक शिक्षा विभाग	88
22.	राजनीति विज्ञान विभाग	90
23.	समाजशास्त्र विभाग	92
24.	NCC	92
25.	रेंजर्स विभाग	96
26.	शारीरिक शिक्षा एवं खेलकूद विभाग	98
27.	महाविद्यालय स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता	101
28.	Department of English	102
29.	Department of Chemistry	109
30.	Department of Botany	113
31.	Department of Geography	114
32.	Department of Mathematics	115
33.	Department of Commerce	116
34.	Department of Zoology	117
35.	Department of BCA	119
36.	Department of Physics	120
37.	पुरातन छात्र समिति	120

संकलित

(प्रोफेसर राधाबल्लभ त्रिपाठी आधुनिक कवि)

साक्षी भारद्वाज
बी.ए. तृतीय वर्ष

प्रोफेसर राधाबल्लभ त्रिपाठी बचपन से ही श्लोक रचना प्रारम्भ कर दी थी। प्रोफेसर राधावल्लभ बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी रहे। 15 फरवरी सन् 1949 ई० में रायगढ़ जनपद में इन्होने जन्म लिया। संस्कृत में पी–एच.डी तथा डी. लिट की उपाधियों सम्मानित किया गया।

(रोटिका लहरी)

प्रोफेसर बल्लभ त्रिपाठी द्वारा **'रोटिका लहरी'** नामक कविता संग्रह से प्रस्तुत गीत में रोटिका की महत्ता चित्रित है।

रोटिका देवता दुःखदैन्यापहा
शुभकान्त्यान्विता दुखण्डवृत्तान्विता।
एतु में मदिंर सम्यगासेविता
चक्रवच्चालिते वान्नपूर्णाः रथैः ।।

दुःख और दीनता को नष्ट करने वाली हे रोटी देवता! अन्नपूर्णा रूपी रथों पर सवार होकर मेरे घर रूपी मन्दिर में आइये। जीवन में मानव रोटी, कपड़ा व मकान के लिए संघर्ष कर रहा है क्योंकि मानव जीवन में यह अत्यन्त आवश्यक है। पेट की भूख मिटाने के लिए रोटी का होना आवश्यक है। हीनता को मिटाने वाली हे रोटी देवता मेरे घर रूपी मंदिर में प्रवेश करो। फूली हुई गर्म गोल–और चमकदार एंव आकर्षक होती है। आटा व पानी के आवश्यक अनुपात से तैयार चकले पर गोल बेली जाती है। पहिये के समान चलाई गई हे रोटी देवता! अन्नपूर्णा रूपी रथों पर चलकर मेरे घर रूपी मदिर में आइये।

क्लिन्नगोधूमचूर्णस्य पिण्डैः समं
बल्लिता चक्रपट्टे च विस्तारिता ।
उमणा योजिता वाष्पपरान्विता
वाण्यपूरं हरन्ती शिशोर्ने तजम् ॥

भूख से व्याकुल बच्चे के आँखो से निकलते को देखकर माँ–बाप दुःखी होते है निकलते हुए आंसुओ की धारा तुम कवि प्रार्थना कर रहा है कि मुँधे हुए गेहूँ को लोइयों से समतल चकले पर बेली व बढ़ाई जाती है। जैसे ही बेलकर चूल्हे पर डाला जाता है तब फूली हुई अत्यन्त सुन्दर लगती है। इतना ही नही, रोटी के टुकड़े को जब मुँह के अन्दर रखकर चबाया जाता है। तब भूखे होने के कारण उस रोटी का स्वाद अत्यन्त सुखद अनुभूति जैसा होता है। जब घर में अन्न होगा तो बच्चे भूखे क्यों होंगे और क्यों आँसू बहेंगे। अतः मनुष्य को धन–धान्य से परिपूर्ण होना आवश्यक है। रोटी सदैव भूख को मिटाती हैं। रोटी का महत्व केवल वही व्यक्ति समझता है जो रोटी के लिए बिलकता है भूख से व्याकुल रोटी की चाह रहता है।

निर्धनास्ते जनाः कामयन्ते सदा
तां तथा बालकाश्च क्षुधापीडिताः।
आदियन्ते भृशं तत्र ते कर्षिता
कर्पका कर्मजीवाः श्रमैकव्रताः ॥

"रोटिका लहरी" कविता में गरीबी का चित्रण किया गया है। यह अटल सत्य है कि संसार का हर जीव अपने प्राण की रक्षा करने के लिए भूख को शांत करने के लिए सदैव प्रत्यत्नशील रहता है।

कवि कहता है कि अन्न के दाने तथा दानों से बनी उस रोटी का महत्व उन्ही के लिए है जो नितान्त गरीब है। उनके बच्चे भूख से व्याकुल है। उनकी आतुरता, उनका रुदन उनसे देखा नहीं जाता। ऐसे निर्धन लोग तथा भूख से पीड़ित बच्चे उस रोटी की कामना करते है। उन्ही भूखों के लिए वह महत्वपूर्ण वस्तु है। उस रोटी को उगाने वाला किसान, जो श्रम को ही एक व्रत मानता है। वह हल चलाते –चलाते पसीने से गीला हो जाता है इसलिए वह रोटी का महत्व जानता है। ऐसे ही लोग वास्तव में आदर करते है। भले ही तन्त्र विद्या का ज्ञाता हो, मुसलमान विद्वान हो, जल में मछली पकड़कर जीविकोपार्जन करने वाला महवारा हो, अध्ययन–अध्यापन करने वाला अध्यापक हो अथवा कोई नेता हो, ये सभी रोटी के लिए समान रूप से जीवित हैं।

स्यवाच्च सिंहस्थ पर्वताऽर्धकुम्भोत्सवः
कृत्यमेवाऽस्तु वैवाहिक मङ्गलम्।
ईद–सम्मेलन वा कलामेलकं
रोटिका योजायत्री समेजामियम् ॥

यहाँ रोटी के वैशिष्टय का वर्णन करते हुए कह रहा है कि शाकाहारी भोजन में इस रोटी की तीव्र आवश्यता होती है।

चाहे सिंह राशि में गुरु दशा होने पर मनाया जाने वाला पर्व हो या "अर्द्धकुम्भ" का पर्व हो या विवाह सम्बन्धी कोई मंगल कार्य हो, ईद सम्मेलन हो या कला सम्बन्धी मेला हो, यह रोटी शाकाहारी लोगों को जोड़ने वाली महत्वपूर्ण वस्तु है। रोटी में अनेक विशेषताऐं होती है, पतली एवं रोटी कोमल जितनी होगी उस रोटी का स्वाद परिपूर्ण और सार से युक्त होती है।

निष्कर्श– **"प्रोफेसर राधा बल्लभ त्रिपाठी"** जी ने इस कविता संग्रह में रोटी का आवश्यता को बताया है। यह सत्य है कि संसार में आए हर मनुष्य को रोटी की भूख होती है, और रोटी को पाने के लिए मनुष्य प्रयत्नशील रहता है। रोटी के लिए प्रत्येक व्यक्ति संसार रूपी माया जाल में बहुत संघर्ष करता है, परन्तु एक गरीब के लिए रोटी को पाना बहुत मुशकिल होता है।

किं न लालप्यते रोटिकायाः कृते
किं न तातप्यते रोटिकाया : कृते ।
किं न सासहाते किं न मोमुहाते
किं न शोश्रूयते किं न बोभूयते ।।

पुराण

दुर्वेश कुमारी
बी.ए. तृतीय वर्ष

<u>पुराण</u> – पुराण का शाब्दिक अर्थ है– "प्राचीन आख्यान" या पुरानी कथा "पुरा शब्द का अर्थ होता है अनागत एवं अतीत," अण का होता है कहना या बतलाना रघुवंश में पुराण शब्द का अर्थ है ''पुराण पत्रापग मागन्नतरम्" एवं वैदिक वाङ्मय में ''प्राचीनः वृत्तान्तः'' है।

'पुराण हिन्दुओं के धर्म सम्बंधी' आख्यान ग्रंथ है पुराण वैदिक काल के बहुत समय के बाद के ग्रंथ हैं। भारतीय जीवन धारा में जिन ग्रंथो का महत्वपूर्ण स्थान हैं उनमें पुराण प्राचीन भक्ति ग्रंथों के रूप में बहुत महत्वपूर्ण है। पुराणों की कुछ हैं। पुराणो की रचना संस्कृत में हुई है लेकिन कुछ पुराण क्षेत्रीय भाषा में भी लिखे गये है। हिन्दू और जैन दोनों ही धर्मो कें बांडमय में पुराण मिलते है।

पुराणो में वैदिक काल से चले आते सृष्टि आदि सम्बंधी विचारों, प्राचीन राजाओं और ऋषियों कें परम्परागत वृत्तान्तों तथा कहानियों आदि के संग्रह के साथ–साथ कल्पित कथाओं को और रोचक वर्णनो द्वारा उपदेश भी मिलते हैं।

प्राचीनकाल से पुराण देवताओ, ऋषियों, मनुष्यों, आदि सभी का मार्गदर्शन करते रहे हैं। पुराण मनुष्य को धर्म एवं नीति के अनुसार जीवन व्यतीत करने की शिक्षा देते हैं।

वेदव्यास जी ने प्राचीन भारत का काल और विज्ञान, पशु तथा पक्षी विज्ञान, वनस्पति तथा आयुर्वेद सभी को एकत्र कर पुराणो में भर दिया है, इसका परिणाम है कि पुराण विश्वविद्या का कोष हैं। अग्नि, नारद, गरुड़ पुराण की रचना ज्ञान विज्ञान के लोकप्रिय बनाने के लिए की गयीं हैं। पुराण सरल भाषा में रचित ग्रंथ हे शास्त्रीय भाषा में नहीं।

राजा परीक्षित से लेकर पद्मनन्द तक अज्ञात इतिहास पुराणों से ही मिलता है। मौर्य वंशावली के लिए विष्णु पुराण, पुराण आन्ध्रवंशावली के लिय अत्स्य पुराण, गुप्त वंशावली के लिये वायु पुराण अत्यन्त प्रामाणिक सिद्ध हुयें है।

पुराणों में चतुर्दीपा वसुमती, सप्तद्वीपा वसुधा 18 दीप 14 भुवन, क्षीर सागर आदि भू–विभाजन, तीर्थों समुद्रों नदियो पर्वतों एवं भौगोलिक महत्व के स्थानों का भी वर्णन है।

पुराण और श्लोकों की संख्या –

पुराण	श्लोकों की संख्या
ब्रह्मपुराण	14000
पद्मपुराण	55000
विष्णुपुराण	23000
शिव पुराण	24000
श्रीमद्भावतपुराण	18.000
नारद पुराण	25.000
मार्कण्डेयपुराण	9000
अग्निपुराण	15000
भविष्यपुराण	14500
ब्रह्मवैवर्तपुराण	18000
लिंगपुराण	11000
वाराहपुराण	24000
स्कन्धपुराण	21100
वामन पुराण	10000
कूर्मपुराण	17000
मत्स्यपुराण	14000
गरुड़ पुराण	19000
ब्रह्माण्डपुराण	12000

पुराणों में सबसे पुराना विष्णु पुराण प्रतीत होता है पुराण मनुष्य के जीवन को सार्थक बनाने का एक बहुत अच्छा साधन है।

पुराणों में वर्णाश्रम गुण–कर्म, विविध संस्कार आश्रम, पारिवारिक सम्बंध गुरु–शिष्य परम्परा एव धर्म, राजधर्म आदि का महत्वपूर्ण विवेचन पुराणों में हीं हैं। इसके अतिरिक्त व्याकरण छन्द, ज्योतिष, धर्मशास्त्र दर्शन, आयुर्वेद तथा शरीर विज्ञान आदि शास्त्रीय एवं वैज्ञानिक विषयों विवेचन का महत्वपूर्ण विवेचन है।

संस्कृत में वैज्ञानिक साहित्य का भी परिचय पुराणों के गम्भीर अध्ययन से सर्वथा सरल है पुराणों में प्राचीन काल में धनुर्विधा अत्यन्त प्रख्यात थी अग्नि पुराण के चार अध्यायों मे इस धनुविद्या संकलित है।

धार्मिक दृष्टि से पुराणों का बहुत महत्व है। जब वेदों में कहे गए अर्थ लोगों के समझ में नही आए तब वेदों में कहे गये अर्थ को समझने कें लिए पुराणों की रचना हुयी। साथ ही समाज कें तात्कालिक स्वरूप को समझने के लिए भी पुराणों को बहुत महत्व दिया है। पुराणों में भी प्राचीन इतिहास है। पुराणो में जो कहा गया है उसे प्रमाण स्वरूप शिलालेख भी लिखे गए, इसलिए विदेशी विद्वान भी आदर के साथ इनको देखते है और पढ़ते है।

पुराणों का हमारे जीवन में एक महत्वपूर्ण स्थान हैं। पुराणो को पढ़कर हम अपने जीवन को अपने भविष्य को सार्थक बना सकते है। जिस प्रकार एक गुरु शिष्य के जीवन को सार्थक बना देते है ठीक उसी प्रकार हम पुराणों को पढ़कर अपने जीवन के भविष्य को सार्थक बना सकते हैं।

"न भारत विकीर्यताम्"

मनीषा
बी.ए. तृतीय वर्ष

राष्ट्र एकता न खण्डिता विधीयताम्
न भारत विकीर्यताम् सखे
एहि–एहि सत्वरं भारतीयचत्वर
जाति वर्ण भेद भावना न धीयताम्
न भारत विकीर्यताम्

राष्ट्र की एकता को खण्डित मत करों अर्थात् इसे मत बेचो, हे मित्र, भारत को विकृत मत करों जाति, वर्ण, भेद की भावना को अपने मन में मत लाओ। तुम भारत की एकता को खण्डित मत करों।

भारत की विशालता एवं स्थिरता का चित्रण करते हुए कहते हैं कि उत्तर से हिमालय जैसा नागधिराज स्थित है। यह कश्मीर से कन्याकुमारी तक फैला है, वह कश्मीर है। जो मस्तक के समान ऊंचा है इस विशालता और अखण्डता को मत विखरने दो, अर्थात् हे मित्र ! भारत को मत बेचों।

धर्मधारणे सुखाय सर्ववर्गपोषणाम्
भारतीयतैव सर्वतोडगाहपताम्
न भारतं विकीर्यताम् सखे

हमारा देश पहले से हो धर्मप्रधान देश है। इसमें सभी धर्मो को समान अधिकार है। हमारी भारतीय संस्कृति सर्वश्रेष्ठ है जिसमें जाति, वर्गो के पोषण का समान भाव रहा है। अर्थात्, धर्म को धारण करने वाले सभी वर्गों के लिए भारतीयता का ही सब प्रकार से अवगाहन कीजिए। हे मित्र भारत की एकता को खण्डित मत करो अर्थात् इसे मत बेचों।

राष्ट्रमेदमर्दनेन सर्वसौख्यवर्धनेन
विश्वन्धुता सुसडग्ता महीयता
न भारत विशीर्यताम् सखे

विश्वन्धुता की भावना को देखते हुए कवि कहते है कि हमें राष्ट्र मे भेदभावना को मिटाकर रहना चाहिए, सभी सुख, सुविधाऐं को प्राप्त कर भाई चारे को भावना को श्रेष्ठ बनाना होगा, इसका सभी अनुसरण करेंगे तभी हमारा देश आगे बढ़ेगा। भारत की एकता, को खण्डित मत करों अर्थात् भारत को मत बेचों।

स्वध्वज त्रिवर्णक्रम तत्सैमकचक्रकम्
वर्णमेलनाय सादरं विलोक्यताम्
न भारतं विकीर्यताम् सखे–

राष्टध्वज के सम्मान के लिए निर्देश

चक्र के समान इस तीन रंगो के झण्डे को वर्ण को मिलाने के लिए आदर पूर्ण देखे भारत को विकृत मत करों अर्थात इसे मत बचों ।

वित्तहीनुरक्षणेन तत्तु जातिमन्त्ररेण
यौग्यतैव केवल सदा समीहतां
न भारतं विकीर्यताम् सखे

जाति पाति से दूर रहकर सुख समृद्ध सन्देश

हम जाति पाति से दूर रहकर ही या हटकर ही, धनहीन की रक्षा करने में योग्यता की पहचान करो अर्थात– यदि कोई व्यक्ति धन से हीन है उसकी योग्यता को देखकर उसकी रक्षा करों। हे मित्र! भारत को विकृत मत करों अर्थात् भारत की एकता को मत विकृत करों इसे मत बेचो

"भारत देश हमेशा से धर्म, वर्ण, वर्ग विभाजन से दूर रहा है। इसे सभी संस्कृतियों में समान स्थल माना गया है। हमें इस भारत की रक्षा करनी चाहिए।

अन्ततः न भारतं विकीर्यताम्' इससे हमें यह ज्ञात होता है कि हमें अपने देश की रक्षा करनी चाहिए। हमें समस्त भारतवासियों का जाग्रत, करना होगा। हमें अपने अन्दर से अहं, जाति, वर्ण भेद की भावना को नष्ट करना होगा।

भारत को सोने की चिड़िया कहा जाता है भारत देश हमेशा से धर्म, वर्ण, वर्ग से दूर रहा है, हे मित्र। तुम अलग–अलग प्रान्तों की मांग मत करो, ऐसा करने से आपका भविष्य नष्ट होगा यदि राष्ट्र को अलग–अलग स्थिति में देखोगे तो उसका परिणाम होगा–जिस प्रकार पवित्र गंगा को छोड़कर कुँआ खोदने से जल सीमित ही रह जाती है इसलिए गंगा को छोड़कर कुए से सन्तुष्ट मत

भारतीय संस्कृतिः-प्राचीन संस्कृति

—महक कुमारी
बी०ए० द्वितीय सेमेस्टर

पूरे विश्व में भारत एक मात्र ऐसा देश है, जहाँ अलग अलग धर्म, जाति, पंथ, संस्कृति और परंपराओं के लोग मिल जुल कर शांति से रहते है। इसलिए भारत की अनेकता में एकता का देश कहा जाता है। भारतीय संस्कृति विश्व की सबसे प्राचीन संस्कृतियों में से एक है या भारतीय संस्कृति ही सर्वप्राचीन संस्कृति है। सम्मान, मानवता, प्रेम, परोपकार, भाईचारा, भलाई, धर्म आदि हमारी संस्कृति की मुख्य विशेषताएँ है। आज हर देश आधुनिकता की दौड़ अपनी संस्कृति को छोड़ रहा है, लेकिन हम भारतवासियों को अपनी संस्कृति पर विशेष ध्यान देना चाहिए. क्योंकि यदि हमें अपने राष्ट्र को अच्छा एवं सुदृढ़ बनाना तो हमें अपनी संस्कृति को विशेष ध्यान में रखना चाहिए। क्योंकि भूमि जन और संस्कृति से ही एक राष्ट्र का निर्माण होता है। आइये! मैं आपको बताती हूँ कि संस्कृति का अर्थ क्या है?एवं भारतीय संस्कृति की प्रमुख विशेषताएं क्या है?

हमारे भारत के प्राचीन ग्रंथों में संस्कृति का अर्थ संस्कार बताया गया है हमारे भारत देश में भारतीय संस्कृति के अन्तर्गत **१६ सोलह संस्कारों** का वर्णन मिलता है यथा **गर्भाधान, पुंसवन, सीमन्तोन्नयन, जातकर्म, नामकरण, निष्क्रमण, अन्नप्राशन, चूडाकर्म, विधारंभ, कर्णवेध (कान छिदवाना), यज्ञोपवीत/उपनयन वेदारंभ, केशान्त, समावर्तन, विवाह/ पारिग्रहण तथा अन्त्येष्टि या अंतिम संस्कार** ये हमारे 16 संस्कारों का क्रम है। **'मनुस्मृति'** में भी इन षोडश संस्कारों का वर्णन मिलता इसके अतिरिक्त चारों वर्णों, चारों आश्रमों तथा सृष्टि उत्पत्ति के अतिरिक्त राज्य की व्यवस्था आदि उन सभी विषयों पर परामर्श दिया गया है, यह सब धर्म व्यवस्था वेद पर आधारित है। कहा जाता है कि **कौटिल्य** ने विनय शब्द के अर्थ में संस्कृति शब्द का उपयोग किया था। हमारे भारत में चार वेद है **ऋग्वेद. यजुर्वेद, सामवेद और अथर्ववेद** । यजुर्वेद में **'संस्कृति** शब्द को **'सृष्टि'** कहा गया है। हमारे यहां वेदों को **'अपौरुषेय'** भी कहा जाता है क्योंकि ये स्वयं ईश्वरकृत माने गये है। हमारे वेदों में माता में देवत्व का दर्शन करने को कहा गया है। पिता, आचार्य एवं अतिथि में भी देवत्व का दर्शन करने को कहते है ।

मातृ देवो भवा।
पितृ देवो भव ।,
आचार्य देवो भव ।
अतिथि देवो भव ।।

हमारी भारतीय संस्कृति के अंतर्गत सर्वकल्याण की भावना एवं कामना को ही सुविचार माना जाता है यहां पूरे विश्व को एक परिवार का सम्मान दिया जाता है। **वसुधा इव कटुम्बकम्** का नारा हम भारतीय लगाते है। हमारे यहां भारतीय संस्कृति के अंतर्गत यह वाक्य अत्यंत प्रचलित है—

अयं निजः परोवेति गणना लघुचेतसाम् ।
उदारचरितानां तु वसुधैव कटुम्बकम् ॥

अर्थात् यह मेरा है, यह मेरा नहीं है, यह अपना है, यह पराया है इस तरीके की बाते छोटे लोग किया करते है किंतु जो लोग महान होते है जो उदार है जो उदार चरित वाले है, वे संपूर्ण वसुधा को ही अपना कुटुम्ब (परिवार) मानते है। हमारी भारतीय संस्कृति में ईश्वर के प्रति श्रद्धा, आस्था एवं विश्वास को माना जाता है, इस संदर्भ में हम प्रभु से भी यही प्रार्थना करते है कि

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे संतु निरामया।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चित् दुःख भाग्भवेत् ॥

जिसका अर्थ है सभी सुखी रहें, सभी निरोगी रहें सभी कल्याण कारी बातों को 'पश्यंतु अर्थात् देखें। किसी को कोई दुःख न हो।

हमारे भारत की संस्कृति हमें इसी तरह की शिक्षा देती है यही हमारी व वास्तविक शिक्षा है हमारे यहाँ उच्च स्तर की शिक्षा रही है तभी तो हमारे भारत की नारियाँ झांसी की रानी जैसी, जीजाबाई, अहिल्याबाई. जो उचित न्याय के लिए अपने बेटे को भी अपना बेटा नहीं समझा। ऐसी तमाम गाथाओं से हमारा भारतीय इतिहास भरा पड़ा है। हमारी संस्कृति में विद्यार्थीयों को पढ़ाया गया है ।

विद्या ददाति विनयं विनयाद्याति पात्रताम् ।
पात्रत्वाद धनमाप्नोति धनात् धर्मः च ततः सुखम ॥

अर्थात् विद्या हमें विनय देती है विनय (विनम्रता) से पात्रता (उत्तम पात्र) तथा पात्रता से धन, धन से धर्म तथा धर्म से सुख की प्राप्ति होती है। हमारे यहां भारतीय शास्त्रीय संगीत भी अत्यंत प्रचलित है।

अब आपको भी अपने भारत एवं भारतीय संस्कृति पर गर्व होना चाहिए।

जयतु संस्कृतम् जयतु भारतम।

वाराणसी

–प्रगति रानी
बी०ए० तृतीय सेमिस्टर

वाराणसी सुविख्याता प्राचीना नगरी, इयं विमलसलिलतर ङ्गायाः गङ्गायाः कुले स्थिता। अस्याः घट्टानां वल्याकृतिः पंक्तिः धवलायां चन्द्रिकायां बहु राजते। अगणिताः पर्यटकाः सुदूरेभ्यः देशैभ्यः नित्यम् अत्र आयान्ति, अस्याः घट्टानाञ्च शोभां विलोक्य इम् प्रशंसन्ति ।

वाराणस्यां प्राचीनकालादेव गेहे गेहे विद्यायाः दिव्यं ज्योति घोतते। अधुनाअपि अत्र संस्कृत वाग्धारा सततै प्रवहित जनानां ज्ञानञ्च बर्द्धयति । अत्र अनेके आचार्याः मूर्धन्याः विद्वांस वैदिक वाङ्मयस्य अध्ययन अध्यापने च इदानी निरताः।

न केवलं भारतीयाः अपितु वैदेशिका– गीर्वाणवाण्याः अध्ययनाय अत्र आगच्छन्ति निः शुल्कं च विद्यां गृहह्णन्ति। अत्र हिन्दू विश्वविद्यालयः, संस्कृत विश्वविद्यालयः काशी विद्यापीठम् इत्येते त्रय विश्व विद्यालयाः सन्ति, येषु नवीनानी प्राचीनानाञ्चं ज्ञानविज्ञान विषयाणाम् अध्ययन प्रचलितः।

एषा नगरी भारतीय संस्कृतेः संस्कृतीभाषायाश्च केन्द्रस्थलम् अस्ति। इत एव संस्कृतवाऽमयस्य संस्कृतेश्च आलोंकः सर्वत्र प्रसृतः।

मुगल युवराजः दाराशिकोहः अत्रागत्य भारतीय–दर्शन–शास्त्राणाम् अध्ययनम् अकरोत् । स तेषां ज्ञानेन तथा प्रभावितः अभवत यत् तेन उपनिषदाम् अनुवादः पारसी भाषायी कारितः ।

इयं नगरी विविधधर्माणी संगमस्थली, महात्मा बुद्धः, तीर्थङ्करः, पार्श्वनाथः, शंङ्कराचार्यः, कबीरः, गोस्वामी तुलसीदासः, अन्ये च बहवः महात्मानः अत्रागत्य स्वीयान् विचारान प्रसारयन् । न केवल दर्शने, साहित्य, धर्म, अपितु कलाक्षेत्रेऽपि इयं नगरी विविधानां कलाना, शिल्पानाञ्च कृते लोके विश्रुता। अत्रत्याः कौशेयशाटिका देशे देवो सर्वत्र स्पृहान्ते।

अत्रत्याः प्रस्तरमूर्तयः प्रथिता। इयं निजां प्राचीन परम्पराम् इदानीमपि परिपालयति – तथैव गीयते कविभिः–

"मङ्गल मरणं यत्र विभूतिर्यत्र भूषणम्।
कौपीन यंत्र कौशेयं काशी केनोपमायते। "

नारी शिक्षा

दिव्या ठाकुर
बी.ए. तृतीय सेमेस्टर

अस्माकं समाजेः न केवल पुरुषाणां, किन्तु नारीणामपि अस्ति। सुसंस्कृते समाजे पुरुषाणां शिक्षा आवश्यकी अस्ति तथा स्त्रीणामपि। स्त्रीणाम् समाजे स्थान समानरूपेणास्ति। समाजरूप द्वे चक्रे स्तः। यथा एकेन चक्रेण रथस्य गतिः असंभवा, तथा जीवनस्य गति नारिणा बिना असंभव अशिक्षिता नारी संसाररथ कथं चालयति। अतः स्त्रीशिक्षा अतिवावश्यकी

नास्ति विद्यासमो बन्धुर्नास्ति
विद्यासमः सुहत्
नास्ति विद्यासमं वित्तं नास्ति
विद्यासमः सुखम्।।

प्राचीनकाले स्त्रीशिक्षा अनिवार्या आसीत्। वैदिककाले नार्यः अधिकशिक्षिताः आसन्। गार्गी, मैत्रेयी आधाः विदुष्यः वेदशास्त्रार्थ निपुणाः आसन्। कालिदासस्य पत्नी विद्योत्तमा महती विदुषी आसीत्।

आधुनिक काले स्त्रियः शिक्षण मनिवार्यम्। यदि माता सुशिक्षिता भवेत तर्हि सा स्वपुत्राणां पालनं, शिक्षणम च सुचारू रूपेण कुर्तुं शक्नोति। यदि सा अशिक्षिता, तर्हि तस्याः सन्तानमपि विद्याहीना, संस्कारहीना–च भविष्यति शिक्षिता नारी अधिकयोग्यता गृहकार्यसंचालने समर्था भवति। अद्य एकमपि क्षेत्रं नास्ति, यत्र नार्याः प्रभाव नास्ति विद्यालयेषु, महाविद्यालयेषु, कार्यालयेषु, सर्वत्र नार्यः कार्यरताः सन्ति नगरपालिकासु, विधानसभासु, लोकसभासु अपि सदस्याः सन्ति, ताः सुचारू रूपेण कार्य कुवन्ति च श्रीमति इन्दिरा गाँधी महोदया अपि अस्माकं देशस्य प्रधानमंत्रीपदम् अलंकृता। श्रीमति सोनिया गाँधी महोदया राजनीत्यां कार्यरता अस्ति। कुलयस्य तथा समाजस्य उन्नत्यर्थ स्त्रीशिक्षा खलु। यतः शिक्षिताः नारी न केवलं स्वजीवनं सफलीकरोति किन्तु सा परिवारस्य राष्ट्रस्यापि अभ्युदयं, करोति। सुशिक्षिता नारी सर्वत्र पूज्यते। गृहस्थ स्थस्य नर–नारी रूपं चक्रद्वयम्। रथस्य संचालने द्वयोरपि समान; सहयोगः वर्तते। एकस्य अपि अभावेन रथः चलिंतु न शक्नोति गृहस्थ रथस्य द्वयोः चक्रयोः कृते शिक्षारूप तैलस्य परमावश्यकता भवितं। यस्मिन् कुटुम्बे नार्यः शिक्षितः न भवति तस्मिन कुटुम्बें प्रतिदिनम् एवं कलहादि भवति। येन तस्य कुटुम्बस्य उन्नतिः कथमपि भवितु न शक्याः। सुशिक्षिता स्त्री सगृहिणी सत्कर्म परायणा च भवितुमर्हति। स्त्री एवं मातृपद गौरवं प्राप्नोति शिशुः पालन शिक्षादानञ्च मातृकर्तव्ये भवतः। यदि माता स्वंय न शिक्षिता स्यात् तदा सा स्वशिशवे शिक्षादानं कद्य करष्यिति। तस्मात् स्त्रीणां कृते शिक्षायाः परमावश्यकता वर्तते। शिक्षा अज्ञानरूपं अंधकारं **नश्यति। अतएव उक्तं**

कन्या ऽप्येवं लालनीया
शिक्षणीया प्रयत्नतः

प्राचीन समये भारतवर्षे स्त्रीशिक्षायाः महान प्रचार आसीत्। उषा, मैत्री प्रभृतीनां नारीणां चरित्राणी तासाम् उच्चशिक्षां कथयन्ति। स्वतंत्र भारते नारी शिक्षायाः महती समुन्नतिः दृश्यते। पश्यन्तु भवन्तः? हिन्दी साहित्य क्षेत्रे ज्ञानपीठ पुरुस्कारेण सम्मानित महादेवी वर्मा को न जानाति। महादेवी वर्मा स्वज्ञान गरिम्णा संपूर्ण स्त्री जाति गौरवान्वितं अकरोत्। देशस्य, समाजस्य च समुन्नत्यै स्त्रीशिक्षा परमावश्यकी वर्तते। स्त्रियः मातृशक्तेः प्रतीक भूतः भवन्ति अतः तासाम् सदा सम्मान; कर्तव्यः यस्मिन। यस्मिन समाजे स्त्रीणाम् आदरो भवति सः समाजः उन्नतिम् प्राप्नोति। शिक्षण तावत् सर्वेषां मानवनां मूलभूतः अधिकारं पुरूषा यथा उन्नताध्ययनं कुर्वन्ति, तथैव महिलाः अपि अध्येतु अर्हन्तिं प्राचीनकाले अपि स्त्रियः विशेषाध्यायनं कुर्वन्ति स्म। वेदकाले 'गार्गी वाचक्नवी' इत्याधाः स्त्रियः स्वेषां ज्ञानवैभवेन विद्वत्सभासु विराजन्ते स्म। एतत् सर्वपि शिक्षणस्यैव प्रभावः सुशिक्षिता स्त्री अन्यान् अपि शिक्षणार्थ प्रेरयति। कालान्तरे बैदेशिकैः अस्माकं देशः आक्रान्तः। तदा स्त्रीणां शिक्षणं स्थ–गितप्राय सञ्जातम्। आधुनिक सर्वत्र महिलानां शिक्षणोत्साहं पश्यामः विभिन्न क्षेत्रेषु अपि सा स्वसामर्थ्यं प्रदर्शयति। सा विमानचालने, धूरा कट चालने, आरक्ष– कक्षेत्रे, तन्त्रज्ञाने अपि पदं स्थापितवती। सर्वकारो ऽपि महिलाभ्याः निशुल्क विद्याभ्यासः, उद्योगा वकोश आरक्षणम् इत्यादिरूपेण प्रोत्साहं ददाति मन्ना उक्तम्

यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः
यत्रैतास्तु न पूज्यन्ते सर्वाः तत्राफलाः क्रियाः

महाकवि बाणभट्ट

—नेहा यादव
बी.ए., द्वितीय सेमेस्टर

शायद ही कोई ऐसा साहित्यज्ञ हो जिसने महाकवि बाण का नाम न सुना हो, वह तो गद्य साहित्य के सम्राट हैं। महाकवि बाणभट्ट की एक अपनी विशिष्ट शैली है, वर्णन विधान है, जिसने उन्हें उच्चतर शिखर पर पहुँचा दिया।

उनके प्रशंसकों ने उन्हें **'तुरग बाण'** की उपाधि से विभूषित किया, वाणी का अवतार कहा, कविता कानन का सिंह बताया, ऐसी ही यह भी एक प्रशंसात्मक उक्ति विषय में कही जाती है—

'वाणोच्छिष्टं जगत्सर्वम्' (सारा संसार ही बाण की जूठन है।) इसका अभिप्राय यह है कि जो काव्य जगत् है, साहित्य है, वह सारा ही बाण ने अपनी काव्य कला के उत्कर्ष से निकृष्ट बना दिया है। मेरे विचार से बाण के विषय में कही गयी यह उक्ति उनकी काव्य निपुणता को देखकर ही कही गयी हो। जो कि एकदम सत्य है।

बाणभट्ट का जन्म चंद्रह मध्यप्रदेश में हुआ था। वाणभट्ट के पिता का नाम **"चित्रभानु"** और माता का नाम **"राजदेवी"** था। बाणभट्ट के दो भाई थे—चित्रसेन और मित्रसेन और इनकी बहन का नाम मालती था। बचपन में ही इनकी माता जी का देहांत हो गया था। इसके बाद इनके पिता ने ही इनका पालन—पोषण किया था। जब यह 14 वर्ष के थे तभी इनके पिता का भी स्वर्गवास हो गया था। पिता मृत्यु के बाद बाणभट्ट अपने मित्रों के साथ देश भ्रमण करने निकल पड़े। इस दौरान गुरुकुलों तथा राजदरबारों में भी गए। इसके बाद विद्वानों के सानिध्य में विद्वता ग्रहण कर अपने वंश के अनुरूप गंभीर स्वभाव वाला होकर अपनी जन्मभूमि लौट आए थे। बाद में बाणभट्ट सम्राट हर्षवर्धन का आश्रय ग्रहण कर उनका दरबारी कवि हो गए थे।

बाणभट्ट की अनुपम गद्य शैली

बाणभट्ट की अपनी विशिष्ट शैली है, वर्णन विधान है। उन्होंने स्वयं अपने कवि— कर्म के विषय में कहा है—

नवोऽयजातिरमाम्याश्ले षोऽ क्लिष्टः स्फुटो रमः।
विकटाक्षरबन्धश्च कृतस्नमेकत्र दुर्लभम्।

अर्थात् नवीन अर्थ की उद्भावना, सुरुचिपूर्ण स्वाभावोक्ति, अक्लिष्ट श्लेष स्फुट प्रतीयमान रस तथा विकट अमरबंध, ये सारी चीजें एक स्थान पर मिलना दुर्लभ है।

उस समय की. लेखन विद्या की चारों शैलियों में हमें उनकी रचनाएँ प्राप्त होती हैं। यथा—

चूर्णक शैली:— जहाँ भाषा अल्प समास वाली होती है, वहाँ चूर्णक शैली कही जाती है।

"मध्ये च तस्य शबर सैन्यस्य, प्रथमे वयसि वर्तमानम् अतिकर्कशत्वादाया शबरसेनापतिमपश्यम् ।"

उत्कलिकाप्राय शैली :— जहाँ समस्त पदों की दीर्घावली उपस्थित होती है, वहाँ उत्कलिकाप्राय शैली कही जाती है। यथा —

क्वचित् प्रलयवेले व
महावराहर्दृष्ट्रासमुत्खाधरणिमण्डला

आविद्ध शैली :— यह समास रहित शैली होती हैं। यथा व लक्ष्मी का वर्णन करते हुए महाकवि बाण कहते हैं—

"न परिचय रक्षित। नाभिजनमीक्षाते। न रूपमालोकयते। न कुलम् अनुवर्तते। न शीलं पश्यति। न वैदग्ध्यं गणयति। न श्रुतम् आकर्णयति।"

वृत्तिगन्धि शैली :— यह कथानक को गति देने में सहायक होती है। जैसे महाश्वेता के द्वारा निज— वृत्तान्त वर्णन के प्रसंग में—**"दक्षस्य प्रजापतेः अतिप्रभूतानां कन्यकानां मध्ये द्वे सुते मुनिः एकैव सुता समुत्पन्ना ।"**

साहित्य में स्थान— गद्य के क्षेत्र में महाकवि बाण सर्वातिशायी हैं मुक्तकण्ठ से अनेक समालोचकों ने इनकी प्रशंसा की है। यद्यपि पाश्चात्य आलोचकों ने उनके गद्य को भयावह जंगल की उपाधि दी है, परंतु यह तो आलोचक की अनभिज्ञता का परिचायक है। धर्मदास किस विलक्षण कल्पना से उनकी प्रशंसा करते हैं, एक झलक देखिए—

रुचिर स्वरवर्णपढ़ा रसभाववती जगन्मनो हरति।
सा किं तरुणी? नहि नहि वाणी वाणस्य मधुरशीलस्य।।

"रुचिर स्वर, वर्ण तथा पदों से सुशोभित, रस और भावों से विभूषित वह संसार के मन को आकर्षित करती है। क्या तुम किसी तरुणी की बात कर रहे हो? नहीं, मैं तो बाण की सरस मधुर वाणी के संबंध में कह रहा हूँ।" आचार्य गोवर्धन का कहना है कि **"जैसे पूर्व समय में अधिक चातुर्य प्राप्त करने के लिए शिखण्डिनी शिखण्डी बन गयी, उसी प्रकार पुरुष रूप में अधिक चमत्का पाने की अभिलाषा से वाणी (सरस्वती। ने बाण का अवतार लिया।"**

"ज्ञाता शिखण्डिनी प्राक् यथा शिखण्डी तथाडवगच्छामि।
प्रागल्भ्यमधिकमाप्तुं वाणी बाणो बभूव है।

इस प्रकार उपर्युक्त विश्लेषण से स्पष्ट प्रतिभासित हो जाता है कि महाकवि बाणभट्ट थे, उत्कृष्ट काव्यकार थे उनकी प्रतिभा अपूर्व थी इसी कारण अनेक पश्चावर्ती कवियों, समालोचकों ने भूरि—भूरि उनकी प्रशंसा की है।

भाषासु मुख्य संस्कृत भाषाया:

—लवली यादव
बी0ए0 द्वितीय सेमेस्टर

संस्कृत — भाषा अस्माकं देशस्य प्राचीनतमा भाषा अस्ति। प्राचीन काले सर्व एव भारतीयाः संस्कृतभाषाया एव व्यवहारं कुर्वन्ति स्म। कालान्तर विविधाः प्रान्तीयाः भाषाः प्रचलिताः अभवन्, किन्तु संस्कृतस्य महत्वम् अद्यापि अक्षुण्णं वर्तते। सर्वे प्राचीनग्रन्थाः चत्वारो वेदाश्च संस्कृतभाषायामेव सन्ति। संस्कृतभाषा भारतराष्ट्रस्य एकतायाः आधारः अस्ति। संस्कृतभाषायाः यत्स्वरूपम् अद्य प्राप्यते, तदेव अधवः सहस्त्र– वर्षपूर्वम् अपि आसीत् संस्कृतभाषायाः स्वरूपः पूर्णरूपेण वैज्ञानिक अस्ति अस्यव्याकरणं पूर्णतः तर्कसम्मत सुनिश्चित च अस्ति ।

आचार्य — दण्डिना सम्यगेवोक्तम्।

"भाषासु मुख्या मधुरा दिव्या र्गीवाणभारती।"

अधुनाऽपि सङ्गणकस्य कृते संस्कृतभाषा अति उपयुक्ता अस्ति संस्कृतभाषैव भारतस्य प्राणभूताभाषा अस्ति राष्ट्रस्य ऐक्यं च साधयति। भारतीय– गौरवस्य रक्षणाय एतस्याः प्रसारः सवैरेव कर्त्तव्यः अतएव उच्चते—सांस्कृतिकः संस्कृताश्रिता। धन्योऽयम् भारतदेशः यत्र सम्मुलर्सात जनमानसपावनी, भव्यभावोदभाविनी शब्द सन्दोह प्रसविनी सुरभारती। विद्यमानेषु निखेलेष्वपि वाङ्मयेषु अस्याः वाङ्मयम सर्वश्रेष्ठं, सुसपत्रं च वर्तते। इयमेव भाषा संस्कृत नाम्नापि लोके प्रथिता अस्ति असमाकं रामायण– महाभारतधैति– हासिक ग्रन्था चत्वारोवेदाः, सर्वा उपनिषदः अष्टादशः पुराणन, अन्यानि च महाकाव्य नाटूयादीनि अस्यामेव भाषायं लिखितानि सन्ति। इयमेव भाषा सर्वासामार्य भाषाणां जननीति मन्यते भाषातत्वविदि्भः। संस्कृतस्य गौरवमेव दृष्टिपध्मानीय सम्यगुक्त च न कस्यापि दृष्टेविषयः।

संस्कृतस्य गौरमेव दृष्टिपथमानीय सम्यगुक्त– आचार्य प्रवरेण दण्डिना–

संस्कृत नाम देवी वागन्वाख्याता महर्षिभिः।

संस्कृत, साहित्य, सरस, व्याकरणञ्च सुनिश्चितम् तस्य नाम गद्ये च लालित्य, भावबोधसामर्त्यम, अद्वितीय श्रुतिमाधुर्यञ् वर्तते। किं बहुना चरित्रनिर्माणार्थ यादृशी सत्प्रेरणा संस्कृतवाङ्मयं ददाति न तादृशीम किञ्चिदन्यत्। मूलभूताना मानवीयगुणानां यादृशी विवेचना संस्कृतसाहित्ये वर्तते नान्यत्र तादृशी दया, दान, शौचम्, औदार्यम्, अनसूया, क्षमा, अन्ये वानेके गुणाः अस्य साहित्स्य अनुशीलनेन सञ्जायन्ते। संस्कृतसाहित्यस्य आदिकविः वाल्मीकिः महार्षि व्यासः कविकुलगुरू कालिदास अन्ये च भास भारवि भवभूतयाद महाकवयः स्वकीय ग्रन्थरत्नै अद्यापि पाठकानां हृदि विराजन्ते। इयं भाषा अस्माभिः मातृसमं सम्मानीया वन्दनीया च यतो भारतमातुः स्वातन्त्र्यं गौरवम् अंखण तत्व सांस्कृतिकमेकत्वञ्च संस्कृतनैव सुरक्षितुं शक्यन्ते। इयं संस्कृतभाषा सर्वासु भाषासु प्राचीनतमा श्रेष्ठाचास्ति । ततः सुष्ठक्तम् "भाषासु मुख्या मधुरा दिव्या गीर्वाणभारती" इति संस्कृत भाषा विश्वस्य सर्वासु भाषासु प्राचीनतमा भाषा अस्ति **राह संघर्ष की जो चलता है वो ही संसार को बदलता है जिसने रातो से है जंग जीती सुबह बनकर वही सूर्य चमकता है।**

यत् सारभूतं तदुपासितव्यं,
'हसो यथा' क्षीरिमिवाम्ग्रमध्याम्।।
उद्यमने हि सिध्यन्ति कार्याणि न मनोरथैः।
न हो सुप्तस्य सिंहस्य प्रविशन्ति मुखे मृगाः ॥

व्याकरणसम्बन्धिदोशरहिता व्यवस्थितक्रिया–कारकसमन्वित या भाषा सा संस्कृतभाषा कथ्यते। सम्प्रति अस्माकं देशे अनेकाः भाषाः प्रचलिताः सन्ति । यथा – हिन्दी –बंगाली मराठी–गुजराती–उड़िया–आसामी–प्रभृत्यः। सर्वासां भाषाणां जननी संस्कृतभाषा एवं अस्ति। संस्कृतभाषाया एव एतासां भाषाणाम् उत्पत्तिः।

अस्माकं भारतीयानां समस्तं साहित्यमपि संस्कृतभाषायामेव वर्तते। अस्माकं सर्वप्राचीन ग्रन्थाश्चत्वारो वेदाः, उपवेदाः, वेदाङ्गानि, दर्शनशास्त्राणि, धर्मशास्त्रय अर्थशास्त्रम् कामशास्त्रम्, पुराणानि, उपपुराणानि, काव्यम् नाटकोत्यादि समग्रमीप विशाल ज्ञानविज्ञानवैभवं संस्कृतभाषायामैव निबद्धं वर्तते। वाहारसाहित्या तिरिक्त जैनधर्मस्य, बौद्धधर्मस्य च महत्वपूर्णाः ग्रन्थाः संस्कृतभाषायामेव लिखिताः सन्ति।

भारतस्य सम्पूर्ण इतिहासः संस्कृतभाषायामेव निवद्धो वर्तते। देवासुराणाम् अख्यानाम्, अवताराणां कथाः, महापुरुषाणां चरित्राणि, राजनैतिका वृत्तान्ताः, वंशोपवंशानां विस्तृतं वर्णन भारतीयानां विदेशेषु रामनं, स्वसंस्कृतेः प्राचार– श्रेति सर्वमपि भारतीयमितिवृत्तं संस्कृतस्यैव रामायण महाभारतपुराणप्रभृतिषु ग्रन्थेषु समुल्लिखितं वर्तते। महर्षिवाल्मीकि विरचितस्य रामारणयस्य द्वैपायन वेदव्यासविरचि तस्य महाभारतस्य च लोकोत्तरं महत्वं वर्तते संसार साहित्ये च संस्कृतम् ऋते भारतीयेतिवृत्तपरिज्ञानाय न अन्यः कोऽपि पन्था विद्यते।

एवस भारतीयाना धर्मः, संस्कृति, सभ्यता, इतिहासः, सदाचारदीनां विषयानां कला, ज्ञानम, रीतिः, नी, किमपि ज्ञानं संस्कृत विना नैव भवति अनेनैस कारणेन भारतीय जनतायाः कृते संस्कृतशिक्षाया महती आवश्यकता वर्तते यतः भारतस्य प्राणभूते द्वे विद्यते संस्कृतम्, संस्कृतिस्था" इति।

यस्य संस्कृतस्य ज्ञानं न भवति, तस्य भारतीयताया किमाति ज्ञान नैव भविष्यति भारतराष्ट्रस्य विभित्रप्रदेशेषु

सांस्कृतिकदृष्टया ऐक्यसंरक्षणाय संस्कृतस्य महती आवश्यक वर्तते।

कालिदासः अश्रवघोष, भवभूतिः, भासः, माघः, धन्वन्तरिप्रभृत्यो महाकवयः संस्कृतभाषायामेव ग्रन्थान निर्माय धन्याः सञ्जाताः संसारसाहित्य अभिज्ञानशाकुन्तल मेघदूतमकाव्यानी महत्वं श्रीमद्धभगवद्गीतावद् वर्तते यद्यपीय संस्कृतभाषां पूर्व विदेशीयैः उपेक्षिता, परमधुना स्वतन्त्रतायां प्राप्तायां सर्वेऽपि भारतीयाः अस्याः भाषाया उपयोगित्वं महत्वच अङ्गीकुर्वन्ति, भारतस्य कृते इंद शोभनं वर्तते यो राष्ट्रः– स्वीकस्य साहित्य स्वकीययाः संस्कृतेः च संरक्षण संवर्द्धन च जैव करोति, सः राष्ट्र कदापि समुन्नति कुर्तु न शक्नोति अनया दृष्टया सर्वे भारतराष्ट्रस्य कर्णधाराः सर्वे भारतीयाक्ष संस्कृतभाषायाः महत्त्वम् उपयोगित्वञ्चाविस्मृत्य प्रचाराय च प्रयत्न कुर्वन्तु, इमां संस्कृतभाषां राष्ट्रभाषापदे संस्थापयन्तु च ।

नान्यभाषासु यच्छोभनं वाङ्मयं नैव वर्द्धिष्णुता
नेष्टकार्या ईता सर्वकाय – क्षमं सर्वसिद्धयाखितो
राष्ट्रभाषापदे संस्कृत योज्यताम् ।।
वाणी रसवती यस्य, यस्य क्षमवती क्रिया।
लक्ष्मीः दानवती यस्य, सफलं तस्य जीवितं ।।

प्रदोषे दीपकः चन्द्रः प्रभाते दीपकः रविः।
त्रैलोक्ये दीपकः धर्मः, सुपुत्रः कुलदीपकः ॥

योग भारतवर्ष की देन

–दिव्या ठाकुर
बी.ए. तृतिय सेमेस्टर

योग भारतवर्ष की देन है। जो प्रमाण इसकी उत्पत्ति के विषय में प्राप्त हुए हैं, उनके अनुसार योग का इतिहास सिन्धु घाटी की सभ्यता के साथ जुड़ा है, जो लगभग 3000 ई. पू. मानी जाती है। वेदो उपनिवदों, रामायण तथा महाभारत में योग क्रियाओं का वर्णन उपलब्ध होता है। सर्वप्रथम योग दर्शन के प्रेणता पतञ्जलि ने योग सूत्रों में योग का शास्त्रीय वर्णन किया है जो लगभग 147 ई.पू. में लिखा गया है। योग शब्द संस्कृत भाषा की युजू धातु में घञ् प्रत्यय लगाकर बना है, जिसका अर्थ है– जुड़ना या मिलना । व्यक्ति की आत्मा का परमात्मा से मिलना ही योग है मानव के शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक तथा आध्यात्मिक पहलुओं का एकीकरण ही योग है पतञ्जलि के **अनुसार योगः चित्तवृतिः, निरोधः'** अर्थात चित्तवृत्तियो के नियंत्रण को योग कहते हैं।

भगवद्गीता के अनुसार **'योग कमसु कौशलम्'** है। भारती कृष्णतीर्थ के अनुसार भगवान् से व्यक्ति की एकता की योग है। जीव का मन रजोगुण के अधिक्य से युक्त है अतः जो दीपक की लौ के समान है जो वायु प्रवाह के कारण अति चलायमान होती है। जब मन चलायमान होगा, तब लक्ष्य का स्पष्ट अवलोकन संभव नहीं। जैसे जल तंरग के कारण वस्तु का स्पष्ट दर्शन नही होता है जब वायु का तीव्र प्रवाह रुक जाता है तब दीपक की लौ रूप में स्थिर हो जाती है तब वस्तु का यथारूप दृष्टिगत होता है ठीक उसी प्रकार स्थिर मन में जीवन का चरम लक्ष्य स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। इसलिए मन को स्थिर करने में योग की महती उपादेयता है। अगर शान्ति चाहिए तो जिसका एकमात्र साधन योग है। चित्त की शुद्धता और पवित्रता के महत्त्व को बनाए रखने के लिए क्रिया के योग दर्शन में योग क्रिया के लिए आठ साधन बताये हैं, जिन्हें **'अष्टांग मार्ग'** के नाम से जानते हैं। ये निम्न हैं– **यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान, समाधि**।

यम– यम पॉच हैं सत्य, अहिंसा, अस्तेय, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह। पाँच यमों का पालन करने वाला व्यक्ति नैतिकता के दायरे में रहकर ही कार्य करता है तथा अपनी इन्द्रियों को शनैः शनैः भौतिकता से हटाना सिखाता है और होता है उन्नयन मार्ग पर अग्रसर होता है।

नियम– इसका संबंध भी शरीर और इन्द्रियों से है और इसका पालन करते वह स्वतः ही नैतिकता, स्वाध्याय और ईश्वर प्रणिधान है।

आसन – आसन शरीर में जमाव के वसा अनुचित जमाव को कम करने तथा शरीर की सुंदरता को बढ़ाते हैं।

प्राणायाम– यह श्वसन क्रिया का नियंत्रक होता है। रेचक, पूरक और कुंभक पर नियंत्रण ही प्राणायाम है। उज्जयी, सूर्यभेदी, शीतकारी, शीतली, भस्त्रिका, भ्रामरी, मूछि प्लाविन यह चयापचय है क्रियाओं में सहायता करता है तथा जीवन को दीर्घायु भी बनाता है।

प्रत्याहार – इसमें व्यक्ति अपनी इंद्रियों पर नियंत्रण करने योग्य हो जाता है। वास्तव में मस्तिष्क व इन्द्रियों को अन्तर्मुखी करना ही प्रत्याहार कहलाता है।

धारणा– मस्तिष्क की एकाग्रता ही ध्यान होता है। बिखरे हुए मस्तिष्क को नियंत्रण में लाया जाए व एक फोकस बिंदु माथे के केंद्र में या नाभि में या कुछ दूरी हो पर एक नुकीली शांतिदायक प्रकाश करता है।

समाधि– व्यक्ति की आत्मा का परमात्वा से मिलन ही समाधि है। मस्तिष्क के सभी आवेगों को रोकना या विनाश करना ही योग की समाधि है।

ध्यान– ध्यान प्रत्येक पल हमारे जीवन से जुड़ा रहता है बिना किसी समय के विषयान्तर के एक समय के दौरान मस्तिष्क की पूर्ण एकाग्रता ही ध्यान कहलाती है।

योग का लक्ष्य शरीर तथा मन के विकारों को दूर करना, बुद्धि का विकास और संयमित क्रियाओं द्वारा आत्मज्ञान आदि की प्राप्ति से अधिभौतिकता, आधिदैविक तथा आध्यात्मिक तीनों दुःखों से छुटकारा संभव है। मनुष्य अपने दैनिक कार्यों में फँसकर अपने जीवन का लक्ष्य भूल जाता है इसलिए योगशास्त्र ने उन साधनों एवं उपायों का आविष्कार किया है। शरीर का स्वस्थ होना ज़रूरी है। इस सबके लिए मनुष्य को योग की उपादेयता है। योग ही एकमात्र मनुष्य ऐसी संपूर्ण पद्धति है जो मनुष्य को शारीरिक, मानसिक बौद्धिक आदि से शक्तिशाली बनाती है। अपने नाम को सार्थक सिद्ध मात्र करता हुआ योग मानव मात्र के जीवन का अभिन्न अंग बन गया है और यही इसका महत्त्व है और यही इसकी उपादेयता है बाबा रामदेव ने सही कहा कि–

" जो रोज करेगा योग,
उसे कभी न होगा कोई रोग।"

संस्कृत की दृष्टि से कम्प्यूटर की उपयोगिता

–प्रगति रानी
बी.ए. (द्वितीय सैमेस्टर)

भाषा वह साधन है जिससे मनुष्य परस्पर विचारों का आदान–प्रदान करता है। संस्कृत विश्व की सबसे प्राचीन भाषा है, ।

संसार में बोली जाने वाली 97% भाषाओं के शब्द संस्कृत से लिए गए हैं अथवा किसी–न– किसी रूप में संस्कृत से प्रभावित हैं।

इसीलिए संस्कृत भाषा को समस्त भाषाओं की 'जननी' कहा जाता है।

यद्यपि संस्कृत भाषा का आजकल पर्याप्त मात्रा में प्रचार व प्रसार नहीं हो रहा है तथापि कम्प्यूटर के लिए जिस भाषा का प्रयोग लैटिन, अंग्रेजी आदि का प्रयोग किया जा रहा हैं, उनके शब्दों के स्त्रोत संस्कृत भाषा में ही विद्यमान है।

" भूमेः गरीयसी माता, स्वर्गात्
उच्चतरः पिता ।
जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गात् अपि
गरीयसी ।।"

कम्प्यूटर में गणितीय समस्याओं के समाधान के लिए संस्कृत भाषा का ही प्रयोग किया गया है। विश्व की समस्त भाषाओं के शब्दकोशों में संस्कृत भाषा का शब्दकोश सबसे अधिक विशाल है।

संस्कृत शब्दकोश में एक सौ दो अरब, अठहत्तर करोड़, पचास लाख से अधिक शब्द हैं (102,78, 50,000,00)। इस विशाल शब्दकोश से न जाने किस–किस भाषा में कौन – कौन से शब्द होंगे। इतने अधिक शब्दों से सम्पन्न संस्कृत भाषा में अपने मंतव्य को प्रस्तुत करने के लिए कम–से–कम शब्दों का प्रयोग किया जाता है अर्थात् कम शब्दों के प्रयोग द्वारा वक्ता अपने मन्तव्य को प्रस्तुत कर सकता है।

इस प्रकार की विशेषताओं को अपने आँचल में समेटे हुए संस्कृत भाषा कम्प्यूटर यन्त्र के लिए सर्वाधिक उपयुक्त है, संस्कृत की महिमा को, गरिमा को सभी देशों ने स्वीकार किया। न केवल कम्प्यूटर के लिए, संस्कृत भाषा व्यक्ति के लिए भी लाभप्रद है. क्योंकि इस भाषा के उच्चारण से दिमाग की नसें मजबूत होती हैं तथा स्मरण शक्ति में वृद्धि होती है। विश्व के सत्तर देशों के विश्व–विद्यालयों में संस्कृत पढ़ने–पढ़ाने की व्यवस्था है। कम्प्यूटर के लिए इसकी उपयोगिता का विचार कर जर्मनी और ब्रिटेन में संस्कृत भाषा को अनिवार्य भाषा के रूप में पढ़ाया जाता है।
जर्मनी में सत्रह संस्कृत विश्वविद्यालय हैं।

इसकी महत्ता को हम भारतवासियों को भी मानना व सहर्ष स्वीकार करना ही होगा, तभी हम प्रत्येक क्षेत्र में, चाहे वह कम्प्यूटर ही क्यों न हो, हमें, बरकरार रखनी होगी।

संस्कृत भाषा उत्पत्ति, उच्चारण दोनों ही दृष्टि से शिरोमणि है।

कम्प्यूटर वैज्ञानिकों का परम कर्तव्य है कि वे संस्कृत भाषा को कम्प्यूटर के उपयुक्त बनाकर, प्रयोग में लाकर इसके गौरव व गरिमा को सुरक्षित रखें तथा इसका अधिकाधिक प्रयोग करें।

वर्तमान समय में संस्कृत देवनागरी लिपि में लिखी जाती है।

संस्कृत को कम्प्यूटर के उपयुक्त बनाने की दिशा में कार्य करने की आवश्यकता है। अगर एक बार इसे कम्प्यूटर उपयोगी बना लिया जाए तब इसके, वाक्यों में भावाभिव्यक्ति अधिक आसान हो जायेगी।

भारतीयों को संस्कृत भाषा के उपयुक्त कम्प्यूटर को निर्देश देने की दिशा में कार्य करने की बहुत आवश्यकता है।

आजादी का अमृत महोत्सव एवं महिलाएँ

डा0 मंजू सारस्वत
सेवा निवृत प्राचार्या – टीकाराम कन्या महाविद्यालय अलीगढ़

इस वर्ष हम भारत वर्ष की आजादी के 75 वें वर्ष में प्रवेश कर चुके है और आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे है। हम सभी महिलाऐं इस वर्ष एक आदिवासी महिला का देश के सर्वोच्च राष्ट्रपति पद पर आसीन होना एक महत्वपूर्ण, गौरवशाली अमृत महोत्सव मानते है। वर्तमान समय में महिलाओं की रचनात्मकता, स्वावलंबन की प्रेरणा, और स्वावलंबन का गुण समाज में परिवर्तन ला रहा है। मेरे विचार से प्रत्येक महिला में जहाँ एक ओर दुर्गा का रूप होता है वहीं दूसरी ओर पार्वती भी होती है। आज के युग में जब देश और समाज का स्वरूप पूर्णतः बदल चुका है तब महिलाओं की सर्वप्रथम आवश्यकता है उचित शिक्षा और कौशल की। प्रत्येक स्तर पर, प्रत्येक जाति की बच्चियों को शिक्षा देना आवाश्यक है। मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, महिला सामर्थ्य योजना जैसी राजकीय योजनाओं का प्रत्येक वर्ग की महिलाओं तक पहुँचना एवं उनका क्रियान्वन करना आवश्यक है देश के महिला कल्याण विभाग को केवल योजना बनाना ही नही, जन जन तक उन्हें पहुँचाना एवं क्रियान्वन करना भी आवश्यक है। महिला कल्याण हेतु आज आवश्यक है कि हम अपनी सोच को बदलें और समय के साथ चलें। साथ ही अपने संस्कार का भी पालन करें। अपनी अगली पीढ़ी को संस्कार देने और समझाने का काम भी एक माँ का ही होता है परन्तु सामाजिक व्यवस्था के अंतर्गत हर पुरुष की सोच को बदलना भी आवश्यक है। स्त्री और पुरुष एक गाडी के दो पहिये होते है और गाडी के गौरव पूर्ण सफर के लिये, दोनों का प्रेम, सहयोग, विचार और कर्म आवश्यक है। मेरे विचार से किसी भी लडकी को आज जूडो कराटे की शिक्षा बचपन से अनिवार्य होनी चाहिये, जिससे उसमें आत्म विश्वास बढ़े। वह अपनी सुरक्षा स्वयं कर सके, भले बुरे को पहचान सके। बाहर रह कर नौकरी करने वाली लडकियाँ माता–पिता, समाज एवं स्वंय के लिये अपना मनोबल जीवित रख सकें। आत्म विश्वास और स्वावलम्बन की आज की स्त्री को बहुत आवश्यकता है।

महिला उद्यमिता में समानता और अर्थ व्यवस्था दोनों ही जरूरी है। 13 से 15 फरवरी को महिला सशक्तीकरण के विषय में आगरा में हुई जी–20 की बैठक में 145 देशों की प्रतिनिधियों ने भाग लिया था। इसमे महिला शिक्षा में विशेष तकनीक का समावेश, महिला नेतृत्व की भूमिका, सामाजिक और आर्थिक, महिला उधमिता, नये आयाम आदि विषयों को शामिल किया गया। सफलता एक दिन में नहीं मिलती सतत प्रयास से मिलती है। सरकार की निपुण भारत मिशन योजना के अंतर्गत अलीगढ़ के ही महुआखेडा विद्यालय की शिक्षिका चैताली वार्ष्णेय ने जो गणित पढ़ाने का नवाचार किया है उसकी चर्चा पूरे प्रदेश में है। अलीगढ़ में फरवरी माह मे हुये महिला मातृशक्ति सम्मेलन ने हमे गर्वित किया है। अंत में मेरा यह मानना है कि अलीगढ़ की मातृशक्ति को सर्वोच्च करने का श्रेय 1957 में बालिका विद्यालय की स्थापना करने वाले लाला टीकाराम जी का है और उसे स्र्वोच्च करने वाली उनकी पीढ़ियों का है। आज मैं डा. (श्रीमती) विजय गुप्ता जी को याद करते हुये सबको अपनी श्रंद्वाजली अर्पण करती हूँ।

जय भारत जय नारी शक्ति

दिव्यता के अंकुर

–राव फरीदा शाहीन
एम०ए० द्वितीय सैमेस्टर (चित्रकला)

मूल्य झूठे नहीं होते
उन्हें झुठला दिया जाता है।

संसार बुरा नहीं होता
बुरा बना दिया जाता है

हम रंगते हैं तस्वीरें
जीवन के चित्र की

स्वार्थ की कूंची से
ढूंढते हैं तस्वीरे

अपने स्थावित्व की
निज के स्वामित्व की

पाप–पुण्य की परिभाषा
नित्य गढ़ी जाती है।

सुविधानुसार
सजाई मढ़ी जाती है।

वासना के जंगलों में
कौन जाने

दिव्यता के अंकुर कब फूटेगें
सपनों के कारागृह से कब छूटेंगे

स्वास्थ्य ही जीवन है

—वंशिका सिंह
बी0ए0 प्रथम सेमेस्टर

स्वास्थ्य आजकल के वर्तमान समय में एक महत्वपूर्ण विषय है, क्योंकि वर्तमान समय में कोई न कोई व्यक्ति किसी न बीमारी से पीड़ित है, स्वास्थ्य का विषय हम विद्यार्थियों के लिए भी बहुत जरूरी है, क्योंकि अगर हम अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखेंगे तो हम अपनी पढ़ाई में, पहले से ज्यादा केन्द्रित हो सकते हैं। और हमारे सीखने की क्षमता भी बेहतर होगी, वर्तमान समय में हम संस्कृत, भोजन, जंक खाना खाना, बाजार में मिलने वाले कंपनियों द्वारा निर्मित शीत पेय, डिब्बा बंद भोजन, तला–भुना खाना भौतिकता की निशानी समझते हैं। परन्तु हमें ये ज्ञात नहीं है कि जो भोजन, हम स्वाद के लिए खा रहे हैं वह भोजन हमारे स्वास्थ्य के लिए कितना कितना खतरनाक है। डिब्बा बंद खाना, जंक खाने से मोटापा ही नहीं बढ़ता बल्कि अन्य घातक बीमारियाँ–अवसाद, थकावट, एकाग्रता में कमी होती है जबकि एकाग्रता हम विद्यार्थियों के लिए बहुत जरूरी है। जंक खाना खाने से मधुमेह, यहाँ, तक की लीवर भी प्रवाहित होता है। आजकल लोग व्यस्त जीवन के चलते नींद नहीं लेते हैं, लेकिन कम नींद लेने के कारण अपने कार्य को हम अच्छे से नहीं कर सकते हैं। नींद न लेने से तनाव, गुस्सा, यहाँ तक कि महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर का खतरा भी उत्पन्न होता है।

हम अपने स्वास्थ्य का ध्यान कैसे रख सकते हैं

1– सुबह जल्दी उठने की आदत डालें।

अगर, आप देर तक सोने वालों में से है, तो आपको जल्दी उठने की आदत डाल लेनी चाहिए। सुबह जल्दी उठने से हम अपने लिए ज्यादा वक्त निकाल सकते हैं, अगर हम जल्दी उठते हैं तो हम सारा दिन तरोताजा व सकारात्मक महसूस करते हैं।

2– **सुबह व्यायाम करें:**

जल्दी उठकर व्यायाम योग, ध्यान, सुबह रस्सी कूदना, या कोई भी, शारीरिक गतिविधि कर सकते हैं। सुबह, कोई भी शारीरिक गतिविधि करने से शरीर, ऊर्जावान रहता है, तथा थकावट नहीं होती, तथा हमारा ध्यान बढ़ता है।

3– **ज्यादा–से जयादा पानी पिएँ**– सुबह दिन की शुरुआत सुबह उठने के बाद प्रथम, कार्य हमें गुनगुना पानी पीना चाहिए जिसमें हम शहद भी मिला सकते हैं या नींबू,या आंवला का जूस भी मिला सकते हैं। जिससे वजन घटाने मे सहायता होती है, शरीर से विषाक्त पदार्थ दूर होते है जिससे, हमारी त्वचा की चमक भी बढ़ती है। दिन में हमें 8–9 गिलास पानी पीना चाहिए।

4– **सुबह की शुरुआत चाय से न करे**– सुबह सुबह खाली पेट, चाय, पीने से हमारी पाचन, क्रिया कमजोर होती है तथा अम्लता, बढ़ती है। सुबह, दिन की शुरुआत चाय से न करके, कोई भी सब्जी के जूस से कर सकते हैं सुबह प्राथ खाली पेट कोई भी सब्जी का जूस पी सकते हैं जैसेः लौकी का जूस, पालक का जूस, चुकन्दर का जूस गाजर का जूस कोई भी रसीली सब्जी का जूस, जिससे, होने वाले फायदों के बारे में जानकर आप हैरान हो जायेंगे खाली पेट जूस पीने से वजन घटता है, रक्त चाप नियंत्रित रहता है, कब्ज से राहत मिलती है, शरीर, से विषाक्त पदार्थ निकलते हैं। आपको जूस निकालने के लिए, किसी महँगी भी सब्जी की जरूरत नहीं है किसी भी, स्थानीय,सब्जी का जूस निकाल सकते हैं जो रसीला हो।

5– **तला–डिब्बा खाएँ बन्द न खाए**– अपने खाने में ज्यादा–से ज्यादा हरी सब्जियाँ, दालें, सलाद, दूध से निर्मित उत्पाद शामिल करें, सलाद रात्रि के भोजन में न खाए सलाद दोपहर के खाने में खाना खाने से आधा घण्टे पहले, खाएँ। तला– भूना खाए क्योंकि इससे हमारे शरीर को आवश्यक पोषक तत्व नहीं, मिल पाते। रात्रि का खाना सूर्यास्त से पहले ही, करें तो पाचन होगां सूर्य ढलने के बाद, पचाने, की क्षमता कमजोर होती जाती है।

6– **सुबह की धूप भी है जरूरीः**– रोज सुबह की हल्की धूप में 15–20 मिनट बैठने से शरीर में विटामिन डी की कमी नहीं होती तथा शरीर की त्वचा का भी परिसंचरण होता है।

7– **तनाव मुक्त रहें**– हमे तनाव मुक्त रहने का प्रयास करना चाहिए। अपने आप को तनावमुक्त रखने के लिए हर

सम्भव प्रयास करने, चाहिए। क्योंकि तनावमुक्त रहने से, हम अपने कार्यों को अच्छे से कर सकते है। तनाव मुक्त रहने के लिए कुछ अच्छी, प्रेरणादायक किताबें पढ़े, प्रकृति के सम्पर्क में रहन का प्रयास करे। योग करें ध्यान करें, टहल सकते हैं, साइकिल चला सकते हैं जो, भी आपकी रुचि हो वह कार्य थोड़े। समय के लिए प्रतिदिन अवश्य करें।

8– **अपने कार्यों की योजना बनाएँ** – सुबह उठने के बाद, या सोने से आधा घण्टा पहले अपने अगले दिन, या सुबह उठने के बाद, उसी दिन की योजना बनाएँ कि आज, हमें क्या क्या कार्य करने हैं?, कितने बजे खाना है, कितने बजे सोना है, जिससे आप अपना समय व्यर्थ के कार्यों में बर्बाद नहीं कर पायेंगे? तथा हम तनावमुक्त भी रह सकेंगे।

9– **उपवास** – उपवास यानि, फास्टिंग हमें प्रतिदिन रात्रि भोजन से लेकर सुबह के नाश्ते में 16 घण्टों का अन्तर होना चाहिए मतलब हम दिनभर में कुछ, न कुछ कुछ खाते रहते हैं जिससे हमारे शरीर को अपनी अन्दर से सफाई करने का समय ही नही मिलता तथा बस, पूरे दिन अपनी सारी, ऊर्जा खाने को पचाने में, ही लगा देता है। उपवास के फायदे के बारे में आधुनिक विज्ञान, भी, सिद्ध कर चुका है, कि उपवास करने से हमारे अंदर जमी गंदगी अवशिष्ट पदार्थों के माध्यम से बाहर निकालती है जिससे हमारी त्वचा साफ, होती है, पाचन क्रिया सुधरती है, वजन घटता है, 16 घण्टों के बीच आप कोई भी सब्जी का जूस पी सकते हैं. जैसे:, पालक का, गाजर, का, या अन्य सब्जियों जूस आपके शरीर में एक नई ऊर्जा उत्पन्न, करेंगे या आप नींबू पानी भी पी सकते हैं। अगर आप 16 घण्टे उपवास नहीं कर सकते तो 12 घण्टे करिए। लेकिन ध्यान, रहे उपवास बीच कुछ खाना नहीं है।

10– **पर्याप्त नींद लें**. पूरे दिन की थकावट को निकालने का एकमात्र तरीका 7–8 घण्टों की, पर्याप्त नींद, अगर आप पर्याप्त नींद लेते हैं तो आप अपने शरीर में ऊर्जा का अनुभव करेंगे।, तथा अपने कार्यो को भी ठीक प्रकार से कर पायेंगे।

यादों की स्क्रीन से

सुश्री जगवती
असिस्टेंट प्रोफेसर
हिन्दी विभाग

बदली बदली दुनिया
बदले हुए लोग
बदले सम्बन्धों के अर्थ
जब .....बदले अहसासों के छोर
याद है मुझे

जब वजती थी डाकिये की साईकिल की ट्रिन– ट्रिन
यादों की स्क्रीन पर
अपनों की लिस्ट एक्सप्रेस की दौड़ जाती थी और...
जो कहा कि... बेटा तुम्हारा नहीं है

तो भोला मन कहता अंकल फिर से देखो
होगा होगा...शायद दिखा नहीं आपको
मुस्कुराहट डाकिये की
हमारी मासूमियत को
जवाब देती थी
ऐसे ही
स्कूल से लौटते हुए बहुत दूर से जब पैदल
आना हुआ एक रोज
बोला खाली रिक्शा जाता देख
स्कूल बस नहीं आई ।...
यूँ ही भोलेपन से फिर कहा
अंकल... बिठा लो हमें प्लीज.
हलकी सी आवाज सुन... आओ बेटा ।
ये ही कहीं... धीमी सी बात को...
सुन... थोड़ी दूरी में ही...
संबंधों का एक नया रंग जिया करते थे
न जाने ...न जाने कैसी थी
दुनिया कैसे थे लोग...कैसे थे संबंधों के छोर।

आत्मविश्वास में बल

- कमलारानी शर्मा
B.Ed Ist your

आत्मविश्वासी एवं आत्मविश्वास से रहित मनुष्य में धरती और आकाश का अन्तर है। आत्मविश्वास से रहित व्यक्ति का जीवन निरन्तर पराजय की ओर गिरता रहता है जबकि आत्मविश्वासी. अग्रसर होता रहता है। जो भी महान कार्य किये हैं सब विश्वास के बल पर ही हुए है जिन लोगो को अपनी शक्तियों पर विश्वास नही होता वे कभी महान कार्य नही कर सकते हैं इसी प्रकार निराशापूर्ण व्यक्ति भी किसी कार्य में सफल नही हो सकता। जब मन में ही सफलता की जड़ न जमा हो सके तो संसार की कोई भी शक्ति सफलता पाने सहायता नही कर सकती। अधूरे आत्मविश्वास के कारण ही मनुष्य अपने जीवन को नष्ट कर डालता है। ऐसे दो प्रतिशत ही मनुष्य होगें जो वास्तव मे अपने गौरव एवं अपनी योग्यता पर विश्वास करते हैं।

आत्मविश्वासी व्यक्ति इतिहास मे अमर हो जाते है उन्हें निश्चय था कि उनके स्वप्न अवश्य ही पूर्ण होगें वे आत्मविश्वास के बल पर निरन्तर आगे बढ़ते चले गये और अन्त में लक्ष्य पर पहुँच भी गये। इसी प्रकार ज्ञानी आत्मा भी अपने आत्मविश्वास के बल पर भी ही आगे बढ़कर अन्तिम लक्ष्य (मुक्ति, जीवन, मुक्ति, नर से नारायण, नारी से लक्ष्मी पर) पहुँच कर दम लेते हैं। जिन्हे यह मालूम होता है कि हमें कहाँ तक पहुँचना है। उनके लिए संसार अपने आप रास्ते छोड़ देता है जैसा आपका विश्वास होगा वैसा ही उल्लास पूर्वक बनाईये फिर कौन सा काम है जिसकी ओर सफलतापूर्वक पग बढ़ाना आपके लिए कठिन है। जीवन नष्ट भ्रष्ट करने वाली बाते हैं संशय और आत्मविश्वास का अभाव कहीं मैं असफल न हो जाऊँ यह संशय मन से बाहर निकाल दीजिए और आशा व विश्वास का जीवन जीना आरम्भ कीजिये! जीवन का विष क्या है– डर, निराशा और सन्देह। जीवन का अमृत क्या है उत्साह, शक्ति और आत्मविश्वास और ईश्वरीय विश्वास संसार के गौरवमय अंश है जीवन में असाधारण परिवर्तन इन्हीं के आधार पर होता है।

आत्मविश्वास एक ऐसी चीज है जो हमको खुद पर भरोसा करने की भावना प्रदान करता है परिणामस्वरूप जिससे आपका मन और खुश रहता है। आत्म विश्वास के साथ कोई भी जीवन में कुछ भी हासिल कर सकता है, यह आपकी शाक्ति और उन चीजों को करने की क्षमता बढ़ाता है जो आपको भयभीत कर सकते हैं और आपको निराश कर सकते हैं आत्मविश्वास ऐसा गुण एक है जो भीतर से आता है, यह आपकी आन्तरिक आवाज और आपके अपने बारे में आपके विचार का प्रतिबिंब है।

जीवन में सफलता के लिए आत्मविश्वास उतना ही आवश्यक है, जितना मानव के लिए ऑक्सीजन तथा मछली के लिए पानी। बिना आत्मविश्वास के व्यक्ति सफलता की डगर पर कदम बढ़ा ही नहीं सकता। आत्मविश्वास वह ऊर्जा है, जो सफलता की राह मे आने वाली अड़चनों, कठिनाइयो एवं परेशानियों से मुकाबला करने के लिए व्यक्ति को साहस प्रदान करती हैं।

कविता

- मनतशा फातिमा
B.Ed. I st Year

ये आसमां छिन गया तो क्या?
नया ढूंढ लेंगे, हम वो परिंदे नहीं जो
उड़ना छोड़ देगे ।
मत पूछ हौसले हमारे आज कितने विश्रब्ध हैं
एक नई शुरुआत, नया आरंभ तय है...
माना अभी हम निः शब्द है ॥

ये पारावर छूट गया. तो क्या नया सागर ढूंढ लेंगे,
हम वो कश्तियाँ नहीं जो तैरना छोड़ देंगे ।।
कदम चलते रहेंगे.... जब तक श्वास है।
परिस्थिति से परे स्वयं पर हमें विश्वास है
एक रास्ता मिला नहीं तो क्या,
नई राहें ढूंढ लेंगे, हम
वो मुसाफिर नही जो चलना छोड़ देंगे।।
ख्वाबों को महकता रखते हैं,
हम मंजिलों से राब्ता रखते हैं।
नशा हमें हमारी फितरत का, हर हार करती है बुलंद .
इरादा जीत का ।
ये मुकाम नही हासिल तो क्या ?
नए ठिकाने ढूंढ़ लेंगे, हम वो शय नहीं जो
अपनी तलाश छोड़ देंगे।।

सफलता

—नेहा बानो
एम.ए. पूर्वार्द्ध (चित्रकला)

मेहनत किए बिना कामयाबी के बारे मे सोचना ठीक वैसा ही है जैसे — गिलास में रखे पानी के लिए ये सोचना कि पानी खुद मुँह में आ जाएगा और हमारी प्यास बुझ जायेगी, जबकि ऐसा है नही खुद कोशिश करनी चाहिए वरना प्यासे ही रह जाएँगें।

कई बार मैंने लोगो को यह कहते देखा है कि है उसका नसीब कितना अच्छा है उसको नौकरी यूँ ही मिल गई, लेकिन लोगों को उस इंसान की कामयाबी के पीछे की जद्दोजहद और कड़ी मेहनत दिखाई नही देती. यह सच है कि जिसका नसीब अच्छा होता है कामयावी उसे ही मिलती हैं लेकिन यह अधूरा सच है क्योकि नसीब भी उसी का साथ देता है जिसने पूरी लगन व मेहनत से कोशिश की हो। माना कुछ चीजें विरासत में मिल जाती है, लेकिन हमें अपनी अलग पहचान बनाने के लिए अपना लक्ष्य बनाकर कड़ी मेहनत करनी पड़ती है मेहनत से सब कुछ संभव हैं, बैठे—बैठे ख्याली पुलाव पकाने से कुछ नही होता है सफलता पाने के लिए हमें आलस छोड़कर कठिन परिश्रम करना पड़ता है। ज्यादातर लोग कामयाब व्यक्ति को देखकर यह सोचने लगते हैं कि काश हम भी इनकी तरह बन जाए। आप भी वैसे ही सफल हो उसके लिये जरूरी है आप अपना लक्ष्य बनाए, कि आपको करना क्या है उसके बाद सही योजना बनाएँ यदि आपने सही योजना के अनुसार और अपने पूरे मन व लगन के साथ मेहनत की है. तो ऐसा हो ही नहीं सकता कि आप अपने लक्ष्य में सफल न हो।

एक बात हमेशा याद रखना — कि मेहनत व लगन के बिना कामयाबी का कोई और रास्ता नही है, न ही कभी था और न ही कभी होगा। सफलता पाने के लिए आपको खुद ही कोशिश करनी पड़ेगी कोई और आपके लिए प्रयास नही करेगा। आप स्व अवलोकन करे तो शायद आप जान पायेंगे आपकी ताकत और कमजोरियाँ क्या हैं। ऐसा करने से आपको मालूम होगा कि सफलता पाने के लिए जिन चीजों को आप बाहर ढूंढ़ रहे हो वे आपके भीतर ही है फिर आप जैसा बनना चाहोगे वैसा बन सकते हो आपको कोई रोक नही पाएगा।

सोचा मैंने लिख डालू

- राधा कुमारी
B.A IInd year IVth Semester

श्री टीकाराम कन्या महाविद्यालय में
छप रही पत्रिका मिला मुझे समाचार,
सोचा मैंने लिख डालू मैं भी आर्टिकल दो चार ।
कोई कहानी कोई कविता या कोई चुटकुले बाजी।
पर कुछ भी लिखने को न हुयी कलम मेरी राजी।
सुई से लेकर हाथी तक हर टॉपिक पर मैंने सोचा।
यहाँ तक कि रात को जागकर बालों को अपने नोंचा।
मेरे दिमाग के तोतो ने ली धीरे से फिर अँगड़ाई
किसी तरह सुबह होने तक, मेरी यह कविता लिख पायी,।
कुछ ज्यादा ही टूटी—फूटी भी, इस कविता की भाषा
पढे इसे सभी छात्र ऐसी है, मेरी आशा।

कहानी

चिड़िया और बाज़

डा0 मंजू सारस्वत
सेवा निवृत प्राचार्या

छत की बालकनी में खड़ी मीनाक्षी प्रातः के उगते सूर्य की ओर निहार रही थी। आकाश में फैलती लालिमा के आकर्षण में बंधी वह खोने लगी थी कि तभी एक चिडिया के आक्रांत चिल्लाने की आवाज से वह चौंक उठी। छोटी सी चिडिया डर से चिल्लाती हुई उड रही थी, भाग रही थी, और उसके पीछे दौड़ रहा था एक सफेद रंग का बाज, जो अपनी लम्बी चौंच खोले उसे खाने के लिये फड़फड़ा रहा था और देखते ही देखते वह छोटी सी चिडिया उसके जबड़े में समा गयी और खो बैठी अपना आस्तित्व, समाप्त हो गया उसका जीवन, मीनाक्षी की रूह काँप गयी, अतीत उसको डराने लगा, अपनी प्यारी सी दोस्त प्रज्ञा चिड़िया बनकर उसकी आँखों में समाने लगी और वह मूर्ति बनी उसकी यादों में खो गयीं। वह और प्रज्ञा, पहली कक्षा से एक साथ पढ़े थे, लड़े थे, और उन्होने अपने सुख दुख बाँटें थे। जब वे दोनों इंटरमीडिएट की छात्रा थी, तब माता पिता ने उनको मोबाइल भी दिये थे। वह बी०एस०सी० करने हेतु अलीगढ़ के प्रसिद्ध टीका राम कन्या महाविद्यालय के कमला नेहरू छात्रवास में आ गयी थी और प्रज्ञा बी0ए0 करने देहली के एक प्रसिद्ध कॉलेज में चली गयी थी। वहाँ पी०जी० में रहने लगी थी। परन्तु उसकी और प्रज्ञा की प्रतिदिन शाम को रोज बातें होती थीं और वे दोनो सहेलियाँ अपनी हर बात एक दूसरे से शेयर करती थी, हँसती थी, बाते करती थी, लड़ती थी, और प्यार की बातें भी करती थीं।

एक दिन प्रज्ञा ने उसे बताया कि उसके मोबाइल के फेस बुक पर पवन नाम के एक छात्र की फ्रेंडस रिक्वेस्ट बार बार आ रही है, बहुत प्यारा सा है और देहली के ही कॉलेज में पढता है। मीनाक्षी ने उसे समझाया, मना किया लेकिन प्रज्ञा तो उसके सुन्दर और प्यारे चेहरे की दीवानी हो गयी थी। ना मानी और धीरे धीरे उसकी पक्की वाली दोस्त बन गयी, मोबाइल पर रात दिन बात करती, फोटो शेयर करती, चैट करती। फिर एक दिन गजब हो गया, उसके मोबाइल पर कुछ वीडियो आये, जो अश्लील थे। वे वीडियो उसके और पवन के थे। वह काँप गयी, थोड़ी देर बाद पवन ने उसे चाँदनी चौक के एक कैफे में बुलाया, वह गयी, वहाँ उसने पवन के और अपने बहुत अधिक विडियो उसके मोबाइल में देखे। वह रोने लगी तो पवन ने उसे प्यार से दुलारा और कहा कि उसके साथ न्याय होगा । वह उसके साथ लिव इन में रहने लगेगा और शादी करेगा। प्रज्ञा और पवन लिव इन में रहने लगे। परन्तु प्रज्ञा ने यह घर पर नहीं बताया, और मीनाक्षी के मना करने पर भी वह नहीं मानी। लेकिन एक दिन फोन पर प्रज्ञा रो रही थी. उसने रोते–2 मीनाक्षी को बताया कि पवन का असली नाम अशरफ है और वह बुलन्दशहर का रहने वाला मुस्लिम है और मोटर मैकेनिक का कोर्स कर रहा है। परन्तु अब देर हो चुकी थी अतः वह कुछ नही कर सकती, ऐसे ही रहना होगा, और उसने अपने घरवालों को छात्रावास छोड़ कर सहेली के साथ रहने की सूचना दे दी है। समय गुजरता गया परन्तु पिछले माह से प्रज्ञा का फोन न आने से मीनाक्षी की बैचेनी बढ़ गयी थी। उसने प्रज्ञा के माता पिता को पूरी बात बता कर सूचित किया, पहले तो उसकी माँ बहुत नाराज हुई, रोयी और फिर उसके पिता ने अलीगढ़ व दिल्ली पुलिस में रिपोर्ट लिखायी। फिर पुलिस की जाँच में तो जैसे बम फट गया, बाज चिड़िया को निगल गया था। अशरफ ने कबूला कि घर खर्च के झगड़े से परेशान होकर उसने एक दिन प्रज्ञा की गरदन दबा दी फिर आरी से उसके टुकड़े–2 करके उसके माँस को प्रतिदिन थोड़ा–2 करके जंगल में फेंक दिया। आज अशरफ जेल मे है, जंगल मे प्रज्ञा के माँस के टुकड़े खोजे जा रहे है, देश के अखबार भरे पड़े हैं, सिर पर हाथ रखे मीनाक्षी हत–बुद्धि होकर सोच रही है, शिक्षा के साथ इन चिड़ियों को बाज से सतर्क रहने और सावधान रहने की शिक्षा भी देने की आवश्यकता है तभी चिडिया स्वतंत्रता से अपनी उडान पूरी कर सकेंगी।

परोपकार

—प्रगति रानी
बी०ए० (प्रथम सेमेस्टर)

'वृक्ष कबहु नहीं फल भखै, नदी न संचै नीर। परमारथ के कारने, साधुन धरा सरीर।।''

जिस प्रकार वृक्ष अपने फल स्वयं नहीं खाते और नदियाँ अपने जल को संचित नहीं करती, ठीक इसी प्रकार सत्पुरूष भी दूसरों के हित के लिए ही अपना शरीर धारण करते हैं।

प्रकृति हमें परोपकार की शिक्षा देती है। सूर्य हमें प्रकाश देता है, चन्द्रमा अपनी चाँदनी से शीतलता प्रदान करता है, वायु निरंतर गति से बहती हुई हमें जीवन देती हैं।

प्रकृति से परोपकार की शिक्षा ग्रहण कर हमें भी परोपकार की भावना को अपनाना चाहिए।

हमारे इतिहासों एवं पुराणों में ऐसे अनेक उदाहरण हैं जिनको पढ़ने से ज्ञात होता है कि परोपकार के लिए महान व्यक्तियों ने अपने शरीर को त्याग दिया।

प्राचीन समय की बात है एक बार वृत्रासुर नामक राक्षस का अत्याचार बहुत बढ़ गया था। चारों ओर त्राहिं —त्राहिं मच गई थी। उस राक्षस का वध दधीचि ऋषि की अस्थियों से निर्मित वज्र से ही हो सकता था, तब देवराज इन्द्र दधीचि की सेवा में उपस्थित हुए और उनसे उनकी अस्थियो के लिए याचना की। महर्षि दधीचि ने प्राणायाम के द्वारा अपना शरीर त्याग दिया और इन्द्र ने उनकी अस्थियो से वृत्रासुर का वध किया।

ऐसी अनेक महान विभूतियाँ हुई हैं जिन्होंने जन—कल्याण के लिए अपने प्राणों का बलिदान कर दिया।

परोपकार में ही **'सर्वभूत हिते रतः'** की भावना विद्यमान है। संसार के कितने ही महान कार्य परोपकार की भावना के फलस्वरूप सम्पन्न हुए हैं।

महान देशभक्तों ने परोपकार की भावना प्रेरित होकर ही अपने प्राणों की बलि दे दी। उनके हृदय में देशवासियों के कल्याण कामना ही निहित थी।

**"परहित बस जिनके मन माही।
तिन्ह कहँ जग दुर्लभ नाही।।''**

अर्थात् जिनके हृदय में परहित की भावना है, वे संसार में सब कुछ कर सकते हैं।

**''यही पशु वृत्ति है कि आप ही चरे।
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।।''**

अर्थात् अकेले ही भाँति—भाँति के भोजन करना, आनन्दमय रहना यह तो पशु प्रवृत्ति है। मनुष्य तो वही है, जो मानव कल्याण हेतु अपना सब कुछ न्योछावर करने के लिए तैयार रहे।

"यही मानव होने का परम कर्म और धर्म है।"

मंज़िल के निशान

—अनुरक्ति

जब तुम पोथी बाँच रहे थे
मैं देख रही थी— खिड़की से बाहर
गुलमोहर के फूल,
उषा की गुलाल से नहाये पक्षी,
और कभी—कभी तारे भी,

तुमने उपनिषद् पढ़े और कहा—
चरैवेति चरैवेति ।
सारनाथ से आकर तुम बोले—
अप्प दीपो भव ।
मैं देख रही थी— मुसाफिर,
सुंदर कपड़े पहने, गहनों से सजे,
भद्दे! कुरूप !
शायद उन्हें अपने कपड़े धोने थे अभी,
कुछ थे — बिना कपड़ों के
खूबसूरत! बेहद खूबसूरत !

देखती रही, सुनती रही, चलती रही,
मिलते रहे मंज़िल के निशान,
पर कभी बाँच नहीं पाई पोथी,
न पढ़ पाई कुरान,
न कर पाईं कभी प्राणायाम,
न किसी बोधि के नीचे
कभी लगा पाई ध्यान।

संत कवयित्री सहजोबाई

–सुश्री सोफ़िया खातून
सहायक आचार्या (हिन्दी विभाग)

मध्यकालीन संत परंपरा में महिला संत कवयित्रियों ने अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई, किंतु इसे विडंबना ही माना जाएगा कि इन महिला संतों को वह ख्याति एवं सम्मान प्राप्त न हो सका जो पुरुष संतकवियों प्राप्त है संत कबीरदास, गुरुनानक, रैदास (रविदास), दादूदयाल, रज्जबदास, मलूकदास, धरमदास, गरीबदास इत्यादि की गणना प्रमुख संतकवियों के रूप में की जाती है। स्पष्ट हैं कि महिला संतों के नाम पुरुष संतो के नाम के आगे कुछ धूमिल से दिखाई देते हैं। इनके द्वारा रचित साहित्य भी अधिक मात्रा में उपलब्ध नहीं है। इनके विषय में जो विवरण मिलता है वह अधिकांशतः अनुमान पर आधारित है। यहाँ सहजोबाई का माध्यम लेकर संतकवियों के विषय में बात करने का उद्देश्य यह स्पष्ट करना है कि संत कवयित्रियाँ उदासीनता का शिकार रही है। अन्यथा कुछ गिने–चुने नामों के स्थान पर संत कवयित्रियों की एक लंबी सूची होने की संभावना है। साथ ही उनके नाम भी अत्यंत लोकप्रिय होते।

संत कवयित्री सहजोबाई का जीवनकाल अनुमानतः संवत 1740 से 1820 विक्रमी तक माना जाता है। इनका जन्म मेवात (राजस्थान) क्षेत्र के अलवर जिले के डेहरा नामक ग्राम में हुआ था। इनके पिता का नाम 'हरिप्रसाद' था। जाति से ये ढूसर (वैश्य) कुल से संबंध रखती थीं। इस संबंध में सहजोबाई द्वारा रचित ये पंक्तियां दृष्टव्य हैं–

बब हरिप्रसाद की सुता नाम है सहजोबाई।
ढूसर कुल में जन्म, सदा गुरु चरन सहाई।।
चरनदास गुरुदेव भेद मोहि अगम बतायौ।
जोग जुगत सूँ दुलभ, सुलभ करि दृष्टि दिखायौ।।

इनके गुरु संत चरणदास थे तथा संत कवयित्री दयाबाई इनकी गुरुबहिन थीं। सहजोबाई के विषय में कहा जाता है कि ये आजीवन कुमारी रहकर भक्ति साधना में लीन रहीं। इनकी कविता के नाम पर एक रचना 'सहजप्रकाश' तथा कुछ फुटकर पद मिलते हैं। सहजप्रकाश की रचना संवत 1800 विक्रमी में हुई मानी जाती है। 'सहजप्रकाश' में गुरु की महिमा का गुणगान किया गया है, इसके अतिरिक्त भक्ति, वैराग्य, प्रेम तथा साधु महिमा इत्यादि के प्रसंग हैं। गुरु महिमा का वर्णन करते हुए वे कहती हैं–

सहजो सतगुरु के मिले भये और सूँ और।
काग पलट गति हंस वै, पाई भूली ठौर ।।

प्रेम में स्वतः पूर्णता का वर्णन वे इस प्रकार करती हैं–

प्रेम दीवाने जो भये, मन भयो चकनाचूर।
छके रहें घूमत रहें, सहजो देखि हजूर।।
मन मैं तो आनँद रहें, तन बौरा सब अंग।।
न काहू के संग हैं, सहजो ना कोई संग।।

जीवन में नीचता, कपट तथा झूठ का प्रवेश हो जाने पर मनुष्य बौरा जाता है, अतः जीवन में काम, क्रोध, लोभ, मोह का त्याग करके सच्चे मन से ईश भक्ति करना ही मुक्ति का आधार है–

काम क्रोध, लोभ मोह मद तजि भज हरि को नाम।
निस्चे सहजो मुक्ति हो, लहै अमरपुर धाम ।।

नाम के अनुरूप संत कवयित्री सहजोबाई की कविता अत्यंत सहज है। वे अत्यंत सहजता के साथ अपनी बात कह देती हैं। सांसारिक मोह माया तथा अभिमान के त्याग का संदेश देकर वे जीवन में सहजता को अपनाने पर बल देती हैं। अत्यंत मृदु स्वर में वे बड़ी गहरी तथा रहस्य से भरी बात कह देती हैं, उनकी कविता का यह गुण विशेष आकर्षित करता है–

अभिमानी नाहर बड़ौ, भरमत फिरत उजाड़।
सहजो नन्हीं बाकरी, प्यार करे संसार।।
सहजो चंदा दूज का दरस करें सब कोय।
नन्हें सूँ दिन दिन बढै, अधिको चाँदन होय।।
भली गरीबी नवनता, सकै नहीं कोई मार।
सहजो रुई कपास की, काटै न तरवार।।

इन्होंने अपनी कविता में सच्चे मन से नाम स्मरण पर विशेष बल दिया है–

एक घड़ी का मोल ना, दिन का कहा बखान।
सहजो ताहि न खोइए, बिना भजन भगवान।।

वस्तुतः उपर्युक्त वर्णन के आधार पर कहा जा सकता है कि काव्यकला तथा उपदेश की दृष्टि से संत कवयित्री सहजोबाई की कविता अत्यंत उच्चकोटि की है, किंतु उनको संत कवियों जैसा सम्मान और यश न मिल पाना स्त्री उपेक्षा तथा उदासीनता का ही उदाहरण है। मध्यकालीन पारंपरिक रूढ़िवादी समाज में समाज से अलग गुरु के सानिध्य में रहकर ऐसी उत्कृष्ट काव्यरचना करना स्त्री सशक्तीकरण की मिसाल है। तत्कालीन समाज में आजीवन अविवाहित रहकर सामाजिक बंधनों की उपेक्षा करना भी एक साहसी कदम माना जाएगा।

बिरजू किसान

—डॉ. अंजू सिंह पटेल
सहायक आचार्या "हिन्दी विभाग"

एक गाँव था। उसमे बिरजू किसान एक छोटे से मकान में रहता था। उसके चार बेटे और चार बेटियां थीं। पत्नी मनोहरा देवी जो कि बहुत ही परिश्रमी है। यह अपने पति और बच्चों के साथ सुखमय जीवन व्यतीत कर रही है। विरजू किसान भी बहुत ही परिश्रमी और ईमानदार है। वह हमेशा खेती बारी के काम में लगा रहता है। समय बीत रहा है अब बिरजू के बच्चे बड़े होने लगे हैं। उसे अब उनके विवाह करने की जिम्मेदारी सताने लगी। इसलिए वह और मेहनत करने लगा। घर में अब मुनाफा भी होने लगा। बिरजू सबसे पहले बड़ी बेटी के हाथ पीले करना चाहता है। वह दिन रात बेटी के अच्छे वर की खोज में रहता है। कुछ दिनो के बाद उसे एक होनहार वर मिल गया। पास के ही गाँव के एक मित्र के दूर के रिश्तेदार का लड़का था, जो लखनऊ में रहकर पढ़ता था। घर में खुशी का माहौल है। विवाह की तैयारी चल रही है। अगले ही महीने विवाह होना है। बिरजू बेटी के विवाह में कोई कमी नहीं छोड़ना चाहता है इसलिए वह अब और दिन रात मेहनत करने लगा। मनोहरा और उसके बेटे बेटियाँ घर को सजाने में लगे रहते हैं। मेहमानों को कैसे खुश किया जाए बच्चे तरह तरह की तरकीब सोचते हैं अगले महीने विवाह सम्पन्न हो जाता है।

बेटी अपने ससुराल चली गई। वहाँ सुखपूर्वक रहने लगी। अब बिरजू ने इसी तरह अपने चार बेटों और तीन बेटियों की शादी कर दी। एक जो सबसे छोटी बेटी है उसका विवाह अभी नहीं हुआ है। धीरे धीरे समय बीतता गया। चार बेटों और तीन बेटियों के भी बाल बच्चे हो गये। अब परिवार और बड़ा हो गया जिससे खर्च चलाना कठिन होने लगा। चारो भाईयों' में बहुत प्रेम था किंतु आर्थिक तंगी के कारण उनमें कुछ अनबन रहने लगी। भाईयों के मनमुटाव को देखकर लगता था कि वह अब बटवारा करना चाहते थे। बिरजू को यह सब देखकर बहुत दुःख हुआ। उसे अपनी छोटी बेटी की चिन्ता सताने लगी। उसके हाथ भी जल्दी से पीले हो जाते तो उसकी जिम्मेदारी पूरी हो जाती। अब बिरजू छोटी बेटी के लिए अच्छा वर खोजने लगा। इसे जानकर बेटों को लगा पहले बटवारा हो जाए नहीं तो हमें कुछ नहीं मिलेगा। चारों बेटों में स्वार्थ की भावना आ चुकी थी। फिर भी समय बीतता गया। एक दिन गांव के मुखिया ने एक रिश्ते की बात बतायी। बिरजू के मन में प्रसन्नता की झलक दिखाई दी। अब विरजू ने जैसे तैसे छोटी बेटी का विवाह कर दिया। वह भी अपने ससुराल चली गयी अब बिरजू अपनी जिम्मेदारियों से मुक्त हो गया। परिवार में बेटों की कलह को देखकर दुःखी रहने लगा और एक दिन अचानक उसकी मृत्यु हो गयी। मनोहरा पर दुःख का पहाड़ टूट पड़ा। अपने बेटों के रोज के झगड़े को देखकर वह भी दुःखी रहती थी। फिर भी दिन रात मेहनत करती रहती। धीरे—धीरे उसका स्वास्थ्य गिरता गया ।

उसके बेटे जब काम करने लायक थी तब उसे बहुत पूछते थे और बहुएँ भी ऐसी थी। किन्तु बीमारी की वजह से वह लाचार हो गयी थी। फिर भी घर का पूरा काम काज करती थी। उसके बेटे भी माँ की हालत देख कुछ नहीं कहते थे कि माँ तुम आराम करो। बहुएँ भी इतनी निर्दयी थी कि अपनी सास को नौकर बनाकर रखी थी। धीरे—धीरे मनोहरा का स्वास्थ्य और गिरता गया। दिन भर वह काम करती और खाने के समय बहुए उसे रूखी सूखी रोटी दे देती । पति के जाने के बाद तो कभी मनोहरा को ताजा खाना नसीब ही नहीं हुआ। खाना तो और उसकी बीमारी के ईलाज के पैसे भी नही थे। बहुओं को व्यर्थ पैसे खर्च करने के लिए पैसे थे। मायके से कोई आए तो उसकी सेवा करने का समय था, किन्तु अपनी सास की सेवा करने का समय नहीं था।

बेचारी मनोहरा का भाग्य कहे या बच्चों के व्यवहार का दोष। वह गाँव में देखती आई थी कि बुढापे में बच्चे माता पिता की बहुत सेवा करते है, किन्तु उसके साथ ठीक उसका उल्टा हो रहा है। वह बहुत दुःखी रहने लगी। एक दिन घर का पूरा काम जैसे तैसे करके बिस्तर पर लेटी थी। तभी वह अपने जीवन के क्षणों को याद कर रही थी। उसी समय अचानक उसकी मृत्यु हो जाती है। घर में जब बेटों को पता चलता है तो माँ के पास आते हैं और दिखावे का दुःख व्यक्त करते हैं। बहुओं को मन में पीड़ा होने लगी कि अब उसके क्रिया कर्म में धन खर्च करने होंगे। किसी तरह बेटों ने अपनी मां का मृत्युभोज कर दिया।

वूमन एण्ड पिलर स्ट्रांग ऑफ़ सोशल डेवलपमेंट

—रिया
एम.ए.पूर्वाद्ध

किसी भी समाज में पुरुषों की तरह महिलाएँ भी बराबर की सहभागी होती है। आज महिलाएँ हर क्षेत्र में पुरूषों के कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रही है।

महिलाएँ साबित कर रही है कि अगर उन्हें मौका दिया जाये तो हम नामुमकिन को भी मुमकिन में बदल सकते हैं और ऐसा वो हर क्षेत्र में कर रही हैं। महिलाएँ सिर्फ एक घर या परिवार को ही रोशन नहीं करती है बल्कि राष्ट्र को और पूरे संसार को भी रोशन करा रही है।

महिलाएँ आज हर क्षेत्र में अलग–अलग भूमिका निभा रही है आज नारी के बिना मानवता का विकास अधूरा है आज महिलाऐं किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं है फिर चाहे वो अंतरिक्ष विज्ञान हो या फिर खेल कूद हो हर क्षेत्र में महिलाएँ खुद को साबित कर रहीं है। हर रूप उनका उद्‌भुत रूप है। कभी वो ममता को आँचल में उड़ेलती है। तो कभी देश की सेवा में जान देने के लिए भी तैयार रहती है इसलिए अब वो वक्त आ गया है कि हम सबको मिलकर उनका सम्मान करना चाहिए जिससे 'महिलाएँ निरन्तर सब आगे बढ़ कर ऊँचाइयों को छू सके और राष्ट्र का नाम रोशन करें।

क्या है महिला सशक्तीकरण : महिलाएँ जब पारिवारिक हिंसा, अत्याचार का शिकार होती हैं आज जितने भी बंधन महिलाओं के लिए थे उन सबके खिलाफ आवाज उठाना ही महिला सशक्तिकरण है?महिलाओं की प्रगति के लिए शिक्षा सबसे बड़ा और शक्तिशाली हथियार है बेटियो को शिक्षित करना सशक्त बनकर अलग–अलग क्षेत्रों में अपनी पहचान बनाने में कामयाब हो रही है।,

महिलाओं का विकास में योगदान : इसका अर्थ यही है कि महिला का योगदान हर जगह है महिला की क्षमता को नजर अंदाज करके समाज की कल्पना करना व्यर्थ है।

शिक्षा और महिला सशक्तिकरण के बिना परिवार समाज और देश का विकास नहीं हो सकता।

महिलाएँ बिना डर के आगे आ रही हैं और महिलाएँ अंतराष्ट्रीय स्तर पर भी अपना नाम रोशन कर रही है और तो और वे सबके लिए मिसाल कायम कर रही हैं। कई ऐसे संगठन है जैसे–आजाद' फाउंडेशन, (International center for Research on women), या भारतीय ग्रामीण महिला संघ। इसके अलावा आर्ट ऑफ लिविंग के कार्यक्रम जैसे आर्थिक स्वतंत्रता, कन्या शिक्षा, सामाजिक सशक्तिकरण. आदि है। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' आंदोलन भी तेज गति से आगे बढ़ रहा है ये सब कार्यक्रम सिर्फ कार्यक्रम नहीं है बल्कि सामाजिक सवेंदना का लोक शिक्षा का और नारी सशक्तिकरण का अभियान बन गया है।

महिलाओं को उद्यमिता के क्षेत्रों में पाव रखने के लिए महिला स्टार्ट अप महत्वपूर्ण है। आज महिलाओं ने पूरी ऊर्जा के साथ उद्यमिता के क्षेत्रों में पाँव जमाए है। बैन एंड कम्पनी और गूगल के अनुसार, महिला उद्यमी 2030 तक लगभग 150– 170 मिलियन नौकरियां पैदा करेंगी। हाल ही में हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में आयोजित दीक्षांत समारोह में 24 छात्रों को स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। जिसमे 16 लड़की थीं यह सिर्फ एक विश्वविद्यालय की बात नहीं है। वे लगभग हर संस्थान में लड़कों से बेहतर कार्य कर रही है।

फूल

—अनुरक्ति

तुम तुम्हारे कैक्टस थे तुम्हारे पास भरपूर धूप थी,
लू थी, तपिश थी, मुट्ठी भर मिट्टी थी, पानी नहीं था।
बसंत ने जब गीत गाये, तुम्हारे भी कान खड़े हो गये,
काँटों के जाल से फूट गई कुछ कलियों
चार दिन में खूबसूरत फूल बन गई।
तुम्हारे पास – धूप थी, हवा थी, पानी था,
पैरों के नीचे पूरी ज़मीन थी। काँटे नहीं थे,
काँटों के साथ जीने का सलीका नहीं था।
कैसे खिलते तुम पर फूल ?

हमारे प्यारे आजाद भारत का इतिहास

—कु0 महिमा
बी0एड0 (प्रथम वर्ष)

हिमालय जिसकी शान है, तहजीब जिसकी महान है।
ये उसी की दास्तान है, जो आजाद हिन्दुस्तान हैं।
कहते हैं गुलाम था ये, पिछले दो सौ सालों तक
पर बात तुम्हें बतलाती हूँ, ये गुलाम रहा हजारों वर्षों तक।
सबसे पहले आर्य आए, द्रविड़ों को खदेड़ भगाए।
साथ अपने धर्म वो लाए, हड़प्पा, मोहनजोदारो बसाए।
गंगा—यमुना में वो तैरे, सिंध पर लगाए उन्होंने पहरे।
ईंट—काँसे का दौर चलाकर, पंख दिए धरती को सुनहरे।
वेद, उपनिषद, पुराण, रामायण, महाभारत और कृष्ण के ज्ञान।
गीता से धर्मयुद्ध सिखाया, कंस—रावण पे भारी नारायण।
यहाँ दौर चला अवतारों का, धर्म— अधर्म के वारों का।
फिर खूब यहाँ रजवाडे आए, ये दौर था तख्तेदारों का।
महावीर, गौतम बुद्ध आए, सिकन्दर ने यहाँ कदम जमाए।
राज दोबारा लाने को फिर, चन्द्रगुप्त चाणक्य आए।
साहिल पे अरब के ताजिर आए, मसालों की वो खातिर आए।
चीन ने भी बर्तन चमकाए, यूरोप से भी शातिर आए।
सिंध पे आया इब्ने कासिम, इस्लाम हुआ वहाँ पे नाजिम।
अमन—ओ अकुवत के नाम पे, धीरे—धीरे बड़े मराज़िम।
गजनी का महमूद जो आया, सुल्तानों का दौर वो लाया।
गौरी, खिलजी, बलवन आए, दौलत—अबादी, तगलक आया।
आपस में न बनी सवों की, दावत बन गई तब मुगलों की
जब वो बाबर था देश से भागा, हुकूमत मिली उसे महलों की।
हुँमायूँ, अकबार बने महाराज, जहाँगीर ने दिया इंसाफ का राज।
शाहजहाँ ने इश्क की खातिर, संग—ए—मरमर से बनाया ताज।
हाथों से टोपी सी—सी कर, औरंगजेब रहा बढ़ चढ़कर!
उसके बाद जो टूटा मुगल, वो आ गए तख्ते पर उतरकर।
ये तुर्को के मारे थे, ताजिर दुश्मन हमारे थे।
दिल थे इनके नाग से काले, शक्ल से लगते प्यारे थे।
डच. फ्रांसीसी, पुर्तगाली, अंग्रेज बन गए जनाब—ए—आली।
खूब लूटा इन्होंने वतन को, हो गए सब खजाने खाली।
जाग उठे बंगाली, नवाब, अपने ही थे उनके खराब।
मीर—जफर गद्दाए—ए— अबरार, दे गया मिल्लत को उपजाब।
टीपू ने तलवार उठाकर, अंग्रेजों को दिया घुमाकर
मीर सादिक से धोखा खाकर, अमर हुआ वो लहू बहाकर।
लक्ष्मी टापू, मंगल आए, लहू बहाकर मराठों ने भी तीर चलाए।
शाह जफर को आगे रख के, सारे हिन्दी लड़ने आए।
खात्मा कम्पनी कहानी का, राज चला फिर
रानी का अंग्रेजी फरमान के आगे, क्या बस था हिन्दुस्तानी का।
आजाद, बिस्मिल, अश्फाक हुए, भगत, राज, सुखदेव हुए।
देश पे कुर्बान होने के लिए, दत्त, सूर्य और बोस हुए।
फिर आया एक अहिंसावादी, कपड़े सीधे—सादे।
खादी सत्याग्रह की डोर पकड़ के, मांगी उसने पूरी आबादी।
अंग्रेजों पे यूँ बला आयी, हर तरफ से यही सदा आयी।
मगर अभी जुल्म एक बाकी था, टुकडे होना जिसमें बाकी था।
नेहरू दिली पे राज राज का हामी, जिन्ना का खबाव था बाकी।
कहने को तो आजाद हो गया, मगर टुकड़े—टुकडे ये हो गया।
गाँधी— कलाम रोते रहे, और लहू से सराबोर ये हो गया।
कहाँ हुआ आजाद है भारत, ये है शिकस्त कच्ची इमारत।
दहशतगर्दी हर सुन तसादुद, सियासी जम्ले करते शरारत।
भ्रष्टाचार बढ़ाने की, अत्याचार बढ़ाने की।
मुगलों ने लूटा था, अफगानों ने लूटा था।
गंगा और जमुना की वादी को, अंग्रेजों ने लूटा था।
रिश्ते—नाते टूट रहे हैं, सारे बर्तन फूट रहे हैं।
सिर्फ और सिर्फ दौलत की खातिर, घर के बच्चे लूट रहे हैं।
गर आजाद हमें कहलाना है तो, दुश्मन से लड़ जाना है।
पढ़—लिखकर जान देश को दें. यूँ देश का कर्ज चुकाना हैं।
फूट रही है नई उमंग, आओ तुम भी मेरे संग।
चल रही है आज भी, आजादी की दूसरी जंग।

वक्त की चुनौती

सुश्री जगवती
सहायक प्रवक्ता हिंदी विभाग

जीवन जीने की कला जिसे **'आर्ट ऑफ लिविंग'** भी कहा जाता है। इस जीने का अर्थ हर कोई अपनी–अपनी तरह समझता है और इसके लिए वह अनेक मानदंड निर्धारित करता है। सभी के कुछ बिंदु अलग जरूर होते हैं लेकिन उद्देश्य, आज के सन्दर्भ में सफलता ही है। इसे पाने के लिए समय की चाल के साथ संतुलन बनाने का भरसक प्रयास करता है। हम जानते हैं वक्त की चाल बहुत तेज हो गयी है और आज सबसे बड़ी चुनौती वक्त के साथ, खुद को बनाये रखना है। वस्तुएँ हमारी लौकिक पूर्ति करती है और उनकी कोई सीमा नहीं है, लेकिन हम लगातार उनको पाने में, समय को जीत लेना चाहते हैं और पीछे छूट जाते हैं फिर से, हम और फिर संतुलन की चाह में एक ऐसा असंतुलन स्थापित होने लगता है कि जीवन जीने की कला, का सफर बहुत पीछे छूटता नजर आता है।

आज सफलता की दौड़ में हमें इस ओर ध्यान देने की आवश्यकता ज्यादा महसूस होती है कि थोड़ा सा ठहराव भी होना चाहिए, थोड़ा समय खुद से जुड़ने के लिए भी होना चाहिए। हम से पहले के लोगों में इसकी समझ बहुत गहरे से थी। विभिन्न कलाओं में उनकी रूचि, साहित्य और संगीत की बारीक समझ, अनुशासित जीवन शैली में आत्मबोध को भी अपनाना, प्रकृति के साहचर्य को बनाये रखना, भावों को महसूस करना और संतुष्टि के मायने को समझना आदि ऐसी अनेक बातें हैं जिनसे हम कुछ समय खुद के लिए दे सकते हैं। आज तो स्थिति यह हो गयी है कि वर्चुअल दुनिया के इनबॉक्स में तो लम्बी कतार है लेकिन वास्तविक धरातल पर शून्यता । जिसके दुष्परिणामों की चोट से विवेकी जन भली भांति परिचित हो ही जाते हैं। अब एक आशंका यह हो सकती है कि इस रुकने का अर्थ यह तो नहीं है कि हम और लोगों से कहीं पीछे तो नहीं रह गए? बिलकुल भी नहीं, बल्कि इसके विपरीत एक समय के बाद हमें चीजों के बीच संतुलन बनाने की कला में महारत हासिल हो जाएगी और तब हम निश्चित ही वक्त की चुनौती को सकारात्मक रूप से लेते हुए वास्तव में जीवन जीने की कला का मंत्र सही अर्थों में समझ सकेंगे।

स्थान पाना चाहती हूँ

–प्रो. मिश्कात आबिदी
हिन्दी विभाग

सूर्य बनकर मैं चमकना चाहती आकाश में
और कभी बन चाँदनी थी मैं धरा के पाश में,
मुक्त अश्वमन घूमता था शून्य के संसार में
कल्पना के पर लगाकर फिर उड़ी निर्बाध मैं,
आज अपने आप को मैं कर रही साकार
शब्द धारा में प्रवाहित भाव का संचार,
चर–अचर सब को लुभाना चाहती हूँ
आज अपनी कल्पना को दे रही आकार!
कर्मरत हो स्वप्न से मैं दूर जाना चाहती हूँ
इस धरित्री पर वही स्थान पाना चाहती हूँ!
जो न मुझको दूर कर दे आपसी व्यवहार है
हर मनुष्य के दिल में एक स्थान पाना चाहती हूँ,
मैं मिटा दूं शक्ति वो, सक्रिय हो जो नाश में
सूर्य बन कर मैं चमकना चाहती आकाश में!

मैं और मेरा विद्यालय

- Arpita
B.A. IInd year (III rd sem)

मेरे जीवन में विद्यालय की बातें हैं ज्यादा सबसे क्योंकि पढ़ाई काम आयेगी
जीवनभर कहती हैं मम्मी मुझसे वो विद्यालय की रोचक बाते याद हैं
मुझे कब से जब मैने विद्यालय में कदम बढ़ाया याद है मुझे तब से
विद्यालय की पढ़ाई याद है मुझे ज्यादा सबसे क्योंकि
असाइनमेंट और टेस्ट में मेरी मेहनत है सबसे हटके बाकी है
अभी पेपर और प्रैक्टिकल जिस बात ने मुझे डराया है
ज्यादा सबसे लेकिन कैसे भूल जाऊ A+ की मेहनत को
जिसने मुझे दिलाया है सम्मान सबसे A+ की दौड़ है
कठिन ज्यादा सबसे क्योंकि प्रतिभागी है
पढ़ने में ज्यादा मुझसे अभी तो बाकी है वोकेशनल कोर्स जो शुरू होता है
उबजे से जिसके माध्यम से हम छात्राएं आत्मनिर्भर बनेंगी ज्यादा सबसे
पढ़ने में मैं भी है होशियार ज्यादा सबसे लेकिन डर जाती हूँ
जब रिजल्ट आता है अचानक से देख रिजल्ट खिल जाते है
चेहरे सबके क्योंकि ये फल कमाया है हम सबने अपनी मेहनत से
इसका श्रेष्य जाता हमारी शिक्षिकाओं को ज्यादा सबसे क्योंकि
उन्होंने ही मिलाया है हम सबको अपनी मंजिल से।

''स्थिर मन''

–चंचल
एम.ए. पूर्वार्द्ध (चित्रकला)

एक बार एक युवक एक संत के पास अपनी व्यथा लेकर पहुँचा कि वह अनेकों प्रयत्न करने के बावजूद अपना ध्यान एक स्थिर जगह, पर नहीं लगा पाता है। संत ने उसे अपने सामने बिठाया, ध्यान लगाने को कहा। युवक आंखे बंद करके वहीं बैठ गया। इस बीच संत ने झाड़ू लगाने वाली स्त्री को उस युवक से छुआने का इशारा किया। इसके बाद स्त्री ने अपनी झाड़ू उस युवक से छुआ दी। यह देखकर वह युवक आगबबूला हो उठा और उस स्त्री से लड़ने लगा यह सब देखकर संत बोले हे युवक ! ध्यान करने के लिये अंदर के भावो को शान्त करना जरूरी है यदि इतनी छोटी –सी बात तुम्हे इतना परेशान करती है तो मन को 'स्थिर कैसे रख पाओगे''यह सुनकर युवक को अपनी भूल का अहसास हुआ और वह अपने दोषों को दूर करने में लग गया ।

इससे हमें यह पता चलता है यदि हम अपने जीवन में कुछ करना चाहते हैं तो उसके लिए हमें अपने मन को स्थिर रखना आना चाहिए।

उत्साहवर्द्धक पंक्तियाँ

कभी भी सहायता के लिए दूसरों के सामने मत गिड़गिड़ाओं; क्योंकि किसी में भी इतनी शक्ति नहीं हैं जो तुम्हारी सहायता कर सके। कभी भी किसी कष्ट के लिए दूसरों" पर दोष मत डालो; क्योंकि कोई भी तुम्हें दुःख नहीं पहुँचा सकता तुम स्वयं ही अपने मित्र और स्वंय ही अपने शत्रु हो। अपना दृष्टिकोण बदल दोगे तो दूसरे ही पल यह भय के भूत अंतरिक्ष में उड़ जायेंगे।

माँ

– प्रगति रानी
–बी.ए. (प्रथम सेमेस्टर)

मिला ना प्यार जिसे माँ का उम्र भर उसको हरके चेहरे में बस माँ दिखाई देती है, रब के हम पर कर्म नहीं होते, माँ न होती तो हम नहीं होते।

माँ से अच्छी मेरे भगवान की सूरत ही नहीं, माँ है मौजूद तो मन्दिर की जरूरत ही नहीं। जिगर से बढ़कर कोई पीर नहीं होती है, दासता से बड़ी कोई जंजीर नहीं होती है, कोई भगवान हो, रहमान या सुल्तान कोई, माँ से बढ़कर कोई तस्वीर नहीं होती है।

भगवान ने सोचा कि वह हर घर में नहीं रह सकता तो उसने माँ बनाई और अपने प्रतिनिधि के रूप में हर घर में भेज दी।

इस सम्पूर्ण जगत में माँ की उपमा केवल माँ है। चाहे बच्चे कितने ही बड़े क्यो न हो जाएँ माँ का प्यार कभी कम नहीं होता।

अब मैं अपनी माँ के बारे में बताना चाहती हूँ – मैंने अब तक के अनुभव को जाना और पाया कि माँ की ममता और आशीर्वाद में कितनी शक्ति होती है, जब मुझे माँ सिर पर हाथ रखकर आशीर्वाद देती थीं तो हर कार्य बहुत अच्छा होता था।

आज मेरे कॉलिज स्तर तक पहुँचने में उनका बहुत योगदान है, क्योंकि मैं जिस क्षेत्र से आती हूँ, वहाँ पर बेटियों को शिक्षा के अवसर बहुत कम दिये जाते हैं, लेकिन मेरी माँ ने मुझे श्री टीकाराम महाविद्यालय में पढ़ने के लिए भेजा।

उन्होंने मुझे आगे बढ़ने का अवसर दिया। प्रभु से मेरी यही प्रार्थना है कि हे प्रभु! मैं अपने माता–पिता और विद्यालय व शिक्षकों का नाम रोशन कर सकूँ। और इस राष्ट्र की सेवा में योगदान कर सकूँ।

सम्पूर्ण मातृ शक्ति को मेरा प्रणाम्।

अनुरक्ति

Neha Mahajan
Semester- 4)(B-Sc)(PCM)

एक पिता की आस थी. जो अब तक उसके पास थी
खोज उसने भी एक राह निकाली, धारा एक बनाई
जो प्रबल बड़ी प्रवाह थी। होंसले उसके साथ थे,
बादलों तक उसकी उड़ान थी, पर धरा से उड़ा कहाँ था अभी,
कि समस्याएँ एक नही हजार समस्याओं से रुका नहीं तो,
वादों से मुड़ा नहीं वो. बस धारा के साथ बहता गया वो,
आखिरकार Selection लेता गया वो।
धारा को बढ़ाया, राष्ट्र तक पहुँचाया,
सम्मान कुछ पाया पर दंभ जरा भी न आया,
कुछ शखसीयत ऐसी पाई है,
हजारों ने नहीं एक ने बनाई है.
बस वही अविरल धारा कहलाई है।

हाँ, मेरी माँ अब मुझे प्यार नहीं करती

–दिशि अग्रवाल
(B.Ed. IInd year)

मेरी माँ अब मुझे प्यार नहीं करती,
आता हूँ जब लौटकर घर में देर से
वो मेरा अब इंतज़ार नहीं करती
हाँ, मेरी माँ अब मुझे प्यार नहीं करती
पुकारता हूँ जब माँ को मैं.
कोई उत्तर नहीं देती.
सोता नहीं कई रातों मैं
पर बो फिकर नहीं करती,
करता हूँ अपनी मनमर्जी अब वो इंकार नहीं करती,
हाँ, मेरी माँ अब मुझे प्यार नहीं करती।
दीवार पर टँगी उस तस्वीर से,
बस निहारती है मुझे, तस्वीर पर चढ़े उन फूलों से,
माँ की महक आती है मुझे,
रोता हूँ मैं उसे देखकर
पर अब वो दुलार नहीं करती,
हाँ, मेरी माँ अब मुझे प्यार नहीं करती।

सोच को बदलो बदले संसार

–डॉ0 हरज्ञान सिंह
सहायक प्राध्यापक, भौतिकी विभाग,

सोच को बदलो बदले संसार
बिना बदले मत जाओ हार
सोच को बदलो बदले संसार ।
धरती गोल है भारत ने माना
जग ने इसे न था पहचाना
चपटी धरती बाइबिल ने माना
इक वैज्ञानिक ने इसे था पहचाना
दिया था उसने सोच को विस्तार
सोच को बदलो बदले संसार।
प्रकाश था कब से छाया
सूरज था सबको भाया
रोशनी बदले सबकी काया
देखो क्या भास्कर की माया
रमन इपेक्ट से हुआ
रंगों का इजहार
सोच को बदलो बदले संसार
कुष्ठ कोई रोग नहीं
अब जाने बेटी भी है
बाप से अब बाल विवाह भोग
नहीं अब पत्नियों का घर जोग
नहीं अब बदले सोच से ही हुआ उद्धार
सोच को बदलो बदले संसार
पर सोच बदलना आसान नहीं
ये कोई छोटा काम नहीं
कब हुआ है घमासान नहीं
लोग मरे मानवता लहूलुहान नहीं
पर फिर कुछ ने किया हुंकार
सोच को बदला बदला संसार
बिना बदले बैठो ना यार
सोच को बदलो बदले संसार

पढ़ाई

–हिरा इकबाल
बी.ए. द्वितीय सैमेस्टर

बचपन से पीछा करती है
बहुत करे हमको परेशान
कोई आकर हमें बचाए
पढ़ाई हमारी लेती जान।

बाल मजदूरी जुर्म है पर
बस्तों का बोझ उठाते हैं।
पढ़ाई के नाम पे हमको
सारी किताबें रटाते हैं;
होता है हर रोज़ हमारा
खूब किताबों से धमासान
कोई आकर हमें बचाए
पढाई हमारी लेती जान।
हमसे कभी न कोई पूछता
आखिर क्या हैं हमारे ख्वाब
सुनना जो सब चाहें बस वही
अपनी जुबाँ पे रहे जवाब,
उठा किताबें आए नींद.
कहते लोग ये देतीं ज्ञान
कोई आकर हमे बचाए
पढ़ाई हमारी लेती जान।
डाक्टर बनता कोई पढ़कर
इंजीनियर, है कोई बनता
इंसान बने हम पढ़ लिख कर
ऐसे ख्वाब न कोई बुनता
स्कूल बने हैं इस युग में
आधुनिक व्यापारिक संस्थान
कोई आकर हमें बचाए
पढ़ाई हमारी लेती जान।

चाह यदि इतनी हो हमारी
बेहतर हो हमारा समाज्
सबसे पहले सुधारना होगा
हमें अपना यह चलता आज,
सच्ची शिक्षा का प्रसार हो'
कोई ना गाए फिर यह गान
कोई आकर हमे बचाए
पढ़ाई हमारी लेती जान ॥

वो अजनबी - सी हवाएँ थी (बदलाव)

–पूजा सैनी
बी.ए. प्रथम

वो थी अजनबी – सी हवाएँ
न जाने कहाँ से आयी
उनमें थी एक मिठास सी,
वो हवा थी अजनबी सी
वो मंद–मंद मुस्करा रही थी
अपने बालों को लहरा रही थी
वो अजनबी – सी हवाएँ थी
मंद–मंद झरना गिर रहा था
जैसे किसी को खुश कर रहा था
सफेद धुँआ – सा उठ रहा था
उस हवा में एक हलचल– सी थी
वो अजनबी – सी हवाएँ थी

आसमान में उठते सफेद बादल
वो दूर कहीं पहाड़ियों का दृश्य
ऊँची चट्टानों से गिरता पानी
मुझको बड़ा अच्छा लग रहा था
लेकिन फिर न जाने क्यूँ डर–सा लग रहा था
यह वास्तविक नहीं काल्पनिक दुनिया लग रही थी
वो अजनबी – सी हवाएँ थी

मेरे मन का दहेज़

–डॉ. तरुणा सिंह
भूगोल विभाग

"प्रिय, मै कुछ आपसे कहना चाहती हूं,
अपनी शादी में मैं अपने मन का दहेज लाना चाहती हूं,
मै लेकर जाऊंगी तीन चार ब्रीफ़केस,
जिसमें भरे होंगे मेरे बचपन के खिलौने, बचपन के कपड़े,
और मेरे बचपन की यादें
मैं आपको प्रारंभ से खुदको देना चाहती हूं.....
प्रिय, मैं लेकर आऊंगी अपने किस्से कहानियां
अपनी सारी चालाकी और सारी नादानियां.....
मैं आपको प्रारंभ से खुद को देना चाहती हूं....
मै दूंगी अपने सारे दुःख और भय आपको.
और खुद को सौंप दूंगी आपको,
आप बस मेरा हर हाथ थामे रहना,
मै जिन्दगी भर का भरोसा दूंगी आपको,
मै ये सब दहेज में लाना चाहती हूं...
मैं आपको प्रारंभ से खुद को देना चाहती हूं...
मैं श्रृंगार दानी मै अपनी मुस्कान लाऊंगी,
अपनी मीठी बोली और समझदारी लाऊंगी....
बाकी सब बेजान चीजों को हम साथ मिलकर खरीदेंगे....
मैं आपके घर मै आकर उसे अपने रंगों से सजाना चाहती हूं.
सुनिए, आपको बुरा तो नहीं लगेगा,
मैं से सब दहेज में लाना चाहती हूँ........''

मेरी कहानी (संघर्ष)

–पूजा सैनी
बी.ए., (प्रथम सेमे)

ये है मेरी कहानी या कहूँ मैं इसको जिन्दगानी
चल रहा था मेरा बुरा समय
फिर हुई एक नई सुबह
अन्धकार ने घेरा था क्या यही नया सवेरा था
चारों ओर मुश्किल खड़ी थी क्या यही परीक्षा की घड़ी थी
खुद ये से ही लड़ रही रही थी ये क्या कर हरी थी मैं
अपनों ने ही मुँह फेर लिया जब मुश्किलों ने मुझे घेर लिया
फिर मिली एक रोशनी की किरण जिससे होने लगी मैं दृढ़
लग रहा था मुझको डर जब मिलने न लगी मुझको कोई मंजिल, न कोई घर
ये कैसा मुश्किल दौर था जिसमें अपनों का शोर भी न था

मेरा प्यारा भाई

—नेहा यादव
बी.ए., प्रथम वर्ष (प्रथम सेमे)

मेरे घर में एक ऐसा सदस्य है
जो दिन भर हमें हँसाता रहता है
लेकिन अपनी छोटी—छोटी शरारतों के लिए मार भी बहुत खाता है
घर में पापा और दादी का बहुत लाड़ला है
पर सबसे बराबर प्यार पाता है
हालांकि पढ़ने में अच्छा है
पर मोबाइल बहुत चलाता है
और इसके लिए मुझसे बहुत मार खाता है
जब कुछ चाहिए होता है
तो पूरा घर सिर पे उठा लेता है
नासमझ है पर कभी—कभी
समझदारी वाली बातें कर देता है
मेरा छोटा सा प्यारा सा भाई
थोड़ा नासमझ थोड़ा पागल है
लेकिन इस सब के बाद भी
तू हम बहनों का बचपन है, तू ही हँसी हैं,
तू ही दोस्त है, तुझसे ही हमारी राखी है।
लव यू भाई, हमेशा।।

मतदान जागरुकता

—नेहा मलिक
बी.ए. तृतीय वर्ष

मतदान करना हम मतदाताओं का है जन्म सिद्ध अधिकार।
मतदान ना करके हम मतदाताओं की स्वतंत्रता है बेकार।
हम मतदाताओं ने हमेशा खुद ही चुनी है अपनी सरकार।
हम जाकर देंगे मत उसी को जो उसमत का है सही हकदार।
हमारे हित के लिए मिला है हम मतदाताओं को यह अधिकार।
मतदान करना हम मतदाताओं का है जन्मसिद्ध अधिकार।
मतदान ना करके हम मतदाताओं की स्वतंत्रता है बेकार।
सही समाज सेवक चुनें हमारा मत हमें यही दर्शाता है।
हमखुद ही चुनते हैं अपने देश को बदलने वाला निर्माता है।
यह समाज हम मतदाताओं के मतदान पर ही आधारित है।
यह समाज में बरसों से चली आ रही एकरीत है।
मतदाता मतदान करें और अपने देश का निर्माण करें।
हम मतदाता अपने नेता को स्वयं ही चुनते हैं
ताकि हमारा नेता हमारे देश को उज्जवल करें।
मतदान करना हम मतदाताओं का है जन्मसिद्ध अधिकार ।
मतदान ना करके हम मतदाताओं की स्वतंत्रता है बेकार ।

मेरी माँ

—नेहा यादव
बी.ए., प्रथम वर्ष (प्रथम सेमे0)

मेरी माँ,
ईश्वर का दिया एक ऐसा उपहार हैं
जिसके लिए किन शब्दों में उसका शुक्रिया अदा करूं,
समझ नहीं आता
मेरी माँ,
जो अपने लिए रखी हुई वस्तु
मुझे दे देती हैं,
ज्यादा अच्छी नहीं है, कहकर अपनी मनपसंद
जलेबी भी मुझे दे देती हैं
मेरी माँ,
मैं इतना ही खाऊँगी, कहकर अपने हिस्से की
रोटी भी मुझे दे देती हैं
साड़ी के लिए बचाकर रखे पैसे,
जरूरत पड़ने पर मुझे दे देती हैं
मेरी माँ,
जो मेरे बीमार होने पर रात भर
जाग कर मेरी देखभाल करती हैं
दुनियाँ के लिए वो कुछ भी हो,
पर मेरे लिए मेरी मुस्कुराहट की वजह हैं
मेरी माँ,
मेरे लिए सब कुछ हैं।

मुझे आज फिर

-Aishwarya Sharma
B.Sc. 2nd Year (Pcm)

मुझे आज फिर से रुलाया गया है,
मेरा नाम लिख कर मिटाया गया है,
टूट के गिर जाता में खुद ही शाख से,
इन हवाओं को थोड़ा उकसाया गया है,
मुझे आज फिर से रुलाया गया है।
मेरा नाम लिख कर मिटाया गया है।
थी पहचान मेरी मैं था तेरा हिस्सा
क्यूँ बिन कश्ती मुझे बहाया गया है,
मुझे आज फिर से रुलाया गया है
मेरा नाम लिख कर मिटाया गया है
कभी लफ़्ज़ों में था गुनगुनाने के लिए
फिर अधूरी कहानी की तरह सुनाया गया है,
मुझे आज फिर से रूलाया गया है
मेरा नाम लिख कर मिटाया गया है

मेहनत

—हिरा इकबाल
बी० ए० द्वितीय
सैमेस्टर
हिन्दी कविता

संघर्ष से डरकर नहीं भागना
ज्ञान का शस्त्र करना धारण।
महत्त्वपूर्ण अगर करना कुछ
तो खोजना भीतर कोई कारण ॥

तुम एक अनोखे हो जग में
संसार के सफल तुम वीर हो ।
भविष्य की उभरने वाली कोई
अद्‌भुत सी अमूल्य तस्वीर हो ॥

ब्रह्मांड का तुझे आशीष हैं
फिर परवाह है किस बात की ।
आज अगर घोर अधेंरा है तो
निकलेगी सुबह कल प्रभात की ॥

तुम अपनी अमूल्य क्षमताएँ,
चंद, सिक्कों में नहीं बिकने देना ।
लाखो के कीमती विचारों को
सबके क्षमता तुम दिखने देना ॥

विद्वान जो कह कर गए
सदैव चलना तुम उस राह पर।
स्वप्न तुम्हारे आकर्षित होगे
प्रबल इच्छाओं की चाह में ।

संघर्ष से डर के नहीं भागना
ज्ञान का शस्त्र करना धारण।
महत्त्वपूर्ण अगर करना कुछ
तो खोजना भीतर कोई कारण ॥

अनमोल वचन

—शिवी सक्सैना
बी0एड0 प्रथम वर्ष

– उम्र थका नहीं सकती. ठोकरें गिरा नहीं सकती. अगर जिद हो जीतने की तो परिस्थितियाँ भी हरा नहीं सकती।

– आपके जीवन मे असंभव केवल वही है, जिसकी आपने शुरूआत नही की हैं।

– यदि आप जिन्दगी में बहुत आगे जाना चाहते हैं. तो अतीत में हुई चीजों से सिर्फ सीख लीजिए, ना कि उन्हें सोचकर दुःख होइये।

– मानसिकता हमेशा ऐसी रखनी चाहिए, जो हमें आता है, वो तो हम कर ही लेंगे, पर जो हमें नहीं आता, वो हम सीख लेंगे

– जो व्यक्ति आपको नीचे गिराने की कोशिश करता है, उस पर तरस खाओ, क्योंकि वो व्यक्ति पहले से ही गिरा हुआ होता है।

– अच्छा बोलिए और अच्छा सोचिए और अच्छा कीजिए, क्योंकि सब आपके पास लौटकर ही आना है।

– तारीफ़ चेहरे की नही चरित्र की होनी चाहिए, क्योंकि अच्छा चेहरा बनाने मे मिनट लगते हैं, लेकिन अच्छा चरित्र बनाने मैं पूरा जीवन लग जाता हैं।

– उनसे मत डरिये जो आप में कमियाँ बताते हैं उनसे डरिये जो आप में खूबियाँ बताते हैं, जो आप में हैं ही नही।

– जिन्दगी का रास्ता बना बनाया नहीं मिलता है, स्वयं को बनाना पड़ता है जिसने जैसा मार्ग बनाया, उसे वैसी ही मंजिल मिलती है।

NATURE IN ABUNDANCE IN SWITZERLAND & CULTURE IS RICH IN ROME

Dr. Mamta Srivastava
Assistant Professor, Dept. of English

Hills, Lakes. Mountains and Ocean always attract me and draw me close; I have been to Himalayan and Shivalik range of mountains and had a hidden desire to visit Alps Mountain and see Switzerland. Though after my visit to Paris and London, Switzerland, a country of lakes and green mountains always knocked my mind and beaten my heart. I landed at Zurich airport on 15th June 2023. It was early morning, at immigration, the officer asked the purpose of my visit. I said, "To visit your beautiful country", he acknowledged me with pleasant gesture and said "Welcome". My daughter was waiting at Zurich Airport. She handed over Swiss Pass, valid in all public transport such as bus, tram, train and boats valid for 15 days. I was impressed to see the civil discipline, amicable and co-operative behavior of the people. Cities of Switzerland -Geneva, Basel and Zurich rank among the highest in terms of quality of life in the world and Zurich is considered one of the costliest cities.

Switzerland lies between 'The Jura mountains and Swiss Alps. There are many rivers which contribute in forming beautiful lakes. On 15th , in the evening, we went to Zurich Lake, it is 40 km long. The lake water flows down from the river Linth. It was cool evening, the breeze was refreshing, we didn't require the tickets for cruise as we had Swiss pass. Nature revealed her bosom before us. We sat back side on the upper floor of the ferry. The green water was turning into foam, small villages, church, opera house near the lake were providing a completeness to the sight. It was nine by the watch but there was no darkness; it was still evening. In India, it was the time of dinner but here in Switzerland astonishing……

Next day on 16th ,we went to 'Rhine Falls'. Rhine river flows in Germany. I read about this river in Dr. Faustus. It is the longest river in Switzerland. It begins from the Swiss Alps and goes to Germany. This fall was naturally formed because the river Rhine was falling from a decisive height and a large amount of water was sprinkling all around. Cruising in the boat, we reached near the fall. Our eyes got closed due to pearl drops of water. We enjoyed the showers and got wet. The next day on 17th ,we had to go Mount Titlis. We started from the train and reached Luzern and from there to Engelberg and took a breath-taking ride to Mount Titlis through cable car and the Rotair. It is a round cable car which gave us the panoramic view of the snowcapped hills and lakes. Wow! there were cutouts of Shahrukh Khan and Kajol with caption 'Dilwale Dulhania Le Jayenge'. We had our photographs there and enjoyed the snow, it was little bit difficult to move there as snow was not fresh; only on the side ways, there was fresh snow. How can I forget the Glacier Cave; it was making us shiver. We had our lunch there and came down to Luzern and went lake side for another cruise.

Now on 18th ,we had to go Rome by train. From Zurich, we went to Rome via Milan, City of Fashion. At Milan, we had Italian Pizza. It was totally different from Indian pizza. In our country it is high in calories, so I do not like it but in Italy, it was not rich in calories, it was yummy. Our reservation was in Premier Coach, it was a luxurious coach, but the ordinary coaches were also comfortable. This train was superfast train with the maximum speed near 300km/hr. The difference in vegetation of Switzerland and Italy can easily be felt. The wheat was growing in Italian fields. The

taxi pick was ready at railway station, I noted that the drivers of the buses and taxies were well dressed in suits and ties. Alex was the name of the driver, curiously I asked about Julius Caesar, he remembered him in reference of Cleopatra. We laughed loudly. We reached hotel and, in the evening, we went to 'Sarvana Bhawan' a South Indian restaurant to have our dinner. It was full of Indians but after 10 p.m. uber were not available; one can get high segment cabs after 10:00 at night.

St. Peter Basilca

Colosseum

Florence

St. Peter Basilca

Rome is situated on the bank of River Tiber. According to myth, the two brothers Romulus and Remus, raised by the wolf founded this city. In 509 B.C. it became Republic. It saw many wars and civil wars. Now Rome has become the capital of Italy. On 19th, we went to colosseum, built in 1st century A.D. It is elliptical amphitheater in the centre of the city of Rome. It is made of limestone and bricks faced concrete. At one time, 65000 spectators can sit here to see the event. It enjoyed the patronage of the Flavian dynasty. There was a bronze statue of Emperor Nero. We also saw the Roman forum which is known as political, economic, cultural and religious center of Rome. We visited Tiber River, the wall of Rome and 18th century fountain known as Trevi Fountain. Nicola Salvi started to build this fountain; it has many statutes. He died in 1759 and left the monument half built. It was finishedby Giuseppe Pinnini in 1762. Here we have sculpture of Agrippa and Trivia, the Romen virgin made of Travertine stone.

The day was very hot, god Apollo was showing his anger, the temperature was 36° C. We entered into the Papal Basilica of Saint Peter in the Vatican. It is the most renowned work of Renaissance period. It has St. Peter's tomb, gardens, museum and church. But St. Peter's Dome is the tallest dome in the world. It was designed by Michelangelo, the famous artist. This is a magnificent monument with numerous statues of gods raised on it, It appeared to me that to understand the history and culture of Rome one should stay here at least for one week. It was a crowdy city, the language was a big barrier because the people speak Italian. Pick- pocketing and chain snatching are the common crimes here, which were uncommon in Switzerland.

It was 20th, we set out for Florence, city of

flowers.It was founded by Julius Caesar. First, we reached to Accademia Gallery, outside of it there was the statue of Alighieri Dante, the writer of Divine Comedy and the father of Italian language. He was a revolutionary scholar; so, he was exiled by the emperor and he died out of Florence. At the same time, this place was the home of Michelangelo's sculpture David. The other important monument, Florence Cathedral, built in

Dante's Statue

Florence Cathedral

Gothic style, began in 1296 and completed in 1436. It is made of marble, pebbles in various shades of green and pink bordered by white. Neptune Fountain of Florence, Palazzo Vecchio are the other buildings, we visited and also enjoyed the River Arno.

Next day, we started in the morning by coach to Venice. the distance was almost 300kms. Venice is the city of Canals and Gondolas. We reached Mestre and from there we reached Venice by ferry. It is in the Venetian Sea lagoon along the Adriatic part of the Mediterranean Sea. We crossed four bridges to reach Doge's Palace. We visited St. Mark's Basilica built in Byzantine style, Burano and Murano Glass Factory, Garden and St. Mark's Squire. The very interesting fact is that to reach Rome, we passed through the world's longest and deepest rail tunnel Gotthard base tunnel which is 57 km. long, we took 20 min. to pass through it.

On 22nd June we returned to Zurich, and had already planned to visit Biel, we reached there in afternoon and went to Chasseral, a part of Jura Mountain facing Lake Biel. It is the highest summit in the canton of Bern outside the Alps. From the top, one can see France, the view was really amazing. Here was only one self service restaurant, we had a cup of coffee there viewing the green lake and returned back to Biel and slept early as we had to go to Yungfraujoch next morning. It was the top of Europe. We were very excited but the journey was long and going to be covered in parts. From Biel, we reached Bern and caught the train for Interlaken, and then reached Grindelwold. We took a cable car and rode in highest railways of the world. The name of the station was Kleine Scheidegg. The journey from Kleine Scheidegg to Jungfraujoch is of 50 minutes. It stops on the way Eigerwand while going and Eismeer while coming back to have the look of glaciers. I never saw the white beauty of snow never before in my life. It was mesmerizing. We played, rolled and enjoyed and clicked plenty of pics. Fresh snow all around the snow-capped mountains, blue sky and pleasant sun. Thank You God for making the world so beautiful and wonderful! My daughter enjoyed the Zip line, it was an adventurous sport.

Venice

Doge Palace

Jung Fraujoch

Statue of Yash Chopra at Interlaken

We saw the Ice Palace, Star world and returned back to Interlaken and went to see Yash Raj Chopra's statue at nearby hotel premises. It was a tribute to him for shooting and for the success of the Film Dilwale Dulhania Le Jayenge.

On 25th, we came to Lauter brunnen to see the Trummelbach Fall. It provides an awe-inspiring spectacle of nature. It has 10 glacier-falls. It is the only glacier – water fall in Europe inside the mountain and still accessible. There is a tunnel lift to 5 falls which was astonishing, It was not going up, instead it was moving in slanting manner. We return on foot to enjoy the beauty of nearby area. The rocks were very strong and its vegetation was lush green. We returned to Bern and saw Municipal Council as it was near the station and in the evening reached Zurich. It was the country where pedestrians are given more respect. The vehicles stop if a pedestrian is crossing the road. Everybody follows traffic lights; the elders are given seats in trams; mothers are helped in bringing the prems of the children out of trains and busses; everybody does his work himself; everybody stands in queue, if somebody's even mobile is left, the other will call him and give him back. Self-discipline, which I did not find in London and Paris.

Mother

Dr. Medha Sachdev
Prof. & Head
Department of English

Writing in pain,
Crying for gain,
Delivers she a 'she'
In this world.

A face so calm,
Like a breathing balm,
She grows into a maiden
In this world.

The daughter of a mother-
Now she the mother of a daughter,
Repeating the past of her mother,
She gives birth to a daughter.

Involved in this eternal process,
Mothers give birth to their daughters.
They resurrect themselves,
Dying...
To live in their daughters.

THE JOURNEY

Asna Khan
B.Sc 2nd Year 4th Sem.

Once there was a girl. It was her first day at college and she was very nervous because in school there was different culture but here at the college it was totally different. She was wondering how she'll manage as she doesn't know anyone there. She thought she won't be able to make friends at college as well as she thought that the college environment might be strict for her and she won't be able to cope up with any of these. So with no expectations she entered into the college and that was the beginning of her college journey As time passed, things got changed and she realised that the environment there was not that strict she thought it would be. It was just protective for the students so that they could do good in their lives. Soon she was able to make friends. Now all the girls around her were not strangers anymore. They were helping and loyal, most importantly they were good friends of her. There were lots of beautiful incidents happened when she realised she was not alone. Her friends were always besides her to support her: One of the most beautiful incident was that when she was not well and she feared how would she complete the work on the given time period but her friends realised the situation and helped her to complete the work on the given time period. So she realised that she should not judge people before actually knowing them because over thinking tend to build up a wall around you but as soon as you start socialising the wall gets break and a new journey gets started.

TECHNOLOGY

-Hira Iqbal
B.A IInd Semester

Technology has been negative affecting society from the very first technological advances through present day, and will continue to harm us for foreseeable future.

Technology comes in many forms, all with the main focus of helping people who perform a task the if they do not want to, or can not perform on their own. While people's intention are good, there are many forms of technology that have grown to be reversed as a sort of magical device, or a reaction of a work much more impressive than a man could have ever created. As stated by Jean Restand, "Service has made us gods even before we are worthy of being men. The incredible amount of power that we now. hold in our pocket is often for granted. Technology in the past was meant to simply help society, with problem such as creating the light bulb in place of candlelight. In future, technology will continue to Creep its way into every aspect of us lives.

Even today, contact lenses, watches and glasses all have technology built into then that goes beyond on simple convenience and starts to lean on the side.

Technology has made the people of our society very lazy, and for the most part unable to think for themselves.

Man frisch stated this idea perfectly, "Technology the kwack of so arranging the world that we should have to experience it. Today and for years to come, people will certainly continue to use technology as a means of interaction without ever having to leave their homes.

Example of this can be seen every where, from the teenagers are addicted to their phones, Amazon and other website delivering everything, including food, straight to your doorstep.

This is an unhealthy way of life, and it has come to be normal due to these devices that inhabit our homes, pockets and bad is that it will contime to be a growing problem for the years to come

Mariyam Zubaida
B.Com III Sem.

Stop Pollution - Save Environment

Search for a solution, to stop pollution Solution are there, To begin Green Revolution! plant a tree. To make earth pollution free for small distances use cycles, for long journey CNG vehicles you can perform, some affective reform. Pollution affects our health, to cure one has to waste wealth. Pollution results in global warming, Rapidly metting of glaciers is alarmning.

Search a solution, To stop pollution.
Save Nature if you care for future.

Ease v/s Difficulty

Easy is to judge the mistake of others,
Difficult is to recognize our own mistakes.
Easy is hurt someone who loves you,
Difficult is to heal the wound.

Easy is to set Rules,
Difficult is to follow them
Easy is to dream every night,
Difficult is to fight for a dream

Easy is to say we love
Difficult is to show every day
Esay is to makes mistakes
Difficult is to learn from them.

Safety of Women in India.

Introduction :- Today the Safety of women in India is widely discussed everywhere. Now it has become a serious problem. The crime rate is skyrocketing. women are not safe either at home or outside Female travellers from other countries also find themselves in a precarious position when travelling to India. But these fears can not stop them form any social activity. There are laws, but must be strictly followed to protect violence against women.

Safety of women in India: Violence and discrimination threaten women's life and prevent them from participating in any social activities. In India, she is revered by those who consider her goddess of the surge in crimes against women through Durga, Sati and Savitri Previously, women were confined to break this prison and show the world their talents on an equal footing with men.

Women showed off thier talents in everthing from taxi driver to CEOs of multinational corporations. A woman should let go of the idea that she can't do anything when she leaves the house. Kalpana Chawala is a role model for all women who dreamt of becoming astronauts. She has become an inspiration all over the world.

Conclusion :- Domestic violence, sexul assault and murder are common forms of violence against women in India. Dowry death is an extreme form of murder. Dowry is an evil. The girl's father loses everything to pay for it. Domestic violence, committed by one partner with another in a relationship. Domestic violence is on the rise in India. 70 %. of women are victims of domestic Violence. This leads to depression and suicide.

It is not a direct muder, but the cause of the

murder is certain. Moreover, girls are forced to marry at. young age. The young bride is not yet old enough to understand her responsibilities. Acid injection is a form of brutal attack that ruins. the life of a beautiful girl. Relationship cheating is another common crime against women. A man easily breaks up with his wife and starts is live with another women.

Women's safety a major issue in India and many organization have started working on it after the Nirbhya incident, women need to learn a few self-defence tips and tricks to be useful in the worst case scenario. Numerous videos and information about such protection techniques are available on the Internet to educate women about safety.

Advice for women : If you feel anything unsafe we recommend that you leave immediately.

Volience on public transport is common, so she should avoid using public transport at night, and if that's not possible, make sure that she is travelling in enough crowd. Do not pick up strangers if she drives alone because their intentions are unclear. If she uses smartphones wisely, it can become her bodyguard in the emergency.

There are many convenient devices in the market which help in an emergency. Keeping sprays, and small knives. in her wallet. They can be useful in case something goes wrong. prevention is always better than cure.

Sweet Girl.

Let me live. Let me bloom
let me shine like beautiful moon.

Let me come and, see this world.
Let me fly like, the beautiful bird

Don't be so rude, or selfish.
Let me swim like, a colourful fish

Listen my cry, listen to my screams
Let me fulfill, my wishes and dreams.

Let me see this, beautiful earth
Please don't kill me, before my birth.

Power of Knowledge

Hira Iqbal
B.A. II Sem.

Knowledge will tower,
Ignorance will cower,
And, until the last hour,
Knowledge is power.
"The Family can give you a clue
But books will give you the big debut.
Books will send you into thought,
That is long overdue.
Knowledge will tower,
Ignorance will cower,
And until the last hour.
Knowledge is Power.

- **Shumaila**
B.A. III

In Appreciation of My College.

I love my Tikaram College
Where I enjoy everything I study.
I love my teachers of English, Economics and Political Science
As they help in enlightening minds.
I have made many friends here,
We always study and play together
Sometimes we cry and sometimes we laugh,
We have great fun with teaching staff
And I can never forget my College,
My friends, my teacher and my Principal too.

Some Thoughts To Learn

- Do not compare yourself with any one in this world.

If you compare, your insult yourself.

- No one will manufacture a lock without a key.

Similarly God never gives a problem that does not have a solution.

- Life laughs at when you are unhappy.
- Life smile at you when you are happy.

But life salutes you when you make others happy.

- Every successful person has a struggle behind him.

Every struggle make a successful ending.

- So, accept the struggle and get ready for success.
- It is easy to judge the mistake of other,
- But difficult to recognize our mistake.

House of Grammar

There is a beautiful house called Grammer. There are eight members living into.

Noun - Noun is the father who does the main work.

Pronoun- Pronoun is the elder son who takes the Place of father in his absence.

Verb- Verb is the name of mother who does the work of the Grammer House.

Adjective- She is in youngest daughter who keeps Communication with her father.

Adverb - He is the son who is always behind his mother, compañian of her work.

Conjunction- She is grandmother who joins every member together.

Preposition- He is grand father who tells about the position of the house.

Interjection - He is a friend who exclaims in the time of need.

Teacher

Teacher is a Solution,
Who solves our confusion.
Teacher is like a trainer,
Who constructs our manner.
Teacher is like a light,
Who makes our career bright.
Teacher is like a key,
Who opens the lock of memory
Teacher is like a sailor,
Who helps as Cross our failure
Teacher is like a tree,
Who suffers our life for free
If none respects his teacher,
Then he cannot live the pressure.
Never break Your teacher's heart.
In older to make your future smart.

WOMEN EMPOWERMENT

Lal Bahadur Gupta

"Yatra naryastu pujyante ramante tatra devata, yatraitaastu no pujyante sarvaastatrafalaah kriyanh", is a famous shloka taken from **'Manusmrati'** which means where women are honored, divinity & blossoms there and where women are dishonored all actions no matter, how noble remain unfaithful. This quote shows a strong importance of women's empowerment.

Indian culture gives women the utmost respect. Many of our Gods are female and they have been worshipped as a daily by many faithful people. The goddess of wealth **'Laxmi'**, The goddess of power & strength is **'Durga'** and the goddess of wisdom is **'Saraswati'**. Women are the epitomes of wealth & power. The whole family is dependent on women for its daily activities. They play the vital role of mother, wife, homemaker, cook, teacher, friends, Nurse all the same time while catering to every body's need.

The women who are in a job have to also fulfill the job responsibilities while managing home & family. The life of women is very hard but she gets little or no appreciation. There are a lot of women who are extremely talented & multitasker but have no recognition in society.

Woman are near about half of the world's population. Women are important pillar of society and have the potential to contribute & plan a significant role in society.

Empowerment means building a healthy society in which women have equal across to health, education & jobs. Mostly it's observed that men have the decision power but we also need to give significant power to women we need to give women equal right in the social, professional and political systems.

We need to be against women's discrimination we must give equal opportunities to women. It is much important for the growth of a society. Empowering women has numerous benefits. Empowering women is beneficial for women selves, for society, for the country, for their children & their families as well. Women's empowerment in the industry leads to economic growth and development of a country.

Difficulties for women:- Despite recent gains women continue to confront several hurdles that hinder them from fully participating in and contributing to society.

As gender based violence discrimination, unequal access to education, unequal support in healthcare as well as unequal economic opportunity. Women on the other hand, flourish and achieve. When they are empowered and given the same chance as males. So how can women be empowered? There are several options but few we discuss.

1. As encourage women to take on leadership roles and participate in decision making process, policies & legislation that defend women's rights & promote gender equality should be supported.
2. Speak out against gender violence and prejudice.
3. Girls should be educated and given the same possibilities as boys.
4. Encourage gender equality and dispel gender prejudices.
5. Brothers need to give assets to sisters when inherited after the death of their parents.

Domestic Violence- As divorce is still a taboo in Indian society many women are suffering from

abusive marriage. As they are not empowered they fear to stand up for their right. If we want to empower women then domestic violence has to be stopped at any cost.

At last we can say that now a days society is changing slowly more & more number of women is getting a quality education. But the true meaning of women empowerment will be achieved when gender inequality will be eliminated. We need to give equal opportunities to women for equal pay equal respect as equal to men, as this is the need of modern India. We look forward to such our nation.

RIDDLES

- Hira Iqbal
IInd Semester

Riddle :- What two things you can never eat for breakfast?
Ans- Lunch and Dinner
Riddle:- What is orange and sounds like a parrot?
Ans:- Carrot
Riddle:- What has to be broken before you can use it?
Ans- An egg
riddle:- I am tall when I am young, and I am short when I am old. What am I ?
Ans- A candle
Riddle - Which month of the year has 28 days?
Ans- All of then
Riddle :- What is full of holes but still holds water?
Ans- Sponge
Riddle :- What goes up and never comes down ?
Ans- Your age
Riddle :- What does a house wear?
Ans- Address
Riddle :- I give milk and I have a horn, but I am not cow What am I?
Ans:- A milk truck.
Riddle :- Why did the fly never land on the computer?
Ans- He is afraid of the world wide web.
Riddle :- What kind of murderer is full of fibre?
Ans:- A cereal killer
Riddle :- I have hundred of wheels, but I don't move. Call me what I am, Call me a lot. What am I?.
Ans- A Parking
Riddle :- I starts with M and ends up with X, and have a never ending amount of letters What am I?
Ans:- A mailbon
Riddle :- What do you called a snail on a a ship?
Ans- Snailer
Riddle :- I make a loud sound. When I am changing When I do change, I get bigger but weigh less. What am I?
Ans:- Popcorn

LITERATURE IS USEFUL FOR OUR LIFE AND SOCIETY

-Bharti
B.Ed. I Year II Sem.

Literature is useful in our life Society, yes 1 am agree this statement I explain my point of view.

Literature is a Reflection of humanity and a way for us to understand each other. By listening to another person's voice, we can begin to find out how that person thinks. I believe that literature is important because of its purpose .

Literature is important to Society because it reflects Culture values and serves as a tool to teach this values to others. Through literature, people can learn about Specific periods in History and events that Change the world. Prose and Poetry also provide a way to express emotions raise questions and build critical thinking skill.

Literature allows a person to step ahead of time and learn about life on earth which went before us We can gather a better under standing of culture and appreciate them more We learn ways to record History in the form of manuscripts and through speech.

History plays a fundamental role in shaping literature, every novel, play and poem you read has been influenced by Political Context, or a time period on a relationship from the time, it was written.

Not forgetting the pure history of literature itself with the first Novel being penned in 2000 BC -The Epic of Gilgamesh. Being able to read first-hand something from so long ago is a major aspect of learning the lives of Historical figures and times.

Understanding the Human condition through literature

Common themes in the literature include conflict, loneliness, fear and growth. As readers engage with these topics, they develop an understanding of the human condition the characters and the challenges and successes they face become examples of what happens to people when they respond to or ignore- these universal experience. Stepping in to the characters experience can help readers develop empathy.

Escapism and Possibilities.

Reading can take us to different places and see other. People's creative thought processes. Literature is so beautiful whether you have bad days, are stressed with work, deal with life is new decisions - books can help you, take you to another world and help to live else where for a short time.

Discovering other cultures thorough literature.

Readers can learn about other cultures of past and present through literature. Character Settings and description of action. put them in the middle of the action, the story also reflects the history of the Country

Deep knowledge through literature.

Literature provides way for readers to deepen their understanding of historical events. A story sends them back in time, and by reading what the. characters react to and what happens. they are influenced and enliven History.

Novels provide knowledge, entertainment encourage creativity and offer a gateway for readers enriching their lives in more ways than one. This is certainly a lot more than the words in a book, and even with the increasing popularity of reading ebooks, Kindle, Wall pad and online create a conversation, a unique world and new perspectives.

World Literature

The study of world literature is a powerful tool for global Studies because it encompasses so many themes. That are important to understand globalization. World. Literature can show us how Information is shaped between. cultures and nations. It provides insight unto how cultural.

artifacts are transformed as they traverse language and. boundaries. It also can helps us to understand the way that new media technologies could be faciliating globalization by creating a public. Space for the transmission. of literature and other Information across the globe.

Literary Genre.

Literature falls into the categories of generes and subcastes knowing the difference between these group help readers, chase books especially when they learn what kind of stories and poem they like to read the most common geners include literary fiction, mystery, horror, Historical Fiction, Science fiction, poetry and Drama.

Each Category has specific characteristics that appeal to different people but themes can overlap between them. Both literary fiction and Science fiction can offer social commentary. but they do so in different. ways.

Great works of literature

It is not an easy task to choose great work of literature because there is always some debate about what makes a story great. However, books with interesting plots, believable characters. and universal themes that have stood the test. of time make a list of great works. for example, "Ana Karenine" and "The Great Gatsby" appear on time magazine and Encyclopedia Britannica list of great books.

Can literature make us better persons

Literature can make us better person. If we have great desire to become better than learn from the examples in literature (or history) what weakness we should overcome for example, I learn the great benefits of being patient from characters in literature or history. And I find myself striving to be more. I learn that Honesty is the best policy and Unscrupulous benefits from corruption are not necessary. for reasonably comfortable passage through this temporary world.

I think that literature tells the story of different people in different settings with their role there are positive and negative trends. It depends on how we see these actors and how we are affected by them However, it mainly depends on our own set of values, beliefs and instincts. Which can be a driving force in our lives and try to guide us in the direction of good or evil.

Literature expands our Imagination and refines our moral and social sensibilities. We need to go beyond the common experience and appeal in the field of psychological research. People tend to do so when the story goes away from home emotional conditions and moral dilemmas. similar to literature also exercises for suggesting brain studies that enhance our real life.

I certainly believe that literature has a big role in society. Literature plays a great role in making us better human beings At least we should be sensitive and start taking seriously our roles and responsibilities towards the Society. We also become sensitive towards other humans. And our family and Social relationships depend on our sensitivity to the other. If one aspect of our life is science and technology, than the other aspect which is more important is human relationships which if not satisfactory in can lead to disastrous results and can caused many Psychological disorders. Literature teaches us how can we happy and content in our means.

Literature not only makes you sensitive for important issues but it definitely makes. you realize your level of sensitivity and insensitivity. It ignites a spark in you there are some habits, behaviours. unique ways. of doing things that are very abusive or insulting to others but we keep doing them unconsciously. Literature shows us the mirror.

Literature reflects human nature and in one way in which we can learn and reflects to others. By reading from the perspective of the first person, we can be completely immersed. and find out how others think and feel. this is important with in

today's society as we are incressingly disconnected from Human Interaction.

Produce Sympathy and understanding.

Reading a book is one of the best ways to fully immerse your mind in another person's dialogue and experiences. Being able to empathize and understand other people's feelings in an important aspect of helping and to connect with different races, societies, and periods of time. They help a person to take a closer look at the various aspect of living that they know and survive which can change attitudes.

Literature serves as an expression for each person. Some books reflects society and allow us to better understand the world in which we live. However, at the same time it also depends on the person, how he takes it. But even than the final message of literature must be understood and taken positively.

Finally I want to say that?

Literature shows one such path to us By following this, we can make ourselves a good and a better person for the Society

MY HERO MY FATHER..

Hira Iqbal
B.A. II Sem.

Father refers to the male parent of a child in a family. He is a very important member of the family. He is the one, who takes care of the entire family including his own parents, wife and children. He earns his butter and bread for his family and tries his best to fulfill their needs and demands.

A father is one who maintains strict discipline among the family members and is looked upon with respect by everyone. A father is one who stands like a rock solid beside his family and protects them and from the ent of secrity. He acts as the root of his family and binds each member with love and respect Usually people talk about mother's love and affection in which a father's love ofter gets ignored. A Mother 's love is talked about repeated by every where, in memories, in shows and more. It would also be wrong to say that every father is the ideal hero for their Kids because that is not the case.

Most important, he has a jovial nature and always makes my mother laugh with his silly antics even after 27 years of marriage.

EDUCATION AND HUMAN RIGHTS

Dr. Hemlata Agarwal
Professor & Head.
Dept. of Drg. & Ptg.

"Education shall be directed to the full development of the human personality and to the strengthening of respect for human right and fundamental freedom. It shall promote understanding, tolerance and friendship among all nations, racial or religious groups and shall further the activities of United Nations for the maintenance of peace.

"Article 26.2 of the Universal Declaration of Human Rights

It's said that a right is not what someone gives you; It's what no one can take from you. Yet basic human rights in India have somehow has been taken away from a vast section of population, with a million scavengers, thousands of cases of domestic violence and dowry deaths, and an appalling number of child labourers, we surely have a long way to go where securing basic human rights and empowerment is concerned. Today, the most influential document used to determine what qualifies as human rights and how to implement these ideas and rights into everyday life is the universal declaration. All these will be possible with help of education, with education no one can know about one's right and there is no advantage of human rights for the people. It will be only seen and read in only Constitution and legislative books.

Awareness Regarding the Human Rights

Unawareness leads to under-development of the individual's personality as well as the ability of acquire good education, knowledge and high position in the life. Many talented youth's of our country became the victims of such unawareness about the facts and figures of various government schemes, opportunities to get good education, opportunities to get good jobs, opportunities to get government's assistances for starting business, so on and so forth. After the right to information act came into existence in India, people are getting the benefits of this act in the form of their required information, leading to good opportunities of education and jobs and rubbing out the corruptions made in government organizations. But the question is how many of such people get the benefit of the Act? The answer is very few in number in the whole country. In the absence of such information regarding the opportunities for jobs and good education, people particularly the youth are not getting the right education and jobs. As a result they are diverting themselves towards the violence and even on the path of crime. This is very unfortunate and sad for our country. In order to club this, people will have to be educated through generating awareness regarding the human rights and other opportunities. They can avail for education and jobs.

Awareness Among Students

By engaging with the elements of a human rights and values learning sequence, students gain an understanding of the relevance and importance human rights and values to their everyday lives. They also gain an understanding how human rights and values relate to interactions with others as well as to national and world affairs. Students recognize and gain an appreciation for the human rights that they enjoy and gain an understanding that not everyone enjoys these same rights. Students develop an understanding of their role in respectively human rights and values and the value of contributing towards creating a human

respecting culture in their country.

Students identify and investigate human rights dimensions in current and historical issues and events, develop an increasingly complex understanding of human rights, principles, recognize human rights violations and build skills, behaviour and attitudes to address human rights concerns and respect human rights in all aspects of their lives and relationships with others.

So concluding, we can say that human rights are entitlements that every human being is entitled to because of being human. Examples include: right to life liberty, security of persons, freedom from slavery or servitude, freedom from torture or cruel, inhuman or degrading treatment or punishment and right to recognition of someone as a person before the law. Human rights are very important to humanity because if respected they act as the basis for freedom, justice and peace throughout the world. Once, they respected by international community. human rights promote an array of development spheres, for example, social, political and economic development resulting in the improvement of people's standards of living. Education is can play a major role in doing all this.

Human rights should be effectively taught to students of different level so that students should thoroughly understand them. The findings of different societies can implemented in education system including teacher, education policy makers and teacher training institutions.

VALUE OF TIME

To realise the value of one year,
Ask a student who has failed in of the examination.
To realise the value of one month,
Ask a mother who has.
given birth to a premature baby.
To realise the value of one week,
Ask an editor of a weekly newspaper.
To realise the value of one day
Ask a daily wage labourer
To realise the value of one minute
Ask a person who has missed train
To realise the value of one second
Ask a person who has survived. an accident
To realise the value of onl milli - second
AsK a person who has won silver medal in olympics.
Time....... slips through my hands

Mariyam Zubaida
B.Com III semester.

BODY CABINET

Brain Prime Minister, Lungs Home Minister.

Skin Defence Minister, Head education Minister.

Legs Trensport Minister, Stomach food

& Agriculture Minister

Eyes Laws & order Minister,

Mouth Informaton & Broadcasting

Hands Industry Minister, Ears Post

& Telegraph Minister"

Nose Health Minister, Teeth Civil. Supply. Minister.

Tongue Public Propaganda Minister.

G-20 : CLIMATE ISSUES, PERSPECTIVES AND CHALLANGES

-Deeksha Verma
B.A. IV sem.

Introduction :- Climate change refers to long term shifts in temperatures. and in weather patterns. These shifts may be natured through variations in the Solar cycle. But Since the 1800's Human Activities are the main driver of climate change primarily due to burning fossil fuels like coal, oil and gases.

Burning fossil fuels generates green house gases that act like a wrapped blanket around the Earth and trapping the sun's heat. because of this earth's temperature is increasing day by day Example of Green house. that are causing climate change include CO_2 CH_4, CFCs etc.

These gases come from using gasoline for driving. a car and using coal for making electricity and from other human conveniences like Refrigerator, A.C, Cars etc. and clearing land and forests also releases CO2.

We can also say that Climate change is a periodic modification of earth's climate which is brought about as a result of changes in the atmosphere as well as interactions between the atmosphere and various geologic chemicals. Now a days this word climate change refers to rise in temperature of Earth from the mid 20th Century to present.

Issues of Climate :- There is an alarming evidence that important tipping points may already have been reached, that are leading to irreversible changes the eco system of Earth.

Extreme weather events. shifting wildlife population rising seas and a, range of other impacts can be seen as Climate change.

- Average temperature has risen by around 0.7°c during 1901- 2018 It is predicted that temperature may risen by approximately 4.4°C till the end of this century. Heat waves over India may be 3-4 times higher.
- Summer Monsoon rainfall has declined by 6%. over India, between 1951-2015 the especially in Indo Gangetic plains and in the western ghats
- The area affected by drought has also increased by 1.37% per decade during 1951-2015.
- The world's ocean will warm and Ice melt will continue.
- Average Sea level rise is predicted to be 24-30 by 2005 relative to the reference period of. 2005
- Also Sea surface temperature of the Tropical Indian ocean has risen by 1°C during 1951-2018 and is higher than Global Sea surface Temperatury warming of 0.7°C.
- Climate change will affect Bio diversity. - IPCC "(Intergovernmental panel of Climate change)
- The changing environment is expected to cause more heat stress an increase in waterborne diseases, poor air quality and diseases transmitted by insects.
- "Because of these health issues, there will be a harmful impact of Climate change on Economy.
- Rising temperature are likely to increase more energy demand for calling space further adding to the global warning by increasing GH.G emotion.

Increase in the Concentration of CO (Carbon mono oxide) would affect photosynthesis in agricultural plants.

Challenges to fighting climate change:-

1- Co_2 is a global pollutant that can't be locally contained- The first key feature of Climate change is that Co_2 is a global pollutant rather than a local pollutant, Thus Co_2 is for harder to regulate and Manage.

2- **For Now Climate change is still Hypothetical:-** The damage in caused by climate change pollutants will happen in the future. which means most of us won't truly affected by be climate change.

People most harmed by Climate change aren't even born yet?

3- Developed countries contribute a large share of pollution climate change is a global threat but Solutions need a super human level of sacrifice and awarene.

4.- Modern living is the part of problem:- Modern Conveniences contribute to climate change and remedies potentially involve significant sacrifice and change life style.

Conclusion:- Climate change is Major global threat in relation to the growing worlds population and industrialization. One of the main cause of Climate change is Carbon emission. if Carbon emission is not mitigated then the world will not be sustainable. The population should be taught on the various environment friendly practices to save the world from Global warming and Green house effect.

Poem

Cyber Security and Cyben Peace

Tamanna Agrawal
BSc (PCM) IV Semester

\- Cyber security, our digital Shield,
Protection from online dangers revealed.
Hacking, phishing viruses too,
Our personal information is at risk, it' ture.

\- But with cyber peace, we can find a way,
To safeguard our online world day by day
Education, awareness, and smart Online moves,
will help us protect our digital grooves.

\- Let's Join hands and spread the world,
Cyber security is every one's responsibility, we've heard
With strong passwords and secure networks in place.
We.ll ensure our virtual world stay Safe

\- So let us Strive for cyber peace,
And keep our online world at ease.
For a safe and Secure digital space,
Is a gift for all of the human race

CLIMATE CHANGE AND ITS IMPACT

Priyanka Deshmukh
B.Ed. (Second Year)

Ratan Lal, a 40-year-old poor farmer who lives in a village with his family consisting of his old mother, wife and four children. This year he has taken another loan for his crop, and he is pretty sure that if monsoon comes on time and sufficient rain falls then after his harvest, he will pay off all his loans and send his son to the city for higher studies. He is now eagerly waiting for the monsoon. Monsoon time has arrived, but alas! rain is not occurring yet. From some radio news he heard that this monsoon season meteorologists are forecasting drought in his region, and it is due to climate change. Ratan Lal gets a setback as his crop will get damaged due to drought. From the above story it is evident that Ratan Lal has witnessed the impact of climate change. Climate change is easily visible these days and its impacts are unavoidable.

Climate change

"Climate change" basically represents a change in the long-term weather patterns. We can say it is a change of climate which is directly or indirectly related to human activities that alters the composition of the atmosphere, and this change is observed over a long period of time.

The Intergovernmental Panel on Climate Change issued a series of reports that project significant increases in these impacts as warming continues to 1.5 degrees Celsius and beyond. Under the 2015 Paris Agreement, nations collectively agreed to keep warming "under 2.0 degrees Celsius" through mitigation efforts.

Climate change can occur naturally or by manmade activities.

Impacts of climate change

There are various impacts of climate change, some of them are

Rising Atmospheric Temperature

- Rising sea levels
- Acidification of oceans
- Increase in the risk of natural and manmade disasters
- Health issues
- Less agricultural productivity and danger of food security
- Impacts on the economy of nations
- Suggestions to combat climate change: We can-
- Induce Behavioral changes in people.
- Develop a climate management society at every Panchayat.
- Use community radio to generate awareness among the people at grassroot level.
- Ask our family and friends to minimize their use of air conditioners.
- Use Smokeless chulas in villages.
- Add the issue of stubble burning as an item in the climate change management agenda of Panchayats.

Conclusion : Climate change is a serious issue, and it must be addressed as soon as possible. We can mitigate its impacts by ways like reducing the emission of greenhouse gases. Government is doing its efforts by setting up of solar projects, developing solar parks on canals, Clean Ganga Mission, National Air Quality Index, apart from this India is a Party to the United Nations Framework Convention on Climate Change, Kyoto Protocol and the Paris Agreement. If we want to protect our mother planet earth, then we should come forward and take the responsibility of combating climate change on our own. Lastly, it is worth saying,

"We all have collective responsibility, and we shall act before it's too late."

The Award winning essay at National Level Essay Competition organised by Indian Institute of Technology, Hyderabad.

OUR GREEN FRIENDS

Karishma Saxena
B.A. III

Have you ever thought of the importance of tree in the life to man? Trees are our best friends, in Nature. They give Fruit to eat and Firewood to burn. We build houses and make furniture with timber. Where would be the books without Paper? The Pulp before making paper is provided by trees. When we think of tree, we think of their cool shade. The children play around the trees and when they are tired.

Trees do much more than giving us fruit, furniture and Paper. They support the life of living things. They replace the oxygen that get used up when living things breath or burn any thing. In fact even the meat that man eats is produced by plant-eating animals. The tigers and lions feed on deer which eat plants. Thus, the plants supply us two most important necessities of life, namely oxygen and food.

We are told that trees cause rain fall. How? The tree leaves breath out a lot of water vapour into the atmosphere. This helps to make the air cool. On a hot day, it is cooler under tree that inside a building. The cool air over forest makes clouds which cause rain.

This explains why rain fall over forest areas is greater than in other Places.

Tree hold the Soil together. They Save it from being washed away by showers. Our earth has a covering of fine Soil on the surface. Under the soil lie rocks. This Soil

cover grows grass and plants. Their roots. hold the soil together.

Tree supply so many things useful to us. They give us grain, fruit, vegetables and valuable medicines. The branches of tree give shetter to millions of birds. forest gives shelter to countless wild animals. The green leaves and grass refresh our eyes and also the mind.

Once upon a time large areas of our country were covered with forest. As the Population grew. we cut down trees to get more and more land for agriculture, houses and industries.

A great part of our forest wealth has been lost. Now, we are trying to plant new tree all over the Country.

A new festival has been started for this Purpose. It is Called 'Vana Mahotsava. Since trees are the country's real health, it is our sacred duty to Protect them.

Are trees living things ? Trees are the most long- lived creatures on the earth.

They don't seem to be living because they neither move, cry but the fact is that they also eat, drink and breathe as animals do. The Plant holds its leaves and even draws back from human touch.

MY JOURNEY

-**Neha Malik**
B.A. IIIrd year

I set out on foot for my destination
I saw life and right
But there was none to company

I never opened my sore feet and heart
for I wanted to measure the depth of ocean
I never stopped or tired as I thought
There are not the ways but God himself

Many are there to shatter your hope
Many are there to break your rope
But none can stop the flight of thrush
None can overshadow the diamonds brush.

I set out on foot for my destination
I saw left and right
There was none to accompany

While going I trembled all over
As destination eagerly gazed
God was there to hold my hand
How can I be left to touch the as end

I set out on foot for my destination
I saw left and right.
But there was none to accompany

A LOVELY SONG FOR A NEW LIFE

-**Rashmi Singh**
B.Ed Ist year

My heart's beat is singing
A lovely song for a new life,
Nature tells us
Birds are flying in the sky
For new bird's life
Water is singing in the river
Towards their wave for roam,
Sweet air is flowing
In Nature's home.
Shining sun is falling
Rays on the earth
Beautiful pictures in nature.
And working people in the field
That Gives a new thought.
To sad side in the past dearth.
After passing the past life,
Therefore a new morning is
Singing a lovely song for a new life.

Something about life.

1- Life is a gift - Accept it
2- Life is an Adventure - Do it
3- Life is a Duty- Perform it
4- Life is a Beauty - Praise it
5- Life is a Promise - fulfill it
6- Life is a Puzzle - Solve it
7- Life is a Journey - Complete it

प्राचार्या द्वारा महाविद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का लक्ष्य हैं सभी के लिये समावेशी और समान गुणवत्तायुक्त शिक्षा सुनिश्चित करना और जीवन पर्यन्त शिक्षा के अवसरों को बढ़ावा देना।' हमारी आवश्यकता है–सामाजिक न्याय, समानता, वैज्ञानिक सोच व उन्नति, राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक संरक्षण। यह गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से ही संभव है। श्री टीकाराम कन्या महाविद्यालय, अलीगढ़ निरन्तर इन लक्ष्यों की प्राप्ति के लिये कटिबद्ध है। वर्तमान में महाविद्यालय में Proficiency in Spoken English, Vermicomposting, Basic Computer Skills, Wall Painting and Mural Art, ;ksx] GST, Integrated Food Processing, Content Writing, Cutting and Sewing, Guidance and Counselling, Microsoft Office and Internet, E-Commerce, Banking and Finance आदि रोजगार परक व कौशल विकास पाठ्यक्रम संचालित है, जो महाविद्यालय की छात्राओं की रूचि अनुसार उनमे कौशल का विकास कर रहे हैं। सत्र 2022–23 से विश्वविद्यालय की समस्त प्राध्यापिकाओं, अधिकारियों व कर्मचारियों को Abacus Portal Registration करवाने का उत्तरदायित्व सौंपा गया। इसी के अन्तर्गत महाविद्यालय में प्राचार्यों व उनके प्रतिनिधियों की संगोष्ठी का आयोजन किया गया। शैक्षणिक गतिविधियों के अन्तर्गत महाविद्यालय में 5–6 नवम्बर 2022 को आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत ICSSR द्वारा sponsored राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसका विषय था NEP-2020 : A Revolutionary Step Towards Digital India. यह संगोष्ठी blended mode में आयोजित की गई जिसमें देश के कौने–कौने से 47 प्रतिभागियों ने प्रतिभागिता की एवं 70 प्रतिभागियों ने महाविद्यालय परिसर में भाग लिया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता राजा महेन्द्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 चन्द्रोखर ने की व मुख्य वक्ता NEP State Steering Committee के सदस्य प्रो दिनेश शर्मा जी व विशेष सत्र में वक्ता प्रो0 आबिद सिद्दकी, शिक्षा विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ थे। संगोष्ठी के साथ Proceedings व पुस्तक Use of ICT Tools in Higher Education का प्रकाशन किया गया।

4 फरवरी 2023 को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन 'Industrial Innovative Practices' विषय पर किया गया जिसमें प्रो0 मोहम्मद नावेद खान Dept of Business Administration, AMU, Aligarh ने अमूल्य जानकारियाँ प्रदान की व छात्राओं को आत्मनिर्भर बनने का संदेश दिया।

22 फरवरी 2023 को प्राध्यापिकाओं व छात्राओं को Intellectual Property Right के विषय में जानकारी देने के लिये एक दिवसीय Webinar का आयोजन किया गया। जिसमें प्रो0 B. K. Saraswat, I.T. Department Dr. B. R. Ambedkar University, Agra, डॉ0 सईदा खान, अर्थशास्त्र विभाग, AMU, Aligarh, Prof. Om Prakash H.M., Bule Hora University Ethopia तथा एड0 ईशता, टी0 वत्रा, Intellectual Property & Media Counselus वक्तव्य दिया और Intellectual Property Rights के विभिन्न पक्षों पर प्रकाश डाला।

इसी सत्र में उ0प्र0 सरकार द्वारा Sponsored राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 4–5 मार्च 2023 को किया गया जिसका विषय था ''महिला आत्मनिर्भरता – अवसर, समस्याएं व चुनौतियां आधुनिक भारत के परिप्रेक्ष्य में' इसका आयोजन भी blended mode में किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रो0 चन्द्रशेखर कुलपति राजा महेन्द्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय, अलीगढ़, विशिष्ट अतिथि डॉ0 मंजू सारस्वत व मुख्य वक्ता प्रो0 अजरा मुसवी थी, जो अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के Advanced Center for Women's Studies की अध्यक्षा हैं। इसमें विशेष सत्र के वक्ता प्रो0 ओम प्रकाश एच0एम0 Department of Curriculum and Instructions College of Education and behavioural Sciences, Bule Hora University, Ethopia व प्रो0 नसरीन, शिक्षा विभाग अलीगढ़, मुस्लिम विश्वविद्यालय अलीगढ़ थी। इसमें भी लगभग 45 प्रतिभागियों ने Online भाग लिया व 80 प्रतिभागियों ने Offline भाग लिया। इसके पश्चात् भी चुने हुए शोध पत्रों को संकलित कर Women Self Reliance and Atam Nirbhar Bharat पुस्तक में प्रकाशितकिया गया है।

24 अप्रैल 2023 को 'Save Earth' के अन्तर्गत 'Water Conservation' विषय पर प्रो0 संगीता सिंघल, Dept. of Physiology, AMU ने जल संरक्षण में आने

वाली समस्याएँ व समाधान के विषय में जानकारी प्रदान की।

महाविद्यालय अंग्रेजी विभाग की ओर से AZ Cloud Technologies Pvt. Ltd. Microsoft Education Global Trainings Partner द्वारा पाँच दिवसीय कार्यशाला 13–20 फरवरी 2023 का आयोजन छात्राओं के लिये किया गया blesa Speaking, Presentation Skills, Context Creation तथा Research Project लिखना इत्यादि सिखाया गया।

15 – 18 मार्च 2023 के दौरान आई0क्यू0ए0सी0 के अन्तर्गत अर्थशास्त्र एवं वाणिज्य विभाग ने Financial Education for Young Citizens – कोना कोना शिक्षा विशय पर एन0आई0एस0एम0 (नेशनल इंस्ट्ीट्यूट ऑफ स्क्योिरिटी मार्केट) के सहयोग से राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। इसमें मुख्य वक्ता डॉ0 अकीर्लहमान थे।

सत्र 2022–23 की मुख्य उपलब्धियों में से एक है Incubation Centre इसके अन्तर्गत छात्राओं को हर्बल गुलाल व गुलाब जल, वर्मी कम्पोस्टिंग इत्यादि बनाना सिखाया गया जो कई दिनों तक समाचार पत्रों की सुर्खियाँ बना रहा। इसके प्राध्यापिकाओं व छात्राओं द्वारा खरीदा गया है। इसके अतिरिक्त सिंगर के सौजन्य से सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र का आरम्भ किया गया, जिसमें छात्राएँ प्रशिक्षण ले रही हैं व उनके द्वारा बनायी गईं महाविद्यालय की यूनीफार्म अत्यन्त Nominal दर से सत्र 2023–24 में प्रवेश लेने वाली छात्राओं को विक्रय की जा रही है। इस विक्रय से प्राप्त मूल्य में सिलने वाली छात्राओं का भाग भी निश्चित किया गया है। इस प्रकार ये छात्राएं आत्मनिर्भर बन रही है।

छात्राओं को सेवा के अवसर प्रदान करने के लिये भी इस सत्र में महाविद्यालय ने अनेक प्रयास किये जिनमें सफलता भी मिली। A Z Cloud Technologies Pvt. Ltd. के 13 मई 2023 को Placement Drive के अन्तर्गत दो छात्राओं का Internship के लिये चयन किया गया। Max life Pension Fund Scheme द्वारा B.Com III Year,oa B.Com IV Sem. की 12 छात्राओं का चयन 2 Month की Internship के लिये किया गया तथा Brilliant Sr. Secondary School Ramghat Roadesa B.Ed. की 5 छात्राओं का चयन किया गया। इसके अतिरिक्त B.B.A. की 15 छात्राओं का Hicks Thermometers India Ltd. आदि में Internship Program के अन्तर्गत प्रशिक्षण प्राप्त किया।

2022–23 में कु0 रितिका मुखर्जी व अतिमा राजौरिया का चयन एच0सी0एल0 में हुआ, इसके अतिरिक्त शारीरिक शिक्षा विभाग की छात्रा कु0 तनुका चयन दिल्ली पुलिस में हुआ तथा बी0एससी0 की छात्रा कु0 आरती सिरोही का पशुधन विभाग में अधिकारी के पद पर चयन हुआ।

इसके अतिरिक्त सत्र 2022–23 में महाविद्यालय छात्रा सुविधा केन्द्र की स्थापना की गई जिसमें न्यूनतम मूल्य पर छात्राओं के लिये ऑनलाइन फार्म, वेब रजिस्ट्रेशन, फोटोस्टेट, लेमीनेशन, प्रिंट आउट निकालने की सुविधा उपलब्ध हैं। इस छात्रा सुविधा केन्द्र व महाविद्यालय की कैण्टीन महाविद्यालय की पूर्व छात्राओं द्वारा संचालित है।

महाविद्यालय की एन0एस0एस0 इकाई द्वारा तालसपुर कलां गांव को गोद लिया गया जिसके अन्तर्गत गाँव के लोगों को स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया तथा क्षय रोग मुक्त भारत बनाने के लिये रोगियों को ढूँढ़ने का अभियान चलाया व बापू बाजार लगाकर 800 पुराने वस्त्र दान दिये।

जन कल्याण हेतु केन्द्र सरकार द्वारा चलायी गई योजनाओं को साधारण नागरिक तक पहुँचाने के लिये युवा मंच संगठित किया गया है। इसमें 10 छात्राओं का एक समूह तैयार किया गया है जो गाँव–गाँव जाकर उन योजनाओं का जन–जन तक पहुँचायेंगे व उन लोगों उन योजनाओं को लाभ दिलाने का प्रयास करेंगे।

हॉकी मे वैशाली गोस्वामी बी0ए0 तृतीय वर्ष ने राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया। उन्हें उत्तर प्रदेश राज्य सरकार से Scholarship मिल रही है। रजियां बानों बी0ए0 तृतीय वर्श ने विश्वविद्यालय स्तर पर भारत्तोलन में गोल्ड मेडल जीता व लखनऊ में राज्य स्तर पर द्वितीय स्थान पर रहीं। पूर्णिमा शर्मा बी0ए0 तृतीय वर्ष ने Cross Country में विश्वविद्यालय स्तर पर प्रथम स्थान 5000 मी0 दौड़ में भी प्रथम स्थान प्राप्त किया इसी प्रकार छात्राएँ लगातार मलखम्भ, हैंडबाल, खो–खो, वास्केट बॉल, टेबिल टेविट, आर्म रेस्लिंग तथा अमेरिकन फुट बॉल के नई ऊँचाइयों को छू रही है।

यदि हम शिक्षा के क्षेत्र की बात करें तो टीकाराम कन्या महाविद्यालय की छात्राओं ने संस्कृत, संगीत (तबला) व हिन्दी में सर्वोच्च अंक प्राप्त कर गोल्ड मैडल प्राप्त किये

है। इस वर्ष में बी0एड0 की छात्रा प्रियंका देशमुख ने शिक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली और आई0आई0टी0 हैदराबाद ने (INYAS) इन्यास के साथ जी–20 के अन्तर्गत निबन्ध प्रतियोगिता ने राष्ट्रीय स्तर पर चुनी गई तीन छात्राओं में अपना स्थान बनाया। एन0सी0सी0 में भी हमारे महाविद्यालय की छात्राएं आई0जी0सी0 कैम्प, नेशनल कैम्प और Pre R.D.C. कैम्प में विभिन्न पद प्राप्त कर प्रशिक्षण प्राप्त कर रही है।

महाविद्यालय में जी–20 कार्यक्रम के अन्तर्गत ग्लोबल इन्वेस्टरस मीट का आयोजन किया गया। जिसमें डॉ0 ज्योति पाण्डेय एवं डॉ0 मनोज कुमार मुख्य वक्ता थे। इस वर्ष महाविद्यालय द्वारा Institution's Innovation Cell एवं Computer Based Test के लिये भी पंजीकरण किया जा चुका है तथा आजादी के अमृत महोत्सव के अर्न्तगत भी महाविद्यालय ने निरन्तर समस्त कार्यक्रमों का आयोजन अत्यन्त भव्यता किया है। इस सत्र में प्रोफेसर पद पर 19 तथा सीनियर स्केल पर 6 तथा इसी सत्र के अन्त में 7 प्राध्यापिकाओं को प्रोफेसर पद पर प्रोन्नत किया गया। संस्कृत दिवस, चित्रकला प्रदर्शिनी व स्थापना दिवस महाविद्यालय का सदैव ही गौरवमय रहा है।

अन्ततः अगले सत्र में महाविद्यालय में एम0एस–सी0 वनस्पति विज्ञान व एम0एस–सी0 रसायन विज्ञान व एम0एस–सी0 कम्प्यूटर साइंस की कक्षाओं का भी शुभारम्भ होने जा रहा है। सही कहा है–

उद्यमेन हि सिध्यन्ति कार्याणि न मनोरथैः। न हि सुप्तस्य सिंहस्य प्रविशन्ति मुखे मृगाः।

यूथ काउन्सलिंग सेन्टर

मानसिक स्वास्थ्य संबर्धन पर कार्यशाला का आयोजन

"सकारात्मक सोच है, तो मानसिक बीमारी दूर है और जो शारीरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ हैं वो सुखी जरूर है।"

महाविद्यालय में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन तथा राज्य परिवार नियोजन अभिनवीकरण सेवा परियोजना एजेन्सी से प्राप्त फंड द्वारा यूथ काउन्सलिंग सेन्टर की स्थापना जुलाई 2019 में की गई। इस सेन्टर के अन्तर्गत किशोरावस्था की छात्राओं की शारीरिक स्वास्थ्य से सम्बन्धित विभिन्न मुद्दो के प्रति जागरुक किया गया तथा डाक्टर द्वारा भी छात्राओं को निःशुल्क परामर्श कराया गया इस सेन्टर के तहत महाविद्यालय की 260 छात्राओं ने. कार्यशाला मे भाग लिया तथा बहुत ही संवेदनात्मक मुद्दे जैसे मासिक धर्म की सामस्याये, व्यक्तिगत स्वच्छता, टीवी. के कारण व बचाव, विवाह की सही आयु, गर्भावस्था की समस्याये, देख–रेख, सन्तुलित आहार तथा परिवार नियोजन के साधन आदि के प्रति जागरूक किया गया।

द्वितीय चरण में यूथ फ्रेण्डली सेन्टर का मुख्य उद्देश्य युवाओं की मानसिक स्वास्थ्य के लिए जागरूकता उत्पन्न करना। छात्राओ के मानसिक स्वास्थ्य संवर्धन हेतु प्रयास करना कार्यशाला का लक्ष्य है।

यूथ फ्रेण्डली सेन्टर में प्राचार्या प्रो. शर्मिला शर्मा जी के द्वारा प्रो. नीता वार्ष्णेय (नोडल अधिकारी), श्रीमती निशा तिवारी कार्यक्रम अधिकारी, कु. आरती शर्मा कार्यक्रम अधिकारी नामित की गई। सभी को मानसिक स्वास्थ्य संवर्धन कार्यशाला हेतु राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन / राज्य परिवार नियोजन अभिनवीकरण सेवा परियोजना एजेन्सी द्वारा तीन दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया जिससे छात्राओ को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति संवेदीकरण उत्पन्न की जा सके तथा वह अपने शारीरिक स्वास्थ्य के साथ ही मानसिक स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहे और वह मानसिक तनाव, चिन्ता तथा समस्याओं का समाधान पा कर स्वस्थ जीवन प्राप्त कर सके ।

मानसिक स्वास्थ्य संवर्धन पर यह प्रोजेक्ट उत्तर प्रदेश के केवल 35 महाविद्यालयों में ही संचालित किया जा रहा है इस यूथ फ्रेंण्डली सेन्टर के तत्वाधान में महाविद्यालय की छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य संवर्धन पर 20 कार्यशाला (50 छात्राये प्रति बैच) आयोजित करने का लक्ष्य दिया गया। जनवरी से मार्च माह तक महाविद्यालय में 8 कार्यशाला आयोजित की गई जिसमे 430 छात्राओं से मानसिक स्वास्थ्य के प्रति सवेदीकरण उत्पन्न किया गया और उनको आह्‌वान किया गया :–

"चुप्पी तोड़ो खुलकर बोलो"

यह सर्वविदित है कि किसी व्यक्ति की शारीरिक, मानसिक और सामाजिक रूप से अच्छे होने की स्थिति को स्वास्थ्य कहते हैं। "हम क्या सोचते हैं, क्या महसूस करते हैं यह सभी मानसिक स्वास्थ्य में सम्मिलित हैं।" स्वस्थ जीवन शैली के लिए मानसिक स्वास्थ्य समग्र है।

जब शरीर और मन स्वस्थ होगा तभी हम देश और समाज की प्रगति में योगदान देकर स्वस्थ समाज और देश का निर्माण कर सकेंगें।

वर्तमान परिपेक्ष्य में मानसिक स्वास्थ्य पर केन्द्रित होना बहुत आवश्यक है और छात्राओं का मानसिक स्वास्थ्य अच्छा होने पर वह अच्छी शिक्षा हासिल कर सकती है इन बिन्दुओं को ध्यान मे रखते हुए मानसिक स्वास्थ्य संबंधन पर 8 कार्यशालाओं का आयोजन निम्नलिखित प्रशिक्षणकर्ता मनोचिकित्सक द्वारा किया गया :–

बैच	दिनांक	प्रशिक्षणकर्ता तथा गहाविद्यालय/संस्थान	प्रशिक्षणार्थी
Ist	18 जनवरी 2023	1– प्रो. नीता वार्ष्णेय – टीकाराम महाविद्यालय 2– डो. गीतिका सिंह – टीकाराम महाविद्यालय	बी. ए. द्वितीय वर्ष

		3– कु. निशा तिवारी – टीकाराम महाविद्यालय	
IInd	20 जनवरी 2023	डा. अशु सोम – मनोचिकित्सक प्रो. शशिवाली त्रिवेदी – एस.वी. कालिज प्रो. सुधा राजपूत – एस.वी. कालिज	बी.एकृ प्रथम वर्ष
IIIrd	21 जनवरी 2023	प्रो. गीतिका सिंह – टीकाराम कन्या महाविद्यालय प्रो. नीता वाष्णैय कु. निशा तिवारी	एम.ए. हिन्दी
IVth	13 फरवरी 2023	डा. अशुं सोम – मनोचिकित्सक प्रो. सुधा राजपूत – एस. वी. कालिल कु. आरती शर्मा – टीकाराम कन्या महाविद्यालय	बी.कॉम. तृतीय वर्ष
Vth	15 फरवरी 2023	डा. प्रतिमा श्रीवास्तव – टीकाराम कन्या महाविद्यालय प्रो. नीता वार्ष्णेय – टीकाराम कन्या महाविद्यालय श्रीमती निशा तिवारी – टीकाराम कन्या महाविद्यालय	एम.ए. गृहविज्ञान
VIth	24 मार्च 2023	डा. अशुं सोम – मनोचिकित्सक डा. तन्वी शर्मा – एस.वी. कालिज कु. आरती शर्मा – टीकाराम कन्या महाविद्यालय	बी.ए. प्रथम सैमेस्टर
VII	27 मार्च 2023 "	प्रो. गुंजन दुबे – ए.एम.यू. अलीगढ़ प्रो. नसरीन – ए.एम.यू. अलीगढ़ प्रो. पूनम चौहान – ए.एम.यू. अलीगढ़	एम.ए. Ist Sem. अंग्रेजी / ड्राइंग पेन्टिंग
VIII	28 मार्च	प्रो. नीता वार्ष्णेय – टीकाराम कन्या महाविद्यालय डा. तन्वी शर्मा – एस.वी. कालिज कु. आरती शर्मा – टीकाराम कन्या महाविद्यालय	बी.ए. प्रथम सैम.

प्रत्येक कार्यशाला में प्रशिक्षणकर्ता द्वारा गानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर बल दिया गया। छात्राओं को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता होने पर उनमें जीवन कौशल विकसित किया जा सकता है और वह विपरीत परिस्थितियों में भी मुकाबला कर सकती है मानसिक तनाव, चिन्ता और उलझन, उत्साह की कमी, एकाकीपन आदि के लक्षण तथा निपटने के तरीके बताये गये। इसमें सबसे प्रमुख है – आपसी संवाद। छात्राओ को नकारात्मक भावी, विचारों और मानसिक तनाव की स्थिति में अपने माता–पिता, साथियों तथा शिक्षिकाओं / काउन्सलर से बातचीत करना बहुत जरूरी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के अनुसार किशोरावस्था मे आत्मक्षति बहुत ज्यादा पायी जाती है और उनके शारीरिक नुकसान के लिए भी मानसिक चिन्ता व तनाव प्रमुख कारक हैं। मनोचिकित्सक तथा मनोवैज्ञानिक सलाहकार का कहना है कि किशोरावस्था के समय मानसिक स्वास्थ्य के प्रति संवेदीकरण उत्पन्न होने पर भविष्य की अनेक मानसिक समस्याओं का हल पा सकते हैं।

प्रत्येक कार्यशाला में छात्राओं को मानसिक स्वास्थ्य के विभिन्न घटक, मानसिक तनाव / समस्याओं से उत्पन्न लक्षणों तथा समाधान के उपायों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। छात्राओ में पढ़ाई के कारण होने वाले तनाव, चिन्ता, उलझन तथा उत्साह की कमी आदि से निपटने के तरीकों को भी बताया गया। अक्सर यह भी देखा गया है कि युवा वर्ग को धीरे–2 पनप रहे मानसिक विकारों का पता ही नही चल पाता है, यदि किसी को पता भी चल जाता है तो वह ऐसी बीमारी को छिपा जाते है और समय से इलाज न मिलने पर समस्या और अधिक बढ़ जाती है इस कार्यशाला के द्वारा छात्राओं को यह भी बताया गया कि समय पर इलाज मिलने पर ठीक होने की सम्भावना बहुत अधिक होती है। यूनिसेफ ने 2021 मे सर्वेक्षण किया और यह प्रदर्शित हुआ कि भारत में युवा मानसिक तनाव के दौरान किसी से मदद नहीं लेना चाहते है इसीलिए आज के समय में किशोरावस्था के समय से ही मानसिक स्वास्थ्य संवर्धन को जागरुकता सम्बन्धी गतिविधियों के द्वारा प्रोत्साहित करना होगा।

यदि समाज मे अधिक से अधिक मानसिक रूप से स्वस्थ होंगें तो समाज का वातावरण भी स्वस्थ होगा इस प्रकार मानसिक स्वास्थ्य का अद्वितीय महत्व है जैसे व्यक्तिगत व पारिवारिक जीवन में, शिक्षा, व्यवसायिक तथा अन्य क्षेत्रों में भी अहम भूमिका रहती है। इन कार्यशालाओं के द्वारा महाविद्यालय की छात्राओं को जागरूक किया गया कि वह कोई भी मानसिक समस्या होने पर छिपायें नहीं क्योकि इससे यह मानसिक अवसाद बन सकता है। ऐसी समस्याओं को आपसी विचार विमर्श से सुलझाया जा सकता है। सभी को यह याद रखना आवश्यक है।

"झिझक तो हो खुल कर बोलो।"

मानसिक स्वास्थ्य के लिए शारीरिक रूप से स्वस्थ होना आवश्यक है इसमें पौष्टिक भोजन, नियमित जीवन शैली, योग तथा उचित निद्रा का बहुत अधिक महत्व है। प्रत्येक व्यक्ति को सन्तुलित आहार तथा प्रतिदिन शारीरिक व्यायाम भी करना चाहिए। माता–पिता को भी बच्चों के साथ गुणात्मक समय देना चाहिए, उनको समझने का प्रयास करना चाहिए। मनोवैज्ञानिक सलाहकार / मनोचिकित्सक ने बताया कि यदि कोई लड़की अपने आप में खोयी रहे तथा खुद से बात करे या अकेले में असामान्य हरकत करे, मुस्कराये तथा काल्पनिक

दुनिया मे खोये रहती है तो वह मानसिक रूप से अस्वस्थ हो सकती है। किसी भी व्यक्ति का नींद व भूख में कमी आना, किसी भी कार्य में स्वयं की गलती महसूस करना मनोदशा में जल्दी–2 परिवर्तन होना भी रुचि ले तथा बड़ों का आदर व सम्मान करे तथा छोटो से प्यार तथा सद्भाव रखे। किशोरावस्था के समय समायोजन की समस्या उत्पन्न होती है यदि उनसे प्रबन्ध और सन्तुलन करना सीख जाये तो बहुत सारी मानसिक समस्याओं का स्वतः निदान हो जाता है।

कामकाजी महिलाओं मे होने वाले तनाव के कारण और हल करने के समाधान भी बताये गये कभी–कभी अपनी इच्छानुसार कार्य क्षेत्र नहीं मिल पाता या साथियों में समायोजन नहीं हो पाता तथा कुछ कामकाजी महिलाओ का घर व कार्यक्षेत्र में समन्वय नहीं हो पाता है उससे उनके व्यक्तिगत और पारिवारिक जीवन पर प्रभाव पड़ता है। इसका हल भी कार्यशाला में पी.पी.टी. प्रस्तुतीकरण के माध्यम से समझाया गया जिससे स्थितियाँ सकारात्मक की जा सके।

इन सभी के अतिरिक्त मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी विभिन्न भ्रान्तियों को भी दूर किया गया। कार्यशाला में छात्राओ ने भी मनोचिकित्सक/सलाहकार के समक्ष अनेक प्रश्न किये जिनका समाधान भी किया गया तथा उनसे यह की आग्रह किया गया यदि वह अपने महाविद्यालय में पड़ोस में या समाज में किसी मानसिक रूप से अस्वस्थ व्यक्ति से मिलती हैं तो उसका उपहास न करें बल्कि उसको उपचार कराने की सलाह दे, यह एक लाइलाज बीमारी नहीं है, जितनी जल्दी इसका उपचार होगा उतनी ही जल्दी निवारण भी सम्भव है। अलीगढ़ में जिला मलखान सिंह चिकित्सालय में कमरा नं. 11 में निःशुल्क मनोचिकित्सक उपलब्ध हैं – महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. शर्मिला शर्मा जी ने छात्राओं का उत्साहवर्धन किया और कहा कियदि मन स्वस्थ है तो तन स्वस्थ है। मानसिक बीमार का जीवन की योग्य है यदि आपका उन्हें भरपूर प्यार व सहयोग है।

प्रत्येक कार्यशाला मे प्रशिक्षणार्थी को प्राचार्य द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किये गये।

"मानसिक स्वास्थ्य है जरूरी, यह जिंदगी की आशा करती है पूरी, हंसे और खिलखिलायें मानसिक तनाव को दूर भगायें।"

यूथ काउन्सलिंग सेन्टर मानसिक स्वास्थ्य संवर्धन पर कार्यशाला

"समरात्मक सोच'' है, तो मानसिक बीमारी दूर है और जो शारीरिक – मानसिक रूप से स्वस्थ वो सुखी जरूर है।

महाविद्यालय में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन तथा राज्य परिवार नियोजन अभिनवीकरण सेवा परियोजना एजेन्सी से प्राप्त फंड द्वारा यूथ काउन्सलिंग सेन्टर की स्थापना जुलाई 2019 में की गई। सर्वप्रथम इस सेन्टर के तहत किशोरावस्था की छात्राओं को शारीरिक स्वास्थ्य से सम्बन्धित विभिन्न मुद्दों के प्रति जागरूक किया गया। द्वितीय चरण में यह प्रोजेक्ट मानसिक स्वास्थ्य संवर्धन पर प्रारम्भ किया गया।

प्राचार्या प्रो० शर्मिला शर्मा जी के निर्देशन में इस सेन्टर का मुख्य उद्देश्य महाविद्यालय की छात्राओं को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति सवेंदीकरण करना तथा उनकी मानसिक समस्याओं, चिन्ता, तनाव को दूर करने का प्रयास करना। उन्हें शारीरिक स्वास्थ्य के साथ–साथ मानसिक स्वास्थ्य संवर्धन के प्रति सचेत करना है जिससे उनके जीवन कौशल को विकसित करके स्वस्थ जीवन के लिए प्रेरित किया जा सके।

यूथ काउन्सलिंग सेन्टर में प्राचार्या जी के निर्देशन में प्रो. नीता वार्ष्णेय (नोडल अधिकारी), श्रीमती निशा तिवारी (कार्यक्रम अधिकारी) तथा **'कु0 आरती शर्मा (कार्यक्रम अधिकारी) ने कार्यशाला कुशल संचालन किया। सिफ्सा द्वारा सभी को कार्यशाला संचालन हेतु प्रशिक्षित'** किया गया। इस प्रशिक्षण में कार्यशाला हेतु 'सामग्री व वीडियो फिल्म भी प्रदान की गई यह मानसिक स्वास्थ्य संवर्धन पर प्रोजेक्ट उ0प्र0 के केवल 35 महाविद्यालयों में संचालित किया जा रहा है। इसके तत्वाधान में महाविद्यालय कें छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता उत्पन करने हेतु 20 कार्यशाला (50 छात्राएँ प्रति बैंच) एक वर्ष मे आयोजित करने का प्रस्ताव दिया गया जिसमें मार्च माह तक 9 कार्यशाला सम्पन्न हुई जिसमें 435 छात्राओं को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया।

यह सर्वविदित है कि **"किसी व्यक्ति की शारीरिक, मानसिक और सामाजिक रूप से अच्छे होने की स्थिति को स्वास्थ्य कहते है।"** हम क्या सोचते है क्या महसूस करते हैं और कैसा व्यवहार करते है यह सभी मानसिक स्वास्थ्य में सम्मिलित है। **"स्वस्थ जीवन शैली के लिए मानसिक स्वास्थ्य समग्र है"** जब शरीर और मन स्वस्थ होगा तभी हम देश और समाज की प्रगति में योगदान

देकर स्वस्थ समाज और देश का निर्माण कर सकेंगे। इन सभी बिन्दुयों को ध्यान में रखते हुए मानसिक स्वास्थ्य संवर्धन पर 9 कार्यशालाऐं आयोजित हुई जिसमें निम्नाकितं रिसोर्स पर्सन/मनोचिकित्सक/प्रशिक्षणकर्ता द्वारा छात्राओं को प्रशिक्षित किया गया :–

बैच दिनांक प्रशिक्ष. का नाम संस्थान प्रशिक्ष. विभाग

1 18 जन. प्रो. शशिवाला त्रिवेदी (प्रभारी. बी.एड. विभाग) बी.एड विभाग प्रथम वर्ष

एस.वी. कालिज, अलीगढ़

प्रो. शशी राजपूत(प्रोफेसर–बी.एड. विभाग)

एस वी. कालिज, अलीगढ़

डा. अंशु सोम, मनोचिकित्सक जिला

मलखान चिकित्सालय, अलीगढ़

द्वितीय 20 जन. प्रो. गीतिका सिंह, टी आर के एम.बी. एड.)

द्वितीय वर्ष प्रो. नीता वार्ष्णेय टी आर के एम

कु. आरती शर्मा टी आर के एम

तृतीय 21 जन. प्रो. गीतिका सिंह टी आर के एम.ए. हिन्दी

कु० आरती शर्मा टी आर के एम

कु. निशा तिवारी टी आर के एक

चतुर्थ 13 फर. प्रो. पूनम चौहान शिक्षासकांय बी कॉम तृतीय

ए. एम. यू. अलीगढ़

प्रो. सुधा राजपूत (वी. एड बिभाग)

एस की कालिज, अलीगढ

डा. अंशु सोम, मनोचिकित्सक

पंचम 15 फर. डा. प्रतिमा श्रीवास्तव (प्रभारी–मनोविज्ञान विभाग)–

टी आर के एम.म0ए0 गृहविज्ञान

प्रो0 नीता वार्ष्णेय टी आर के एम.

श्रीमती निशा तिवारी– टी आर के एम

छः 24 मार्च डा. अंशु सोम– मनोचिकित्सक एम कॉम

डा. तन्वी शर्मा – (मनोविज्ञान विभाग

एस वी कालिज, अलीगढ़

कु० आरती शर्मा, टी आर के एम

25 मार्च प्रो. नीता वार्ष्णेय टी आर के एम "बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर

कु० आरती शर्मा टी आर के एम "

श्रीमती निशा तिवारी टी आर के एम "

27 मार्च प्रो. गुजन दुबे शिक्षा समाय ए.एम.यू. एम.ए.

प्रो. नसरीन "शिक्षा समाय ए.एम.यू. अंग्रेजी– व

प्रो. पूनम चौहान शिक्षा समाय ए.एम.यू.डाइग पेटिंग

28 मार्च डा. रजनी वार्ष्णेय मनोविज्ञान विभाग

"एस.वी. कालिज "

डा0 तनवी शर्मा मनोविज्ञान विभाग

कु. आरती शर्मा मनोविज्ञान विभाग

प्रत्येक कार्यशाला में प्रशिक्षणकर्ता द्वारा मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर बल दिया गया। यदि व्यक्ति का मानसिक स्वास्थ्य अच्छा है तो वह जीवन के सामान्य तनावों का सामना कर सकता है और उपयोगी रूप से काम कर सकता हैं वह अपने समाज में योगदान दे पाता है। राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण (2016) के अनुसार हमारे देश में ऐसे लगभग 150 मिलियन व्यक्ति है जिन्हें मानसिक स्वास्थ्य देखभाल की बहुत आवश्यकता है। इसमें यह भी पाया गया कि 90% व्यक्ति सही समय पर इलाज नहीं पा सके।

Who के अनुसार किशोरावस्था में आत्मक्षति दर बहुत ज्यादा पायी जाती है अधिकांश शारीरिक बीमारियों व नुकसान के लिए मानसिक चिन्ता व तनाव प्रमुख कारक है मनोचिकित्सक तथा मनोवैज्ञानिक काउंसलर का कहना है कि हम किशोरावस्था मे मानसिक स्वास्थ्य के प्रति सचेत करके भविष्य की अनेक मानसिक समस्याओं को नियत्रित कर सकते है।

प्रत्येक कार्यशाला में छात्राओं को मानसिक स्वास्थ्य के घटक, मानसिक समस्याओं से उत्पन्न लक्षणों तथा सुधार के तरीकों पर विस्तार से चर्चा की गई। छात्राओं में पढ़ाई के कारण होने वाले तनाव, चिन्ता, उलक्षन तथा उत्साह की कमी आदि के समाधान पर बल दिया गया। ज्यादातर युवा वर्ग की धीरे–2 पनप रहे मानसिक विकारो का पता ही नही चल पता है यदि पता चल भी जाता है तो वह ऐसी बीमारी को छुपाते है और इलाज नहीं कराना चाहते और इलाज यदि समय पर इलाज कराया जाये तो ठीक होने की सम्भावना रहती है।

यूनिसेफ ने 2021 में सर्वे किया और पाया कि भारत मे युवा मानसिक तनाव के दौरान किसी से मदद नहीं लेना चाहते है, इसीलिए आज किशोरावस्था के समय से ही मानसिक स्वास्थ्य संरक्षण एवं जागरूकता सम्बन्धी गतिविधियों से उन्हें जागरुक करना होगा।

यदि समाज में अधिक से अधिक मानसिक रूप से स्वस्थ व्यक्ति होगें तो समाज का वातावरण भी स्वस्थ होगा। अतः मानसिक स्वास्थ्य का अद्वितीय महत्व है जैसे व्यक्तिगत व पारिवारिक जीवन में, शिक्षा, व्यवसायिक व औद्योगिक क्षेत्र में तथा राष्ट्रीय व अन्तराष्ट्रीय क्षेत्र मे भी। इन कार्यशाला के माध्यम से छात्राओ के मध्य विभिन्न मानसिक समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई, तथा उन्हें यह भी समझाया गया कि कोई भी समस्या आने पर उसे छुपाये नही। इससे वह मानसिक अवसाद बन सकता है। मानसिक रोग से ग्रसित व्यक्तियों में से **8.6 %** लोग आत्महत्या करते है। आत्महत्या करने वाले लोगो में से आधे लोग अवसाद से ग्रस्त होते है। सबसे अधिक चिन्ता का विषय है कि आधुनिक समय में आत्महत्या की प्रवृत्ति छोटे 'बच्चों में भी दिखाई दे रही है इसमें सबसे ज्यादा भूमिका टीवी तथा सोशल मीडिया की है है जो ऐसे कार्यक्रम दिखाता है, जिसमे लोग अनुकरण करते हैं ताकि उन्हे समस्याओं से मुक्ति मिल जाये। बच्चों में अनुकरण की प्रवृत्ति अधिक होती है और उन्हे अपने व्यवहारो के परिणामों का ज्ञान की नही होता है। इन सभी मानसिक समस्याओं से निपटने के लिए आपसी संवाद आवश्यक है। बच्चे में बहुत सी समस्याओं को आपसी चर्चा तथा विचार विमर्श से सुलझाया जा रुकता है। माता पिता को भी बच्चों के साथ गुणात्मक समय चाहिए उनको समझने का प्रयास करना चाहिए। यूथ काउन्सलिंग सेन्टर का मुख्य उदेश्य भी यही झिझक तो हो खुलकर बोलो।

मानसिक स्वास्थ्य के लिए शारीरिक रूप से स्वस्थ होना भी आवश्यक है। इसमें पोष्टिक भोजन, नियमित जीवन शैली, योग तथा उचित निद्रा का भी बहुत अधिक महत्व है। छात्राओं को इन मानसिक स्वास्थ्य आपके जीवन के हर पहलू को प्रभावित करता है। यह छोटा मुद्दा नहीं है जिसे आप बॉक्स मे रख सकते हैं। "शैनन पसैर मनोचिकित्सक ने बताया कि यदि कोई छात्रा अपने आप में खोये रहे तथा खुद से बात करे फिर मुस्कराए तथा काल्पनिक दुनिया में खोए रहती वह मानसिक रूप से अस्वस्थ हो सकती है। नींद व भूख में कमी आना, किसी भी कार्य के लिए गलती महसूस करना तथा मनोदशा में स्वयं की जल्दी जल्दी परिवर्तन होना हमेशा अकेले रहना तथा आनन्ददायक कार्यों में अरुचि प्रदशित करना, किसी भी व्यक्ति के मानसिक रूप से अस्वस्थ होने के लक्षण हो सकते है। ऐसा व्यक्ति दिमाग में आत्मघाती विचार भी आता है। किसी भी व्यक्ति में ऐसे लक्षण दिखाई पड़े और यह लक्षण कुछ समय तक बने रहे तो उसे तुरन्त प्रशिक्षित मनोचिकित्सक से परामर्श लेना चाहिए जिससे कि गंभीर परिणामो से बचा जा सके।

जीवन के नकरात्मक अनुभव भी व्यक्ति के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करते है बार–2 परीक्षा में असफल होना, अत्यधिक आर्थिक परेशानियां, लंबे समय तक रहने वाला मानसिक दबाब, लैंगिक एवं शारीरिक शोषण का शिकार होना, प्रेम में असफल होना, ऐसे समस्याओं से घिर जाना जिसमे छुटकारा पाने का कोई भी उपाय न हो और न ही ऐसा कोई व्यक्ति हो जिसकी मदद से उसे हल किया जा सकता हो ऐसी स्थितियाँ व्यक्तियो में मानसिक समस्याओं को जन्म देने के लिए उतरदायी है।

अतः किशोरावस्था मे ही मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता विकसित की जाये जिससे ऐसे युवाओ को तैयार किया जा सकता है जो विपरीत परिस्थितियों में भी मुकाबला कर सकते है। विशेष रूप से किशोरावस्था के समय समायोजन की समस्या उत्पन्न होती है। यदि उनसे प्रबन्धन और सन्तुलन करना सीख जाये तो बहुत सारी मानसिक समस्याओं का स्वतः निदान हो जाता है। कामकाजी महिलाओं में होने वाले तनाव के कारण और हल करने के समाधान भी बताये गये। कभी–कभी अपनी इच्छानुसार कार्य क्षेत्र नहीं मिल पाता या साथियों से समायोजन नही हो पाता तथा घर कार्य क्षेत्र में समन्वय नही हो पाता उससे भी मानसिक तनाव व चिन्ता व्यक्ति को दिखाई देती है और इसका प्रभाव व्यक्तिगत व पारिवारिक जीवन पर पड़ता हो। इसको हल करने के उपाय पर पी पी.

टी के माध्यम से प्रस्तुतीकरण दिया गया जिससे सकारात्मक स्थितियां बनायी जा सके।

छात्राओं के व्यक्तित्व विकास को ध्यान में रखते हुए, उनको प्रसन्न रहने के तरीके बताये गये। वह अपना लक्ष्य निर्धारित करें, कठिन परिश्रम करे, अध्यन के साथ –2 सहगामी 'गतिविधियों में भी रुचि ले तथा बड़ो का आदर व सम्मान करें तथा छोटो से प्यार वं सद्‌भाव रखे।

इन सभी के अतिरिक्त मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी विभिन्न भ्रान्तियों को भी दूर किया गया सभी प्रशिक्षित छात्राओं को प्राचार्या प्रो. शर्मिला शर्मा जी तथा नोडल अधिकारी, प्रो0 नीता वार्ष्णेय द्वारा प्रमाण पत्र दिये गये। छात्राओं ने भी मनोचिकित्सक के समक्ष अपनी जिज्ञासा प्रकट की । अनेक प्रश्न किये जिनका समाधान किया गया तथा उनसे यह आग्रह भी किया गया यदि वह अपने महाविद्यालय में, पडोस में या समाज में किसी मानसिक रूप से अस्वस्थ व्यक्ति को देखती है तो उसका उपहास न बनाये बल्कि उसे समझाये यह लाइलाज बीमारी नहीं है। जितनी जल्दी इसका उपचार होगा उतनी जल्दी निवारण भी सम्भव है। अलीगढ़ में जिला मलखान सिंह चिकित्साम्य में कमरा नं0– 11 में मनोचिकित्सक उपलब्ध है।

इन कार्यशाला से प्रशिक्षण प्राप्त करके छात्रायें अदूसरे लोगो को भी यह जानकारी प्रदान करे जिससे कि स्वस्थ समाज के निमार्ण का में उनकी भागदारी हो सके।

मन स्वस्थ है तो तन स्वस्थ है मानसिक बीमार का जीवन भी योग्य है यदि आपका उन्हें भरपूर सहयोग है मानसिक स्वास्थ्य हैं जरूरी यह जिंदगी की आशा करती है पूरी हंसे और खिलखिलायें मानसिक बीमारी को दूर भगायें।

कैरियर काउंसलिंग एवं प्लेसमेंट सेल 2022–23

प्रो० शर्मिला शर्मा, प्राचार्या, प्रो० गीतिका सिंह, प्रभारी, प्रो० नीता वार्ष्णेय, सदस्य, प्रो० हेमलता अग्रवाल, सदस्य, प्रो० मंजू यादव, सदस्य, प्रो० ममता श्रीवास्तव, सदस्य

समिति का उद्देश्य – कैरियर काउंसलिंग एवं प्लेसमेंट सेल का उद्देश्य छात्राओं को भविष्य में विभिन्न रोजगार के चयन हेतु उन्हें मानसिक तौर पर समर्थ बनाना एवं समय–समय पर छात्राओं व अभिभावकों को परामर्श एवं मार्गदर्शन करना ताकि वह अपने अनुसार अपने कैरियर का चुनाव करके समाज एवं परिवार में अपना योगदान दे सकें।

सत्र 2022–23 में महाविद्यालय में इस समिति के द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये।

दिनांक	कक्षा	छात्राओं की संख्या	वार्ता का विषय	काउंसलर का नाम	समन्वयक	सदस्य
12.10.2022	B.A., B.Sc. III Year	50	सेवा योजन पोर्टल पंजीकरण / आवेदन	श्री योगेश कुमार उपमन्यु	प्रो0 गीतिका सिंह	प्रो0 हेमलता अग्रवाल
12.10.2022	B.A., B.Sc. III Year	50	प्रतियोगी परीक्षा एवं रोजगार के अवसर	श्री देव प्रकाश गुप्ता, (से0नि0) जि0से0दो0अ0।	प्रो0 गीतिका सिंह	प्रो0 नीता वार्ष्णेय

दिनांक	कक्षा	छात्राओं की संख्या	वार्ता का विषय	काउंसलर का नाम	समन्वयक	सदस्य
12.10.2022	B.A., B.Sc. III Year	50	व्यक्तित्व विकास एवं सामान्य ज्ञान	डॉ0 गिर्राज किशोर काउसंलर, इग्नू	प्रो0 गीतिका सिंह	प्रो0 मंजू यादव डॉ0 ममता श्रीवास्तव
13.10.2022	M.A. (P) M.A. (F)	50	परीक्षा और मानसिक तनाव	डॉ0 अंशु सोम	प्रो0 नीता वार्ष्णेय	प्रो0 गीतिका सिंह प्रो0 हेमलता अग्रवाल
30.11.2022	B.A., B.Sc. III Year	80	सेवा योजन पोर्टल पंजीकरण	जाने आलम (व0स)	प्रो0 गीतिका सिंह	प्रो0 नीता वार्ष्णेय
30.11.2022	B.A., B.Sc. III Year	80	उच्च शिक्षा और रोजगार के अवसर	देव प्रकाश गुप्ता जि0से0अ0(से0नि0)	प्रो0 गीतिका सिंह	प्रो0 हेमलता अग्रवाल डॉ0 ममता श्रीवास्तव

कैरियर काउंसलिंग, प्लेसमेंट सेल एवं गृह विज्ञान के संयुक्त तत्वावधान में होने वाली गतिविधियाँ

दिनांक	कक्षा	छात्राओं की संख्या	कार्यशाला	समन्वयक	संयोजिका	सह संयोजिका
21.3.2023	M.A. (P)	38	पारंपरिक छपाई एवं रोजगार	प्रो0 शर्मिला शर्मा	प्रो0 गीतिका सिंह	प्रो0 नीता वार्ष्णेय
21.3.2023	B.A. III Year	100	मिलेट्स (मोटे अनाज) से स्वादिष्ट स्नैक्स तैयार करना एवं भविष्य में कुटीर उद्योग के रूप में अपनाने के लिये जागरूकता प्रदान करना	प्रो0 शर्मिला शर्मा	प्रो0 गीतिका सिंह	प्रो0 नीता वार्ष्णेय
21.3.2023	M.A. (F)	25	Job opportunities in the area of food related start-up	प्रो0 शर्मिला शर्मा	प्रो0 गीतिका सिंह	प्रो0 नीता वार्ष्णेय
19.4.2023	M.A. (P) M.A. (F)	50	फैशन सम्बन्धित रोजगार के अवसर (मेक–अप आर्टिस्ट के रूप में छात्राओं को रोजगार के अवसर के प्रति जागरूकता)	प्रो0 शर्मिला शर्मा	प्रो0 गीतिका सिंह	प्रो0 नीता वार्ष्णेय

Counselling, Placement and Internship Details

Activity	Date	Class	No. of Student	Name ofthe Student	Institute/Company
Counselling	27 March 2023	B.Sc. III	35		Food Craft Institute, Aligarh
Placement	13-12-2022	M.A. English	01	Km. Shefali Singh	Registered as Advocate, Bar Council of U.P.
		B.Sc. II Yr	01	Ritika Mukharjee	HCL's Tech BEE program with placement
		BCA II Yr	01	Atima Rajoria	HCL's Tech BEE program with placement
Internship	June 2023	B.B.A. II Year (IV Sem)	01	Yukti Sharma	CORIZO (Edtech Company)
			06	Prerna Varsha Sonali Kumari Archita Jadaun Durga Rajput Priyanka Kumari	Hicks Thermometers India, Ltd.
			01	Muskan Chaudhary	RVK Multigration
			01	Radha Rajpoot	A/c Look company (Palam)
			02	Manvi Saubhari Shruti Sharma	Hexaware Technologies
			01	Ishpreet Kaur	HR recruitment
			01	Shivani	H.K. Associate
			01	Khushboo	Leadsguru (in Marketing), Also doing job in Leadsguru)
			01	Surbhi Gautam	NKL. Automotive, India Pvt. Ltd.
	13 May 2023	M.A. English	01	Kshama Sharma	AZ Cloud Technologies Pvt. Ltd.
		B.Sc. PCM	01	Navya Mishra	AZ Cloud Technologies Pvt. Ltd.
	16 March 2023	B.Com/B.A. Economics	25 Students		Max Life Insurance fund Management

प्रो0 गीतिका सिंह,
प्रभारी
कैरियर काउंसलिंग एवं प्लेसमेंट सेल
श्री टीकाराम कन्या महाविद्यालय, अलीगढ़

REPORT IQAC – 2022-23

IQAC was reconstituted in January 2023, the charge of the co-ordinator was assigned to Dr. UmmeKulsum, Professor in Economics and Assistant Co-coordinator was given to Dr. MamtaSrivastava, Assistant Professor in Dept. of English. The members criterion wise are following -

1. Curriculum Planning and Implication
   - Dr. Krishna Bajpai
   - Prof. Arti Gaharwar
   - Dr. Babita Agrawal
2. Teaching Learning Evaluation
   - Prof. Umme Kulsum
   - Prof. Hemlata Agrawal
   - Dr. Kehksha
   - Dr. Vartika Verma
3. Research, Innovation and Extension
   - Prof. Rekha Arya
   - Dr. Mamta Srivastava
   - Dr. Aditi Jain
   - Dr. Priyanka Dixit
4. Infrastructure and Learning Resources
   - Dr. Sangeeta Kumar
   - Prof. Viniti Gupta
   - Dr. Padma Saxena
5. Student Support and Progression
   - Prof. Medha Sachdev
   - Prof. Shalini Chaudhary
   - Smt. Zeba Khan
   - Smt. Anurakti
6. Governance, Leadership and Management
   - Prof. Neeta Varshney
   - Prof. Sapna Singh
   - Prof. Shaily Sharma
7. Institutional Values & Best Practices
   - Prof. Seema Agarwal
   - Dr. Smriti Kaushik
   - Prof. Mishkat Abidi
   - Ms. Jagwati

On November 5-6 2022, under the aegis of Azadi Ka Amrit Mahotsav a National Seminar was organized on "NEP – 2020 – A Revolutionary Step towards Digital India." It was sponsored by Indian Council of Social Science and Research (ICSSR). It was in blended mode in which 47 participants presented their research papers Online and about 70 research papers were presented in Offline Mode. The National Seminar was presided by Prof. Chandrashekhar Vice Chancellor, RMPS State University, Aligarh. The main speaker was Prof. Dinesh Chandra Sharma Member of NEP State Steering Committee and Dr. Mohd. Abid Siddiqui, Professor in Education spoke on the topic in Plenary Session. Proceedings of the National Seminar and a book 'Use of ICT tools in Higher Education' was released.

One Day Workshop on Industrial Innovation Practices was organized on 4th Feb. 2023 in which Dr. Mohd. Naved Khan, Professor in Dept. of Business Administration, AMU, Aligarh provides very useful information. The Chief Guest was Dr. A. K. Tomar, Ex-principal of D. S. College, Aligarh

One Day Webinar on Intellectual Property Right was organized 22 Feb. 2023 in which Prof. B. K. Saraswat Dept. of Engineering & Technology, Dr. B. R. Ambedkar University, Agra, Dr. Sayeeda Khatoon, Department of Economics, A.M.U. Aligarh, Prof. Om Prakash H.M. Bule Hora University, Ethopia and Advocate Ishita T. Batra, Intellectual Property & Media Counsel, delivered information an different aspects of the topic.

On 4 – 5 March 2023, A National Seminar sponsored by U.P. Government was organized on 'Women Self Reliance: Opportunities, Obstacles and Outcomes in blended mode in which 45 participants presented research papers Online and about 80 papers were presented Offline. The Seminar was presided by Prof. Chandrashekhar, Vice Chancellor, RMPS State University, and the Guest of honour was Dr. Manju Saraswat Ex-Principal, Sri Tika Ram Kanya Mahavidyalaya, Aligarh. The main speaker was Prof. Azra Musmi, Chairperson of Advanced Center for Women's Studies. The Book 'Women Self-Reliance and Atam Nirbhar Bharat' containing selected articles was also published.

On 15 March to 18 March, 2023, Under IQAC Department of Economics organized National Workshop on "Financial Education for Young Citizens – Kona – Kona Shiksha" in collaboration with National Institute of Securities Market (NISM). Dr. Akeel-ur-Rehman, resource person of NISM conducted the workshop.

On 24 April 2023 a Guest Lecture was organized on 'Water Conservation'. In the program Prof. Sangeeta Singhal Dept. of Physiology, A.M.U. Aligarh delivered a lecture on Challenges and Prevention of Water Conservation.

In the month of June,7 associate professor were promoted to the level 14-A under CAS; their names are following - Dr. Pratima Srivasaba, Dr. Prabha Varshney, Dr. Archana Bansal, Dr. Suman Raghuvanshi, Dr. Seema Kaushik, Dr. Sonreti Kaushik.

The task of promotion of teachers had already been initiated in June 2022. After inviting teachers to express their interest, several meetings were held by the IQAC committee.

Scrutiny of forms started in the last week of July. There were several rounds of scrutiny.

The coordinator was assisted by a very competent team comprising of the Co-ordinator Dr. Viniti Gupta, Dr. Umme Kulsoom, Dr. Neeta Varshney and Dr. Hemlata Agarwal for scrutiny of forms.

There were 20 teachers who filled the CAS form for professorship. There were 5 teachers who applied for the 1st level of promotion. There was a total of 15 departments and 25 teachers to be promoted.

The following teachers were promoted as professors:

Prof. Sharmila Sharma, Principal, Dr. Lucky Gupta, Dr. Geetika Singh, Dr. Umme Kulsoom, Dr. Neeta Varshney, Dr. Hemlata Agarwal, Dr. Rekha Sharma, Dr. Rekha Arya, Dr. Sapna Singh, Dr. Seema Bansal, Dr. Shalini Chaudhary, Dr. Arti Gaharwar, Dr. Monika, Dr. Viniti Gupta, Dr. Meenu Sharma, Dr. Shaily Sharma, Dr. Medha Sachdev, Dr. Mishkat Abidi, Dr. Manju Yadav, and Dr. Manjulata.

The following teachers underwent the first level of promotion:

Dr. Kehksha, Dr. Madhu Mahour, Dr. Neeru Yadav, Ms. Priyanka Dixit and Dr. Anju Singh Patel.

The meeting for promotion was held on 8th September 2022. All 25 candidates were promoted without any problem.

Planning for two conferences was started in this period.

The coordinatior, Dr. Sangeeta Kumar was appointed in January 2022. She continued till September 2022. She and Co-coordinator Prof. Viniti Gupta have submitted the AQAR 2020-21 and AQAR 2021-22. On 24th June 2023, following teaches were promoted to the level 14-A under CAS their names are following - Dr. Pratima Srivastava, Dr. Prabha Varshney, Dr. Archana Bansal, Dr. Sangeeta Kumar, Dr. Seema Kaushik, Dr. Suman Raghuvanshi, Dr. Smriti Kaushik.

रिपोर्ट : संस्थापक दिवस समारोह

श्री टीकाराम कन्या महाविद्यालय में 22 दिसंबर को संस्थापक दिवस समारोह अत्यंत हर्षोल्लास तथा धूम धाम से मनाया गया। मुख्य अतिथि प्रोफेसर चंद्रशेखर, कुलपति राजा महेंद्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय अलीगढ़ एवं अति विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर रेखा रानी तिवारी, क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी, आगरा ने संयुक्त रूप से माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन तथा माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में सर्वप्रथम टीका राम कन्या इंटर कॉलेज की छात्राओं ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की तथा टीकाराम कन्या महाविद्यालय की डॉ. प्रभा वार्ष्णेय के निर्देशन में छात्राओं द्वारा टीका राम प्रशस्ति गीत की सुन्दर प्रस्तुति दी गई।

महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. शर्मिला शर्मा ने सभी अतिथियों का स्वागत किया तथा स्मृति चिह्न एवं शॉल पहना कर सम्मानित किया। महाविद्यालय की एनसीसी कैडेट द्वारा मुख्य अतिथि कुलपति प्रोफेसर चंद्रशेखर को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। कुलपति महोदय ने अपने उद्बोधन में टीकाराम महाविद्यालय के संस्थापक श्री टीकाराम जी को अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए महाविद्यालय की उत्तरोत्तर प्रगति के लिए शुभकामनाएं दी। उन्होंने राजा महेंद्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय को प्रदेश का प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय बनाने की बात कही। अति विशिष्ट अतिथि, क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी, आगरा, प्रोफेसर रेखा रानी तिवारी ने महाविद्यालय की निरंतर प्रगति के लिए शुभकामनाएं दी उन्होंने शासन स्तर से महाविद्यालय को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने हेतु आश्वस्त किया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर शर्मिला शर्मा ने वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की जिसमें 'आजादी के अमृत महोत्सव' के अंतर्गत विभिन्न विभागीय कार्यक्रम, छात्राओं की सहायता हेतु विद्यावती छात्रा सुविधा केंद्र की स्थापना, कमला नेहरु छात्रावास का पुनः आरंभ, छात्राओं को शुद्ध पानी की व्यवस्था हेतु पेंटियर आरो की स्थापना, छात्राओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए मातंगिनी हजारा सिलाई केंद्र की स्थापना आदि का उल्लेख किया गया। 5–6 नवंबर 2022 को आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का सफल आयोजन महाविद्यालय द्वारा किया गया। उन्होंने महाविद्यालय में 3 नए कोर्स एमएससी कंप्यूटर साइंस, एमएससी बॉटनी, एमएससी केमिस्ट्री तथा इनक्यूबेशन सेंटर के जल्दी प्रारंभ होने के विषय में बताया। सचिव श्री हरि प्रकाश गुप्ता ने रू0 15 लाख की धनराशि, अध्यक्ष अनिल गुप्ता ने रू0 36100 तथा प्रोफेसर CB अग्रवाल ने 1 लाख फिजिक्स लैब के लिए देने की घोषणा की। इस अवसर पर टीकाराम कन्या इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्या डॉ इंदु सिंह ने अपने कॉलेज की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि विद्यालय का उद्देश्य छात्राओ में श्रेष्ठ मानवीय मूल्यों तथा आदर्शों की स्थापना के साथ उन्हें शारीरिक एवं मानसिक रूप से सुदृढ़ बनाना है। विश्वविद्यालय में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाली मेधावी छात्रा कुमारी निक्की बी ए संस्कृत, कुमारी कीर्ति M.A हिंदी, कुमारी संध्या एम.ए. गृह विज्ञान को शहर की प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ मणि भार्गव ने महाविद्यालय की पूर्व प्राचार्य डॉ उषा भार्गव की स्मृति में योग्यता प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया। महाविद्यालय में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाली कुमारी तनु M.A हिंदी, कुमारी प्रियंका M.A अंग्रेजी, कुमारी कुल प्रिया सक्सेना एम.ए गृह विज्ञान, कुमारी रेखा शर्मा एम.ए. संगीत तबला, कुमारी श्रेया M.A. ड्राइंग पेंटिंग, कुमारी डिसी अग्रवाल B.Ed तथा टीकाराम कन्या इंटर कॉलेज की मेधावी छात्राओं को भी पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर डॉ स्मृति कौशिक एसोसिएट प्रोफेसर संगीत विभाग को महाविद्यालय में अपने कार्यकाल के 25 वर्ष पूर्ण करने पर कुलपति तथा प्राचार्य द्वारा मानपत्र देकर एवं शॉल पहनाकर सम्मानित किया गया। इस श्रंखला में कर्मठता एवं पूर्ण लगन के साथ महाविद्यालय में 25 वर्ष की सेवाएं पूर्ण करने पर शिक्षणेत्तर कर्मचारी श्री पराग जोहरी तथा श्री संजीव कुमार को भी मान पत्र देकर तथा शाल पहनाकर सम्मानित किया गया। टीकाराम कन्या इंटर कॉलेज की छात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम सामूहिक लोकगीत, ईश वंदना, हिंदी नाटक, अंग्रेजी नाटक, श्री कृष्ण लीला का सामूहिक नृत्य आदि की सुंदर प्रस्तुतियाँ दी।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के सचिव श्री हरि प्रकाश गुप्ता, भवन समिति अध्यक्ष प्रोफेसर वी पी मित्तल, महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर शर्मिला शर्मा, टीकाराम कन्या इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्य डॉ इंदु सिंह, रघुवीर बाल मंदिर की प्रधानाचार्या श्रीमती नीतू गोयल, पवन गुप्ता प्रबंधक रघुवीर बाल मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल अलीगढ़, डॉ के सी सिंघल पूर्व कुलपति NIMS विश्वविद्यालय जयपुर, डॉक्टर उषा सिंघल, सी. ए. राजीव कुमार, डॉक्टर मणि भार्गव, डॉ महेंद्र कुमार मिश्र, डॉ गिर्राज किशोर, डॉक्टर सतीश तिवारी, श्री मनोज शर्मा, डॉक्टर राजेश भार्गव, श्री महेश अग्रवाल, श्रीमती कुसुम गुप्ता, श्रीमती संगीता गुप्ता, तथा तीनों शिक्षण संस्थाओं की शिक्षिकाएं एवं छात्राएं उपस्थित थी। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर ममता श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रम के अंत में डॉक्टर ब्रज रानी श्रीवास्तव ने सभी का हृदय से आभार व्यक्त किया।

आजादी का अमृत महोत्सव : सारांश

दिनांक16 अप्रैल 22 को टीकाराम कन्या महाविद्यालय में आजादी का अमृत महोत्सव की श्रृंखला के अंतर्गत संगीत विभाग द्वारा षविश्व आवाज दिवसष मनाया गया इस अवसर पर गीत प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। ध्वनि के महत्व को दर्शाते हुए लगभग छात्राओं ने विभिन्न प्रकार की गीत, भजन, गजल तथा देशभक्ति से संबंधित गीतों के माध्यम से आवाज की महत्ताव इसके प्रभाव को दर्शाया।

हिंदी विभाग में 9 मई 2022 को महाराणा प्रताप जयंती मनाई गई इस अवसर पर निबंध लेखन प्रतियोगिता काआयोजन किया गया जिसका विषय था "राष्ट्रनायक के रूप में महाराणा प्रताप का योगदान"।

दिनांक 28 मई 2022 को हिंदी विभाग में विनायक दामोदर सावरकर जयंती मनाई गई तथा "क्रांतिकारी आंदोलन के विकास में वीर सावरकर का योगदान" विषय पर विचार गोष्ठी का आयोजन हुआ।

शिक्षा शास्त्र विभाग द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत दिनांक 18 जून, 2022 को रानी लक्ष्मीबाई का शहीदी दिवस मनाया गया। इस अवसर पर एक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया, जिसका विषय था, ''स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी के रूप में रानी लक्ष्मीबाई का योगदान।

दिनांक 11 जुलाई 2022 को अर्थशास्त्र विभाग द्वारा जनसंख्या दिवस मनाया गया। इसके अंतर्गत 'भारत में जनसंख्या विस्फोट एवं खाद्य सुरक्षा' विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई।

राष्ट्रीय कैडेट कोर के अंतर्गत आजादी के अमृत महोत्सव की श्रृंखला में दिनांक 26 जुलाई 2022 को कारगिल विजय दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम में एनसीसी कैडेट्स ने देश की अखंडता की रक्षा करने वाले कारगिल के वीर शहीदों को स्मरण किया।उन्होंने देश भक्ति गीत एवं कविता के माध्यम से भी अपनी भावनाओं की अभिव्यक्ति की।

दिनांक 29.7.2022 को जंतुविज्ञान विभाग में बाघ संरक्षण दिवस मनाया गया। छात्राओं ने वीडियो द्वारा बाघों के संरक्षण पर प्रस्तुतीकरण दिया तथा प्रोजेक्ट टाइगर के विषय में विस्तृत जानकारी प्रदान की।

8 अगस्त 2022 को रेंजर विभाग में आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत 'भारत छोड़ो आंदोलन' एवं 'काकोरी दिवस' के उपलक्ष में एक दिवसीय व्याख्यान माला का आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम में मुख्यवक्ता डॉ अनुराग पालीवाल, आगरा कॉलेज, आगरा और विशिष्ट वक्ता डॉ अनूप कुमार, राजकीय महाविद्यालय, अतरौली ने अपने विचार प्रस्तुत किए।

दिनांक 11 अगस्त 2022 को राष्ट्रीय कैडेट कोर के तत्वाधान में मदनलाल धींगरा शहीदी दिवस को कार्यक्रम काआयोजन किया गया।कार्यक्रम में कैडेट्स ने शहीद मदनलाल धींगरा के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए स्वतंत्रता आंदोलन में उनकी भूमिका को स्पष्ट किया।

11 अगस्त 2022 को राजा महेंद्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय के कैंप कार्यालय में रेंजर विभाग द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत हर घर तिरंगा का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें रेंजर्स ने सरस्वती

वंदना और देशभक्ति से ओतप्रोत गीतों का की प्रस्तुति दी।

दिनांक 12 अगस्त 2022 को हिंदी विभाग में "हर घर तिरंगा" कार्यक्रम के अंतर्गत काव्य पाठ प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यक्रम में छात्राओं ने देश प्रेम का भाव प्रकट करने वाले गीत कविताएं इत्यादि प्रस्तुत किए।

दिनांक 15 अगस्त को संगीत विभाग द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव की श्रृंखला में स्वतंत्रता दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें छात्राओं ने राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत एवं नृत्य की प्रस्तुति दी।

15 अगस्त 2022 को आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत 20 रेंजर्स में हाथों में ध्वज लेकर एक रैली निकाली तथा विभिन्न देशभक्ति के गीत गाए।

16 अगस्त 2022 को आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत रेंजर्स द्वारा वृक्षारोपण का कार्यक्रम संपन्न किया गया।

दिनांक 16 अगस्त 2022 को शारीरिक शिक्षा विभाग में आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत महाविद्यालय में रस्सा कशी एवं एकल पाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसी के साथ इस दिन छात्राओं ने देशभक्ति के गाने पर नृत्य भी किया।

दिनांक 17 अगस्त 2022 संस्कृत विभाग द्वारा को विश्वकर्मा जयंती मनाई गई तथा 'राष्ट्र निर्माण में आभियांत्रिक का महत्व ' विषय पर निबंध व भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

दिनांक 29 अगस्त 2022 को राष्ट्रीय खेल दिवस एवं मेजर ध्यानचंद के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में शारीरिक शिक्षा विभाग में महाविद्यालय में हॉकी मैच एवं एक व्याख्यान का आयोजन किया गया।

दिनांक 5 सितंबर को बीएड विभाग द्वारा राष्ट्र निर्माण में शिक्षकों की भूमिका विषय पर शिक्षक दिवस का आयोजन किया गया।

दिनांक 8 सितंबर को बीएड विभाग में व्यक्तित्व के विकास में शिक्षा की बहुआयामी भूमिका थी म पर साक्षरता दिवस का आयोजन किया गया।

दिनांक 14 सितंबर 2022 को हिंदी विभाग में हिंदी दिवस का आयोजन किया गया जिसका विषय था "मात्र भाषा एवं संस्कृति"।

दिनांक 16 सितंबर 2022 को जंतुविज्ञान विभाग द्वारा विश्व ओजोन दिवस के अवसर पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें छात्राओं ने ओजोन परत से होने वाले लाभ एवं नुकसान के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

दिनांक 25 सितंबर 2022 को हिंदी विभाग में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसका विषय था "पंडितजी एवं उनका एकात्म मानवतावाद"।

Under the aegis of Azadi ka Amrit Mahotsav an Audio-Visual Quiz on World Tourism day was organised in the department of English on 27-9-2022 The theme of the Quiz was 'Possibilities of Tourism in Uttar Pradesh.'

दिनांक 2 अक्टूबर को संगीत विभाग में महात्मा गांधी जयंती के उपलक्ष्य में सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत देशभक्ति गीत, काव्य पाठ एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

दिनांक 9अक्टूबर 2022 को संस्कृत विभाग में वाल्मीकि जयंती का आयोजन किया गया जिसका विषय था 'वाल्मीकि का जीवन परिचय व साहित्यिक महत्व'। इस विषय पर छात्राओं ने अपने विचार व्यक्त किए।

दिनांक 24 अक्टूबर 2022 को अमृत महोत्सव श्रृंखला के अंतर्गत राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा 'संयुक्त राष्ट्र स्थापना दिवस' मनाया गया। इस अवसर पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसका विषय था 'विश्व शांति में संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका'।

दिनांक 31 अक्टूबर 2022 को राष्ट्रीय कैडेट कोर के अंतर्गत राष्ट्रीय एकता दिवस सरदार वल्लभ भाई पटेल जयंती के रूप में मनाया गया एवं कैडेट्स को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई गई तथा एकता दौड़ का आयोजन किया गया।

दिनांक 11 नवंबर को बीएड विभाग में स्वतंत्रता सेनानी एवं शैक्षिक विचारक के रूप में मौलाना आजाद का योगदान विषय पर राष्ट्रीय शिक्षा दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया

गया।

दिनांक 16 नवंबर 2022 को हिंदी विभाग के तत्वावधान में वीरांगना ऊदादेवी एवं गुरु तेगबहादुर शहीदी दिवस पर विचार गोष्ठी आयोजित की गई। इस अवसर पर छात्राओं ने वीरांगना ऊदादेवी एवं गुरु तेगबहादुर के जीवन दर्शन पर प्रकाश डालते हुए उनका भावपूर्ण स्मरण किया।

On 25th November 2022, an Essay Competition was organised under the aegis of Azadi ka Amrit Mahotsav in the department of English on International Day for Elimination of Violence against Women- The topic was 'Causes and Remedies of Violence against Women'.

दिनांक 26 नवंबर 2022 को राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा संविधान दिवस मनाया गया। इस अवसर पर छात्राओं तथा सभी उपस्थित व्यक्तियों को संविधान की प्रस्तावना की शपथ दिलाई गई तथा छात्राओं को संविधान के आदर्शों तथा मूल्यों के प्रतिपूर्ण निष्ठा रखने एवं अपने मौलिक कर्तव्यों का पालन करने के लिए भी प्रेरित किया गया। इस अवसर पर विभाग द्वारा भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसका विषय था 'भारतीय संविधान'।

An online Quiz was organised in the department of English on 7-12-2022 on the occasion of Jatin Nath Mukherjee Jayanti.

दिनांक 10 दिसंबर 2022 को राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा मानवाधिकार दिवस मनाया गया। इस अवसर पर मानव अधिकार विषय पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई।

दिनांक 11 दिसंबर 2022 को तमिल भाषा के महाकवि सुब्रमण्यम भारती की जयंती को भारतीय भाषा उत्सव के रूप में हिंदी विभाग में मनाया गया।

राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा दिनांक 19 दिसंबर 2022 को गोवा मुक्ति दिवस के अवसर पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया जिसका विषय था 'गोवा मुक्ति में स्थानीय क्रांतिकारियों की भूमिका'।

दिनांक 23 दिसंबर 2022 को अर्थशास्त्र विभाग द्वारा भारत के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जयंती के अवसर पर किसान दिवस मनाया गया। इस अवसर पर 'प्रदेश की अर्थव्यवस्था में किसानों का योगदान' विषय पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई।

दिनांक 25 12 2022 को मनोविज्ञान विभाग द्वारा भारतरत्न श्री अटल बिहारी वाजपेई जयंती के अवसर पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसके थी : श्री अटल बिहारी वाजपेई – कृतित्व एवं व्यक्तित्व। मुख्य अतिथि व मुख्यवक्ता वक्ता डॉ मंजू शर्मा थी।

दिनांक 9 जनवरी 2023 को अर्थशास्त्र विभाग द्वारा प्रवासी दिवस के अवसर पर 'देश के विकास पर प्रवासी भारतीयों की भूमिका' विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

दिनांक 24/01/2023 को श्री टीकाराम कन्या महाविद्यालय, अलीगढ़ में समाज शास्त्र विभाग के तत्वाधान में अमृत महोत्सव की श्रृंखला में राष्ट्रीय बालिका दिवस पर स्लोगन एवं पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई जोकि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ पर आधारित थी।

दिनांक 26 जनवरी को संगीत विभाग द्वारा गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लिया तथा समूह गीत, देश भक्ति गीत, सामूहिक नृत्य एवं काव्य पाठ में भाग लिया।

दिनांक 26 जनवरी 2023 को आजादी की अमृत महोत्सव की श्रृंखला के अंतर्गत हिंदी विभाग में वसंतोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

दिनांक 30 जनवरी 2023 को राष्ट्रीय कैडेट कोर के अंतर्गत गांधीजी की पुण्यतिथि शहीद दिवस के अवसर पर गांधीजी को श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। कार्यक्रम में महात्मा गांधीजी के व्यक्तित्व कृतित्व एवं स्वतंत्रता आंदोलन में उनके योगदान को लेकर एक निबंध प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया।

अमृत महोत्सव की श्रृंखला में समाज शास्त्र विभाग के तत्वाधान में उत्तर प्रदेश की प्रथम राज्यपाल सरोजनी नायडू के जन्मदिवस पर दिनांक 13/02/23 को राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। छात्राओं ने सरोजनी नायडू जी को नमन कर महिला सम्मान, वमसुरक्षा पर अपने विचार व्यक्ति श्रद्धांजलि अर्पित की।

आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रमों की श्रंखला के अंतर्गत चित्रकला विभाग द्वारा चौरी चौरा कांड पर आधारित एक पोस्टर एवं पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसका शीर्षक था क्रांतिकारियों की भूमिका। चित्रकला विभाग द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में छात्राओं ने बढ़–चढ़कर प्रतिभाग किया एवं चौरीचौरा में हुई घटना एवं क्रांतिकारियों की भूमिका पर आधारित पोस्टर एवं पेंटिंग तैयार की।

दिनांक 23 मार्च 2023 को आजादी के अमृत महोत्सव की संख्या के अंतर्गत एनसीसी के तत्वाधान में शहीद भगतसिंह राजगुरु एवं सुखदेव की शहादत पर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए एनसीसी कैडेट्स ने शहीदों के बलिदान को स्मरण करते हुए उन्हें नमन किया एवं पुष्पांजलि अर्पित की।

दिनांक 11 अप्रैल 2023 को शिक्षा शास्त्र विभाग द्वारा महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती मनाई गई। इसके अंतर्गत समाज सुधार के क्षेत्र में महात्मा ज्योतिबा फुले का योगदान विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

On 13th April, 2023, a Guest Lecture was organised to commemorate Satyagraha Diwas (Jallianwala Bagh Shahidi Divas). The Speaker was Professor Shalini Chaudhary, Head, department of history. On this occasion, a quiz was also organised for Undergraduate and Postgraduate students.

दिनांक 14 अप्रैल 2023 को राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती मनाई गई। इस अवसर पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसका विषय था 'संविधान निर्माता के रूप में डॉ भीमराव अंबेडकर का योगदान'

आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत दिनांक 18–4–2023 को इतिहास विभाग द्वारा तात्या टोपे शहीदी दिवस के अवसर पर एक निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया निबंध का विषय था तात्या टो पेरू एक विद्रोही भारतीय नेता। यह प्रतियोगिता स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर आयोजित की गई।

दिनांक 21 अप्रैल 2023 को राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा 'राष्ट्रीय नागरिक सेवा दिवस' मनाया गया। इस अवसर पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसका विषय था 'देश की एकता और अखंडता में सिविल सेवा की भूमिका'।

दिनांक 24 अप्रैल 2023 को राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा 'राष्ट्रीय पंचायती राज्य राज दिवस' मनाया गया इस अवसर पर क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसका विषय था 'लोकतंत्र के आधारभूत स्तंभ के रूप में पंचायतों की भूमिका'।

In the department of English, a Guest-Lecture was organised on Earth Day on 24 April, 2023- The lecture was delivered by Prof. Sangeeta Singhal, department of Physiology, J.N.U. Medical College, Aligarh on the topic ^Water Conservation*-

शिक्षा शास्त्र विभाग में दिनांक 3 मई 2023 को परशुराम जयंती के उपलक्ष्य में निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसका विषय था 'महर्षि परशुराम का जीवन परिचय'।

दिनांक 9 मई 2023 को महाराणा प्रताप जयंती के अवसर पर आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रमों की श्रंखला में चित्रकला विभाग में राष्ट्र नायक के रूप में महाराणा प्रताप का योगदान विषय पर पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें बी.ए. एवं एम.ए. की छात्राओं ने प्रतिभाग किया छात्राओं ने महाराणा प्रताप के जीवन से संबंधित घटनाओं को चित्रित कर महाराणा के योगदान को दर्शाने का प्रयास किया।

दिनांक 10/05/2023 को एन.सी.सी द्वारा '1857 ईस्वी का महान विद्रोह' विषय पर एक निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

दिनांक15/05/23 को अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस के उपलक्ष्य में समाज शास्त्र विभाग के तत्वाधान में पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें समाजशास्त्र विभाग की छात्राओं ने सहभागिता की। पोस्टर के माध्यम से छात्राओं ने वर्तमान समय में परिवार की भूमिका और उसके महत्व को आकर्षक रंगो से चित्रित किया।

On 21st May 2023, Anti-Terrorism Day was

celebrated in the Department of English. On this occasion, Online Poster&Competition was organised.

दिनांक 22 मई 2023 को वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा जैव विविधता दिवस का आयोजन किया गया। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा इस वर्ष की थीम – 'फ्रॉम एग्रीमेंट टूएक्शन बिल्ड बैक बायोडायवर्सिटी' निर्धारित की गई है। इसी के अनुरूप बी.एस.सी. फोर्थसेम. की छात्राओं ने पावरपॉइंट व वीडियो द्वारा जैवविविधता पर अपनी प्रस्तुतियां दी।

25.06.2023 विश्व थायराइड दिवस के अवसर पर जंतु विज्ञान विभाग द्वारा थायरॉयड से संबंधित जानकारी, लोगो को एक सर्वे के माध्यम से दी गई जिसमें लगभग 159 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। 78 प्रतिशत व्यक्तियों को थायराइड रोग के बारे में जानकारी थी।

World Environment Day was celebrated by the Science Faculty(ZBC) on 5 June 2023. Students were encouraged to plant a seedling and form a video describing the botanical details of plant.

28 मई 2023 को आजादी का अमृत महोत्सव की श्रंखला के अंतर्गत वीर दामोदर सावरकर जयंती के उपलक्ष्य में भाषण प्रतियोगिता का आयोजन रेंजर विभाग द्वार ाकिया गया।

On World Environment Day, an online Quiz was organised by the department of Botany. 105 students participated in it.

छात्र कल्याण समिति (सत्र 2022-23)

– डा0 सुमन रघुवंशी

सत्र के प्रारम्भ से ही इस समिति ने अपना कार्य प्रो. शर्मिला शर्मा, प्राचार्या श्री टीकाराम कन्या महाविद्यालय के नेतृत्व में करना प्रारम्भ किया। समिति ने महाविद्यालय की गरीब छात्राओं को सरकार द्वारा प्रदत्त सरकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान कर उन्हें लाभान्वित कराने का प्रयास किया जैसे– श्रमिक निर्माण योजना, कन्या धन योजना एवं कुछ सरकारी संस्थाओं में कार्यरत माता–पिता को उनकी संतानों को पढ़ाई हेतु देय धनराशि सुविधा जैसे– फार्म को प्रमाणित करने का कार्य किया ।

महाविद्यालय की आर्थिक रूप से गरीब छात्राओं को महाविद्यालय के 'पुअर फण्ड' से धनराशि प्रदान कराने का भी कार्य किया गया, जिससे उनकी पढ़ाई में कोई गतिरोध उत्पन्न न हो। समिति द्वारा जरूरतमंद छात्राओं को कड़ाके की सर्दी में बचाव हेतु 26 जनवरी 2023 को प्राचार्या प्रो० शर्मिला शर्मा व महाविद्यालय के सचिव श्री हरी प्रकाश गुप्ता के सानिध्य में 42 छात्राओं को महाविद्यालय की यूनीफार्म का काला स्वेटर वितरित कराया गया। इसी के साथ समिति द्वारा छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु समय – समय पर मार्गदर्शन भी कराया गया ।

इस प्रकार समिति की छात्र कल्याण अधिकारी सुमन रघुवंशी, प्रभारी व प्रोफेसर संस्कृत विभाग व डॉ0 सदस्य असि. प्रोफेसर डॉ0 अन्जू सिंह पटेल हिन्दी विभाग ने इस कार्य को पूर्ण निष्ठा व ईमानदारी से करने का प्रयास किया। समिति में दो छात्राओं को भी रखा गया, जो इस प्रकार हैं ।

1. मोहिनी चौहान – चतुर्थ सेमेस्टर
2. मीनू – चतुर्थ सेमेस्टर

इनके सहयोग से कार्य किया गया।

व्यवसायिक पाठ्यक्रम
2022–23 रिपोर्ट

श्री टीकाराम कन्या महाविद्यालय में नई शिक्षा नीति के तहत व्यवसायिक पाठ्यक्र का प्रारम्भ सत्र 2020–2021 से ही शुरू हो गया था जहाँ महाविद्यालय में 2020–21 में 7 व्यवसायिक कोर्स शुरू किये गये थे। वहीं अब 2022–23 में 14 व्यावसायिक कोर्स बी0ए0, बी0एस–सी0 बी0कॉम0 नई शिक्षा नीति 2020 के अनुसार सत्र 2022–23 में महाविद्यालय में चलाये गये एवं उनकी लिखित एवं प्रयोगात्मक परीक्षा का आयोजन किया गया।

क्र0सं	कार्स का नाम	छात्र संख्या	प्रशिक्षण कर्त्ता का नाम	समन्वयक	सह–समन्वय	उपनिदेशक	निदेशक
1	Proficiency in Spoken English	122	Mr. Raja Singh	Prof. Medha Sachdeva	Dr. Mamta Srivastava	Prof. Geetika Singh Prof. Rekha Arya	Prof. Sharmila sharma (Principal)
2	Wall Painting and Mural Art	137	Shubhangi Agarwal	Prof. Hemlata Agrawal	Smt. Kavita Bharti	Prof. Geetika Singh Prof. Rekha Arya	Prof. Sharmila sharma (Principal)
3	Basic computer Skills	53	Priya Singh	Dr. Aditi Jain	Dr. Hargyan Singh	Prof. Geetika Singh Prof. Rekha Arya	Prof. Sharmila sharma (Principal)
4	Sangeet Gayan Praveshika	150+ 165	Kiran	Dr. Prabha Varshney	Prof. Seema Bansal	Prof. Geetika Singh Prof. Rekha Arya	Prof. Sharmila sharma (Principal)
5	Certificate in GST	115	Dr. Arun Kumar Singh	Dr. Krishna Bajai	Dr. Vartika Verma	Prof. Geetika Singh Prof. Rekha Arya	Prof. Sharmila sharma (Principal)
6	Certificate in Yoga	162	Gargi Yadav	Dr. Manju Lata	Smt. Deepika Chaudhary	Prof. Geetika Singh Prof. Rekha Arya	Prof. Sharmila sharma (Principal)
7	M.S. Office and Internet	145	Ms. Priya Singh	Dr. Rekha Arya		Prof. Geetika Singh Prof. Rekha Arya	Prof. Sharmila sharma (Principal)
8	Pathkatha Lekan	170	Prena Shukla	Prof. Mishkat Abidi	Km. Jagwati	Prof. Geetika Singh Prof. Rekha Arya	Prof. Sharmila sharma (Principal)
9	Integrated Food Processing	157	Shweta Singh	Prof. Neeta Varshney	Km. Nisha Tiwari	Prof. Geetika Singh Prof. Rekha Arya	Prof. Sharmila sharma (Principal)
10	Cutting and Sewing	169	Shaista Parveen	Prof. Monika	Prof. Umme Kulsum	Prof. Geetika Singh Prof. Rekha Arya	Prof. Sharmila sharma (Principal)
11	Wellness Fitness	181	Gargi Yadav	Prof. Manju Yadav		Prof. Geetika Singh Prof. Rekha Arya	Prof. Sharmila sharma (Principal)
12	Guidance and Counselling	172+150	Ms. Humaira Zahida	Kehkasha		Prof. Geetika Singh Prof. Rekha Arya	Prof. Sharmila sharma (Principal)
13	E-Commerce	176		Rekha Rani Chauhan	Dr. Shahla Chandel	Prof. Geetika Singh Prof. Rekha Arya	Prof. Sharmila sharma (Principal)
14	Banking and Finance	180		Shaila Jahan Chandel	Dr. Rekha Rani Chauhan	Prof. Geetika Singh Prof. Rekha Arya	Prof. Sharmila sharma (Principal)

प्रो0 गीतिका सिंह
प्रभारी, गृहविज्ञान विभाग
श्री टीकारा कन्या महाविद्यालय, अलीगढ़

हिंदी-विभाग (विभागीय रिपोर्ट, सत्र 2022-2023)

हिन्दी विभाग के सत्र 2022–2023 का आरंभ विगत वर्षो से कुछ अलग रहा, जिसमें नई शिक्षा नीति और आजादी का अमृत महोत्सव की भूमिका मानी जा सकती हैं। प्रतिवर्ष विभाग की ओर से आयोजित की जाने वाली गतिविधियों से भिन्न इस वर्ष 'आजादी का अमृत महोत्सव' के अन्तर्गत बहुत से कार्यक्रम आयोजित किये गये। साथ ही सत्रांत में इसमें G20 के अन्तर्गत आने वाली गतिविधियाँ भी जुड़ गई। सम्पूर्ण सत्र में हिन्दी विभाग के तत्वावधान में विभिन्न विभागीय एवं शैक्षिक गतिविधियो को सुचारू रूप से सम्पन्न किया गया जिसका विवरण इस प्रकार है–

विभागीय गतिविधियाँ–

सत्र के आरम्भ में विभाग के तत्वावधान मे 14 सितंबर 2022 को हिन्दी दिवस मनाया गया। इस वर्ष हिन्दी दिवस **'आजादी का अमृत महोत्सव'** की श्रृंखला के अन्तर्गत था, जिसका विषय था **'मातृभाषा एवं संस्कृति'**। हिन्दी दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्या प्रो0 शर्मिला शर्मा ने माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलन एवं माल्यार्पण के साथ किया। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ0 कविता रानी, प्रो0 मिश्कात आबिदी एवं विभाग की समस्त प्रवक्तागण उपस्थित रही। कार्यक्रम में छात्राओं ने **'मातृभाषा एवं संस्कृति'** विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किये। प्राचार्या महोदया प्रो0 शर्मिला शर्मा ने छात्राओं को हिन्दी के प्रति गर्व एवं स्वाभिमान का भाव जाग्रत करने का संदेश देते हुये आशीर्वचन प्रेषित किये। विभागाध्यक्षा डॉ0 कविता रानी ने कविता के माध्यम से छात्राओ को हिन्दी सीखने हेतु प्रेरित किया। प्रो0 मिश्कात आबिदी ने अपने वक्तव्य के माध्यम से हिन्दी को अपने आचरण एवं व्यवहार में उतारने का संदेश दिया। उन्होने बताया कि हिन्दी हमारा अभिमान है हमारी शान हैं।

विभाग की प्रवक्तागण डॉ0 अन्जू सिंह पटेल, सुश्री जगवती, डॉ0 सुचेता शर्मा एवं डॉ0 कल्पना कौशिक ने भी विषय पर अपने मूल्यवान विचार प्रस्तुत करते हुये छात्राओं को प्रेरित किया। मातृभाष के गूढ़ रहस्यो का उद्‌घाटन करते हुये कार्यक्रम का कुशल संचालन सुश्री सोफिया खातून ने किया।

दिनांक 03 नवम्बर, 2022 को हिन्दी विभाग की ओर से छात्रा परिषद् का गठन किया गया, जिसमें निम्नलिखित छात्राएँ चयनित की गईः–

अध्यक्ष–	कु0 उज़मा (एम0ए0 उत्तरार्द्ध)
उपाध्यक्ष–	कु0 साधना (एम0ए0 पूर्वार्द्ध)
सचिव–	कु0 समीक्षा (एम0ए0 उत्तरार्द्ध)
उपसचिव–	कु0 दिव्या (एम0ए0 उत्तरार्द्ध)
कोषाध्यक्ष–	कु0 निशा (एम0ए0 उत्तरार्द्ध)

कार्यकारिणी सदस्य

प्रियंका	–	(एम0ए0 उत्तरार्द्ध)
कु0 अंजली	–	(एम0ए0 उत्तरार्द्ध)
कु0 चाँदनी	–	(एम0ए0 पूर्वार्द्ध)
नेहा सिद्‌दीकी	–	(एम0ए0 पूर्वार्द्ध)
कु0 हनी	–	(बी0ए0 तृतीय वर्ष)
कु0 नेहा	–	(बी0ए0 तृतीय वर्ष)
कु0 मनीषा	–	(बी0ए0 तृतीय सेमेस्टर)
कु0 ज्योति प्रिया	–	(बी0ए0 तृतीय सेमेस्टर)
कु0 शिवानी	–	(बी0ए0 तृतीय सेमेस्टर)
कु0 रितु वर्मा	–	(बी0ए0 तृतीय सेमेस्टर)

इस अवसर पर विभागाध्यक्षा डॉ0 कविता रानी तथा प्रो0 मिश्कात आबिदी द्वारा चयनित छात्राओं को बैज पहनाकर कार्यभार सौंपा गया। विभाग की प्रवक्तागण– डॉ0 अंजू सिंह पटेल, सुश्री जगवती, सुश्री सोफिया खातून, डॉ0 सुचेता शर्मा एवं डा0 कल्पना कौशिक ने भी चयनित छात्राओं को बैज पहनाकर शुभकमानाँए दीं।

दिनांक 10 जनवरी, 2023 को 'विश्व हिन्दी दिवस' के अवसर पर प्रो0 मिश्कात आबिदी के निर्देशन में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्‌देश्य छात्राओं को हिन्दी के वैश्विक स्वरूप से परिचित कराना था। इस अवसर पर प्राचार्या महोदया प्रो0 शर्मिला शर्मा ने छात्राओं को हिन्दी का महत्व समझाते हुये शुभकामनाएँ प्रेषित की। प्रो0 मिश्कात आबिदी ने छात्राओं को हिन्दी के वैश्विक परिदृश्य से अवगत कराते हुये उन्हें अपने दैनिक जीवन में हिन्दी के प्रयोग हेतु प्रोत्साहित किया। विभागध्यक्षा डा0 कविता रानी ने छात्राओं

को 'विश्व हिन्दी दिवस' की शुभकामनाएँ दी। विभाग की प्रवक्तागण डॉ0 अंजू सिंह पटेल, सुश्री जगवती, सुश्री सोफिया खातून, डॉ0 सुचेता शर्मा एवं डा0 कल्पना कौशिक नें हिन्दी से जुड़े महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम मे उपस्थित छात्राओं ने हिन्दी से जुड़ी प्रेरणादायक प्रस्तुति दी। उन्होने हिन्दी के महत्व को रेखांकित करने वाले गीत, कविता इत्यादी प्रस्तुत कीं।

दिनांक 26 जनवरी, 2023 को विभाग के तत्वावधान में वसंतोत्सव का आयोजन किया गया। इस वर्ष बसंत पंचमी एवं गणतन्त्र दिवस दोनो एक ही दिन होने के कारण सम्मिलित रूप से मानाए गये। दोनो ही महोत्सव 'आजादी का महोत्सव' की श्रृंखला में भी सम्मिलित थे।

बंसतोत्सव कार्यक्रम का शुंभारंभ प्राचार्या प्रो0 शर्मिला शर्मा एवं माविद्यालय प्रबंध समिति के सचिव श्री 'हरी प्रकाश गुप्ता' जी मॉ सरस्वती का पूजन करने के साथ किया गया। तत्पश्चात बी0ए0 द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा कु0 महक ने मधुर स्वर में सरस्वती वंदना प्रस्तुत कीं वंसातोत्सव कार्यक्रम में छात्रा कु0 हनी, कु0 मनीषा, कल्पना राजौरिया एवं कु0 जीतन ने बंसत से जुड़े गीतों की मधुर प्रस्तुति दी। एम0ए0 उत्ताराद्ध की छात्रा कु0 उज़्मा एवं कु0 समीक्षा ने बसंत से जुडी़ कविताएँ प्रस्तुत की।

बंसत पंचमी हिन्दी के महाकवि सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला का जन्मदिवस भी है, अतः सरस्वती पुत्र निराला जी की जयंती मनातें हुए उन्हें पुष्पाजंलि अर्पित की गई।

इस अवसर पर विभाग की प्रवक्तागण। विभागाध्यक्षा डॉ0 कविता शर्मा प्रो0 मिश्कात आबिदी, अंजू सिंह पटेल, सुश्री जगवती, सुश्री सोफिया ख़ातुन, डॉ0 सुचेता शर्मा एवं महाविद्यालय की समस्त प्रवक्तागण तथा छात्राएँ उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का कुशल संचालन डा0 कल्पना कौशिक द्वारा किया गया।

दिनांक 27–28 मार्च, 2023 को विभाग के तत्वावधान में साहित्य परिषद की ओर से विभागीय प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम प्रथम दिवस में 'संवाद अभिव्यक्ति प्रतियोगिता' आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्या महोदया प्रो0 शर्मिला शर्मा द्वारा मॉ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलन एवं माल्यापर्ण के साथ किया गया। इस अवसर पर विभाग की प्रभारी प्रो0 मिश्कात आबिदी, पूर्व प्रभारी डॉ0 कविता रानी, निर्णायक मंडल की सदस्य प्रो0 रेखा शर्मा, श्रीमती कविता भारती, प्रो0 शैली शर्मा एवं विभाग की प्रवक्तागण उपस्थित रही।

कार्यक्रम में स्नातक तथा स्नातकोत्तर की छात्राओं ने अभिनय सहित संवाद कला को प्रस्तुत किया, जिसमें निम्नलिखित छात्राएँ विजयी रहीं–

प्रथम पुरस्कार– कु0 प्रगति रानी (बी0ए0 द्वितीय सेमेस्टर)
(चीफ की दावत) कु0 दिव्या– (बी0ए0 द्वितीय सेमेस्टर)
कु0 मोहिनी–(बी0ए0 द्वितीय सेमेस्टर)
महक कुमारी– (बी0ए0 द्वितीय सेमेस्टर)
बबली यादव– (बी0ए0 द्वितीय सेमेस्टर)
द्वितीय पुरस्कार– दिव्या ठाकुर– (एम0 ए0 उत्तरार्द्ध)
(शिक्षा की समीक्षा) समीक्षा शर्मा– (एम0 ए0 उत्तरार्द्ध)
निशा कुमारी– (एम0 ए0 उत्तरार्द्ध)
कु0 आरती– (एम0 ए0 उत्तरार्द्ध)
प्रोत्साहन पुरस्कार– कु0 अलीशा– (बी0 ए0 तृतीय वर्ष)
(ध्रुवस्वामिनी) कु0 हनी – (बी0 ए0 तृतीय वर्ष)
कु0 नेहा– (बी0 ए0 तृतीय वर्ष)
कु0 महक–(बी0 ए0 तृतीय वर्ष)
रेखा रानी– (बी0 ए0 तृतीय वर्ष)
(सूखी डाली) लोकेश यादव (एम0 ए0 उत्तरार्द्ध)
कु0 अंजली– (एम0 ए0 उत्तरार्द्ध)
कु0 पिंकी– (एम0 ए0 उत्तरार्द्ध)
नेहा रानी– (एम0 ए0 उत्तरार्द्ध)

कार्यक्रम का कुशल संचालन सुश्री जगवती ने किया। इस अवसर पर विभाग की प्रवक्तागण सुश्री सोफिया खातून, डा0 सुचेता शर्मा, डा0 कल्पना कौशिक एवं कु0 प्रेरणा शुक्ला उपस्थित रही।

कार्यक्रम के द्वितीय चरण में दिनांक 28 मार्च,2023 को 'काव्य पाठन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्या महोदया प्रो0 शर्मिला शर्मा द्वारा मॉ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलन एवं माल्यापर्ण के साथ किया गया। इस अवसर पन विभागध्यक्षा प्रो0 मिश्कात आबिदी, पूर्व विभागाध्यक्षा डॉ0 कविता रानी, निर्णायक मंडल की सदस्य डा0 सीमा कौशिक, डा0 स्मृति कौशिक, प्रो0 आरती महखार एवं विभाग की प्रवक्तागण उपस्थित रहीं। सरस्वती पूजन के उपरान्त विभागाध्यक्षा प्रो0 मिश्कात आबिदी ने स्वरचित सरस्वती वंदना प्रस्तुत की।

काव्य– पाठन प्रतियोगिता स्नांतक तथा स्नाकोत्तर की छात्राओं न महाकवि निराला, मुक्तिबोध, नागार्जुन, दिनकर,

भावानी प्रसाद मिश्र, दुष्यंत कुमार इत्यादि कवियों की कविता का पाठ किया। छात्राओं ने मधुर स्वर में गीतों की प्रस्तुति दी। काव्य पाठन प्रतियोगिता में निम्नलिखित छात्राएँ विजयी रहीं–

प्रथम पुरस्कार – कु0 शालिनी (एम0 ए0 उत्तरार्द्ध)
द्वितीय पुरस्कार – कु0 महक (बी0ए0 द्वितीय सेमेस्टर)
तृतीय पुरस्कार – लोंकेश यादव (एम0 ए0 उत्तरार्द्ध)
प्रोत्साहन – प्रगति रानी बी0ए0 द्वितीय सेमेस्टर)
– कु0 मनीषा बी0ए0 द्वितीय सेमेस्टर)

कार्यक्रम का संचालन सुश्री सोफिया खातून ने किया। इस अवसर पर विभाग की प्रवक्तागण पूर्व विभागध्यक्षा डा0 कविता रानी, डा0 अंजू सिंह पटेल, सुश्री जगवती, डा0 सुचेता शर्मा, डा0 कल्पना कौशिक तथा कु0 प्रेरणा शुक्ला उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम के अंतिम चरण में विजयी छात्राओं को प्रमाणपत्र प्रदान किये। इसी के साथ हिन्दी छात्रा परिषद के समापन की घोषणा की गई।

अमर उजाला प्लेसमेण्ट:–

दिनांक 6 अप्रेल, 2023 को दैनिक समाचार पत्र अमर उजाला, अलीगढ़ की ओर से श्री टीकाराम कन्या महाविद्यालय के हिन्दी विभाग तत्वावधान में छात्राओं के प्लेसमेण्ट हेतु परीक्षा आयोजित की गई, जिसमें स्नातकोत्तर वर्ग की 21 छात्राओं ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्रचार्या प्रो0 शर्मिला शर्मा, अमर उजाला के पत्रकार श्री इकराम, प्लेसमेण्ट सेल की प्रभारी गितिका सिंह, हिन्दी विभाग की प्रभारी प्रो0 मिश्कात आबिदी, डा0 अंजू सिंह पटेल, सुश्री जगवती, सुश्री सोफिया खातून, डा0 सुचेता शर्मा एवं डा0 कल्पना कौशिक उपस्थित रहीं।

हिन्दी विभाग की प्राध्यापिकाओं के निर्देशन मे दिनांक 15 नवम्बर, 2022 को स्नातकोत्तर स्तर पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष (द्वितीय सेमेस्टर) की छात्राओं ने **''आधुनिक काव्ययात्रा के विविध सोपान''** विषय पर अपना पत्र प्रस्तुत किया।

स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष की छात्राओं ने **''निराला के साहित्य में प्रगतिवादी चेतना''** विषय पर पत्र वाचन किया। इस अवसर पर विभाग की समस्त प्राध्यापिकाएँ उपस्थित रहीं।

कैरियर एडवान्समेण्ट प्रोग्राम–

प्रो0 मिश्कात आबिदी–

सम्मान– सुदीर्घ साहित्य सेवा, साधना एवं काव्य संकलन सृजन संगम में रचनात्मक योगदान के लिये **''सृजनोत्सव साहित्य सम्मान''**, श्री नर्मदा प्रकाशन की ओर से।

प्रकाशन– कविता संग्रह –**''मौन रहकर बोलते हैं शब्द''** सृजनलोक प्रकाशन, नई दिल्ली, ISBN 978-93-92703-25-6 वर्ष अगस्त, 2022

संगोष्ठी– 1– श्री टीकाराम कन्या महाविद्यालय, अलीगढ़ के तत्वावधान में आयोजित द्वि–दिवसीय (05–06 नवंबर, 2023) राष्ट्रीय संगोष्ठी में शोधपत्र प्रस्तुति–

''साहित्य का आधुनिक तकनीकी के माध्यम से प्रचार एवं प्रसार''

2– श्री टीकाराम कन्या महाविद्यालय, अलीगढ़ के तत्वावधान में आयोजित द्वि–दिवसीय (04–05 मार्च, 2023) राष्ट्रीय संगोष्ठी में शोधपत्र प्रस्तुति– **''अस्मिता विमर्श साहित्य में नारी के अधिकार''**

3– विश्वविद्यालय में पीएच.डी. काउसलिंग हेड विषय विशेषज्ञ

डा0 अंजू सिंह पटेल

प्रकाशन– पुस्तक– अकाल संध्या में ग्रामीण संस्कृति, राका प्रकाशन प्रयागराज, ISBN 978-93-90964-15-4 वर्ष 2022

संपादन– पुस्तक इक्कीसवीं सदी में भारतीय शिक्षा, राका प्रकाशन प्रयागराज ISBN 978-93-90964-14-7 वर्ष, 2022

संपादन– पुस्तक –शिक्षा के मूर्धन्य धरोहर, राका प्रकाशन प्रयागराज ISBN 978-93-90964-30-7 वर्ष 2022

शोध पत्र प्रकाशन– 1– **''ग्रामीण क्षेत्र मे स्त्री शिक्षा की समस्या एवं समाधान''** आधार इंटरनेशनल पब्लिकेशन प्रकाशन प्रयागराज ISBN 2278-9308 इपेक्ट फैक्टर 8. 575, नवम्बर, 2022

2– सरदार पटेलः बाल्यकाल, रामप्रकाशन ISBN 978-93-90964-06-2 वर्ष 2022

3– **परिवार** : अनौपचारिक शिक्षा का सर्वोत्कृष्ट अभिकरण , राका प्रकाशन, प्रयागराज ISBN 978-93-90964-14-7, वर्ष 2022

4– खेल आधारित प्रमुख शिक्षा प्रणालियों का मूल्यांकान, राका प्रकाशन, प्रयागराज ISBN 978-93-90964-14-7, वर्ष 2022

5– दूरस्य शिक्षा में संचार तकनीक Yking Book, Jaipur ISBN 978-93-2240-36-2, वर्ष 2023

6– फ्रोबेल का शैक्षिक विचार, राका प्रकाशन, प्रयागराज

ISBN 978-93-90964-30-7, वर्ष 2023

संगोष्ठी–1–05–06 नवम्बर, 2022 श्री टीकाराम कन्या महाविद्यालय अलीगढ़–**''दूरस्थ शिक्षा में संचार तकनीक''**

2– 04–05 मार्च, 2023 श्री टीकाराम कन्या महाविद्यालय अलीगढ़– **''महिला सशक्तीकरण में शिक्षा की भूमिका''**

सम्मान– Best Teacher Award, New Global Research Foundation Chandauli, U.P. (National) दिनांक 05.09. 2022

सुश्री जगवती –

संगोष्ठी – 1– श्री टीकाराम कन्या महाविद्यालय अलीगढ़ के तत्वावधानों में आयोजित द्विदिवसीय(05–06, 2022) राष्ट्रीय संगोष्ठी में शोधपत्र प्रस्तुति– **''डिजीटलाइजेशन के दौर में हिन्दी साहित्य''**

2– श्री टीकाराम कन्या महाविद्यालय अलीगढ़ के तत्वावधानों में आयोजित द्विदिवसीय (04–05,2022) राष्ट्रीय संगोष्ठी में शोधपत्र प्रस्तुति– **''आधुनिक हिन्दी स्त्रीकाव्य में मुक्ति के स्वर''**

3– अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के **'आधुनिक भारतीय भाषा विभाग'** के तत्वावधान में आयोजित द्विदिवसीय (20–21 मार्च 2023) राष्ट्रीय संगोष्ठी में शोधपत्र की प्रस्तुति– **''संत कवावित्री दयाबाई के काव्य में प्रेम का स्वरूप''**

4– पालीवाल पी0जी0 कॉलेज शिकोहाबाद एवं म्यूनसीपल काउंसिल, काउंसल शिकोहाबाद के संयुक्त तत्वावधानों में दिनांक 12/02/2022 को आयोजित अन्तराष्ट्रीय वेबिनार में सहभागिता/वेबिनार का विषय– **''पर्यावरण प्रदूषणः चुनौती एवं समाधान''**

एक दिवसीय कार्यशाला–

विषय– How to Conduct a Pilot Study in Research

दिनांक– 24.09.2022, अयोजक– Edutellect

शोधालेख प्रकाशन–

1– **''अठ्ठारहवीं शती की हिन्दी कवयित्रयों के काव्य में सगुण भक्ति का स्वरूप''** (पत्रिका–'शोध समीक्षा और मूल्यांकन'– अंतरष्ट्रिय पीयर रिव्यू रेफरीड इन्डेक्स मासिक शोध पत्रिका ISBN: 2320-5474

2– **''अठ्ठारहवीं शती की हिन्दी कवयित्रयों का समाज बोध''**

(शोध पत्रिका– **'उन्मेव'** अन्तर्राष्ट्रीय अर्द्ध वार्षिक पीयर रिव्यू रिसर्च जरनल, ISBN: 2394-2207

सुश्री सोफिया खातून

संगोष्ठी–

1– श्री टीकाराम कन्या महाविद्यालय अलीगढ़ के तत्वावधानों में आयोजित द्विदिवसीय (05–06, 2022) राष्ट्रीय संगोष्ठी में शोधपत्र प्रस्तुति– **''हिन्दी साहित्य और संस्कृति के विकास में डिजीटलाइजेशन की भूमिका''**

2– श्री टीकाराम कन्या महाविद्यालय, अलीगढ़ के तत्वावधानों में आयोजित द्विदिवसीय (04–05, 2022) राष्ट्रीय संगोष्ठी में शोधपत्र प्रस्तुति– **''स्त्री लेखन की चुनौतियाँ''**

3– अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के **'आधुनिक भारतीय भाषा विभाग'** के तत्वावधान में आयोजित द्विदिवसीय (20–21 मार्च 2023) राष्ट्रीय संगोष्ठी में शोधपत्र की प्रस्तुति– **''निर्गुण संतकाव्य में अभिव्यक्त मानवतावाद''**

डा0 सुचेता शर्मा–

संगोष्ठी

1– श्री टीकाराम कन्या महाविद्यालय अलीगढ़ के तत्वावधानों में आयोजित द्विदिवसीय (05–06, 2022) राष्ट्रीय संगोष्ठी में शोधपत्र प्रस्तुति–**'' साहित्य का डिजिटलीकरण''**

2– श्री टीकाराम कन्या महाविद्यालय, अलीगढ़ के तत्वावधानों में आयोजित द्विदिवसीय (04–05, 2022) राष्ट्रीय संगोष्ठी में शोधपत्र प्रस्तुति– **''नारी सिंहावलोकन कल से आज तक''**

पुस्तक अध्याय–

हिन्दी गद्य (बी0ए0 तृतीय सेमेस्टर), अतुल प्रकाशन आगरा, ISBN: 978-81-9579-852-0

डा0 कल्पना कौशिक–

संगोष्ठी–

1– श्री टीकाराम कन्या महाविद्यालय के तत्वावधानों में आयोजित द्विदिवसीय (05–06, 2022) राष्ट्रीय संगोष्ठी में शोधपत्र प्रस्तुति– **''वर्तमान परिप्रेक्ष्य मे डिजिटल शिक्षा का महत्व''**

2– श्री टीकाराम कन्या महाविद्यालय अलीगढ़ के तत्वावधानों में आयोजित द्विदिवसीय (04–05, 2022) राष्ट्रीय संगोष्ठी में शोधपत्र प्रस्तुति– **''महिलाएँः सामाजिक विकास का मजबूत स्तंभ''**

संस्कृत विभाग 2022-23

विभाग द्वारा प्रतिवर्ष की भांति संस्कृत साहित्य परिषद का गठन किया गया जिसमें निम्न छात्राऐं चयनित की गई–

अध्यक्ष	–	मनीषा (बी.ए. तृतीय वर्ष)
उपाध्यक्ष	–	दुर्वेश (बी.ए. तृतीय वर्ष)
सचिव	–	मीनू (बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर)
उपसचिव	–	लवकेश (बी.ए. सेमेस्टर)
कोषाध्यक्ष	–	लवली यादव (बी.ए. सेमेस्टर)

कार्यकारिणी सदस्य

1. चंचल राजपूत (बी.ए. तृतीय वर्ष)
2 संगम गीतम (बी.ए. तृतीय वर्ष)
3. मोहिनी (बी.ए. द्वितीय वर्ष)
4 दिव्या ठाकुर (बी.ए. सेमेस्टर)
5. निकिता (बी.ए. सेमेस्टर)

संस्थापक दिवस श्रृंखला के अर्न्तगत गत वर्षो की भांति ही **'संस्कृत दिवस'** का आयोजन किया गया। इस आयोजन में **'संस्कृत गीत–प्रतियोगिता'** को विषय के रूप में रखकर प्रतियोगिता का आयोजन हुआ–

10.12.22 को प्रो. रहसबिहारी द्विवेदी विरचित 'न भारत विकीर्यताम्' गीत संग्रह से संकलित गीत को प्रतियोगिता का विषय चयनित किया गया। जिसमें निम्न छात्राओं ने स्थान प्राप्त किया।

1. महक कुमारी – बी.ए. प्रथम सेमेस्टर – प्रथम
2. दुर्गेश – बी.ए. तृतीय सेमेस्टर – द्वितीय
3. चंचल राजपूत – बी.ए. तृतीय सेमेस्टर – द्वितीय
4. मनीषा – बी.ए. तृतीय सेमेस्टर – तृतीय
5. ज्योति – बी.ए. तृतीय सेमेस्टर – प्रोत्साहन
6. मोहिनी – बी.ए. तृतीय सेमेस्टर – प्रथम सेमेस्टर

इस प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में डॉ0 सीमा कौशिक, शिक्षाशास्त्र विभाग, प्रभारी व डा0 सीमा बंसल, संगीत विभाग रही। इस प्रतियोगिता में लगभग 15 छात्राओं ने भाग लिया 17.12.22 को 'संस्कृत दिवस पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस दिवस पर समारोह के अन्त में अतिथियों को शॉल व स्मृति चिहन देकर प्राचार्या द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रबन्ध समिति के सदस्य व संस्कृत प्रेमी उपस्थित रहें। इसी अवसर पर टीकराम कन्या महाविद्यालय की पूर्व छात्रा एवं राजस्थान शिक्षा सेवा में प्राचार्या पद से सेवानिवृत्त डॉ. शशिकला शर्मा की कविता संग्रह पुस्तक का भी विमोचन किया गया। इस प्रकार संस्कृत दिवस–पुरस्कार वितरण समारोह विभाग प्रभारी डॉ0 सुमन रघुवंशी के निर्देशन में आयोजित किया। इस दिवस पर डा0 सीमा बंसल, डा0 शैली शर्मा व डॉ0 सुचेता शर्मा द्वारा पूर्ण सहयोग दिया गया। डॉ0 ममता श्रीवास्तव द्वारा कुशल संचालन किया गया।

टीकाराम कन्या महाविद्यालय, टीकाराम कन्या इण्टर कॉलेज व रघुवीर बाल मन्दिर तीनों मातृ संस्थाओं के प्रतियोगिता में स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को पुरस्कृत किया जाता रहा है, किन्तु इस वर्ष किन्ही कारणों से रघुवीर बाल मन्दिर अपनी सह–भागिता नहीं कर सका। माध्यमिक वर्ग से स्थान प्राप्त करने वाली निम्न छात्राएं–

1. रिचा –कक्षा ग्यारह, प्रथम स्थान, उदय सिह जैन इण्टर कॉलेज, अलीगढ़
2. नंदिनी शर्मा – कक्षा ग्यारह द्वितीय स्थान, रतन प्रेम डी.ए.वी. बालिका इण्टर कॉलेज, अलीगढ़
3. राशि–कक्षा ग्यारह तृतीय, टीकाराम इण्टर कॉलेज अलीगढ़।

उक्त महाविद्यालय व माध्यमिक स्तर पर विजयी छात्राओं को मुख्य अतिथि महर्षि बाल्मीकि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमेश चंद भारद्वाज, विशिष्ट अतिथि–डॉ0 महेन्द्र कुमार मिश्र (पूर्व विभागाध्यक्ष वार्ष्णेय कॉलेज) संस्कृत विभाग, प्रबंध समिति के सचिव श्री हरीप्रकाश गुप्ता व महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. शर्मिला शर्मा द्वारा सामूहिक रूप से छात्राओं को पुरस्कार प्रदान किये गये। पुरस्कार प्रतिवर्ष हिन्दू गर्ल्स एजूकेशन सोसाइटी द्वारा प्रदान किये जाते है।

पुरस्कार वितरण समरोह में मुख्य अतिथि द्वारा

'उच्च शिक्षा में संस्कृत व संस्कार' विषय पर व्याख्यान प्रस्तृत किया गया।

छात्राओं के ज्ञानवर्धन हेतु विभाग द्वारा समय–समय पर अन्य प्रतियोगिताओं को भी सम्पन्न कराया गया। बी.ए. तृतीय वर्ष की छात्राओं को उनकी लेखन शैली बढ़ाने हेतु निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें निम्न छात्राओं ने स्थान प्राप्त किया।

प्रथम स्थान	–	साक्षी भारद्वाज
द्वितीय स्थान	–	दुर्वेश, मनीषा
तृतीय स्थान	–	ज्योति, वर्ष शर्मा
प्रोत्साहन	–	चंचल राजपूत

बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर के पाठयक्रम में कम्प्यूटर विषय होने के कारण 'कम्प्यूटर का परिचय' प्र लेख प्रतियोगिता कराई गई जिसमें निम्न छात्राओं ने ग्रेड प्राप्त किया।

महक कुमारी, प्रगति रानी, दिव्या ठाकुर, लवली यादव, महक पाठक, मोहिनी, अंजली राजपूत, ने A+ प्राप्त किया। इसी के साथ क्रमशः शिवानी, राधिका यादव, भावना ने A, काजल गोस्वामी (माइनर), रेनु कुमारी ने B, चंचल कुमारी, सपना कुमारी, अंशु, डेजी, शिवानी (माइनर), वैशाली सिंह, राखी शर्मा ने B ग्रेड प्राप्त किया। इसी के साथ विभाग की छात्राओं ने महाविद्यालय में होने वाली अन्य गतिविधियों में भी सहभागिता कर संस्कृत विभाग का सम्मान बढ़ाया जैसे–

1. राष्ट्रीय मतदाता विषय पर आयोजित **'गीत प्रतियोगिता'** में महक, (द्वितीय सेमेस्टर) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।
2. G-20 के अर्न्तगत **'भारतीय संस्कृति और नई जीवन शैली'** विषय पर निबन्ध प्रतियोगिता में प्रगति रानी (द्वितीय सेमेस्टर) ने प्रथम स्थान व इसी के भाषण प्रतियोगिता में इसी छात्रा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।
3. हिन्दी विभाग द्वारा **'संवाद प्रतियोगिता'** के अर्न्तगत **'चीफ की दावत'** नामक नाटक का मंचन कराया गया, जिसमें संस्कृत विषय की ही द्वितीय सेमेस्टर की छात्राएं – प्रगति रानी, महक कुमारी, मोहिनी व दिव्या ठाकुर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।
4. हिन्दी विभाग में आयोजित काव्य पाठ प्रतियोगिता में महक कुमारी, (द्वितीय सेमेस्टर) ने द्वितीय स्थान व प्रगति रानी द्वितीय सेमेस्टर ने प्रोत्साहन पुरस्कार प्राप्त किया।
5. NSS कैम्प में मनीषा तृतीय वर्ष ने **'देश भक्ति पाठ'** में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसी के साथ संगीत विभाग द्वारा आयोजित **'कविता पाठ'** के अर्न्तगत **'देश भक्ति कविता पाठ'** में भी प्रथम स्थान प्राप्त किया।

निशा, चतुर्थ सेमेस्टर ने भी कैम्प में आयोजित देश शक्ति गीत में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

इस प्रकार संस्कृत विभाग, संस्कृत भाषा व संस्कृत में निहित भारतीय संस्कृति के प्रचार–प्रसार व छात्राओं के उत्साहवर्धन हेतु विविध कार्यक्रम आयोजित करता है।

सत्र 2022-23 वार्षिक रिपोर्ट इतिहास विभाग

प्रो0 शालिनी चौधरी
प्रभारी, इतिहास विभाग

विगत वर्षो की भाँति इस वर्ष भी इतिहास विभाग द्वारा छात्राओं के लिये वभिन्नि शैक्षणिक एवं पाठ्य सहगामी गतविधियिों का आयोजन किया गया। इस सत्र में छात्राओं के लिये निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिससे छात्राओं के लेखन कौशल का विकास हो सके।

बी.ए प्रथम वर्ष (द्वितीय सेमेस्टर) छात्रा संख्या 50

दिनांक– 3–2–2023 निबंध प्रतियोगिता

विषय–''युवाओं के बेहतर भविष्य के लिये स्वामी विवेकानन्द के विचारों की प्रासंगिकता''

प्रतियोगिता का परिणाम इस प्रकार रहा–

प्रथम	–	कु0 सीमा
द्वितीय	–	कु० निकिता
तृतीय	–	कु0 भावना
प्रोत्साहन	–	प्रियांशी गौड

बी.ए द्वितीय वर्ष (चतुर्थ सेमेस्टर)
दिनांक – 3–2–2023 छात्रा संख्या 64
निबंध विषय –''महिला सशक्तिकरण में शिक्षा की भूमिका'

प्रथम	–	निधि जादौन
द्वितीय	–	तबस्सुम
तृतीय	–	कामिनी कुमारी
प्रोत्साहन	–	दीक्षा वर्मा, योगिता कुमारी

बी.ए तृतीय वर्ष निबंध प्रतियोगिता
दिनांक– 3–2–2023 छात्रा संख्या 20
निबंध विषय– ब्रिटिश भारत में शिक्षा का विकास'

प्रथम	–	कु0 रुपाली
द्वितीय	–	कु0 करिश्मा
तृतीय	–	कु0 मनीषा

विभागीय शैक्षणिक गतिविधियों के अंर्तगत छात्राओं को होम असाइनमेंट दिये गए।

–बी ए प्रथम वर्ष की प्रथम सेमेस्टर की छात्राओं का होम असाइनमेंट विषय– 'भारत में राजपूत राज्यों का उदय' ।

द्वितीय सेमेस्टर में होम असाइनमेंट का विषय **''मोहम्मद–बिन–तुगलक की विभिन्न योजनाये एवं उसकी असफलता के कारण।''**

– बी.ए द्वितीय वर्ष की तृतीय सेमेस्टर की छात्राओं का होम असाइनमेंट का विषय – 'औपनिवेशिक काल में लगान व्यवस्था।

–चतुर्थ सेमेस्टर में होम असाइनमेंट का विषय – 'अमेरिका का स्वतंत्रता संग्राम–कारण, महत्व और परिणाम'' ।

FACULTY DEVELOPMENT

1. विश्वविद्यालय की इतिहास विषय की अध्ययन परिषद में नामित सदस्य।
2. विश्वविद्यालय में पी.एच.डी काउंसलिंग हेतु विषय विशेषज्ञ
3. 5–6 Nov. 2022 के राष्ट्रीय सेमिनार, श्री टीकाराम कन्या महा0. अलीगढ़, विषय– 'NEP 2020 : A Revolutioniary step towards Digital India, under the aegis of 'Azadi ka Amrit Mahotsav' में पेपर प्रजेन्ट किया विषय– **'उच्च शिक्षा में भारतीय संस्कृति के मूल्यों की उपादेयता'** ।
4. 12–13 Nov 2022 राष्ट्रीय सेमिनार, श्री वार्ष्णेय महाविद्यालय अलीगढ़, विषय– 'Swaraj National consciousness and Resistance in Indian Freedom Struggle' में पेपर present किया। विषय – हिंद स्वराजः गांधी चिंतन का मूल आधार।
5. 4–7 मार्च 2023, राष्ट्रीय सेमिनार, श्री टीकाराम का महाविद्यालय, अलीगढ़ विषय – Women self Reliance: Opportunities, Obstacles and Outcomes in Indian Modern Scenario में Paper Predsent किया। विषय 'प्रारंभिक मध्यकाल में महिलाओं की स्थिति'।
6. 18–19 मार्च 2023, राष्ट्रीय सेमिनार श्री वार्ष्णेय महाविद्यालय अलीगढ़, विषय– India-China Relations: Issues and Emerging Trends में paper present किया। विषय – 'प्राचीनकाल में भारत चीन संबंध।
7. 25–26 मार्च 2023, राष्ट्रीय सेमिनार, एस. आर. डी. सी महाविद्यालय हाथरस, विषय– Status of Women after 75 years of Independence में Paper Present किया। विषय स्वतंत्रता के बाद भारतीय महिला आंदोलन।

संगीत - विभाग की शैक्षिक गतिविधियाँ (2022-23)

विभागाध्यक्षा – **डॉ० बृजरानी श्रीवास्तव**
संगीत – विभाग

1– सत्र के प्रारम्भ में 13/03/2022 को संगीत–विभाग मे देशभक्ति गीत, काव्य पाठ, भजन एवं नृत्य– प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमे 32 छात्राओं ने भाग लिया।

सरस्वती वन्दना में भाग लेने वाली छात्रा–01 अंजली देशभक्ति गीत एवं काव्य पाठ, भजन प्रतियोगिता में स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं के नाम –

1— करिश्मा — I
2— अंजली — II
3— कोमल — III
4— हिमाद्री — III
5— रजंना — प्रोत्साहन

नृत्य प्रतियोगिता में स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओ के नाम—

1— नेहा कुमारी — I
2— रेखा शर्मा — I I
3— साक्षी भारद्वाज — I I I
4— पूजा वार्ष्णेय — I I I
5— नूतन राजपूत — **प्रोत्साहन**

2 दिनांक 22/01/2023 को संगीत — विभाग द्वारा राजा महेन्द्र प्रताप सिह राज्य वि वि० के मलखम्ब प्रतियोगियता के उद्घाटन समारोह मे छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी—

सरस्वती वन्दना में भाग लेने वाली छात्राओं के नाम—

1 — साक्षी
2 — मोनिका
3 — पारूल
4 — कल्पना
5 —पारूल
6 —कोमल
7 — रंजना

शास्त्रीय वादन में भाग लेने वाली छात्राओं के नाम—

1 जरका, 2 नम्रता, 3 निधि

दिनांक 23/01/23 को मतदान दिवस के उपलक्ष्य में संगीत— विभाग मे मतदान जागरूकता प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें 18 छात्र—छात्राओं में भाग लिया, प्रतियोगिता में स्थान वाले छात्र—छात्राओं के नाम — (1) महक — I, 2 गोविंद प्रकाश—II, 3 पूजा सैनी—III, 4 नीलम—I, 5 अशु — III

दिनांक 24/01/23 को संगीत —विभाग द्वारा श्री वार्ष्णेय महाविद्यालय में छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी ।

होली गीत में भाग लेने वाली छात्राओं के नाम —

1) साक्षी, 2— शालिनी, 3— मोनिका (4) कल्पना, (5)—पारूल (6) कोमल, (7)—रंजना ।

नृत्य मे भाग लेने वाली छात्राओं के नाम —

1. नेहा कुमारी, 2. रश्मि, 3. भूमिका

दिनाक 25/01/23 को **"उत्तर प्रदेश दिवस"** एवं **"राष्ट्रीय मतदान दिवस"** के उपलक्ष्य में संगीत — विभाग द्वारा धर्म समाज महाविद्यालय में छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी।

लोकगीत में भाग लेने वाली छात्राओं के नाम (1)—महक, (2)—प्रीति, (3)—गोविंद प्रकाश, (4)—अशूं, (5)—पूजा सैनी

नृत्य मे भाग लेने वाली छात्राओ के नाम — (1)—वैष्णवी सारस्वत (2) सोनू चौधरी (3) नेहा कुमारी (4) स्नेहा वैरागी, 5—खुशबू ।

दिनांक 26/01/23 को संगीत — विभाग में वसंतोत्सव मनाया गया, सर्वप्रथम सरस्वती माँ का पूजन शिक्षिकाओं तथा. छात्राओ द्वारा देवी भजन की प्रस्तुति दी गयी।

7— दिनांक 24/03/23 को नवरात्रि के उपलक्ष्य में भजन एवं नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमे 35 छात्राओं ने भाग लिया। सरस्वती वंदना में भाग लेने वाली छात्राओ के नाम—

1—कोमल 2—रंजना

श्री राम स्तुति में भाग लेने वाली छात्राओं के नाम—1—प्रीति (2) अंशू 3) वैष्णवी रानी (4) चंचल, (5)— प्रीति।

भजन प्रतियोगिता मे स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं के नाम—

(1)—करिश्मा —I, (2)—निधि—II (3)—मुस्कान —III, (4) बैष्णवी रागी —III (5) कीर्ति प्रोत्साहन, (6)— दीक्षा प्रोत्साहन।

नृत्य प्रतियोगिता में 'स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं के नाम—

(1)—साक्षी भारद्वाज — I (2) भावना कुमारी — II, 3) स्नेहा वैरागी—II, (4)—ऋतम्भरा जादौन—III, (5)—प्रियांशी—III, 6— कशिश प्रोत्साहन, 7—करीना प्रोत्साहन

प्रतियोगिता में स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को प्रमाण — पत्र प्रदान किये गये। इसी के साथ विभाग प्रभारी डॉ. बृजरानी श्रीवास्तव जी ने सत्र के समापन की घोषणा करते हुए सभी छात्राओं को आगामी परीक्षा की सफलता हेतु शुभकामनाएँ दीं।

शिक्षा शास्त्र विभाग। शैक्षिक गतिविधियां सत्र(2022 23)

श्री टीकाराम कन्या महाविद्यालय की शिक्षा शास्त्र विभाग द्वारा बी. ए. प्रथम वर्ष की छात्राओं के लिए प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 18–03–2023 को किया गया , जिसका विषय था "भारतीय शिक्षा का विकास और चुनौती"। इसमें 10 छात्राओं ने भाग लिया, जिसमें टीम ए विजयी रही, इस टीम में भाग लेने वाली छात्राओं के नाम निम्नलिखित है– अंजली, कुमारी मोहनी एवं शिवानी। बी.ए. द्वितीय वर्ष के लिए प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन, दिनांक 27–03–2023 को किया गया। इस प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का विषय था "शिक्षा का मनोवैज्ञानिक आधार। इसमें 6 छात्राओं ने भाग लिया और टीम सी की छात्राएं सोनम कुमारी एवं कुमारी नम्रता विजयी रही। बी.ए. तृतीय वर्ष की छात्राओं के लिए एक निबंध प्रतियोगिता का आयोजन "सर्व शिक्षा अभियान'' "विषय पर दिनांक 15 मार्च 2023 को किया गया। इस प्रतियोगिता में 10 छात्रों ने भाग लिया, जिसमें प्रथम स्थान कुमारी मंजू ने प्राप्त किया द्वितीय स्थान पर चंचल तृतीय स्थान पर हीरा विकार रही। सांत्वना पुरस्कार कुमारी पूजा ने प्राप्त किया। शिक्षा शास्त्र विषय की एम. ए. प्रथम वर्ष की छात्राओं के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया , जिसमें प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता व सेमिनार का आयोजन किया गया ।प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में 23 छात्राओं ने भाग लिया और इसमें चार टीमें बनाई गई ए, बी, सी, डी, जिसमें ए टीम विजयी रही। जिसमें कुमारी आयशा जमील, अनामिका काजल, डोली गौतम, फायजा मलिक खुशबू सिंह ने भाग लिया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 14 मार्च 2023 को किया गया था। दिनांक 23 मार्च 2023 को एक सेमिनार का आयोजन शिक्षा एवं सामाजिक परिवर्तन" विषय पर किया गया जिसमें 24 छात्राओं ने भाग लिया जिसमें प्रथम स्थान आयशा जमील ने प्राप्त किया। द्वितीय स्थान पर कीर्ति शर्मा रही। अलका ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। रूबी ने प्रोत्साहन पुरस्कार प्राप्त किया। निबंध प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 14 मार्च 2023 को किया गया, जिसका विषय था "शैक्षिक प्रबंधन एवं प्रशासन" जिसमें 30 छात्रों ने भाग लिया, जिसमें प्रथम स्थान पूनम सिंह, द्वितीय स्थान पर आयशा और तृतीय स्थान पर कुमारी रचना एवं प्रोत्साहन पुरस्कार खुशबू सिंह ने प्राप्त किया।

वार्षिक रिपोर्ट – चित्रकला विभाग 2022–23

गत वर्षों की भांति इस सत्र में भी चित्रकला विभाग में विभिन्न प्रतियोगिताओं के रंग भरे। सर्वप्रथम चित्रकला परिषद का गठन 18 अक्टूबर 2022 को किया गया। जिसमें क्रमशः अध्यक्ष – अलका (एम.ए. फाइनल), उपाध्यक्ष चारुल (एम.ए. फाइनल), सचिव– शिवानी (एम.ए. फाइनल), सचिव गौरी उपाध्याय (एम.ए. प्रीवियस) कोषाध्यक्ष– संगीता (एम. ए. फाइनल) एवं सदस्य के रूप में शिवानी उपाध्याय (बी.ए.द्वितीय वर्ष,) नेहा (बी.ए. द्वितीय वर्ष,) शालिनी (बी.ए. द्वितीय वर्ष), कनिका गुप्ता (बी.ए. प्रथम वर्ष,) शालिनी (बी.ए. प्रथम वर्ष) का चयन विभाग की सभी शिक्षिकाओं द्वारा किया गया। जिन्होंने सत्र 2022 की सभी विभागीय गतिविधियों में अपनी सहभागिता की। इसके उपरांत 19 अक्टूबर 2022 को मिट्टी के दिए बनाकर उन्हें सजाने की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें बी. ए. प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष की लगभग 20 छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान माधुरी (बी.ए. तृतीय वर्ष), द्वितीय स्थान शिवानी उपाध्याय (बी.ए. तृतीय वर्ष), तृतीय स्थान खुशबू (बी. ए. तृतीय वर्ष) को प्राप्त हुआ। सांत्वना पुरस्कार नेहा (द्वितीय वर्ष,) शिवानी कुमारी (बी.ए. तृतीय वर्ष) एवं कीर्ति कुमारी (बी.ए. द्वितीय वर्ष) को प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता का निर्णय रसायन शास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. संगीता कुमार एवं शिक्षा शास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. सीमा कौशिक जी ने संयुक्त रूप से किया । इसी श्रंखला में एम.ए. की छात्राओं हेतु मिट्टी के गणेश लक्ष्मी बनाने एवं सजाने की प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। जिसमें एम.ए. फाइनल की लगभग 20 छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में छात्राओं ने हाथ से तैयार की हुई मिट्टी से गणेश–लक्ष्मी की सुंदर मूर्तियां तैयार की एवं उन्हें रंगो द्वारा सजाया जो बहुत ही आकर्षक लग रही थी। प्रतियोगिता का निर्णय डॉ. संगीता कुमार विभागाध्यक्ष रसायन शास्त्र विभाग एवं डॉ. सीमा कौशिक विभागाध्यक्ष शिक्षा शास्त्र विभाग ने संयुक्त रूप से किया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान चारुल (एम.ए. फाइनल, द्वितीय) स्थान आरती (एम. ए. फाइनल, तृतीय) स्थान नीतू (एम. फाइनल) एवं सांत्वना पुरस्कार ज्योति, रानी एवं रचना फाइनल की छात्राओं को प्राप्त हुए।

विश्व विरासत दिवस 11 नवंबर 2022 को इतिहास विभाग द्वारा आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में चित्रकला विभाग की लगभग 20 छात्राओं ने प्रतिभाग किया और उत्कृष्ट चित्रों की रचना की। प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका में प्रो. हेमलता अग्रवाल, श्रीमती कविता भारती एवं प्रो. रेखा शर्मा रही। प्रतियोगिता का निर्णय निम्न प्रकार रहा प्रथम आरती (एम.ए. फाइनल), द्वितीय संध्या कुमारी (एम.ए. फाइनल), तृतीय स्थान पर संगीता एवं हिबा (एम.ए. फाइनल) रहीं सांत्वना पुरस्कार शीतल (एम.ए. फाइनल), महिमा एवं मीनाक्षी (एम.ए. प्रीवियस)

को प्राप्त हुए। स्थापना दिवस समारोह 22 दिसंबर 2022 को (एम.ए. फाइनल) की छात्रा श्रेया शर्मा को सत्र 21–22 में चित्रकला विषय में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने पर डॉक्टर श्रीमती मणि भार्गव द्वारा पुरस्कृत किया गया।

नगर निगम अलीगढ़ और ए टू जेड के सहयोग से आयोजित आर्ट ऑफ मैजिक विषय पर पोस्टर पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन 23 दिसंबर 2022 को घंटाघर पर हुआ जिसमें (एम.ए. फाइनल) की छात्राओं कुमारी रचना एवं उपासना ने क्रमशः प्रथम एवं द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किये। इसी दिन इसी श्रंखला में कैलीग्राफी प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। जिसमें एम. ए. फाइनल की छात्रा रचना को तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ।

13 वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के उपलक्ष में दिनांक 23 जनवरी को वाष्णेय महाविद्यालय अलीगढ़ केंद्र पर स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें जिला स्तर पर 25 छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान संगीता (एम.ए. फाइनल) एवं द्वितीय स्थान नेहा कुमारी (बी.ए. द्वितीय वर्ष) को प्राप्त हुआ। इन्हीं कार्यक्रमों की श्रृंखला में 24 जनवरी 2023 को डी.एस. कॉलेज में पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें भी अनेक छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान नेहा कुमारी (बी. ए.द्वितीय वर्ष) एवं तृतीय पुरस्कार संध्या (एम.ए. फाइनल) और सांत्वना पुरस्कार संगीता (एम.ए. फाइनल) को प्राप्त हुए। इन सभी छात्राओं को अलीगढ़ प्रशासन द्वारा 25 जनवरी 2023 को मतदाता दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में पुरस्कृत किया गया।

ळ20 कार्यक्रमों की श्रृंखला में महाविद्यालय की आइक्यू ए सी द्वारा 6 फरवरी 2023 को एक पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें चित्रकला विभाग की छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता मे उपासना (एम.ए. फाइनल) प्रथम, चारुल (एम.ए. फाइनल) द्वितीय, मीनाक्षी (एम.ए. प्रीवियस) तृतीय रही। साथ ही संगीता (एम.ए. फाइनल) एवं रिया (एम.ए. प्रीवियस) को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता का निर्णय प्रो मिश्कात आबिदी एवं असिस्टेंट प्रोफेसर जगवती हिंदी विभाग ने किया। प्रतियोगिता में छात्राओं ने ळ–20 में शामिल सभी देशों पर आधारित चित्रों का निर्माण किया ।

दिनांक 15 फरवरी 2023 को एम.ए फाइनल की छात्राओं हेतु "आधुनिक कला में घनवाद की प्रासंगिकता "विषय पर क्लास सेमिनार का आयोजन भी किया गया। सेमिनार में छात्राओं ने बढ़ चढ़कर प्रतिभाग किया एवं विषय के अनुरूप अपने विचार व्यक्त किए। जिसने छात्राओं को अपनी बात मंच से प्रस्तुत करने की योग्यता के विकास में योगदान दिया। सेमिनार में अलका, चारुल, शिवानी, रानी, हिवा आदि छात्राओं के शोध पत्र सराहनीय रहे। दिनांक 12 अप्रैल 2023 को विभाग द्वारा "भारतीय हस्तशिल्प कला उज्जवल भविष्य की ओर" विषय पर एक पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया प्रतियोगिता का आयोजन चित्रकला विभाग एवं अरेना एनीमेशन सेंटर पॉइंट द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। जिसमें चित्रकला विभाग की विभिन्न छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में छात्राओं ने भारत के लगभग हर प्रांत की हस्तशिल्प कला पर आधारित चित्र तैयार किए। जिसमें विशेष रूप से कुम्हार द्वारा तैयार पात्र भित्ति अलंकरण के सामान, बांस के बर्तन, मिट्टी के खिलौने, कठपुतलियां, सिलाई से तैयार सामान, चरखे से तैयार सूत, हाथ से बने पंखे, राजस्थानी फढ चित्र, फूलों से तैयार सुंदर आभूषण आदि प्रमुख रहे। प्रतियोगिता का प्रारंभ प्राचार्य प्रो. शर्मिला शर्मा जी ने मां सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर किया। अरेना एनीमेशन द्वारा छात्राओं को प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम द्वितीय एवं तृतीय क्रमशः रचना (एम. ए. द्वितीय वर्ष), नेहा (बी. ए. द्वितीय वर्ष), चारुल (एम. ए. द्वितीय) वर्ष रही। इनके अतिरिक्त शिवानी, अलका संगीता,नीतू सिंह (एम.ए. फाइनल), मीनाक्षी (एम.ए. प्रीवियस,) कनिष्का अग्रवाल (बी.ए. द्वितीय) को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुए। प्रतियोगिता का आयोजन विभाग प्रभारी प्रो. हेमलता अग्रवाल के निर्देशन में हुआ। प्रतियोगिता के आयोजन में विभाग के सभी प्रवक्ता श्रीमती कविता भारती, प्रो. रेखा शर्मा, राजुल एवं अरुण के साथ अरेना एनीमेशन की ओर से लोकेश शर्मा सर, संजय सैनी सर एवं स्मृति मित्तल जी का विशेष सहयोग रहा।

दिनांक 18 मार्च 2023 को विभाग में वार्षिक चित्रकला प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन महा विद्यालय प्रबंध समिति के सचिव श्री हरि प्रकाश गुप्ता जी, श्रीमती कुसुम गुप्ता जी एवं प्राचार्या प्रो. शर्मिला शर्मा जी ने संयुक्त रूप से किया। प्रदर्शनी में लगभग 60 छात्रों का कार्य प्रदर्शित किया गया था। प्रदर्शनी में दृश्य चित्र, कोलाज चित्र, मधुबनी पेंटिंग, मांड़ना कला, मंडला कला, वारली कला, म्यूरल डिजाइन, छवि चित्र, चित्र संयोजन, श्वेत श्याम रेखा चित्र एवं मिट्टी से बनी विभिन्न मूर्तियां आदि विभिन्न विधाओं के चित्र एवं मूर्तियां प्रदर्शित हुए। आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रमों की श्रृंखला में तैयार स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े महानुभावों के छवि चित्र विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। एम.ए. फाइनल की छात्राओं में रचना का यथार्थवादी कार्य विशेष प्रशंसनीय रहा। इसके अतिरिक्त, अलका, का दृश्य चित्र चारुल का सनफ्लावर, शिवानी का म्यूजिकल कंपोजिशन, हिवा का शेखा झील, संगीता का चेहरे, सुधा का श्री गणेश, शीतल का एक्सप्रेशन, डॉली का दोस्त, संध्या का बार्ली, नीतू का कॉलेज दृश्य एवं सुषमा का बबल्स नामक चित्र अत्यधिक प्रशंसनीय रहे। एम.ए प्रीवियस की छात्राओं में रिया का लोक चित्र एवं कोलाज, चंचल का तीन दोस्त, संध्या का मंदिर की ओर नेहा बानो का एक्सप्रेशन, तनुजा का प्राकृतिक सौंदर्य, मोहिनी का मार्केट दृश्य, भारती का पनिहारी, राव फरीदा, जागृति, मीनाक्षी, बबिता आदि के चित्र भी अत्यधिक प्रशंसनीय रहे। इसके अतिरिक्त बी.ए. प्रथम वर्ष, द्वितीय वर्ष एवं तृतीय वर्ष की छात्राओं द्वारा किया गया कार्य प्रदर्शनी में लगाया गया जिसने सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। जिनमें नेहा एवं मोना का कार्य विशेष सराहा गया। प्रदर्शनी मे प्रबंध समिति के सदस्य सी.ए. राजीव अग्रवाल जी, डॉ. इंदिरा अग्रवाल, डॉ कविता रानी, डॉ. संगीता कुमार, डॉ. पूनम शर्मा, डॉ सुमन रघुवंशी, प्रो. सीमा बंसल, प्रो. शालिनी चौधरी, जगवती, प्रियंका दिक्षित आदि शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं। प्रदर्शनी 19 मार्च को भी अवलोकनार्थ खुली रही।

इसके अतिरिक्त चित्रकला विभाग की छात्राओं द्वारा महाविद्यालय परिसर में समय–समय पर साज सज्जा का कार्य

किया जाता रहा। संस्थापक दिवस पर महाविद्यालय प्रांगण को सुसज्जित करना, सूखे दरख़्त पर मयूर का अंकन विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। हॉस्टल में लगी टीका राम जी की मूर्ति का सुंदरीकरण, ऑफिस के सामने वृक्ष के चारों की गई चित्रकारी हो या फिर 26 जनवरी या 15 अगस्त ध्वजारोहण के समय की गई साज सज्जा विभाग की गतिविधियों को निरंतरता प्रदान करती रही। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी विभाग द्वारा सरस्वती पूजा का आयोजन किया गया। विभाग की 3 छात्राओं रेनू, ज्योति, चंद्रप्रभा ने यूजीसी जे. आर.एफ. की परीक्षा उत्तीर्ण कर विभाग का नाम रोशन किया। साथ ही ललित कला अकैडमी उत्तर प्रदेश द्वारा आगरा–अलीगढ़ मंडल की होने वाली क्षेत्रीय कला प्रदर्शनी हेतु एम.ए. प्रीवियस की कुमारी गौरी चौधरी एवं फाइनल की छात्रा सुषमा के चित्र चयनित हुए। इसके अतिरिक्त अंशकालिक प्रवक्ता शुभांगी अग्रवाल का चित्र भी इस प्रदर्शनी हेतु चयनित हुआ है। जिसकी प्रदर्शनी दिनांक 9 मई 2023 को ललित कला संस्थान आगरा में आयोजित हुई। विभाग की सभी गतिविधियां विभाग प्रभारी प्रो. हेमलता अग्रवाल के निर्देशन में अन्य प्रवक्ताओं श्रीमती कविता भारती, प्रो. रेखा शर्मा अंशकालिक प्रवक्ता सुश्री आकांक्षा, श्रीमती शुभांगी अग्रवाल, सुश्री राजुल एवं अरुण के सहयोग से आयोजित हुई।

शिक्षिका वर्ग उपलब्धियां

प्रो. हेमलता अग्रवाल

1. **'ललित कलाओं का अंतर्संबंध'** नामक पुस्तक ISBN No 978-93-91777663 पृष्ठ संख्या 53 से 58 में **'आगरा का कला वैभव और पर्यटन 'उद्योग'** नाम से लेख प्रकाशित हुआ।
2. **'कला संस्कृति कल और आज'** नामक पुस्तक ISBN 978-81-954496-8-6 में **'रोरिक्स लाइव एंड विजन ऑन हिमालय,'** पृष्ठ संख्या 20 से 23 तक प्रकाशित हुआ ।
3. ICSSR द्वारा प्रायोजित N-E-P- 2020 रिवॉल्यूशनरी स्टेप टुवर्ड्स डिजिटल इंडिया,' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार (दिनांक 5, 6 नवंबर 2022) मे डिजिटल शिक्षा ललित कलाओं के क्षेत्र में शोध की संभावनाएं एवं चुनौतियां नई शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में शोध पत्र प्रस्तुत किया।
4. ICHR द्वारा प्रायोजित एवं श्री वार्ष्णेय महाविद्यालय द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में प्रतिभाग किया एवं राष्ट्रीय चेतना में कला एवं संस्कृति की भूमिका विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।
5. उत्तर प्रदेश उच्च शिक्षा आयोग एवं श्री टीकाराम कन्या महाविद्यालय द्वारा **'वूमेन सेल्फ रिलायंसः अपॉर्चुनिटी ऑब्स्टेकल एंड आउटकम्स इन इंडियन मॉडर्न, सिनेरियो,'** 4 एवं 5 मार्च 2023, में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'कला के माध्यम से आदिवासी महिलाओं की आत्मनिर्भरता विषय पर शोध छात्रा दीप्ति देवांशी ने शोध पत्र प्रस्तुत किया।
6. महाविद्यालय एवं उत्तर प्रदेश उच्च शिक्षा द्वारा **'इंडिया चाइना रिलेशंस इश्यू इन इमर्जिंग ट्रेंड्स'** विषय पर आयोजित दो दिवसीय सेमिनार भारत चीन संबंध कला संस्कृति के संबंध में विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।
7. उच्च शिक्षा उत्तर प्रदेश एवं श्री रामेश्वर दास अग्रवाल कन्या महाविद्यालय, हाथरस द्वारा स्टेटस ऑफ वूमेन आफ्टर 75 ईयर्स ऑफ इंडिपेंडेंस पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी दिनांक 25 एवं 26 मार्च 2023 में कला के क्षेत्र में महिलाओं की स्थिति और भारतीय स्वतंत्रता के 75 वर्ष विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।
8. दिनांक 23/9/2022 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी एवं उत्कर्ष ललित कला अकैडमी लखनऊ द्वारा आयोजित लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड कार्यक्रम में आयोजन समिति सदस्य के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के साथ–साथ प्रदर्शनी में भी प्रतिभाग किया।
9. संस्कार भारती तूलिका के चित्रकला विभाग अलीगढ़ द्वारा 13 अगस्त 2022 को आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रमों की श्रृंखला में आयोजित चित्रकला प्रदर्शनी एवं गुरु सम्मान समारोह में सह संयोजक के रूप में कार्य किया। इस कार्यक्रम में कलाकारों ने देशभक्ति गीत प्रस्तुत किए। चित्रकारों

ने चित्र बनाएं एवं गुरु सम्मान समारोह में श्री टीकाराम कन्या महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर शर्मिला शर्मा जी को सम्मानित किया गया।

10. आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रमों की श्रंखला में ही कलाकार निर्देशिका 2022 सांस्कृतिक राष्ट्रवादी कलाकार ISBN No 978-93-80954803 में 75 कलाकारों की मध्य स्थान प्राप्त हुआ।
11. राजा महेंद्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय अलीगढ़ की ललित कला संकाय की अध्ययन परिषद के सदस्य एवं विषय विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया।

कविता भारती

1. आईसीएसएआर एवं टीकाराम कन्या महाविद्यालय द्वारा आयोजित दो दिवसीय (5 एवं 6 दिसंबर 2022) सेमिनार में प्रतिभाग किया।
2. उत्कर्ष ललित कला अकेडमी लखनऊ द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी एवं कलाकार सम्मान समारोह में प्रतिभाग किया।
3. टीकाराम कन्या महाविद्यालय एवं उत्तर प्रदेश उच्च शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय एवं मार्च 20231 राष्ट्रीय सेमिनार में प्रतिभाग किया एवं शोध पत्र प्रस्तुत किया।
4. राजा महेंद्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय की ललित कला संकाय के अध्ययन परिषद में सदस्य एवं विषय विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया।

प्रो. रेखा शर्मा

1. आई सी एस एस आर एवं टीकाराम कन्या महाविद्यालय द्वारा आयोजित दो दिवसीय एवं 6 दिसंबर 2022) सेमिनार में प्रतिभाग किया।
2. उत्कर्ष तलित कला अकेडमी लखनऊ द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी एवं कलाकार सम्मान समारोह में प्रतिभाग किया।
3. टीकाराम कन्या महाविद्यालय एवं उत्तर प्रदेश उच्च शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय (4 एवं 5 मार्च 2023) राष्ट्रीय सेमिनार में प्रतिभाग किया एवं शोध पत्र प्रस्तुत किया।
4. राजा महेंद्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय की ललित कला संकाय के अध्ययन परिषद में सदस्य एवं विषय विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया।

सुश्री आकांक्षा। (अंशकालिक प्रवक्ता)

1. उत्तर प्रदेश उच्च शिक्षा सेवा आयोग एवं श्री टीकाराम कन्या महाविद्यालय द्वारा 4 एवं 5 मार्च 2023 को आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में शोध पत्र प्रस्तुत किया।
2. आई सी एस एस आर द्वारा शोध कार्य हेतु प्रदान की जाने वाली स्कॉलरशिप हेतु चयन।

श्रीमती शुभांगी अग्रवाल (अंशकालिक प्रवक्ता)

1. श्री टीकाराम कन्या महाविद्यालय एवं उत्तर प्रदेश उच्च शिक्षा आयोग द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में प्रतिभाग किया एवं शोध पत्र प्रस्तुत किया।
2. उत्तर प्रदेश राज्य ललित कला अकेडमी लखनऊ द्वारा आयोजित क्षेत्रीय कला प्रदर्शनी आगरा अलीगढ़ मंडल हेतु पेंटिंग का चयन हुआ।

अर्थशास्त्र विभाग : वार्षिक रिपोर्ट 2022-23

दिनांक 18 अक्टूबर 2022 को अर्थशास्त्र विभाग एवं अंग्रेजी विभाग द्वारा 'Research and How to Write Research Project' विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता प्रोफेसर मोहम्मद अकरम (समाजशास्त्र संकाय, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय) ने छात्राओं को सबसे पहले विषय चयन के बारे में बताया। उन्होंने शोध प्रश्न, शोध उद्देश्य, शोध समस्या, लिट्रेचर ऑफ रिव्यू, परिकल्पना बनाने एवं डेटा एकत्र करने के बारे में छात्राओं को विस्तारपूर्वक जानकारी दी। कार्यक्रम में बी.ए द्वितीय वर्ष, बी0ए0 तृतीय वर्ष, अंग्रेजी, हिन्दी, ड्राइंग एवं पेटिंग, संगीत एवं शिक्षा शास्त्र विषय की एम.ए. प्रथम वर्ष तथा एम कॉम प्रथम वर्ष की छात्राओं ने प्रतिभागिता की।

दिनांक 04 फरवरी, 2023 को आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के अन्तर्गत अर्थशास्त्र विभाग एवं वाणिज्य विभाग ने Industrial Innovative Practices' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। मुख्य वक्ता प्रोफेसर नावेद खान (एम.बी.ए. संकाय, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय) नें औद्योगिक नवाचार के विषय में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने जनरल इलेक्ट्रिक, प्रोक्टर एण्ड गैंबल, बीजा तथा डुपोंट जैसी अनेक कंपनियों के उदाहरण देकर प्रबंधकीय नवाचार पर भी प्रकाश डाला। कार्यशाला की अध्यक्षता डा० ए०के० तोमर, पूर्व प्राचार्य, श्री धर्मसमाज महाविद्यालय ने की। उन्होंने छात्राओं को अपने जीवन में नवाचार करने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यशाला में बी० ए० द्वितीय वर्ष, बी.ए. तृतीय वर्ष, बी.कॉम द्वितीय वर्ष, एम.कॉम. प्रथम वर्ष तथा बी.बी.ए. प्रथमवर्ष की छात्राओं ने प्रतिभागिता की।

दिनांक 23 मार्च, 2023 को विभाग द्वारा आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के तत्वावधान में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सिक्योरिटी मार्केट्स के सहयोग से वित्तीय शिक्षा जागरुकता (कोना–कोना शिक्षा) कार्यक्रम के अन्तर्गत 'युवा नागरिकों के लिए वित्तीय शिक्षा' विषय पर चार दिवसीय (23 मार्च–27 मार्च 2023) प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। 10 घण्टे के इस परीक्षण कार्यक्रम के रिसोर्स पर्सन डा. अकीलुर्रहमान (नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सिक्योरिटी मार्केट्स) थे। उन्होंने छात्राओं को वित्तीय शिक्षा के विभिन्न पहलुओं की विस्तार से जानकारी दी। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को वित्तीय शिक्षा की जानकारी प्रदान कर कुशल बनाना तथा वित्तीय क्षेत्र में कैरियर के अवसरों के बारे में जागरूक करना था।

10 घण्टे के प्रशिक्षण के उपरांत नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सिक्योरिटी मार्केट्स द्वारा ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी के रूप में मूल्यांकन आयोजित किया गया और सभी छात्राओं को ई–प्रमाणपत्र प्रदान किए गये। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में अर्थशास्त्र, वाणिज्य तथा गणित विषय की स्नातक की 72 छात्राओं ने पंजीकरण कराया ।

FACULTY DEVELOPMENT- DEPARTMENT OF ECONOMICS

Dr. Krishna Bajpai"

Published a paper डिजिटल शिक्षा की चुनौतियाँ in an edited book, titled as use of ICT Tools in Higher Education published by by Yking Books, Jaipur in 2023. ISBN NO. 978-93-92240-36-2

Presented a paper on the topic 'डिजिटल शिक्षा की चुनौतिया' in National Seminar on "NEP 2020: A Revolutionary step towards Digital India under the aegis of Azadi Ka Amrit Mahotsoav" held on 5-6 November, 2022, organized by Sri Tika Ram Kanya Mahavidyalaya, Aligarh.

Presented a paper on the topic 'आर्थिक सशक्तिकरण की ओर बढ़ती महिलायें'', is National Seminar on woman Self-Reliance: Opportunities, Obstacles and Outcomes in Indian Modern Scenario organized by Sri Tika Ram Kanya Mahavidyalaya, Aligarh on 4-5 March, 2023

Presented a paper on the topic 'भारत में महिला उद्यामिता के बढ़ते कदम' is National Seminar on status of women after 75 years of Independence, organized by Sri Rameshwar Das Agrawal Girls (PG)

College, Hathras.

Student Coordinator in the 10 hours session of the program **"kona kona Shiksha"** conducted by National Institute of Securities Markets (NISH) render the aegis of CSR program by Kotak Securities Limited on 27 March, 20230

Member, Board of studies of Economics of Raja Mahendra Pratap Singh State University, Aligarh. Member of Supervising and Advisory committee. for preparing syllabus of Post-Graduation (Economics) for Raja Mahendra Pratap Singh. State University, Aligarh.

Dr. Umme Kulsum

Professor, Dept. of Economics (2022-23)

Paper Presentation

1. Presented Paper in National Seminar on **'NEP 2020: A Revolutionary Step Towards Digital India" entitled"** Trends, Issues and Challenge of Digital Education In India, 5.6 Nov, 2022, STRKM Aligarh, Sponsored by ICSSR.

2. Presented Paper in National Seminar on **"Women Self Reliance: Opportunities, Obstacles and Outcomes in Indian Modern Scenario",** Sponsored by Higher Education U.P. organised by STRKM, Aligarh, entilled Women Entrepreneurship : A study of Indian scenario", 4-5 March, 2023

Edited Book

1. Member of Editoral Board of proceedings on 'NEP 2020: A Revolutionary Step Towards Digital India, Hindi Sahitya Sadan, Koral Bagh, New Delhi, ISBN 978-93-92129-02-5, 2022.

Published Paper

1. Published Paper on **"Use of ICT Tools in Higher Education",** entitled Importance of ICT Tools in the Teaching and Learning Process", Yking Book, Jaipur, ISBN 978-93-92240- 36-2, 2023] to Chair the Technical session as Resource Person in a National Senunar on Women Self-Reliance: Opportunities, Obstacles and outcomes Mordern in Indian Scenario, sponsored by Higher Education U.P, in STRKM Aligarh, on 5 March 2023.

- Member of Board of studies, RMPS SU, Aligarh

- Design Curriculum. M.A Previous and final (Economics), RMPSSU, Aligarh.

वार्षिक रिपोर्ट (मनोविज्ञान विभाग) 2022-23

शैक्षिक सत्र 2022–23 में मनोविज्ञान विभाग द्वारा विभिन्न पाठ्येत्तर गतिविधियों एवं प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसका प्रमुख उद्देश्य छात्राओं में छिपी हुई प्रतिभा को उभारना एवं निखारना था। प्रतिस्पर्धा एवं प्रतियोगिता छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए अति आवश्यक है।

1. सर्वप्रथम 31 अक्टूबर 2022 को मनोविज्ञान परिषद् का गठन किया गया जिसका विवरण निम्नलिखित हैं–

अध्यक्ष	–	कु० करिश्मा साहू, (बी०ए० तृतीय वर्ष)
उपाध्यक्ष	–	कु० सरिता माहौर (बी०ए० तृतीय वर्ष)
सचिव	–	कु0 नीतू वर्मा (बी०ए० द्वितीय सेमेस्टर)
उपसचिव	–	कु0 राखी सिंह (बी०ए० प्रथम सेमेस्टर)
कोषाध्यक्ष	–	कु0 नीलम (बी०ए० द्वितीय सेमेस्टर)

कार्यकारिणी सदस्य–

1. कु0 तनु सिंह (बी०ए० तृतीय वर्ष)
2. कु० चंचल (बी०ए० तृतीय वर्ष)
3. कु० कृष्णा (बी०ए० द्वितीय सेमेस्टर)
4. कु0 गीता सारस्वत (बी०ए० द्वितीय सेमेस्टर)

5. कु0 वैशाली उपाध्याय (बी०ए० प्रथम सेमेस्टर)
6. कु0 सुप्रिया शर्मा (बी०ए० प्रथम सेमेस्टर)

2– 22 नवम्बर 2022 को निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसका विषय था– **'योग एवं स्वास्थ्य'** प्रतियोगिता में स्नातक स्तर की 28 छात्राओं ने भाग लिया। परिणाम इस प्रकार हैं–

निबन्ध प्रतियोगिता के परिणाम–

प्रथम स्थान	–	कु० कृष्णा, बी०ए० तृतीय सेमेस्टर
द्वितीय स्थान	–	कु0 नीतू वर्मा एवं
	–	कु० प्रज्ञा अग्रवाल, बी०ए० तृतीय सेमेस्टर
तृतीय स्थान	–	कु० नीलम, बी०ए० तृतीय सेमेस्टर
प्रोत्साहन	–	कु0 करिश्मा साहू, बी०ए० तृतीय वर्ष
	–	कु० काजल, बी०ए० तृतीय वर्ष
	–	कु0 निशा शर्मा, बी०ए० प्रथम सेमेस्टर

निर्णायका– डॉ. सीमा कौशिक अध्यक्षा– शिक्षाशास्त्र विभाग

3. 25 दिसम्बर 2022 को आजादी के अमृत महोत्सव के तत्त्वाधान में भारतरत्न अटल बिहारी बाजपेयी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता डॉ. मंजू शर्मा (सेवानिवृत्त) जी थी। इस कार्यक्रम में लगभग 100 छात्राओं ने भाग लिया।
4. 21 जनवरी 2023 को स्नातक स्तर की छात्राओं के लिए एक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया.जिसका विषय था– **"अंधविश्वास के मकड़जाल के फँसती महिलाएँ"** कार्यक्रम में 14 छात्राओं ने भाग लिया।
5. 15 फरवरी 2023 को बी०ए० चतुर्थ सेमेस्टर की छात्राओं के लिए पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसका विषय था **'मानसिक विकृतियाँः कारण एवं निवारण'** इसमें लगभग 30 छात्राओं ने भाग लिया।

परिणाम इस प्रकार हैः–

प्रथम स्थान	–	कु0 नीतू वर्मा
द्वितीय स्थान	–	कु० सुमन
तृतीय स्थान	–	कु० भूमिका राघव
प्रोत्साहन	–	कु0 रश्मि कुमारी एवं कु० कृष्णा

6. 3 मार्च 2023 को आजादी के अमृत महोत्सव के तहत् **"विश्व श्रवण दिवस''** पर एक अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता डॉ. अर्चना बंसल, अध्यक्ष, जन्तु विज्ञान विभाग। इस कार्यक्रम में लगभग 85 छात्राएँ मौजूद थी।
7. 29 मार्च 2023 को विभाग में सेमिनार का आयोजन किया गया। विषय– **"नशे की"** गिरफ्तार में युवा वर्ग कार्यक्रम में 18 छात्राओं ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में विभाग प्रभारी डॉ प्रतिमा श्रीवास्तव, डॉ. पूनम शर्मा एवं डॉ. कहकशा उपस्थित थी। इसके अतिरिक्त प्रयोगशाला सहायक श्री विशाल दयाल एवं लैब ब्याय श्री संजय कुमार ने भी सभी कार्यक्रमों में अपना सहयोग दिया।

वार्षिक गतिविधियाँ : गृह विज्ञान विभाग 2022–23

'गृह विज्ञान' कला एवं विज्ञान का संगमः–

मनुष्य जन्म लेने से लेकर मृत्यु तक किसी न किसी परिवार में रहता है। परिवार, जिसको मुख्य तीन चीजों की आवश्यकता होती है गृह, भोजन एवं वस्त्र और ये इन तीनों की कलात्मक एवं वैज्ञानिक शिक्षा गृहविज्ञान विषय के अन्तर्गत श्री टीकाराम कन्या महाविद्यालय में विगत 50 वर्षों से निरन्तर दी जा रही है। गृह विज्ञान विभाग महाविद्यालय के केन्द्र में स्थित है जहाँ गृह विज्ञान की पाँचों शाखाओं (खाद्य एवं पोषण विज्ञान, मानव विकास, वस्त्र विज्ञान, गृह प्रबन्ध, प्रसार शिक्षा का ज्ञान शिक्षकाओं द्वारा छात्राओं को दिया जाता है। विभाग में स्नातक एवं परास्नातक की कक्षायें संचालित की जाती है। सत्र 2022–23 से प्रो० गीतिका सिंह, प्रो0 नीता वार्ष्णेय, प्रो० मोनिका का पी–एच०डी० सुपरवाइजर के रूप में राजा महेन्द्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय में पंजीकरण हुआ है।

प्रो० गीतिका सिंह, विभाग प्रभारी, प्रो नीता वार्ष्णेय

प्रो० मोनिका, श्रीमती निशा तिवारी, असिस्टेंटप्रोफेसर

स्ववित्तपोषित शिक्षिकाऐं–

श्रीमती श्वेता सिंह, श्रीमती रश्मि आनन्द

प्रयोगशाला सहायक –

श्रीमती अमरजीत कौर

कु० नेहा सिंह, (स्ववित्त पोषित)

चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी –

श्रीमती सावित्री, श्रीमती द्रोपदी (स्ववित्त पोषित)

2022–23 विभागीय गतिविधियाँ (गृह विज्ञान विभाग)

जुलाई माह से विभाग में बी0ए0 (तृतीय सेमेस्टर) तथा एम0ए0 (उत्तरार्द्ध) की छात्रायें ने अपनी कक्षाओं में आकार अपना पाठ्यक्रम से सम्बन्धित पठन पाठन प्रारम्भ किया तथा अन्य विभागीय गतिविधियों में रूचि लेने लगीं इसी कड़ी में निम्नलिखित गतिविधियाँ हुई।

दिनांक	गतिविधि का विषय	कक्षा	छात्राओं की संख्या	अतिथिगण एवं विषय विशेषज्ञ			संयोजिका	सह–संयोजिका
				मुख्य अतिथि	विशिष्ट अतिथि	मुख्य वक्ता		
1 अगस्त – 7 अगस्त	**विश्व स्तनपान सप्ताह** 1. माँ का दूध शिशु की पोषण आवश्यकता को पूर्ण करने में सक्षम। 2. स्तन पान शिशु को होने वाली बीमारियों का रक्षा कवच 3. शिशु व माता के लिए स्तनपान के लाभ 4. माताओं में स्तनपान आधारित भ्रांतियाँ	B.A. III एवं B.Sc. III	प्रतिदिन 20	प्रो0 विनीता, गृहविज्ञान, राजकीय महाविद्यालय सिकन्दराराऊ, हाथरस	डॉ. प्रभा वार्ष्णेय	डॉ0 नीता वार्ष्णेय वक्ताः– डॉ0 मोनिका, कु0 निशा तिवारी, श्रीमती श्वेता सिंह	डॉ0 गीतिका सिंह	डॉ0 मोनिका
8 सितम्बर –30 सितम्बर 8 सितंबर 2022	**राष्ट्रीय पोषण माह** 2022 पोषण और स्वास्थ्य जागरूकता ''पोषक तत्वों के समूह तथा उनसे मिलने वाले पौष्टिक तत्व'' प्रदर्शनी	एम0ए0 (उत्तरार्द्ध) बी0ए0 III Semester	25 04	प्रो0 मीना कुमारी, प्राचार्या राजकीय महाविद्यालय, जहांगीराबाद मुख्य वक्ता प्रो0 शर्मिला शर्मा प्राचार्या श्री टी0क0क0महा0, अलीगढ़	प्रो0 अचला खक्कड़ निदेशक, गृहविज्ञान संस्थान, आगरा।	प्रो0 मनीषा राव राजकीय महाविद्यालय, बरेली।	डॉ0 गीतिका सिंह	डॉ0 नीता वार्ष्णेय, प्रो0 मोनिका, कु0 निशा तिवारी
12 अक्टूबर 2022	**कैरियर काउंसलिंग 2022–23:** परामर्श एवं छात्राओं का मार्गदर्शन	बी0ए0/ बी0एस–सी0, (तृतीय वर्ष)	100	प्रो0 शर्मिला शर्मा प्राचार्या	–	योगेश कुमार उपमन्यु देव प्रकाश गुप्ता जि0से0आ0 (से0नि0) डॉ0 गिर्राज किशोर काउंसलर इग्नू	प्रो0 गीतिका सिंह	प्रो0नीता वार्ष्णेय
26 सितम्बर	**सेवा पखवाड़ा** विविधिता में एकता ''लोक परिधान व प्रान्तीय व्यंजन''	एम0ए0 (फाइनल)	20	कुलपति, आर0एम0पी0ए स0एस0यू0	प्रो0 इंदु वार्ष्णेय	प्रो0 राजेश कुमार हिन्दी विभाग, पी.सी. बागला महाविद्यालय, हाथरस	प्रो0 नीता वार्ष्णेय	कु0 निशा तिवारी
18 फरवरी 2023	''मानसिक स्वास्थ्य संवेदीकरण'' कार्यशाला में **उप विषय** 1. मानसिक विकार, परिवार की भूमिका 2. तनाव प्रबन्ध एवं सकारात्मक 3. OCD, शिजोफ्रेनिया, सामाजिक व्यवहार	बी0ए0 III एवं एम0ए0 (प्रथम वर्ष)	50	प्रो0 शर्मिला शर्मा प्राचार्या	डॉ0 अंशु सोम,	1. प्रो0 गीतिका सिंह 2. प्रो0 नीता वार्ष्णेय 3. कु0 निशा तिवारी	प्रो0 नीता वार्ष्णेय	कु0 निशा तिवारी
21–22 मार्च 2023 21 मार्च	**दो दिवसीय कार्यशाला एवं अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष 2023 के अन्तर्गत 'मिलेट फेस्ट'** रंगोली प्रतियोगिता	बी0ए0 IV Sem	50	प्रो0 शर्मिला शर्मा	डॉ0 प्रभा वार्ष्णेय	डॉ0 सुमन रघुवंशी	प्रो0 गीतिका सिंह	प्रो0 नीता वार्ष्णेय प्रो0 मोनिका

22 मार्च 2023	मिलेट फेस्ट 2023	बी0ए0 (तृतीय सेमेस्टर) एवं एम0ए0 प्रथम व द्वितीय	100+35+25	कुलपति आर0एम0पी0ए स0एस0यू0	मुख्य अतिथि श्री हरि प्रकाश गुप्ता, सचिव, श्री टीकाराम कन्या महाविद्यालय, अलीगढ़	अतिथि प्रो0 एस0सी0 तिवारी सेवा निवृत वार्ष्णेय महाविद्यालय, अलीगढ़ समन्वयक प्रो0 शर्मिला शर्मा	संयोजिका प्रो0 गीतिका सिंह	सहसंयोजिका प्रो0 नीता वार्ष्णेय प्रो0 मोनिका श्रीमती निशा तिवारी, श्रीमती श्वेता सिंह
	''अंतराष्ट्रीय मिलेट वर्ष 2023'' मोटे अनाज–ज्वार, बाजरा, जई, कंगनी, कूट्टू, रागी, संवा द्वारा निर्मित स्वादिष्ट व्यंजन–लड्डू, डोसा, पुलाव, इडली, नमकीन, मठरी, आदि।	एम0ए0 द्वितीय	25					
	पैकेट बिक्री हेतु एवं कैफेटेरिया का आयोजन	बी0ए0 तृतीय	100					
	पारपंरिक, छवाई कार्य शाला 1. ब्लाक प्रिंटिग, स्कीन प्रिंटिग, स्टैसिल प्रिंटिंग 2. बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट	एम0ए0 प्रथम	35					
19 मार्च 2023	Fashion : Make-up कार्यशाला	एम0ए0 प्रथम, द्वितीय	60	प्रो0 शर्मिला शर्मा			प्रो0 गीतिका सिंह	प्रो0 नीता वार्ष्णेय श्रीमती निशा तिवारी

विभाग की शिक्षिकाओं की भूमिका (विश्वविद्यालय, शासन तथा सामाजिक स्तर पर)

1. **प्रो0 गीतिका सिंह**

   संकायाध्यक्षा, गृहविज्ञान संकाय, संबद्ध राजा महेन्द्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय, अलीगढ़ समन्वयक, अध्ययन, समिति गृहविज्ञान। सदस्य, विद्या परिषद, राजा महेन्द्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय, अलीगढ़। सदस्य, प्रवेश समिति, राजा महेन्द्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय, अलीगढ़। सदस्य, प्रज्ञा प्रबोध प्रकलप, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ। कोर कमेटी सदस्य, शिविर, अलीगढ़, औद्योगिक कृषि प्रदर्शनी, राजा महेन्द्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय, अलीगढ़।

2. **प्रो0 नीता वार्ष्णेय**

   कार्यक्रम समन्वयक, राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ, राजा महेन्द्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय, अलीगढ़। सदस्य, गृहविज्ञान संकाय, सम्बद्ध राजा महेन्द्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय, अलीगढ़। सदस्य, आन्तरिक गुणवत्ता उन्नयन प्रकोष्ठ, राजा महेन्द्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय, अलीगढ़। नोडल अधिकारी, राज्य परिवार नियोजन अभिनवीकरण सेवा परियोजना एजेन्सी (SIFPSA)। सह संयोजिका, शिविर, अलीगढ़, औद्योगिक कृषि प्रदर्शनी, राजा महेन्द्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय, अलीगढ़। संयोजिक, मण्डल स्तरीय सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम,उ0प्र0 सरकार। प्रभारी, महिला वं बालविकास, (प्रान्तीय स्तर) पर भारत विकास परिषद (ब्रज प्रान्त)। सदस्य, प्रज्ञा प्रबोध प्रकल्प, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ।

3. **प्रो0 मोनिका**

   सदस्य, नई शिक्षा नीति प्रकोष्ठ, राजा महेन्द्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय, अलीगढ़।

4. **श्रीमती निशा तिवारी**

   कार्यक्रम अधिकारी, राज्य परिवार नियोजन अभिनवीकरण सेवा एजेन्सी (SIFPSA) राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (उ0प्र0 सरकार)

   Convenor, International Extension Education conference 2023 (IEEC2023), date 29-01-2023, Department of Extension Education, Institute of Agricultural Sciences, Banaras Hindu University.

   Resource Person, date 2-4 Feb. 2023 three days Training programme on Agriculture Technology, Marketing and Entrepreneurship, Department of Agron omy, Institute of Agricultural Sciences, Banaras Hindu University, Varanasi.

   Member, technical advisory group, research company– Market Xcel Data Matrix Pvt. Ltd.

प्रो0 गीतिका सिंह
प्रभारी, गृहविज्ञान विभाग
श्री टीकारा कन्या महाविद्यालय, अलीगढ़

रिपोर्ट – G20

G20 के प्रदेश में प्रचार प्रसार हेतु 5 से 7 फरवरी, 2023 तक श्री टीकाराम कन्या महाविद्यालय, अलीगढ़ में प्राचार्या प्रो. शर्मिला शर्मा के निर्देशन में छात्राओं को जागरूक करने हेतु विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन व संयोजन प्रो. सीमा बंसल तथा प्रो. शैली शर्मा ने किया।

भाषण प्रतियोगिता में 20 छात्राओं ने प्रतिभाग किया तथा बहुत सुंदर व जोशीले शब्दों के साथ भारतीय संस्कृति एवं नई जीवनशैली विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। सभी छात्राओं ने हमारी प्राचीन संस्कृति और आधुनिक जीवन शैली के अंतर्गत सुंदर समायोजन किया। इसमें निर्णायक गण डॉ. कृष्णा बाजपेई और प्रो. आरती गहरवार रहे।

निबंध प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया जिसमें 64 छात्राओं ने प्रतिभाग किया। इसका विषय था **"भारतीय"** इसमें निर्णायक प्रो. मिश्कात आबिदी और सुश्री जगवती तथा प्रो. मेघा सचदेवा रहें।

श्री टीकाराम कन्या महाविद्यालय में दिनांक 9 फरवरी 2023 को जी–20 के परिप्रेक्ष्य में उत्तर प्रदेश **'ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट'** पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जो महाविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ द्वारा प्रायोजित किया गया।

छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम के आरम्भ में प्राचार्या महोदया ने प्राचीन भारत की सशक्त नारियों का उल्लेख करते हुए छात्राओं को आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनने के लिए प्रेरित किया और कहा कि भारत विश्वगुरु था, है, और रहेगा।

प्रो ब्रजभूषण सिंह ने अपने वक्तव्य में कहा कि छात्राओं को विद्यार्थी जीवन का सदुपयोग करते हुए स्वरोजगार हेतु प्रयासरत रहना चाहिए।

डॉ अनूप शर्मा ने कहा कि जी 20 के अंतर्गत हमें विश्वव्यापी समस्याओं के समाधान हेतु प्रयास करना होगा। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता डॉ0 ज्योति पाण्डेय ने जी 20 के संबंध में बताते हुए डब्लू–20 पर प्रकाश डाला जैसे विश्वव्यापी मुद्दों का राजनयिक समाधान 2023 को अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष घोषित किया गया, जिसमें खाद्य सुरक्षा एवं परंपरागत खाद्य पर जोर दिया गया।

ऊर्जा संरक्षण तथा विश्वव्यापी पर्यावरण समाधान पर जोर महिलाओं के विकास पर बल ।

जी–20 के "लोगो को व्याख्यायित करते हुए बताया कि यह आशा, शांति, सौहार्द का संदेश देता है। कमल राष्ट्रीय फूल है जिसकी सात पत्तियां सात महाद्वीप तथा संगीत के साथ रागों का परिचय देती है। एक धरती जो विश्व का स्वरूप है वह एक परिवार, एक भविष्य **'वसुधैव कुटुंबकम'** का सूचक है। वर्तमान में आजादी का अमृत काल भी चल रहा है इसमें भारतीय संस्कृति की मानवतावादी प्रवृत्ति को बढ़ावा देने का प्रयास किया जाएगा।

जी–20 की मुख्य प्राथमिकताओं में वैश्विक खाद्य सुरक्षा, हरित ऊर्जा, इको फ्रेंडली जीवन, डिजिटल क्रांति एवं पारस्परिक सामंजस्य सम्मिलित है।

विशिष्ट वक्ता डॉ हरनाम सिंह ने यूपी **'ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट'** के बारे में प्रकाश डालते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश निरंतर विकास के रास्ते पर अग्रसर है। यूपी में सुशासन, संचार व्यवस्था, टेक्सटाइल फार्मा, फूड पार्क आदि तेजी से विकसित किए जा रहे हैं।

उत्तर प्रदेश में लखनऊ, वाराणसी, आगरा तथा नोएडा में 'ग्लोबल इन्वेस्टर्स मिट' आयोजित किए जा रहे हैं। कार्यक्रम में प्रोफेसर राजेंद्र, अन्य गणमान्य अतिथि महाविद्यालय की प्रवक्तागण एवं बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित थीं।

4 फरवरी 2023 हिंदी विभाग में **'वसुधैव कुटुंबकम'** 'विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें 245 छात्राओं ने प्रतिभागिता की।

22 फरवरी 2023 को एनसीसी द्वारा जागरूकता रैली निकाली गई तथा कैडेट्स ने बैनर व पोस्टर के साथ नारे लगाए। इंटरनेशनल ईयर ऑफ द मिलेट से रिलेटेड मोटे अनाज जैसे बाजरा ज्वार रागी आदि का अधिकाधिक प्रयोग हेतु जागरूकता कराई गई।

संगीत विभाग द्वारा निम्न सांस्कृतिक कार्यक्रम 22 से 25 जनवरी 2023 तक आयोजित किए गए 1 सरस्वती वंदना – जयति जय जय माँ सरस्वती

2/ कुलगीत (विश्वविद्यालय गान)

3/ वाद्य वृंद (सितार धुन / गत)

4/ होली गीत – एजी मचो फाग घनघोर

5/ 'सरस्वती वंदना हे शारदे मां

6/ सामूहिक नृत्य – देश रंगीला

शिक्षक शिक्षा विभाग (बी. एड.)

प्रो० मंजू यादव प्रभारी

बी. एड. विभाग महाविद्यालय का पुरातन विभाग है। इसकी स्थापना सन् 1971 में हुई। यह विभाग पठन–पाठन के साथ–साथ अपनी पाठ्य सहगामी 'गतिविधियों का आयोजन लगभग वर्ष भर करता रहा है।

विभाग प्रभारी प्रो० मन्जू यादव एवं सभी प्राध्यापिकाओं के सहयोग से विभाग चहुमुखी प्रगति हेतु निरन्तर प्रयासरत है। जिसमें विविध प्रतियोगिताएँ, व्याख्यान सेमिनार व सांस्कृतिक कार्यक्रमों के द्वारा छात्राओं में ज्ञानवर्धन किया जाता है प्रयोगात्मक तथा सैद्धान्तिक पाठ्यक्रम के अतिरिक्त छात्राओ को करियर सम्बन्धी जानकारी भी दी जाती है। जिससे कि छात्राऐं प्रगति के पथ प्राप्त पर अग्रसर हो सकें। यहाँ की छात्राऐं आजीविका कर सफल जीवन – यापन कर रही है। शिक्षा के द्वारा समाज में छात्राओं की प्रतिभा का विकास करना भी विभाग का मुख्य उददेश्य है।

शिक्षा सभ्य समाज की जननी है, शिक्षा ही विकास की प्रथम सीढ़ी है शिक्षा के बिना सभ्य समाज की कल्पना नहीं की जा सकती है। यह वास्तविकता भी है कि बच्चे का सर्वागीण विकास शिक्षा से ही सम्भव है। शिक्षा ही हमें मानव से महामानव बनाती है।

'विभाग में पाठयक्रम के साथ–साथ कॉलेज स्तर पर अनेक स्मरणीय कार्यक्रमो का आयोजन किया जाता है। विभाग के प्रवक्ता वर्ष भर चलने वाली विभिन्न कार्यक्रमो में अपना सक्रिय योगदान, कुशल नेतृत्व एवं सहभागिता प्रदर्शित करते है ताकि छात्राओं के व्यक्तित्व का सर्वागीण विकास हो सके।

सत्र के आरम्भ में सर्वप्रथम दिनांक 30/7/2022 को नवागन्तुक असि. प्रो. श्रीमति ज्योति चौधरी एवं कु० आरती शर्मा' का स्वागत और बी० एड० द्वितीय वर्ष की छात्राओं का विदाई कार्यक्रम व हरियाली तीज का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कॉलेज की प्राचार्या प्रो. शर्मिला शर्मा ने छात्राओ को सच्चे मार्ग पर चलने की प्रेरणा व भविष्य की उज्जवल कामना का आशीर्वाद दिया। तथा जिसमें छात्राओ ने विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत किये।

विभागीय गतिविधियाँ– 5 सितम्बर को विभाग में शिक्षक दिवस के अवसर पर डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला और सफल गीत, सामूहिक गीत, नृत्य आदि का आयोजन किया गया।

8 सितम्बर को साक्षरता दिवस पर एक निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें बी. एड. द्वितीय वर्ष की छात्राओं ने भाग लिया। 11 नवम्बर को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के अवसर पर कविता वाचन, गायन, भाषण आदि प्रतियोगिताओ का आयोजन किया गया, जिसमे प्रथम स्थान–चीनू, प्रियंका, द्वितीय स्थान– भारती, सुराय, तथा तृतीय स्थान– मन्तशा, कविता का रहा।

20/11/2023 Sifpsa Work Shop में युवाओं को मानसिक स्वास्थ्य संबंधव एवं जीवन शैली का आयोजन किया गया जिसमे बी.एड. प्रथम एवं द्वितीय वर्ष की छात्राओं ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ प्राचार्या जी, मुख्य वक्ता डॉ. अंशु सोम (मनोचिकित्सक मलखान सिंह जिला अस्पताल, प्रो. शशि बाला त्रिवेदी, प्रभारी बी.एड. विभाग S.V. कॉलिज अलीगढ़ नोडल अधिकारी प्रो. नीता वार्ष्णेय व महाविद्यालय की प्राध्यापको के द्वारा दीप प्रज्जवलन के साथ हुआ। कार्यशाला के बाद छात्राओ को पुरस्कार भी दिये गये। और सभी छात्राओं को प्रमाण–पत्र भी प्रदान किये गये।

31 जनवरी से 4 फरवरी तक योग शिविर का आयोजन किया गया। योग प्रशिक्षिका श्रीमति गार्गी यादव ने सूक्ष्म यौगिक क्रियाओं के माध्यम से विभिन्न प्रकार के आसन कराये गये और सामान्य बीमारियों को प्राणायाम से कैसे दूर किया जा सकता है यह भी बताया गया। और छात्राओं की समस्या का समाधान किया गया।

4 फरवरी को कॉलिज स्तर पर **"विश्व बन्धुत्व पर"** एक निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें बी.एड प्रथम एवं द्वितीय वर्ष की छात्राओं ने भाग लिया।

1 मार्च को पुरातन समिति के द्वारा 48 छात्राओ ने निशुल्कः हीमोग्लोबिन परीक्षण कराया। जिसमें सबसे कम 8.6 और अधिक 12.7 पाया गया। जिसमे छात्राओ को डाइट पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिये गये।

8/2/2023 व 13/2/2023 को अलीगढ़ प्रदर्शनी में प्रो. मन्जू यादव (प्रभारी) ने नुमाइश में आने वाले नागरिको को राजा महेन्द्रप्रताप सिंह विश्वविद्यालय, अलीगढ़ में चल रहे कोर्सों के विषय में जानकारी दी। और रोजगारपरक कार्यक्रमों के विषय में बताया।

बी.एड. की छात्राओं ने आम नागरिको को कोरोना से बचाव और पॉलीथिन के प्रति जागरुक किया। बी० एड० द्वितीय वर्ष की छात्राऐं विभिन्न विद्यालयों में इर्ण्टनशिप द्वितीय के अन्तर्गत सहायक सामग्री के साथ शिक्षण अभ्यास किया। वहाँ के स्टाफ द्वारा उनके कार्य की सराहना की गयी। और अन्त में उनको प्रमाण–पत्र दिये गये।

सेमेस्टर द्वितीय का सम्मान समारोह व बी0एड0 II का विदाई समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें छात्राओं ने सरस्वती वंदना, नृत्य, गीत, विदाई गीत आदि सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी।

3/4/20 से 74/2023 तक स्काउट/गाइडिंग शिविर लगाया जिसमे सैद्धान्तिक ज्ञान प्रयोगात्मक रूप से किसी भी परिस्थिति में सीमित साधनों का उपयोग करके प्रबन्धन करना छात्रो को सिखाया गया। शिविर में श्री प्रेमपाल सिंह, श्रीमति ज्योति भारद्वाज के सान्धिय में स्काउट/गाइड झण्डा गीत, प्रार्थना, विभिन्न गोठे, तालियाँ विभिन्न प्रकार के टैंट के विषय में बताया गया।

दिनांक 7/4/23 1 को रैली का आयोजन किया गया। जो टीकाराम कॉलिज से मीनाक्षी पुल, रेलवे स्टेशन टीकाराम मन्दिर होते हुए महाविद्यालय पहुँची। इस रैली के दौरान सेन्टर पाइन्ट पर यातायात के नियम, हेलमेट से सुरक्षा, आदि नियमों से भी अवगत कराया गया। टीकाराम मन्दिर में छात्राओ द्वारा विभिन्न भजन प्रस्तुत किये गये। और विभिन्न संदेश जनसाधारण तक पहुँचाये। और लोगो को जागरूक किया।

इण्टर्नशिप प्रथम के अन्तर्गत 1 मई को छात्राऐं विभिन्न विद्यालयो में पहुंची। जिसमें छात्रो को कालेज का सर्वे व निरीक्षण आदि के विषय में जानकारी देकर भेजा। ताकि छात्राऐं विद्यालय की स्थिति वातावरण, पुस्तकालय, प्रयोगशाला आदि के विषय में जानकारी हासिल कर सके।

शिक्षक उपलब्धियॉ– 8/9/2022 को डॉ. मन्जू यादव ग्रेड पे 9000 से 10,000 में. डॉ. नीरू यादव, व डॉ. मधु माहौर 6000 से 7000 में प्रमोशन हुआ।

विभाग के सभी सदस्य महाविद्यालय की विभिन्न समितियों–स्वच्छता समिति, प्रवेश समिति, अनुशासन समिति, पुरातन समीति I. Q.A.C. पुस्तकालय समिति, सांस्कृतिक समिति, बोकेशनल कोर्स, कम्प्यूटर कोर्स योगा कोर्स, प्लेसमेण्ट समिति छात्रा परिषद आदि समिति में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे है।

विभिन्न सेमिनार, रिसर्च जनरल पेपर, किताबे एडिटर बुक ओरियण्टेशन कोर्स, रिफ्रेशर कोर्स आदि कार्य भी किये गये। इसी वर्ष नीरू यादव ने डाक्टरेट Ph.D की उपाधि प्राप्त की। नगर निकाय चुनाव के अन्तर्गत विभाग के सदस्यों ने मास्टर ट्रेनर के रूप में सहभागिता प्रदान की।

छात्र उपलब्धियाँ – विभाग की छात्राऐं प्रगति के पथ पर निरन्तर अग्रसारित हो रही है। विभाग की 25 छात्राऐं बी. एड. प्रथम व द्वितीय वर्ष की छात्राओं ने UP.TET/C.TET क्वालीफाई किया। एक छात्रा का बैंक ऑफ बड़ौदा में चयन हुआ। प्राची शर्मा, कीर्ति यादव ने बी० एड० द्वितीय वर्ष में सर्वोत्तम अंक प्राप्त किये। बी० एड० प्रथम वर्ष की छात्रा ने 93 प्रतिशत अंक प्राप्त किये। 22 फरवरी को दिव्या शर्मा ने अंग्रेजी विभाग की वर्कशाप की 15 छात्राओ ने नेट परीक्षा उत्तीर्ण की। महाविद्यालय के अन्य विभागो में भी छात्राओ ने प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त किये।

विभाग की सभी शिक्षिकाओं ने विभागीय दायित्वों के साथ–साथ महाविद्यालय की विभिन्न समितियों में अपने दायित्वों का कुशलतापूर्वक निर्वाह किया।

राजनीति विज्ञान विभाग

– प्रो. आरती गहरवार, प्रभारी

सत्र 2022–23 में राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा पाठ्येत्तर शैक्षणिक गतिविधियों के अन्तर्गत विभिन्न कार्यक्रम तथा प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन गतिविधियों का मुख्य उद्देश्य छात्राओं के अन्तर्निहित प्रतिभा को उजागर करना तथा उनके व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करना है। विभिन्न गतिविधियों का विवरण इस प्रकार है :–

संयुक्त राष्ट्र स्थापना दिवस

आजादी का अमृत महोत्सव श्रृंखला के अन्तर्गत दिनांक 24 अक्टूबर 2022 को राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा संयुक्त राष्ट्र स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विभाग द्वारा भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसका विषय था 'विश्व शांति में संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका'। प्रतियोगिता में राजनीति विज्ञान की बी.ए. प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय वर्ष की 17 छात्राओं ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में 62 छात्रायें उपस्थित थीं। प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्राओं को संयुक्त राष्ट्र संघ के अन्तर्राष्ट्रीय शांति स्थापित करने के प्रयासों के बारे में अवगत कराना तथा वर्तमान परिप्रेक्ष्य में उसकी भूमिका के बारे में जागरूक करना था। प्रतियोगिता का परिणाम इस प्रकार रहा –

प्रथम स्थान	–	योगिता, बी.ए. तृतीय वर्ष
द्वितीय स्थान	–	नंदिनी, बी.ए. द्वितीय वर्ष तथा प्रगति रानी, बी.ए. प्रथम वर्ष
तृतीय स्थान	–	हिरा इकबाल, बी.ए. प्रथम वर्ष अनुज, बी.ए. प्रथम वर्ष
प्रोत्साहन पुरस्कार	–	बबली यादव, बी.ए. प्रथम वर्ष तथा अर्पिता, बी.ए. प्रथम वर्ष

कार्यक्रम के निर्णयक मंडल में प्रोफेसर शैली शर्मा तथा सुश्री सोफिया खातून थे।

संविधान दिवस

आजादी का अमृत महोत्सव श्रृंखला के अन्तर्गत विभाग द्वारा दिनांक 26 नवम्बर 2022 को 'संविधान दिवस' मनाया गया। इस अवसर पर छात्राओं तथा सभी उपस्थित व्यक्तियों को संविधान की प्रस्तावना की शपथ दिलाई गई तथा छात्राओं को संविधान के आदर्शों तथा मूल्यों के प्रति पूर्णनिष्ठा रखने एवं अपने मौलिक कर्तव्यों का पालन करने के लिए भी प्रेरित किया गया। इस अवसर पर विभाग द्वारा भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसका विषय था 'भारतीय संविधान' प्रतियोगिता का परिणाम इस प्रकार रहा –

प्रथम स्थान	–	साहिबा सैफी, बी.ए. तृतीय वर्ष
द्वितीय स्थान	–	वंशिका सिंह, बी.ए. प्रथम वर्ष
तृतीय स्थान	–	दुशिका शर्मा, बी.ए. प्रथम वर्ष
प्रोत्साहन पुरस्कार	–	फातिमा, बी.ए. प्रथम वर्ष

प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में डा. कृष्णा वाजपेयी तथा प्रोफेसर उम्मे कुलुसम थे।

कार्यक्रम के निर्णायक मंडल में प्रोफेसर शैली शर्मा तथा सुश्री सोफिया खातून थे।

मानवाधिकार दिवस

दिनांक 10 दिसम्बर 2022 को राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा 'मानवाधिकार दिवस' मनाया गया। इस अवसर पर विभाग द्वारा 'मानव अधिकार' विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 25 छात्राओं ने प्रतिभागिता की। प्रतियोगिता का परिणाम इस प्रकार रहा :–

प्रथम स्थान	–	प्रगति, बी.ए. तृतीय वर्ष
द्वितीय स्थान	–	वंशिका सिंह, बी.ए. प्रथम वर्ष
तृतीय स्थान	–	हिरा इकबाल, बी.ए. प्रथम वर्ष तथा मुस्कान वर्मा, बी.ए. तृतीय वर्ष

प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में डा. कृष्णा वाजपेयी थी। मानवाधिकार दिवस मनाने का उद्देश्य छात्राओं को मानव अधिकारों के प्रति जागरूक करना था।

गोवा मुक्ति दिवस

राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा दिनांक 19 दिसम्बर 2022 को 'गोवा मुक्ति दिवस' के अवसर पर 'निबंध प्रतियोगिता' आयोजित की गई जिसका विषय था 'गोवा मुक्ति में सीानीय क्रांतिकारियों की भूमिका'। प्रतियोगिता में 23 छात्राओं ने भाग लिया। प्रतियोगिता का परिणाम इस प्रकार रहा :–

प्रथम स्थान	–	दुशिका शर्मा, बी.ए. तृतीय वर्ष
द्वितीय स्थान	–	रश्मि गोला, बी.ए. तृतीय वर्ष तथा हिमानी गौर, बी.ए. तृतीय वर्ष

तृतीय स्थान – योगिता, बी.ए. तृतीय वर्ष
तथा
ग्रतिका, बी.ए. तृतीय वर्ष

प्रोत्साहन पुरस्कार – हनी, बी.ए. तृतीय वर्ष
तथा
मुस्कान वर्मा, बी.ए. तृतीय वर्ष
तथा
वंशिका सिंह, बी.ए. प्रथम वर्ष

प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्राओं को गोवा मुक्ति के संदर्भ में चलाए गए अभियानों तथा क्रांतिकारियों के योगदान को परिचित कराना था। कार्यक्रम में प्रोफेसर उममे कुलसुम का विशेष सहयोग रहा।

डा. भीमराव अम्बेडकर जयंती

दिनांक 14 अप्रैल 2023 को विभाग द्वारा 'डा. भीमराव अम्बेडकर जयंती' मनाई गई। इस अवसर पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया । जिसका विषय था – 'संविधन निर्माता के रूप में डा. भीमराव अम्बेडकर का योगदान' विचार गोष्ठी में राजनीति विज्ञान विभाग की बी.ए. प्रथम वर्ष, द्वितीय वर्ष, तृतीय वर्ष की छात्राओं ने विचार व्यक्त किए। निर्णायक मण्डल में प्रो. रेखा शर्मा तथा श्रीमती कविता भारती थे।

राष्ट्रीय नागरिक सेवा दिवस

दिनांक 21 अप्रैल 2023 को राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा 'राष्ट्रीय नागरिक सेवा दिवस' मनाया गया। इस अवसर पर विभाग द्वारा 'निबध प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया । जिसका विषय था देश की एकता और अखण्डता में सिविल सेवा की भूमिका। प्रतियोगिता में राजनीति विज्ञान की बी.ए. प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय वर्ष 25 छात्राओं ने प्रतिभागिता की।

राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस

दिनांक 25 अप्रैल 2023 को विभाग द्वारा 'राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस' मनाया गया। इस अवसर पर विभाग में क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। क्विज : 'लोकतन्त्र के आधारभूत स्तम्भ के रूप में पंचायतों की भूमिका' विषय पर आधारित था। क्विज प्रतियोगिता में 15 छात्राओं ने प्रतिभाग किया जिसमें तीन टीमों ने 5–5 छात्रायें थीं। टीम 'बी' विजयी रही।

विभाग की समस्त गतिविधियों में शालिनी प्रसाद तथा कु. पूजा कश्यप का विशेष सहयोग रहा।

FACULTY DEVELOPMENT

Journals- Dr. Arti Gaharwar (2022), 'Panchayaton me Mahilaon Ki Sahbhagita' in "Anthology the Research Journal ISSN-2456-4397.

Paper entitled "Bharat me Panchayati Raj vyavastha exam gramin vikas in 'B Adhar' journal in August 2022 ISSN-2278-9308.

Chapter in Edited book- "Rashtriya Shiksha Neei: 2020, 'Shiksha Ke saath Yevaon Kaushal Vikas, in an Edited book, Use of LCT Tools in Higher Education, ISBN 978-93-92240-36-2.

Paper presentation- Presented a paper entitled, 'Bharatiya Rashtriya Aandolan Main Swaraj evem Rajnaitik Chetna in National Seminar on Swaraj, National Consciousness and Resistance in Indian Freedom Struggle, sponsored by ICHR, New Delhi on 12,13 Nov. 2012 in Sri Varshney College, Aligarh.

Presented a paper entitled, 'Bharat main Mahila odhyatima, Chunautiyon evem Sambhavnayen in National Seminar on "Women Self Reliance: Opportunities, Obstacles and outcomes in Indian Modern Scenario-sponsored by Higher Education U.P. on 4,5 March, 2023 in Sri Tikaram Kanya Mahavidyalaya, Aligarh.

Workshop - online workshop on NEP 2020, implementation from 20 July 2022 to 21 July 2012 organised by UGC, HRDC, A.M.U. Aligarh.

समाजशास्त्र विभाग विभागीय रिपोर्ट

डॉ. प्रतिमा श्रीवास्तव
अध्यक्षा – मनोविज्ञान विभाग

विगत वर्षों की भांति सत्र 2022–23 में समाजशास्त्र विभाग में विभिन्न पाठ्य सहगामी कार्यक्रम आयोजित एवम संचालित किए गए। सत्र के प्रारंभ में सर्वप्रथम दिनांक 8/11/2022 को सड़क सुरक्षा विषय पर क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें विभागीय छात्राओं ने सहभागिता की प्रतियोगिता का निर्णय विभाग प्रभारी प्रो सपना सिंह एवम प्रो शालिनी चौधरी ने किया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर शिवानी सिंह, भावना ने द्वितीय, साहिबा तृतीय और अलीशा जहीर खान ने प्रोत्साहन स्थान प्राप्त किया।

दिनांक 01/02/2023 को बीए तृतीय वर्ष हेतु क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई जो की समाजशास्त्रीय तथ्यों एवम ज्ञान से संबंधित थी। प्रतियोगिता में 3 टीमों ने सहभागिता की जिसमे टीम – 1 से भावना, गोल्डी गुप्ता, पूजा, निशा वर्मा प्रथम स्थान, माधुरी मुस्कान, योगिता, मनोरमा कुमारी ने द्वितीय स्थान पर प्राप्त किया। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में प्रियंका दीक्षित ने प्रतियोगिता का निर्णय दिया।

दिनांक 13/02/2023 को राष्ट्रीय बालिका दिवस पर **"महिला सशक्तिकरण"** विषय पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में रेखा वर्मा ने प्रथम, नेहा ने द्वितीय और माधुरी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। निर्णायक मंडल की भूमिका डा नीलम पांडे ने निभायी।

दिनांक 07/02/2023 को जी 20 के परिप्रेक्ष्य में 'युवा रोजगार और महिला नेतृत्व में वृद्धि' पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में भावना, रेखा रानी वर्मा, हनी, अलीशा खान, फुरखान मालिक ने विषय पर अपने विचार व्यक्त किए और क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय और सांत्वना पुरुस्कार प्राप्त किया।

दिनांक 02/03/2023 को **'सामाजिक अनुसंधान'** विषय पर निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। शोध के विभिन्न पक्षों को छात्राओं ने स्पष्ट किया। जिसमे नेहा ने अत्यन्त महत्वपूर्ण ज्ञान को साझा किया और प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त अलीशा जहीर खान, और हनी ने द्वितीय एवम रेखा रानी वर्मा और माधुरी ने तृतीय पुरुस्कार प्राप्त किया।

विभागीय कार्यों, कार्यक्रमों एवं अमृत महोत्सव के विभिन्न कार्यक्रमों का निर्देशन विभाग प्रभारी प्रो सपना सिंह ने किया जिसमे असिस्टेंट प्रोफेसर प्रियंका दीक्षित एवम डॉ नीलम पांडे ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

सितंबर 2022 में कैरियर एडवांसमेंट स्कीम के अंतर्गत विभाग प्रभारी एसोसिएट प्रोफेसर डॉ सपना सिंह को प्रोफेसर पद पर एवम असिस्टेंट प्रोफेसर प्रियंका दीक्षित को वरिष्ठ वेतनमान में प्रोन्नति प्राप्त हुई।

NCC वार्षिक रिपोर्ट - सत्र - 2022-23

–सुश्री सोफिया खातून
C.T.O.

''जब आँख खुले तो धरती हिन्दुस्तान की हो,
जब आँख बन्द हो तो यादें हिन्दुस्तान की हों,
हम मर भी जाएँ तो कोई ग़म नही,
बस मरते वक्त मिट्टी हिन्दुस्तान की हों।।''

इसी जुनून और देशप्रेम के साथ श्री टीकाराम कन्या महाविद्यालय, अलीगढ़ के एन.सी.सी. कैडेट्स सदैव समर्पित भाव से देश एवं समाज की सेवा में तत्पर रहते हैं। इस सत्र में एन.सी.सी. विभाग की गतिविधियाँ विगत वर्षों से कुछ भिन्न रहीं। इस सत्र में – 'स्वतंत्रता का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत एन. सी. सी. की नियमित गतिविधियों से हटकर विभिन्न जागरुकता रैली, प्रतियोगिताएं, महान विभूतियों की जयंती एवं शहीदी दिवस इत्यादि कार्यक्रम भी आयोजित किये गये। पिछले वर्षो में कोरोना महामारी के कारण एन. सी.ची. की गतिविधियों में जो शिथिलता आई थी वह 'आजादी का अमृतमहोत्सव की भूमिका के कारण दूर हो गई और एन.सी.सी. में पुनः गतिशीलता एवं उत्साह का संचार हो गया।

नई शिक्षा नीति के प्रभाव के कारण इस सत्र में एन.सी.सी. कैडेट्स के चयन की प्रक्रिया कुछ विलंब से पूर्ण हो पाई। लिखित परीक्षा, साक्षात्कार एवं शारीरिक दक्षता परीक्षा, इन तीनों बरखों के पश्चात नवीन कैडेट्स का चयन किया गया और महाविद्यालय के एन.सी.सी. कैडेट्स की कुल संख्या– 160 को पूर्ण कर लिया गया।

प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण होने के उपरांत रैंक सेरेमनी का आयोजन किया गया, जिसमें निम्नलिखित कैडेट्स को रैंक प्रदान की गई–

मुस्कान राना (B.Sc IIIrd year) SUO
श्रुति पाठक (B.Sc IIIrd year) UO
मोनिका सिंह (B.Sc IIIrd year) UO
रिचा शर्मा (B.A III year) SGT
भावना शर्मा (B.Sc IIIrd year) SGT
कविता कुमारी (B.Sc IIIrd year) SGT
वन्दना सारस्वत (B.Sc IIIrd year) SGT
स्नेहा गौतम (B.Sc IIIrd year) SGT
प्रीति (B.Sc IIIrd year) CPl
डौली सिंह (B.Com I year) SGT

प्रवेश प्रक्रिया एवं रैंक सेरेमनी संपन्न होने के साथ–साथ एन.सी.सी. विभाग द्वारा वर्ष भर विभिन्न कार्यक्रम अत्यंत उत्साह पूर्वक सम्पन किये गये, जिनका विवरण इस प्रकार है –

विभिन्न एन. सी.सी. कैम्प .

1. T.S.C- (Thal Sena Camp) दिनांक 19.07. 2022–28.07.2022
आयोजन स्थल– मथुरा
प्रतिभागी कैडेट्स – कु0 दीक्षा, कु0 दीपांशी, कु0 वन्दना

2. R.C.T.C.(Rock Climbing & Training camp)–दिनांक– 07.09.2022 – 12.09.2022
आयोजन स्थल – पिथौडागढ़
प्रतिभागी कैडेट्स श्रुति पाठक (B.Sc. III year)

3. CA.T.C. 45 (Combined Annual Training Camp) दिनांक – 02.10.2022 – 09.10.2022
आयोजन स्थल – सी.बी. गुप्ता सरस्वती विद्यापीठ, मथुरा रोड, अलीगढ़
प्रतिभागी कैडेट्स की संख्या – 77+02
कुल– 79 कैडेट्स

CATC-45 में विभिन्न प्रतियोगियोजित हुई, जिनमे निम्मलिखित पुरस्कार प्राप्त कियें–

1– रस्साकसी प्रतियोगिता – गोल्ड मेडल,
विजयी प्रतिभागी– कु0 मुस्कान राना, रिचा शर्मा, रजिया बानो, नैंसी केवन वशिष्ठ, उपासना दुबे, प्राची यादव, मुस्कान किशोर, कंचन गौड़।

2– गार्ड ऑफ ऑनर – गोल्ड मेडल
विजयी प्रतिभागी– मुस्कान राना, श्रुति पाठक, मोनिका सिंह, कविता कुमारी, डौली सिंह रिया शर्मा।

3– बेस्ट फायरर –गोल्ड मेडल
विजयी प्रतिभागी – वंदना सारस्वत

4– स्पीच कंपटीशन– गोल्ड मेंडल
विजयी प्रतिभागी – अनुपम

5– खो–खो– सिल्वर मेडल
विजयी प्रतिभागी – रजिया बानो, मुस्कान राना, भावना शर्मा, भारती, अनुपम, सुरभि चौधरी, पूजा, मनीषा कुमारी ।

4. A.L.C. (Advance Leadership Camp) IV–
दिनांक– 14.12.2022–23.12.2022
आयोजन स्थल आगरा
प्रतिभागी कैडेट्स– मुस्कान राना, मोनिका सिंह

5– E.B.S.B. (EK BHARAT SHRESHTH BHARAT) दिनांक– 11.10.2022., 19.10.2022
आयोजन स्थल– झॉसी
प्रतिभागी कैडेट्स – रिचा शर्मा, कविता कुमारी, डौली सिंह

6- CATC-50 (Combined Annual Training Camp) दिनांक– 5.1.2023– 12.1.2023
आयोजन स्थल – मथुरा
प्रतिभागी कैडेट्स– निशा सिंह, रिकी, शीतल कुमारी श्रीवास्तव, कल्पना कुमारी, शिवानी, सोनी, हेमलता।

विगत वर्षों की प्रति इस वर्ष भी एन.सी.सी विभाग की और से कैडेट्स की प्रतिमा के निखार एवं उत्साहवर्धन हेतु ड्रिल, पोस्टर मेकिंग एवं निबंध लेखन इत्यादि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें निम्नलिखित कैडेट बिजयी रहे –

1. ड्रिल. कंपटीशन (दिनांक – 18 / 01 / 2023)
विजयी कैडेटस –

1– भावना शर्मा (B.Sc. III year)
2– वंदना सारस्वत (B.Sc. III year)
3– उमा गौतम (B.A. Ist Sem)
4– रिचा शर्मा (B.A. IIIrd Year)
5– कु. पूजा (B.A. IVth Sem)
कार्यक्रम संयोजिका – सुश्री सोफिया खातून
निर्णायक मंडल– श्री जसवंत सिंह, श्री सुभाष कुमार

2. निबन्ध लेखन प्रतियोगिता (दिनांक– 19 / 01 / 2023)

विजयी कैडेट्स

1– प्रगति रानी (B.A IInd Sem) कु.निधि (B.A IV Sem)
2– कु. अनुपम (B.Com IV Sem) कु. अर्पिता (B.A II Sem)
3– साक्षी कुमारी (B.A II Sem)
संयोजिका सुश्री सोफिया खातून
निर्णायक मंडल – प्रो० मिश्कात आबिदी, सुश्री जगवती

3. पोस्टर मेकिंग – (दिनांक – 19 / 01 / 2023)
विजयी कैडेट्स –

1– कनिष्का अग्रवाल (B.A IV Sem), संगम (B.A II Sem)
2– मुस्कान (B.A II Sem), मानसी शर्मा (B.A II Sem)
3– अनामिका उपाध्याय – (B.A II)

प्रोत्साहन –

कशिश गौड़ (B.A IV Sem)
संयोजिका सुश्री सोफिया खाटन

निर्णायक मंडल– डा० कविता रानी, अंजू सिंह पटेल

विभिन्न गतिविधियाँ–

सड़क सुरक्षा जागरूकता रैली – 22 अप्रैल, 2012

दिनांक 22 अप्रैल, 2022 को एन.सी.के. के तत्वावधान में 'सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान के अन्तर्गत रैली निकाल कर जनसामान्य को सड़क सुरक्षा के नियमों से अवगत कराकर सड़क दुर्घटनाओं से बचने हेतु प्रेरित किया गया। इस अवसर पर प्राचार्या महोदया प्रो० शर्मिला शर्मा तथा महाविद्यालय की प्रवक्तागण उपस्थित रहीं। रैली का आयोजन एन०सी०सी० प्रभारी सुश्री सोफिया खातून के निर्देशन में किया गया।

सड़क सुरक्षा जागरुकता रैली (सड़क सुरक्षा सप्ताह) 24 मई, 2022 दिनांक 24 मई को सड़क सुरक्षा सप्ताह के अन्तर्गत महाविद्यालय के एन.सी.सी. कैडेट्स द्वारा जागरूकता का प्रचार किया गया। रैली में छात्राएं सड़क सुरक्षा से संबंधित पोस्टर व बैनर हाथ में लिए हुए थी और सड़क सुरक्षा से संबंधित नारे लगा रही थी। प्राचार्या प्रो० शर्मिला शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर रैली का शुभारंग किया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्रवक्तागण उपस्थित रहीं। रैली का आयोजन एन०सी०सी० प्रभारी सोफिया खातून के निर्देशन में किया गया।

पोस्टर, स्लोगन एवं क्विज प्रतियोगिता – 25, 26 मई 2022.

दिनांक 25–26 मई 2022 को एन.सी.सी. 2022, एन. एस. एस. तथा रोवर्स रेंजर्स के संयुक्त तत्वावधान में पोस्टर, स्लोगन एवं क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम मे प्रतिभागियों ने सड़क सुरक्षा से संबंधित पोस्टर बनाए तथा स्लोगन लिखे। क्विज में सड़क सुरक्षा से संबंधित प्रश्नोत्तरी आयोजित की गई।

इस अवसर पर एन.एस.एस प्रभारी डा० नीता वार्ष्णेय, डॉ0 प्रियंका दीक्षित, रोवर्स रेजर्स की और से डा. सीमा बंसल एन.सी.सी. प्रभारी सुश्री सोफिया खातून उपस्थित रहीं।

सड़क सुरक्षा जागरुकता अभियान के तहत प्रशिक्षण 30 मई, 2002 : दिनांक 30 मई, 2022 को शासन के आदेशानुसार श्री टीकाराम कन्या महाविद्यालय में सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान के अन्तर्गत एस.पी. ट्रैफिक तथा आर. टी. ओ., अलीगढ़ द्वारा एन.एस. एस. एन.सी.सी. एवं रोवर्स रेंजर्स की छात्राओं को प्रशिक्षण दिया गया। एन. अवसर पर एन्. एस. एस प्रभारी डा० नीता वार्ष्णेय, डा. प्रियंका दीक्षित, रोवर्स रेंजर्स की ओर से डा० सीमा बेसल एवं एन.सी. सी. प्रभारी सुश्री सोफिया खातून उपस्थित रहीं।

विश्व साइकिल दिवस– 03 जून, 2022

'आजादी का अमृत महोत्सव' की श्रृंखला के अन्तर्गत दिनांक 03 जून, 2022 का श्री टीकाराम कन्या महाविद्यालय के एन. सी.सी. कैडेट्स तथा **'थ्री यूपी गर्ल्स बटालियन'** के संयुक्त तत्वावधान में **'साइकिल रैली'** का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एन.सी.सी. प्रभारी सुश्री सोफिया खातून तथा थ्री यूपीः गर्ल्स बटालियन की ओर से सुबेदार मेजर लखविंदर सिंह, सूबेदार धर्मपाल सिंह, लेप्टिनेट निधि यादव, नायक महेश सिंह, हवलदार श्यामवीर सिंह, हवलदार जसवंत सिंह तथा एन सी सी कॅडेट्स उपस्थित रहे।

विश्व योग दिवस, 21 जून, 2022

दिनांक 21 जून, 2022 को **'विश्व योग दिवस'** के अवसर पर **'धर्म समाज महाविद्यालय, अलीगढ़'** के क्रीड़ा प्रांगण में थ्री यूपी गर्ल्स बटालियन के तत्वावधान में योग प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लगभग 500 एन.सी.सी. कैडेट्स ने सहभागिता की। इस अवसर पर श्री टीकाराम कन्या महाविद्यालय के एन सी. सी. कैडेट्स ने एन.सी.सी प्रभारी सुश्री सोफिया खातुन के निर्देशन में सक्रिय सहभागिता की।

सैनिकों के लिए भेजी राखियाँ– 04 अगस्त, 2022

दिनांक 14 अगस्त, 2022 को श्री टीकाराम कन्या महाविद्यालय के एन. सी. सी. कैडेट्स तथा **'इनरव्हील क्लब, अलीगढ़'** के संयुक्त तत्वावधान में सैनिकों के लिए राखियाँ भेजी गई। थ्री यूपी. गर्ल्स बटालियन के प्रांगण में बटालियन के समस्त स्टाफ को राखी बाँधते हुए थ्री यूपी, गर्ल्स बटालियन के माध्यम से सैनिकों के लिए राखियाँ भेजी गई। इस अवसर पर प्राचार्या महोदया प्रो. शर्मिला शर्मा ने सीमा पर डटे रहने वाले सैनिक के साहस प्रति भूरि–भूरि प्रशंसा करते हुए उन्हें शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।

कार्यक्रम में इनरव्हील क्लब की ओर से प्रो. लकी गुप्ता तथा अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। सम्पूर्ण कार्यक्रम एन.सी.सी. प्रभारी सुश्री सोफिया खातून के अथक प्रयास तथा विशेष सहयोग से संपन हुआ।

सद्भावना रैली– (अमृत सप्ताह 11 अगस्त 17 अगस्त, 2022)

दिनांक 11 अगस्त, 2022 को श्री टीकाराम कन्या महाविद्यालय के एन.सी.सी. कैडेट्स ने अमृत महोत्सव के **'हर घर तिरंगा'** कार्यक्रम के अन्तर्गत सद्भावना रैली निकाली। रैली का शुभारम्भ आदरणीया प्राचार्या महोदया ने हरी झंडी दिखाकर किया। सद्भावना रैली का आयोजन एन. सी. सी. प्रभारी सुश्री सोफिया खातून के निर्देशन में सम्पन्न हुआ, जिसमें एन. एस. एस. प्रभारी डा0 सपना सिंह ने विशेष सहयोग दिया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्रवक्तागण उपस्थित रहीं।

प्रभात फेरी (अमृत सप्ताह 11 अगस्त – 17 अगस्त 2022 दिनांक)

14 अगस्त, 2022 को **'हर घर तिरंगा'** कार्यक्रम के अन्तर्गत श्री टीकाराम कन्या महाविद्यालय में एन०सी०सी० के तत्वावधान में कैडेट्स द्वारा **'प्रभात फेरी'** निकाली गई। रैली का शुभारंभ प्राचार्या प्रो. शर्मिला शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर किया रैली में कैडेट्स **'हर घर तिरंगा'**, घर–घर तिरंगा' तथा अन्य देशभक्ति नारे लगाकर सभी को तिरंगा फहराने हेतु जागरुक कर रहे थे। **'प्रभात फेरी'** का आयोजन एन.सी.सी. प्रभारी सुश्री सोफिया खातून के निर्देशन में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्रवक्तागण उपस्थित रहीं ।

स्वतंत्रता दिवस – 15 अगस्त, 2022

दिनांक 15 अगस्त, 2022 को श्री टीकाराम कन्या महाविद्यालय मे अत्यंत उत्साहपूर्वक स्वतंत्रता दिवस मनाया गया, जिसमें विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गये। साथ ही एन.एस.एस. एन.सी.सी. तथा रोवर्स रेंजर्स के संयुक्त तत्वावधान में एक प्रभात फेरी निकाली गई। 'प्रभात फेरी' स्वतंत्रता सेनानियों तथा भारतमाता की सुंदर झांकी से सुसज्जित थी।

स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम में ध्वजारोहण के अवसर पर एन. सी.सी. कैडेट्स ने तिरंगे को सलामी दी, जिसमें निम्नलिखित कैडेट्स सम्मिलित रहीं–

मुस्कान राना, श्रुति पाठक, मोनिका सिंह, भावना शर्मा, डोली सिंह, रिचा शर्मा, शिवानी सिंह, स्नेहा गौतम, सीमा, सगुन गौड, रचना तथा दीक्षा शर्मा।

शिक्षक दिवस – 5 सितम्बर, 2022

दिनांक 05 सितम्बर, 2022 को श्री टीकाराम कन्या महाविद्यालय के शारिरिक शिक्षा विभाग तथा एन.सी०सी० के संयुक्त तत्वावधान में **'डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन'** का भावपूर्ण स्मरण करते हुए शिक्षक दिवस मनाया गया। इस अवसर पर शारीरिक शिक्षा विभाग की प्रभारी डा मंजूलता, इतिहास विभाग की प्रभारी डा0 शालिनी चौधरी एन. सी. सी. प्रभारी सुश्री सोफिया खातून, डा0 रीता गुप्ता तथा कैडेट मुस्कान राना, कु0 मरियम, रिचा शर्मा, गरिमा, पूजा, भावना, कविता, स्नेहा, हिमांशी इत्यादि उपस्थित रहीं ।

गार्ड ऑफ ऑनर (संस्थापक दिवस समारोह) 22 दिसम्बर, 2022

दिनांक 22 दिसंबर 2022 को श्री टीकाराम कन्या महाविद्यालय में संस्थापक, दिवस मनाया गया। इस अवसर पर एन. सी.सी कैडट्र्स ने प्रभारी सुश्री सोफिया खातून की देख रेख में मुख्य अतिथि महोदय (प्रो. चंद्रशेखर – कुलाधिपति, राजा महेन्द्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय. अलीगढ़) को गार्ड ऑफ ऑनर दिया, जिसमें निम्नलिखित कैडेट्स सम्मिलित रहे– श्रुति पाठक, कविता, डौली, रिचा, भावना, सिम्मी, गरिमा, स्नेहा, प्रीति एवं उमा।

जागरूकता रैली–25 जून., 2023 (सड़क सुरक्षा माह– 5 जन0– 4. फर 2003)

दिनांक 25 जनवरी, 2023 को श्री टीकाराम कन्या महाविद्यालय में सड़का सुरक्षा माह के अंतर्गत एन० सी०सी० एवं रोवर्स रेंजर्स के संयुक्त तत्वावधान में जागरुकता रैली निकाली गई। इस अवसर पर एन०सी०सी० प्रभारी सुश्री सोफिया खातून, रोवर्स रेंजर्स की ओर से प्रो० शैली शर्मा, प्रो० प्रभा वार्ष्णेय, प्रो० सीमा बंसल इत्यादि उपस्थित रहीं।

पोस्टर प्रतियोगिता– 02 फरवरी, 2023 (सड़क सुरक्षा माह)

सड़क सुरक्षा माह के अन्तर्गत दिनांक 02 फरवरी, 2023 को एन०सी०सी० के तत्वावधान में **'पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता'** का आयोजन किया गया जिसमें निम्नलिखित कैडेट्स विजयी रही–

प्रथम –	1.	काशिश गौड
	2.	अनामिका उपाध्याय
द्वितीय–	1.	काजल रानी
	2.	मुस्कान राना
तृतीय	1.	शालिनी कुमारी
	2.	सोनिया शर्मा
प्रोत्साहन	1.	कनिष्का अग्रवाल
	2.	मानसी शर्मा
	3.	कु० संगम

संयोजिका– सुश्री सोफिया खातून

निर्णायक– डा अंजू सिंह पटेल, डा0 कल्पना कौशिक.

गणतंत्र दिवस पर तिरंगे को सलामी 26 जनवरी, 2023

'गणतंत्र दिवस' के अवसर पर एन.सी.सी. कैडेट्स ने राष्ट्रध्वज तिरंगे को सलामी दी। कार्यक्रम में एन.सी.सी. की सीनियर अंडर ऑफीसर मुस्कान राना को बेस्ट एन.सी.सी. कैडेट की उपाधि प्राप्त हुई। इस अवसर पर एन.सी.सी. की ओर से कराई गई विभागीय **प्रतियोगिताओं**–निबंध लेखन, पोस्टर मेकिंग, ड्रिल कंपटीशन, में विजयी कैडेट्स को पुरस्कृत भी किया गया।

राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य अतिथि महोदय को गार्ड ऑफ ऑनर– (दिनांक 05–06 नवंबर 2022)

दिनांक 05–06 नवंबर, 2022 को महाविद्यालय में आयोजित द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में एन.सी. कैडेट्स ने मुख्य अतिथि महोदय प्रो0 चन्द्रशेखर कुलाधपति–राजा महेन्द्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय, अलीगढ़) को गार्ड ऑफ ऑनर दिया, जिसमे निम्नलिखित कैडेट्स सम्मिलित रहे –मुस्कान राना, मोनिका सिंह, श्रुति पाठक, भावना शर्मा, स्नेहा गौतम, कविता कुमारी, रिचा शर्मा, डौली सिंह, रिया शर्मा, अनुपम, हिमांशी गौतम, वन्दना। **'गार्ड ऑफ ऑनर'** एन.सी.सी. प्रभारी सुश्री सोफिया खातून की देख रेख में आयोजित हुआ।

राष्ट्रीय संगोष्ठी (04–05 मार्च 2023) में मुख्य अतिथि महोदय को गार्ड ऑफ ऑनर

दिनांक 04–05 मार्च, 2023 को श्री टीकाराम कन्या महाविद्यालय में आयोजित द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में एन.सी.सी. कैडेट्स ने मुख्य अतिथि महोदय प्रो. चन्द्रशेखर (कुलाधिपति राजा महेन्द्र प्रताप सिंह राज्यविश्वविद्यालय, अलीगढ़ को **'गार्ड ऑफ ऑनर'** दिया. जिसमें निम्नलिखित कैडेट्स सम्मिलित रहे– मुस्कान राना, हिमानी शर्मा, कविता कुमारी, सिम्मी, प्रीति, रिचा शर्मा, रिया शर्मा अनुपम, हिमांशी गौतम, डौली सिंह, रिया तोमर, मानसी शर्मा गरिमा सिंह। 'गार्ड ऑफ ऑनर एन सी सी प्रभारी सुश्री सोफिया खातून की देख रेख में आयोजित हुआ ।

रेंजर विभाग (वार्षिक रिपोर्ट) 2022-2023

8 अगस्त 2022 को **"हर घर तिरंगा"अभियान** के अंतर्गत जागरूकता रैली में सहभागिता की। यह रैली नौरंगी लाल इंटर कॉलेज, सेंटर प्वाइंट और रेलवे स्टेशन होते हुए वापस नौरंगीलाल कॉलेज पर समाप्त हुई। इस कार्यक्रम में 20 रेंजर्स ने भाग लिया।

8 अगस्त 2022 को आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत **'भारत छोड़ो आंदोलन'** एवं **'काकोरी दिवस'** के उपलक्ष में एक दिवसीय व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ अनुराग पालीवाल, आगरा कॉलेज, आगरा और विशिष्ट वक्ता डॉ0 अनूप कुमार, राजकीय महाविद्यालय, अतरौली ने अपने विचार प्रस्तुत किए। इस कार्यक्रम में 60 छात्राएं उपस्थित रहीं।

11 अगस्त 2022 को राजा महेंद्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय के कैंप कार्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत हर घर तिरंगा का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें रेंजर्स ने सरस्वती वंदना और देशभक्ति से ओतप्रोत गीतों का की प्रस्तुति दी। रेंजर कल्पना राजोरिया, हिमाद्री, शालिनी, मोनिका, पारुल, साक्षी तोमर और रंजना ने **'तिरंगा गीत'** समूह में गाया।

15 अगस्त 2022 को आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत 20 रेंजर्स में हाथों में ध्वज लेकर एक रैली निकाली तथा विभिन्न देशभक्ति के गीत गाए ।

16 अगस्त 2022– को आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत रेंजर्स द्वारा वृक्षारोपण का कार्यक्रम संपन्न किया गया।

4 फरवरी 2023 को डीएस महाविद्यालय में ओरियंटेशन कार्यक्रम के अंतर्गत 11 रेंजर्स ने प्रतिभागिता की। इस कार्यक्रम का विषय **'यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स सम्मिट'** था।

25 जनवरी 2023 को **'सड़क सुरक्षा सप्ताह'** के अंतर्गत रेंजर्स द्वारा एक रैली निकाली गई। जिसमें 26 रेंजर्स ने विभिन्न पोस्टर के द्वारा लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया।

20 फरवरी 2023 को **'सड़क स्वच्छता'** के अंतर्गत 10 रेंजर्स ने महाविद्यालय प्रांगण में झाड़ू लगाकर स्वच्छता का संदेश दिया।

21 फरवरी से 25 फरवरी 2023 **"रेंजर प्रशिक्षण शिविर''** आयोजित किया

द्वितीय – पिंकी शर्मा B.A सेकंड ईयर
तृतीय – रुपेश B.A सेकंड ईयर
सांत्वना – मोहिनी B.A फर्स्ट ईयर

गांठ एवं बंधन प्रतियोगिता– (प्रतिभागी 33)

प्रथम – फबिहा B.A फर्स्ट ईयर और वैष्णवी रानी एम ए फर्स्ट ईयर
द्वितीय– पिंकी शर्मा और कशिश B.A सेकंड ईयर
तृतीय– मोनिका शर्मा इ. सेकंड ईयर

तंबू निर्माण प्रतियोगिता–

निर्णायक – डॉ सीमा कौशिक, प्रो शालिनी चौधरी (प्रतिभागी 33)

प्रथम – G2 लक्ष्मीबाई टोली
द्वितीय – G3 मीराबाई टोली
तृतीय – G1 सावित्रीबाई फुले टोली

रंगोली प्रतियोगिता–

निर्णायक प्रो हेमलता अग्रवाल, श्रीमती कविता भारती –
प्रथम – सावित्रीबाई टोली
द्वितीय – रानी लक्ष्मीबाई टोली
तृतीय – मीराबाई टोली और मदर टेरेसा टोली

उपर्युक्त सभी रेंजर से संबंधित कार्यक्रमों में जुलाई 2023 से जनवरी 2023 तक–प्रो शालिनी चौधरी, प्रो सीमा बंसल और प्रो शैली शर्मा का योगदान रहा। इसके पश्चात् फरवरी 2023 से प्रभारी प्रो. सीमा बंसल, सह प्रभारी प्रो. शैली शर्मा और सुश्री जगवति ने कार्यभार संभाला।

"रेंजर प्रशिक्षण शिविर"

टीकाराम कन्या महाविद्यालय में रोवर/रेंजर विभाग के अंतर्गत पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर दिनांक 21 फरवरी से 25 फरवरी 2023 तक आयोजित किया गया। इस शिविर का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर शर्मिला शर्मा द्वारा स्काउट गाइड ध्वज तथा स्काउट गाइड झंडा गान के साथ किया गया। इसमें प्रवेश तथा निपुण की

33 छात्राओं ने प्रतिभाग किया गया। जिसमें 9 छात्राएं निपुण में तथा 24 छात्राएं प्रवेश में प्रशिक्षण कैंप में प्रतिभाग किया। इस कैंप में प्रशिक्षक श्रीमती ज्योति भार्गव ने विभिन्न प्रकार की गतिविधियों तथा कार्यकलापों से सभी छात्राओं को अवगत कराया। इसके अंतर्गत तंबू निर्माण, प्राथमिक चिकित्सा, गांठ एवं बंधन, पुल निर्माण, खोज के चिन्ह, सुविचार आदि की जानकारी दी गई। इसके साथ ही पोस्टर प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता, गांठ प्रतियोगिता, तंबू निर्माण प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता आदि का आयोजन किया गया। इन सभी कार्यकलापों और प्रतियोगिताओं में 33 छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

प्राथमिक चिकित्सा प्रतियोगिता –

निर्णायक डॉ सीमा कौशिक और प्रो शालिनी चौधरी

प्रथम – G1 टोली (सावित्रीबाई फुले) कंचन, रश्मि, रेनू, करिश्मा, प्रीति, शिवानी, सोनाली और वंशिका गुप्ता।

द्वितीय – G4 टोली (मदर टेरेसा) पिंकी शर्मा, नीरज, रुपेश, उपासना, पूजा, सुरभि, पारुल और मोनिका शर्मा।

तृतीय –– G 2 टोली (रानी लक्ष्मीबाई) मोहिनी, शिवानी, दीक्षा, लवली, खुशबू, वैष्णवी रानी, पारुल और अंशु।

पोस्टर प्रतियोगिता –

विषय – सड़क सुरक्षा

निर्णायक–डॉ सुमन रघुवंशी

प्रतिभागी – 26

प्रथम –– पिंकी शर्मा बीए सेकंड ईयर

द्वितीय– अंजली कुमारी B.A. फर्स्ट ईयर और वर्षा इ.. फर्स्ट ईयर

तृतीय – नीरज कुमारी B.A. सेकंड ईयर

सांत्वना – सोनाली M.A. फर्स्ट ईयर और पूजा B.A. सेकंड ईयर

निबंध प्रतियोगिता–

विषय – युवा शक्ति और देश का विकास

निर्णायक प्रो मिश्कात आबिदी और डॉ सोफिया खातून

प्रतिभागी 26

प्रथम – वंशिका गुप्ता B.A. फर्स्ट ईयर

विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ अपना प्रशिक्षण लिया। एडवांस रेंजर लीडर प्रोफेसर सीमा बंसल ने संपूर्ण कार्यक्रम में सभी छात्राओं को प्रशिक्षण के साथ प्रोत्साहित किया और विभिन्न प्रकार के नियमों, सामाजिक सेवा, प्राथमिक चिकित्सा आदि की जानकारी दी। राजा महेंद्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय की रेंजर विभाग की समन्विका डॉ अंजना ने छात्राओं का उत्साहवर्धन किया तथा आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। इस पांच दिवसीय शिविर के अंतर्गत विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं आयोजित की गई और चार टोलियां बनी जिसके अंतर्गत इन सभी छात्राओं ने मिलजुल कर मनमोहक टेंट बनाए तथा अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर निपुण की छात्राओं को प्राचार्या द्वारा सर्टिफिकेट भी वितरित किए गए। तंबू निर्माण प्रतियोगिता मैं मोहिनी, शिवानी, दीक्षा, लवली, खुशबू, वैष्णवी, पारुल और अंशु ने बाजी मारी। रंगोली प्रतियोगिता में कंचन, रश्मि, रेनू, करिश्मा, प्रीति, शिवानी, सोनाली और वंशिका रहीं। गांठ एवं बंधन प्रतियोगिता में सबीहा प्रथम, पिंकी शर्मा और कशिश द्वितीय और तृतीय मोनिका शर्मा रही। प्राथमिक चिकित्सा प्रतियोगिता में सावित्रीबाई फुले टोली रही। रोवर रेंजर की स्थापना करने का संपूर्ण श्रेय लॉर्ड बेडेन पावेल को दिया जाता है। उनके जन्मदिन के अवसर पर चिंतन दिवस के रूप में इसे मनाया जाता है। इस के अंतर्गत निपुण की छात्राएं पिंकी शर्मा, नीरज, रूपेश, कशिश, उपासना, पूजा, सुरभि, पारुल और मोनिका शर्मा मदर टेरेसा टोली प्रथम रही। सभी छात्राओं ने सुविचार और प्रेरणादाई उद्‌बोधन दिए। सभी छात्राओं ने स्काउट गाइड के सभी 9 नियम कंठस्थ किए और गाइड प्रतिज्ञा ली। श्रीमती ज्योति भार्गव डीटीसी, रेंजर प्रभारी प्रो सीमा बंसल, रेंजर सह प्रभारी प्रो शैली शर्मा और सुश्री जगवती का प्रशिक्षण के अंतर्गत विशेष योगदान रहा।

28 मई 2023 –विनायक दामोदर सावरकर जयन्ती–

भाषण प्रतियोगिता –

18 जून 2023 रानी लक्ष्मी बाई शहीदी दिवस– निबंध प्रतियोगिता।

शारीरिक शिक्षा एवं खेलकूद विभाग की वार्षिक रिपोर्ट सत्र 2022 - 2023

विगत वर्षो की भाँति इस वर्ष भी महाविद्यालय की छात्राओं ने विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताओं में माग लिया एवं अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा का प्रदर्शन दिया सभी प्रतियोगिताएं जिला स्तर, राज्य स्तर, महाविद्यालय स्तर, विश्वविद्यालय स्तर एवं अन्तर विश्वविद्यालय स्तर पर आयोजित कि गई।

जिला स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता

दिनाँक 13/2/2023 नुमाईश में रस्साकसी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमे महाविद्यालय की टीम विजेता रही है। इस प्रतियोगिता में रजिया बानों (BA IV sem,) मरियम (BA 1V Sem), मुसकान (BA 3rd), दीक्षा (BA 2nd sem), दीप्ति (BA 1 Sem) नेहा (BA 4th Sem), नैना (BA 4th Sem), काजल (BA 4th), सोनम, ने भाग लिया!

दिनाँक 26/03/2023 को खो–खो प्रतियोगिता का आयोजन Sport Stadium Aligarh में किया गया जिसमे महाविद्याालय की छात्राओं ने भाग लिया एवं सेमीफाइनल में प्रवेश किया। मरियम खान (BA 4th Sem), रजियाँ बानो (BA Sem), खुशबू (BSC 4th sem), सलोनी (BSc 2nd sem) भारती (BA 3rd sem), खुशी तीवारी (BA 2nd sem), दीक्षा (BA II Sem) काजल (BA 4th Sem), पूजा (BA 2nd sem), अनुपम (B.com 4th sem). कविता (BA 4th Sem). नेहा (BA 4th Sem)

राज्यस्तर पर आयोजित प्रतियोगिता

दिनांक 18/12/2022 मुरादाबाद में हैंडबाल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें सलोनी (BSc 2nd sem) ने भाग लिया एवं उनकी टीम ने चर्तुथ स्थान प्राप्त किया।

दिनांक 30/12/2012– जौनपुर में हैंडबाल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें सलोनी (BSC III) ने भाग लिया।

दिनाँक 19/09/2022 गोरखपुर में हैंडबाल प्रतियोगिता आयोजन किया जिसमे रजिया बानो (BA 4th Sem) नेहा (B-com 2nd sem) एवं कविता (BA 1st Sem) ने भाग लिया।

विश्वविद्यालय स्तर पर आयोजित प्रतियोगिताएँ

दिनाँक 11/10/2022 को क्रॉस कंट्री प्रतियोगिता का आयोजन वी के जैन कालेज, कासगंज में RMPSSU के सौजन्य से किया गया जिसमे महाविद्यालय की पूर्णिया शर्मा (4th sem) ने प्रथम स्थान किया एवं सोनम (BA 4th) sem ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

दिनांक 16/10/2022 को बैडमिटन प्रतियोगिता का आयोजन S.V. College Aligarh में किया गया जिसमे महाविद्यालय टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता में पूर्णिमा शर्मा (BA 4th sem), राजियाँ बानों (BA 4th sem) सोनम चौधरी (BA 4th sem) वंदना शर्मा (BSC 4th Sem) भावना शर्मा (BA 4th Sem) ने भाग लिया।

दिनाँक 17/10/22 को क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन D.S Degree College, Aligarh मे किया गया जिसमे महाविद्यालय की टीम ने trial दिय। इस trial में मरियम खान, रजिया बानो, शिखा, रूकसार, कविता, खुशबू, सलोनी कुमारी, वंदना, खुशी तिवारी, भारती, नेहा, एवं संस्कृति ने भाग लिया।

दिनाँक 31/10/2022 को कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन S.V. College, Aligarh मे किया गया जिसमे महाविद्यालय कि टीम ने सेमीफाइनल में प्रवेश किया। इस प्रतियोगिता में रजिया बानो (BA 4 sem) मरियम खान (BA 4 Sem), सलोनी (BSc 2 Sem), दयारानी (BSc 2 sem), साक्षी (BA 4 Sem), रुकसार (B.Com 4 sem) निकी शर्मा (B.Com 4 sem) अर्चना (B.Com 1st sem), कविता (BA 1st sem), मुस्कान 1st sem, दरकशाँ B.Com 1st Sem लता यादव B.Com 1st Sem ने भाग लिया।

दिनाँक 10/11/2022 में खो–खो प्रतियोगिता का

आयोजन श्री शिवदान सिंह पी. जी कालेज अलीगढ़ मे किया गया इस प्रतियोगिता मे महाविद्यालय की टीम उपविजेता रही। इस प्रतियोगिता में मरियम खान, रजिया बानो, सलोनी 'खुशी तिवारी, कविता, खुशबू, दीप्ती, अंजली, गौरी, नेहा, बिंदिया, दया रानी, वंदना आदि ने भाग लिया।

दिनांक 11/11/2022 को टेबिल टेनिस प्रतियोगिता का आयोजन D. D. College Harduagunj में किया गया जिसमे महाविद्यालय की टीम विजेता रही। इस प्रतियोगिता में, संस्कृति (BA 1 sem), नेहा बघेल (4 sem), भावना राठौर (4 sem.) सोनम चौधरी (4 sem.) कामना राठौर (4 sem.) ने भाग लिया।

दिनाँक 18/11/2022 को इस प्रतियोगिता का आयोजन K.A (PG) College, कासगंज में किया गया। रस्सा कस्सी प्रतियोगिता मे महाविद्यालय की टीम विश्व विद्यालय स्तर पर विजयी रही इस प्रतियोगिता में नैना चौधरी (BA 1 sem) सलोनी कुमारी (BA Ist) मरियम खान (BA 4 sem) रजिया बानो (BA 4 sem) काजल (BA I Sem), शिवनी (BSc 3 sem) प्राची यादव (BA I Sem) नेहा (B.Com I) दीप्ति (BA I sem) बिदिया (BA 2 sem) दीक्षा (BA I Sem) दर्शन (BA I Sem) ने भाग लिया।

दिनांक 25/11/2012 को Volley Ball प्रतियोगिता का आयोजन SV College Aligarh, RMPSSU के सौजन्य से किया गया। इस प्रतियोगिता में नेहा (B.Com 1) सलोनी कुमारी (B.Sc 1) दीक्षा (BA 1), नैना चौधरी (BA 1st), वर्षा (B.Sc 1), भावना शर्मा (BA 2nd), अंजली (B.Sc 1), दीपा (B.Sc 1), सोनम चौधरी (BA 2) मरयिम खान BA 2, रजिया बानो BA I आदि ने भाग लिया एवं सेमी फाइनल मे प्रवेश किया।

दिनांक 30/11/2022 को वेटलिफटिंग प्रतियोगिता का आयोजन Government P.G College, Jalesar में किया गया जिसमे रजिया बानों (BA 2) ने भाग लिया इन्होंने 52– kg वर्ग में भाग लिया एवं प्रथम स्थान प्राप्त किया।

दिनाँक 1 एवं 2 Dec 2022 में Athletics प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस प्रतियोगिता का आयोजन RMPSSU के सौजन्य से Sport Stadium Aligarh मे किया गया जिसमे महाविद्यालय कि खुशी BA 1 कविता BA 1, खुशबू Bsc 2nd, नेहा वघेल BA 2nd, पूर्णमा शर्मा BA 2 सोनम चौधरी BA 2nd, भावना शर्मा BA 2nd, सलोनी Bsc1, रजिया वानो BA 1 नें भाग लिया। पूर्णिमा शर्मा ने 1500 km मे प्रथम स्थान प्राप्त किया, खुशबू BSc 3rd sem ने 200 meter race में द्वितीय स्थान प्राप्त किया, खुशी तिवारी ने पैदल चाल में प्रथम स्थान प्राप्त किया, नेहा बघेल ने भाला फैंक में प्रथम स्थान प्राप्त किया, सोनम चौधरी ने 200 meter race में तृतीय स्थान प्राप्त किया, सलोनी कुमारी ने लम्बी कूद में प्रथम स्थान कूद में द्वितीय एवं ऊँची कूद मे द्वितीय प्राप्त किया, रजिया बानों ने shot put में प्रथम, Discus throw में प्रथम एवं Jevelin throw में तृतीय स्थान प्राप्त किया, कविता ने 800 meter race में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

दिनांक 23, 24 March में Indoor Hockey प्रतियोगिता का आयोजन D.S Degree College, Aligarh में किया गया जिसमे महाविद्यालय की टीम उपविजेता रही इस प्रतियोगिता में Maryam Khan BA 3rd Sem, खुशबू BSc II sem, सलोनी कुमारी BSc 1st, Neha B-com I, काजल BA I अंजली BA I मानसी शर्मा BA I विंदिया– BAI, कविता BA I रजिया बानों BA 2nd सलोनी BA 1 दीक्षा सिंह BA I ने भाग लिया।

अन्तर विश्वविद्यालयी स्तर पर आयोजित प्रतियोगिताएँ

Badminton इस प्रतियोगिता का आयोजन विश्वविद्यालय की द्वारा दिनाँक 21/11/2022 ये कराया गया जिसमे महाविद्यालय की सोनम चौधरी BAI एवं पूर्णिमा शर्मा BA I ने भाग लिया।

Kabaddi : इस प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 5 Dec/2022 श्री आर एस विश्वविद्यालय, जिन्द द्वारा कराया गया जिसमे मरियम खान BA 2nd एवं रजिया बानों BA II ने भाग लिया।

Hockey इस प्रतियोगिता का आयोजन 19 dec 2022 को "जिसमे महाविद्यालय की नेहा B.Com एवं कविता BA I ने भाग लिया।

Table Tennis 1. इस प्रतियोगिता का "आयोजन

दिनाँक 28/12/22 को दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली द्वारा कराया गया जिसमे नेहा बघेल BA 2nd ने भाग लिया।

दिनांक 5/12/2022 को Basket ball प्रतियोगिता का आयोजन S.V college अलीगढ़ में किया गया। महाविद्यालय की टीम उपविजेता रही। टीम मे खुशबू BSc sem Saloni BA 1st से नेहा B.Com I Sem. मरियम BA 3rd काजल BSc I Sem अंजली BSC 1 Sem दीपा कु0 सिंह BSc I sem खुशी तीवारी BA 1 sem. कविता BA I Sem रजिया बानी BA 2nd दीक्षा सिंह BA I sem ने भाग लिया।

दिनाँक 18/12/2022 को हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन D.S College Aligarh मे किया गया । महाविद्यालय की टीम उपविजेता रही इस प्रतियोगिता मे खुशबू BSc 2nd, सलोनी कुमारी BSc I नेहा, B.Com 1 Sem, मरियम खान BA II Sem, काजल BA I Sem, अंजली BSc I Sem वंदना BSc I Sem रूकसार B.A 1 sem, शिखा सक्सैना B.Com रजिया बानो BAIII sem, दीक्षा BA III sem वर्षा BSc I sem, दीप्ति B.A 2nd sem आदि ने भाग लिया।

दिनाँक 15/12/2022 को Boxing प्रतियोगिता का आयोजन। कृष्णा कालेज आगरा में किया गया जिसमे श्रुति पाठक BSc 3rd नें भाग लिया एवं द्वितीय स्थान प्राप्त ने किया।

दिनाँक 17, 18 Jan 2023 को Malkhamb प्रतियोगिता का आयोजन S.V. College अलीगढ़ में किया गया जिसमे महाविद्यालय कविता BA I sum, सलोनी कु0 BSc I Sem, खुशबू BSc I Sem, खुशी तीवारी BA I Sem, अंजली BSc I Sem, वंदना BSc II Sem आदि ने भाग लिया एवं द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

Hockey इस प्रतियोगिता का आयोजन 19/12/2023 को खालसा विश्वविद्यालय, अमृतसर में किया गया एवं Neha B.Com II एव Kavita BA I ने भाग लिया।

Basket ball: इस प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 31-12-2022 को L.P.University, Jalandhar में किया गया एवं इस प्रतियोगिता में दीक्षा सिंह BA I काजल BA II एवं कविता BAI ने भाग लिया।

Kho Kho इस प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 1 जनवरी 2023 मे चौधरी रनवीर सिंह विश्व विद्यालय, जिंद, हरियाणा मे किया गया जिसमे महाविद्यालय की मरियम खान BA I, रजिया बानो BA II खुशबू BSC I खुशी तीवारी BA I एवं सलोनी कु BSc I ने भाग लिया।

Malkhamb इस प्रतियोगिता आयोजन 22/1/2023 को राजा महेन्द्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय अलीगढ़ किया गया जिसमे महाविद्यालय की सलोनी कुमारी, BSc I कविता BA I, खुशबू BSc II एवं खुशी तीवारी BA I ने भाग लिया एवं क्वाटर फाइनल में प्रवेश किया।

Kory Ball इस प्रतियोगिता का आयोजन Jaipur विश्व विद्यालय जयपुर में किया गया। इस प्रतियोगिता का आयोजन 6/3/2023 में किया गया जिसमे महाविद्यालय की सलोनी कुमारी BSc I ने भाग लिया।

Indoor Hockey इस प्रतियोगिता का आयोजन 29.03.23 में कृपाकरण विश्वविद्यालय, तमलिनाडू में किया गया जिसमें महाविद्यालय कि सलोनी कु0 BSC I मरियम खान BA II एवं नेहा B.Com II ने भाग लिया।

Weight lifting इस प्रतियोगिता में महाविद्यालय की रजिया बानो का चयन अन्तर विश्वविद्यालय प्रतियोगिता हेतु हुआ जो टीम किसी कारणवश नही जा पाई ।

Cross Country इस प्रतियोगिता के लिये पूर्णिमा शर्मा BA II का चयन हुआ जिसका आयोजन कालिकट यूनिर्वसिटी तमिलनाडू में किया गया। इस प्रतियोगिता में नेहा बघेल का भी चयन हुआ।

Cricket– इस प्रतियोगिता का आयोजन दिनाँक 23/11/2022 में शिमला विश्ववि‌द्यालय, शिमला मे किया गया जिसमें BA I की कविता ने भाग लिया।

Atheletics इस प्रतियोगिता का आयोजन के. आई. आई टी यूनिवर्सटी भूवनेश्वर में किया गया। यह प्रतियोगिता 20/12/2022 को किया गया। इस प्रतियोगिता में पूर्णिमा शर्मा BAII एवं नेहा बघेल BA II ने भाग लिया।

महाविद्यालय स्तर पर आयोजित प्रतियोगिताएँ

दिनांक 16/8/2022 को आजादी के अमृत महोत्सव के अर्न्तगत महाविद्यालय से रस्सा कस्सी एवं एकल पाद प्रतियोगिता का आयोजन किया। इसी के साथ इस दिन छात्राओ ने देश भक्ति के गाने पर नृत्य भी किया। रस्सा कस्सी प्रतियोगिता में भाग लेने वाली टीम सुभाष चंद्र बोस, भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव सिंह, चन्द्रशेखर आजाद और अटल बिहारी बाजपेई रही जिसमे अटल बिहारी बाजपेई टीम प्रथम स्थान पर रही। इस टीम की विजेता छात्राओं श्रुति पाठक कप्तान BA I, मोनिका सिंह, BSc III स्नेहा गौतम BSc I पूर्णिमा शर्मा BAII, मुस्कान राना BSc II, सोनम BA I, और किरन BA III रही। इस प्रतियोगिता मे उपविजेता टीम सुभाष चन्द्र बोस रही जिसमे मरयम खान BA II, टिंकल BA I, लवली शर्मा BA I, रजिया बानी BAII दुगेश कुमारी BA II, भावना BAII गौरी राना BA II एवं वंदना शर्मा BA II, भाग लिया एकल पाद प्रतियोगिता में खुशबू BSc II. प्रथम, पूर्णिमा शर्मा BA II द्वितिया किरन BA III तृतीया स्थान रही कुल प्रतिभागी १० रहें।

दिनांक 29/8/2022 को राष्ट्रीय खेल दिवस एव मेजर ध्यान चंद के जन्मदिवस के उपलक्ष्य मे महाविद्यालय में हॉकी मेच एवं एक व्याख्यान का आयोजन किया। हॉकी की इस प्रतियोगिता मे चार. टीमों ने भाग लिया जिसमें मेजर ध्यानचंद रूपा सिंह टीम, बलवीर सिंह टीम, ऊधम सिंह टीम शामिल रही। इस प्रतियोगिता में मेजर ध्यान चंद टीम विजेता रही एवं ऊधम सिंह टीम उपविजेता रही। विजेता टीम के कप्तान मरियम खान BAII रजिया बानो BAII बन्दना शर्मा BSc I नेहा B Com I खुशबू BSC II आलिया फतिमा BA II हिमांशी वार्ष्णेय BA II मुस्कान कुमारी BA II आकाक्षा वरिष्ठ BA I एवं दीप्ती BA I ने भाग लिया। उपविजेता टीम मे कप्तान गौरी राना BAII लवली शर्मा BSc II शिखा BAI तन्नू BA I रश्मि BA II भावना शर्मा BA II रिया सिंह सूर्या BA II दया रानी BA I बिनी BSc II चिंकी पराशर BA I डाली BA II इफरा नाज BAII नव्या Bsc II संध्या गौतम BA II ने भाग लिया। इस अवसर पर योग पर एक कार्यशाला का आयोजन भी किया गया। प्रतिभागी 80 रहे।

दिनांक 23/2/2025 को अमर उजाला अपराजिता के बेनर तले शारीरिक शिक्षा द्वारा "योग एवं, शारीरिक गतिविधियों का स्वास्थ्य से योग दान". पर एक Guest lecture का आयोजन किया गया जिसमे 70 छात्राओं ने भाग लिया।

दिनांक 20.03.2023 को महाविद्यालय में वार्षिक खेल कूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमे रस्सा कस्सी, फ्री थ्रो, कबड्डी एवं योग कार्यशला का भी आयोजन किया गया, जिसमे रस्सा कस्सी प्रतियोगिता मे BA प्रथम वर्ष की टीम विजेता रही तथा BSc प्रथम वर्ष की टीम उपविजेता रही। कबड्डी प्रतियोगिता मे बी.एस.सी. की टीम विजेता रही एवं बी. एम. सी. प्रथम वर्ष की टीम उपविजेता रही। फ्री थो प्रतियोगिता मे मानसी शर्मा BSc प्रथम वर्ष प्रथम रही, कामना राठौर BA I द्वितीया रही एवं मरियम खान BA I तृतीया रही । सभी विजेता छात्राओं को महाविद्यालय की प्राचार्या द्वारा पुरस्कार देकर कर सम्मानित किया। इसके अलावा खेलों में अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा का प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को प्राचार्या द्वारा ट्रेक सूट देकर सम्मानित किया। इन प्रतियोगिताओ में 500 छात्राओ ने भाग लिया।

विभागीय गतिविधि : दिनांक 24/03/2022 को Quiz competition का आयोजन किया जिसमें BA II Sem की शिखा प्रथम रही, श्रुति द्विवेदी BSc II sem द्वितीया रही अमानत BSc II तृतीया Assignment इंशा खान BA II प्रथम, शिखा BSC II द्वितीया, बुशरा BSC II तृतीया रही।

BA/ BSc IV sem Quiz competition 24/3/2025 दिनांक में किया गया जिसमे नेहा बघेल BA IV Sem प्रथम रही, भावना रठौर BA IV sem द्वितीया एवं उर्वशी गुप्ता BA IV Sem तृतीया स्थान पर रही।

Asignment 27/3/2023– कामना राठौर BA IV Sem प्रथम रही उर्वशी गुप्ता द्वितीया एव शगुन चौधरी BSc IV sem तृतीया रही।

BA/BSc III:- Quiz competition 25/03/2023 श्रुति पाठक BSc प्रथम रही, अलिया फातीमा BSc II द्वितीय रही एवं स्नेहा वर्मा BA III तृतीया रही।

Essay writing competion Date 28/03/2025– सोनी वर्मा BSc III प्रथम, मुस्कान BSc III द्वितिया एवं निकिता सिंह BSc III तृतीया स्थान पर रही।

इन सभी कार्यक्रमों को सुचारू रूप से सम्पन्न कराने में कमेटी के सभी सदस्यों का भरपूर सहयोग रहा।

DEPARTMENT OF ENGLISH

The multifaceted development of students is the prime focus of the **Department of English:** Academic and co-curicular activities are essential part of it. In the beginning of the session, the English Literary Association was formed under the supervision of the head of Department Prof. Medha Sachdev in which the following students were selected for different posts.

President Rashmi (M.A. Final)

Vice President : Kavya Sharma (M.A. Previous)

Secretary : Farheen (M.A. Previous)

Joint Secretary : Kanishka Agrawal (B.A. II Semester III)

Treasurer : Hira Parveen (M.A. Previous)

Executive Members

1. Anjum Malik (M.A. Previous)
2. Karishma Sahu (B.A. III Year)
3. Srishti Vashistha (B.A. III Year)
4. Akrati (B.A. III Year)
5. Supriya Sharma (B.A. I Semester I)
6. Tanishka Solanki (B.A. I Semester I)
7. Vaishli Sharma (B.A. I Semester I)
8. Stuti Sharma (B.A. I Semester I)
9. Tannu (B.A. I Semester I)

Student Activities

1. Department of English and Department of Economics jointly organized a guest lecture for undergraduate and post graduate students on 18.10.2022

   Prof. Mohammad Akram from Aligarh Muslim University was the guest speaker and the total number of participants were 170.

2. On 10.2.2023 an essay competition **was organized. The topic was "G20:** Climate Change : Issues, Perspectives and challenges. The essay competition was open for all the undergraduate and postgraduate students the total number of participants were 13

3 Department organized a workshop on technical and soft skills for all under-graduate and postgraduate students of the college under IQAC. There were 5 days of Technical empowerment sessions on 13,14,15, 20 and 21 February 2023. The workshop was in coaboration 2023. The workshop was in collaboration with AZ Cloud Technologies Pvt. Ltd., a global training partner of Microsoft.

Speakers:

1. Ms. Pranjali (Brahme Freelancer)

2. Dr. Priya Vaidya (AZ Cloud Tech. Pvt. Ltd.)

3. Mr . Nafees Ahamad

Guest :

1. Prof Gopi Nath (Gorakhpur)

2. Mr. Ajay (Brahme)

Quizzes were organized in each technical session Prize winners in quiz were

Day 2 :

Gulafsha
M.A. Previous (English)
Nidhi Varshney?
Sapna Kashyap?

Day 3 :

Kanishka Agrawal
(B.A. II Sem IV)
Krantika?
Arjun Malik
M.A. Previous (English)

Day 4 :

Kavita Lodhi
Mansi Vasishtha
(B.A. II Sem IV)
Hira Parveen
(M.A. Previous (English)

Day 5 :

Divya (B.Ed.)
Kavya Sharma
M.A. Previous (English)
Pragati Kishan

90 Students participated in the workshop

The Department organized a webinar on Intellectual Property Rights, under IQAC on 22nd February 2023.

The chair person was Prof. Om Prakash H.M. Bule Hora University. Ethiopia and speakers were Adv. Isheta T Batra IP & Media counsel, T.B.A., New Delhi.

Prof. V.K. SARASWAT, DR. B.R. Ambedkar University, Agra, and Dr. Sayeda Khatoon, A.M.U, Aligarh

4. **Drama-** Reading Competition and Valedictory ceremony were organized on 25th March 2023 Result of the competition was as follows.

Ist Prize : B.A. III yr (Literature)

1. Srishti Vasishta
2. Sapna Kashyap
3. Bhawana
4. Sadhna Singh
5. Arati

IInd Prize : M.A. (Previous)

1. Divya Bharti
2. Sneha Singh
3. Khushi Sharma
4. Nisha Sharma
5. Kavya Sharma

IIIrd Prize : M.A. (Final)

1. Gunjan Sharma
2. Rashmi Sharma
3. Dolly Sharma
4. Km. Shivani
5. Kamlesh Kumari
6. Harshika Singh

The judgment was duly done by Dr. Mamta Shrivastava and Ms. Zeba Khan.

In this session, Ms. Priyanka was awarded Dr. Usha Bhargava Smriti Puraskar for highest marks in postgraduation.

The Department is thankful to department of Drawing and Painting, Hindi Mathematics, Physics, Chemistry (Self Finance), Geography, B.B.A. and BCA for their assistance. Thanks are also due to Mr. Sachin Gupta, Mr. Pratham Chaudhary, Manju, Mr. Gaurav Singhal and Mr. Rakesh (garderner).

Students participation in other activities apart from departmental activities are:-

1. Postgraduate students participated in seminar on **"Tips for Virtual and Physical Interview"** organised by NSS, TRKM on 28.9.2022
2. M.A. Final English students participated in one day Sensitization workshop for students of degree college on **"Health Promotion Focussing Mental Health and Life Skills Among Youth and Degree Colleges of Uttar Pradesh"** On 20.01.2023 Organized by SIFPSA.
3. M.A. Previous and Final Students participated in one day National Workshop on **"Industrial Innovative Practices "** on Feb. 4, 2023 organised by IQAC in collaboration with of Economics and Commerce.

Guest Speaker :

Dr. Mohammed Naved Khan, Prof. Dept. of Business Administration, faculty of Management Studies and Research AMU, Aligarh.

4. On 7.2.2023, students of M.A. previous and final participated in G20 : Indian Culture and New Life style Essay Competition Organized at College Level

Participants Work : M.A. Final

1. Taseem Javed
2. Gunjan Sharma
3. Kamlesh
4. Dolly Sharma

5. Shivani
6. Harshika Singh
7. Annu Sharma

M.A. Previous

1. Kavya
2. Anjum Malik
3. Suneha
4. Farheen

6. M.A. Previous and final students participated in UP Global Investor Summit (Training Program) organised by IQAC on 9.2.2023

Speaker : Ms. Jyoti Pandey
Dr. Harnam Singh

7. Khushi and Gulafshan, students of M.A. (Previous) presented a research paper entitled (Women Self Reliance with special reference of Mahasweta Devis Rudali. in the National Seminar Sponcred by Higher Education, U.P, under the aegis of Azadi Ka Amrit Mahotsav on Women Self Reliance : Opportunities, Obstacles and Outcomes in Indian Modern Scenario on 4th-5th March 2023. Students of M.A (Previous) and final participated in one day sensitization workshop for degree college students under SIFPSA funded "Health Promotion focussing Mental Health and life Skills among youth of 35 degree colleges of Uttar Pradesh held on 27th March 2023 Total number of participants was 43.

ICT Tools used

Department of English has always given importance to innovative approaches towards learning. In this many ICT tools had been used throughout the session.

(a) Edward Albee's the Zoo Story was shown to B.A.III Literature students on 23.1.2023

(b) Bhishm Sahnis story ' Amrit aa gaya hai' audio (hindi) listened by B.A.II ,sem IV students in 27.1.2023

(c) Pinjar' Movie was shown to sem IV students.

(d) M.A Final students watched ' The importance of Being Earnest ': Oscar wilde on 23rd March 23.

Besides this, teachers of the department use tools like mobile in order to make the teaching learning process more enhancing and interesting.

Students were also made to prepare presentation on various topics and present them through PPT.

Teachers of the department from time to time conduct quizzes and class tests. The following online quizzes were uploaded by the faculty members:

(1) On 4.2.23, Online Quiz uploaded for sem IV by Dr. Swati Kush

No. of participant : 37

Link:https://forms.gle/yVx93dk6QqCUMVg87

(2) On 5.2.23, Online Quiz uploaded for sem II by Mrs. Zeba Khan.

No. of participant : 50 Link : https://docs.google.com/forms/d/e/1FAIpQLSeqxNicHRiN1W14Zh5VtttDsmacZUDIeQZKUMj3Mjpuhb1sBqA/view form.

(3) On 6.2.23, Online Quiz uploaded for B.A.III Literature (paper1) by Mrs.Anurakti

No. of participant : 14 Link: https://forms.gle/RMPvrWYXtEqQXAaN9

(4) On 8.2.23, Online Quiz uploaded for B.A.III Language (paper-I) uploaded by Dr. Pratima Varshney

No. of participant : Link : https//forms.gle/HxDcPRXs3axeLXJLs

Placement:

Km.Shefali Singh was registered as Advocate in the Bar Council of Uttar Pradesh.

FACULTY DEVELOPMENT

Professor Medha Sachdev
Head, Department of English

Edited Proceedings

NEP 2020 : A Revolutionary

Step Towards Digital India Proceedings of National Seminar held on 5-6 November 2022 ISBN 978-93-92139-02-5

Translation (English to Hindi):

Dharmik Utsavon ka Aadhyatmik Abhipraya: Translation of 'Spiritual Import of Religious **Festivals': Swami Krishnananda ,**

https://www.sivanandaonline.org

1. Dharma Kya Hai, August, 2022
2. Dharma Kya Hai, September, 2022
3. Surya-Jagat ka Chakshu, October, 2022
4. Surya- Jagat ka Chakshu, November, 2022
5. Surya-Jagat ka Chakshu, December, 2022
6. Shiv-Rahasyapurna Ratri, January, 2023
7. Shiv-Rahasyapurna Ratri, February, 2023
8. Shiv-Rahasyapurna Ratri, March, 2023

Participation:

2. Participation in National Seminar on Swaraj, National Consciousness and Resistance in Indian Freedom Struggle organised by Shri Varshney College, Aligarh, 12-13 November, 2022

Title of the paper : "Swaraj Consciousness in Rao's Kanthapura"

3. Participation in National Seminar on 'NEP 2020: A Revolutionary Step towards Digital India', under the aegis of Azadi ka Amrit Mahotsav sponsored by ICSSR, organised by Sri Tikaram Kanya Mahavidyalaya, Aligarh, 5-6 November, 2022

Title of the paper: "Digitalized Orient Myths"

4. Participation in 5-day Technical Empowerment Sessions conducted by AZ Cloud Technologies PVT Ltd (Global Training Partner of Microsoft)
5. Participation in National Seminar on Women Self-Reliance: Opportunities, Obstacles and Outcomes in Indian Modern Scenario sponsored by Higher Education, U.P., organised by Sri Tika Ram Kanya Mahavidyalaya, Aligarh, 4-5 March, 2023

Title of the paper: "Seven Steps around the Fire: A Study of Uma's Role in Social Development"

6. Participation in National Seminar on 'Status of Women after 75 Years of Independence' sponsored by Directorate of Higher Education, U.P., organised by Department of Education, Shri Rameshwar Das Agrawal Girls (PG) College, Hathras, 25-26 March, 2023

Title of the paper: "Women Empowerment through Literature"

7. Imparted Training on "Waves & Vibes regarding Mental Health" in One Day Sensitization Workshop for Degree College Students under SIFPSA funded, "Health Promotion focussing Mental Health & Life Skills among Youth" of 35 Degree Colleges of Uttar Pradesh held on 27th March 2023

Dr. Mamta Srivastava

STUDY MATERIAL IN BOOKS

1- Atul A New Style of English Prose & Writing Skills for B.A. 1 Year Semester 1 ISBN 978-81-950869-1-7

2- Atul A New Style of English British and American Drama B.A. II Year Semester 1 ISBN 978-81-957985-1-3

3- Atul A New Style of Indian Literature in Translation for B.A.II Year Semester II ISBN 978-81-957985-8-2

Chapters Published in Books

1- Paper entitled **'ICT in Teaching and Learning of English:** A Strong Facilitator But a Mean Divider' published in 'Use of ICT Tools in Higher Education by YKing Books Jaipur India ISBN 978-93-92240-36-2

2- Paper entitled **'Vocational Education in NEP-2020: Its Opportunities, Obstacles and Outcomes'** published in 'Quality Enhancement in the Indian Education System Role of Nep 2020' by ABS Books Delhi ISBN 978-93-94424-40-1

Edited Book

1- Use of ICT Tools in Higher Education ISBN 978-93-92240-36-2 Published by YKing Books Jaipur India

Edited Proceedings

2- NEP 2020: A Revolutionary Step Towards Digital India Proceedings of National Seminar held on 5-6 November 2022 ISBN 978-93-92129-02-5

STUDENT TRAINING

1- Online Lecture delivered at Govt Nehru Post Graduate College, Ashok Nagar (MP) as a Resource Person on the Identification of Themes in Literary Works on Feb. 23,

2- Trained the students of M.A. English and Drawing and Painting of STRKM Aligarh on 'Emotive Well-being and Students, dtd. 27 March, 2023 under SIFPSA, Lucknow, organised by Nodal Officer, Aligarh.

Organized Seminars

1- Organized National Seminar under the aegis of Azadi ka Amrit Mahotsav sponsored by ICSSR entitled **"NEP2020: A Revolutionary Step Towards Digital India'** on 5-6 November 2022 as Organizing Secretary.

2- Organized National Seminar under the aegis of **'Azadi ka Amrit Mahotsav'** sponsored by Higher Education U.P. entitled 'Women Self Reliance: Opportunities, Obstacles, Outcomes in Indian Modern Scenario' on 4-5 March 2023 as Organising Secretary

Seminars/Conferences/Workshops/FDP

1- Participated and presented research paper entitled **"Vocational Education: Its Opportunities, Obstacles and Outcomes"** in National Conference sponsored by NAAC Bengaluru organised by Km. Mayawati Govt. Girls P.G.College Badalpur, Gautambudh Nagar U.P. on August 6, 2022

2- Participated and presented research paper entitled **'Digital Literature: Its Relevance and Prospects'** in National Seminar organised by Sri Tika Ram Kanya Mahavidyalaya, Aligarh under the aegis of **Azadi ka Amrit Mahotsav'** sponsored by ICSSR on 5-6 November 2022

3- Participated and presented research paper entitled **'ICT in Teaching and Learning of English: A Strong Facilitator But a Mean Divider' in 65th All India English Teachers'** Conference organised by The Association for English Studies of India and Department of English, Nava Nalanda Mahavihara, Nalanda on 24-26 November

2022

4- Participated in 5-Days **"Technical Empowerment Session"** conducted by AZ Cloud Technologies Pvt Ltd (Global Training Partner of Microsoft) Feb 13,14,15 & 20,21 2023

5- Participated and presented research paper entitled **'Virginia Woolf: A Cry of Woman's Existence, Emancipation and Equality'** in International Conference organised by Department of English, Aligarh Muslim University, Aligarh on 25-26 Feb 2023

6- Participated and presented research paper entitled **'Societal Constrains: A Grim Obstacled in Women's Self Reliance'** in National Seminar organised by Shri Tika Ram Kanya Mahavidyalaya, Aligarh under the aegis of **'Azadi ka Amrit Mahotsav'** sponsored by Higher Education U.P. on 4-5 March 2023

7- Participated in National Workshop on NAAC- Revised Accreditation Framework sponsored by Department of Education, Government of Uttar Pradesh organised by Khwaja Moinuddin Chishti Language University, Lucknow on 13-14 March, 2023

8- One week Online programe on MOOCS and E-content Development from 29 April - 5 May 2023 by guru Angad Dev Teaching Learning Center under Permit of MOE, SGTB Khalsa College University Delhi.

Mrs. Anurakti

1- Presented paper in **"National Seminar entitled" NEP2020: A Revolutionary Step towards Digital India"** on 6th Nov, 2022 the topic:
"Digital Education: Scope and Challenges, for Research"

2- Presented paper in National Seminar entitled **"Women Self-Reliance: Opportunities, Obstacles and Outcomes in Indian Modern Scenario"** on 5th March 2023 on the topic **"Women Economic Empowerment and Social Protection"**

3- Imparted training on the topic "Mental Equilibrium & Range of Emotions in one day Sensitization Workshop under SIFPSA, on 27th March, 2023.

Mrs. Zeba Khan

Participated in the National Conference NAAC, Bengaluru sponsered on **"Quality Enhancement in the Indian Education System: Role of NEP-2020"** held on 6th. August 2022, organized by Km. Mayawati Govt. Girls PG College. Badalpur, Gautam Buddh Nagar U.P. and presented a paper NEP: A Step towards Holic Pic Development through Education..

2) Attended a National Seminar NEP 2020: A Revolutionary step towards Digital India, under the aegis of Azadi Ka Amrit Mahotsav sponsored by ICSSR organized by Sri Tika Ram Kanya Mahavidyalaya, Aligarh, 2022 on 5-6 Nov and presented held a paper entitled 'English Literature with ICT: An Innovative Approach towards Learning.

3) Participated in the National Seminar on Women Self- Reliance opportunities and Outcomes in Indian Modern Scenario sponsored by Higher Education, UP. Organized by Sri Tika Ram Kanya Mahavidyalaya, Aligarh, held on 4-5-2023 and presented a research paper entitled **"Gender Essentialism: An Obstacle to Gender Equality."**

4) Attended five day's workshop conducted by AZ Cloud Technologies Pvt. Ltd.

5) Participated in a National Level Equiz on "World Poetry Day organized by Department of English, PPG College of Arts and Science, Coimbatore, on 21.03.2023

Dr. Pratima Kumari

1- Imparted training on the topic " Importance of Mental Health in Contemporary Society" in "One Day Sensi tization workshop under SIFPSA

2- "Inner wheel clubs District 311" Honoured on 5 Sep 2022, as an Empowered woman. Paper Presentation_

3- National Seminar **"NEP-2020"** : A Revolutionary Step Towards Digital India under aegis of **"Azadi ka Amrit Mahotsava"** sponsored by ICSSR organised by S.T.R.K.M. Aligarh 5-6 Nov 2022 tilled Digital Education : It's Impact on Society, Art and Culture

4. National Seminar, **"Women Self-Reliance Opportunities. Obstacles and Outcomes in Indian Modern Scenario"** sponsored by Higher Education, U.P. organised by. T.R.K.M. Aligarh, 4-5 March, 2023.

5. Participation Certificate in 5. Days work shop on 'Technical Empowerment Session conducted by AZ cloud Technologies Pvt Ltd, Global Training Partner of Microsoft on 13, 14, 15, 20 and 21 feb. 2023

6. One Day work shop on "State Innovation. in family Planning Services Projects Agency Lucknow on the topic **"Mental Stress in Modern Era"** on 27th March 2023.

Dr. Swati Kush

1 Attended National Seminar on **'Women Self-Reliance: Opportunities, Obstacles and Outcomes in Indian Modern Scenario'** held on 4th-5th March 2023 and presented paper titled, 'Gender Binary : Question of Equality.'

2 Attended five days workshop conducted by AZ Cloud Technologies Pvt Ltd

Dr. Kamlesh Kumari

National Seminar (5-6 November, 2022) sponsored by ICSSR, organised by Sri Tika Ram Kanya Mahavidyalaya. Aligarh

Title: Digital Education : It's Impact on Society, Art and cultrue.

2) National Seminar. sponsored by Higher Education, U.P. organised by Sri Tika Ram Kanya Mahavidyalaya, Aligarh (4-5 March, 2023)

Title: Psychological Empowerment in women

Participation

1- Participated in 5-days workshop. **"Technical Empowerment Session"** Conduct by AZ cloud Technologies Pvt Ltd. (Global Training Partner of Microsoft).

Annual Departmental Activity Report of Chemistry for the Session 2022-2023

Professor Viniti Gupta, Ms. Neha Kamal
Assistant Professor (Pursuing Ph.D.)

DEPARTMENTALACHIEVMENTS:

- The department organized a **Science-Exhibition** on **"National Science Day"**, 28th February 2023 in the memory of late Prof. C.V. Raman under 'Azaadi ka Amrit Mahotsav'.
- The theme of the exhibition was "**The Magical side of Science**".
- Approximately 80 girls from the faculty of science (ZBC and PCM) set up their models and activities and explained and demonstrated their exhibit to the visitors. The main focus was on energy efficient and environmental friendly projects.
- Preparation and sale of Gulab-Jalprepared by 'handed-down' roses was also done.
- The product has been named **'GUL-NEER'** and is now being produced by the department on regular basis.
- The price of 30 mL is pitched at Rs.30/-. The packaging is done by students and marketed by the department.
- The department also sold the brilliant red fragrant water left in the flask from rose petals (simmering method) for Holi festival (pure herbal preparation)

DR. SANGEETA KUMAR

Responsibilities

- Member, Board of studies of Chemistry of Raja Mahendra Pratap Singh State University. (University level)
- Member, Faculty Board of Science, Raja Mahendra Pratap Singh State University. (University level)
- Appointed as the IQAC coordinator of the college for third cycle of NAAC till September 2022. (College level)
- In charge purchase committee for CCTVs and Physics Laboratory Instruments. (College level)
- Incharge , Medical committee
- College Nodal officer of the 'Abacus-UP' portal of college. (College level)
- Member of NEP committee (College level)
- Member, Swacchta Committee (College level)
- Member, Admission Committee, Faculty of Science (College level)
- Member, Grievance Redressal Committee. (College level)

Publications (8 publications)

- "Can India create literary tourism circuits in various parts of the country?
  Shodh Prakalp, Vol XCIX, April -June 2022, ISSN 2278-3911 '
- A Study on the Street Food Available in Swarn Jayanti Nagar, Aligarh'
  International Journal of Science and Research, ISSN no. 2319-7064, Vol 11, issue 9, September 2022'
- Toxicological Review of Mercury: Health and Environment', International Research Journal of Management Research and Technology', ISSN No. 2348-9367, Vol. 13, Issue 9, September 2022, page 131-134, UGC No. 47959
- Afflictions Inherent Within Higher Education in Up HEI'S And NEP's Response: A Redressal, International Journal of Multidisciplinary Educational Research, ISSN No. 2277-7881, Vol 11, Issue 10(3), October 2022, UGC No. 41602(2017)
- Digital Education: Its Impact on Society, Art, and Culture, Ms. Neha Kamal and Dr.

Sangeeta Kumar, International Research Journal of Management Research and Technology, ISSN No. 2348-9367, Vol 13, Issue 10, October 2022, UGC No. 47959

— Use of Surfactants in Cosmetics and Cleansers: A Review, International Journal of Multidisciplinary Educational Research, ISSN No. 2277-7881, Vol 12, Issue 2(2), February 2023, UGC No. 41602(2017)

— Advances in commercial biodegradable products in India: Alternatives to plastics Sangeeta Kumar and Manisha Nigam, International Journal of Science and Research, ISSN no. 2319-7064, Vol 12, issue 3, March 2023

— The Design and Outcome of an undergraduate student seminar on lipids: A strategy to engage students in Chemistry class, ISSN No. 2319-9202, International Research Journal of Commerce, Arts and Science, Vol 14, issue 3, March 2023, UGC No. 44854

Chapter in a Book (1 Chapter)

— Chapter 'Implications of The Energy Of 1-D Box Problem,' Multi-variant Dimensions of Scientific Research, Published by Social Research Foundation, (SRF International) ISBN: 978-93-93166-35-7

Conferences/Workshops/Seminars/Webinars (2 presentations)'

— Learning the Chemistry of Ceramics and pottery via a field trip' ay 26th Biennial Conference on Chemical Education-BCCE-2022 organized by Purdue University, West Lafayette, Indiana, USA on31 July-4 August 2022'

— Problems in teaching learning in Higher education: with special reference to Uttar Pradesh', at National Seminar, NEP 2020: A revolutionary Step towards Digital India, Organized by Sri Tika Ram Kanya Mahavidyalaya, Aligarh, (Sponsored by ICSSR) on 5-6 November, 2022.

Professional Achievement

— Advisor in GOTARA ADVISOR COMMUNITY, The Global Career Growth Platform for Women in STEM since 2022 (www.gotara.com)

— Contribution in designing of new curriculum for M.Sc. Chemistry, RMPSSU, Aligarh.

PROFESSOR VINITI GUPTA

Responsibilities

— Member Board of studies of Chemistry of Raja Mahendra Pratap Singh State University for 2022-2023 (University level)

— Member of the 'Abacus-UP' portal of Raja Mahendra Pratap Singh State University. For 2022-2023 (University level)

— Co-coordinator of IQAC committee of the college for cycle III due in 2024 till September 2022. (college level)

— In charge, AISHE (college level)

— In charge, RUSA (college level)

— Member, Magazine Committee (college level)

— Member, Sports Committee (college level)

— Member, WEB Committee (college level)

— Member, Examination Committee (college level)

— Member, IQAC Committee (college level)

— Member, Building maintenance Committee (college level)

— Member, Chhatra Suvidha Kendra Sahayak Committee (college level)

— Member, Journal Committee (college level)

· Member Admission Committee of Faculty of Science (College level)

— Counsellor for science programs in IGNOU. (college level)

— Member, purchase committee for CCTVs and Physics Laboratory Instruments. (College level)

Publications (3 publications)

— "Antimicrobial Activity of Undistilled Cow Urine on PrevalentWater Borne Pathogens", IOSR Journal of Applied Chemistry, Vol. 15 Issue 07, 21/07/2022, ISSN: 2278-5736. [DOI: 10.9790/5736-1507022022]

— "Biased Gender Mindset Is a Societal Malady: A Review onRegistered Atrocities on Women in Indian Metros", IOSR Journal of Humanities and Social Science, Vol. 27 Issue 07, 21/07/2022, ISSN: 2279-0837 [DOI: 10.9790/0837-2707060105]

— "The Design and Outcome of an undergraduate student seminar on lipids: A strategy to engage students in Chemistry Class", International Research Journal of Commerce, Arts and Science, Vol 14, issue 3, 13/3/2023,ISSN: 2319-9202, UGC No. 44854 [DOI: 10.32804/CASIRJ]

Conferences/Faculty Development Programmes

— Co-coordinator, National Seminar (sponsored by ICSSR)on "NEP 2020: A Revolutionary Step towards Digital India" (Blended Mode)

— Presented a poster on 'Learning the Chemistry of Ceramics and pottery via a field trip' at the 26th Biennial Conference on Chemical Education (BCCE-2022) organized by Purdue University, West Lafayette, Indiana, USA,31 July-4 August 2022.

— One-Week Online National Faculty Development Program on 'SAFER AND GREENER CHEMISTRY LABS', (19/07/2022 -25/07/2022)organized by GAD-TLC, under the Pandit Madan Mohan Malaviya National Mission on Teachers and Teaching (PMMMNMTT), Ministry of Education, SGTB Khalsa College, University of Delhi. Secured Grade "A" as required for promotion under CAS of UGC and AICTE.

— One-Week Online National Faculty Development Program on 'DEVELOPMENT OF MOOCS, E-CONTENT AND TEACHER'S E-KIT IN FOUR QUADRANT FORMAT', (08/12/2022 -14/12/2022) organized by GAD-TLC, under the Pandit Madan Mohan Malaviya National Mission on Teachers and Teaching (PMMMNMTT), Ministry of Education, SGTB Khalsa College, University of Delhi.

Professional Achievement

— Underwent CAS process for promotion to the post of PROFESSOR (DOP: 22/07/2023) through the screening committee appointed by the affiliating university, RMPSSU, Aligarh, due from 22/07/2022.

— Reviewer for the paper titled, "SYNTHESIS, REGRESSION ANALYSIS, AND DOCKING STUDY OF ISONIAZID-BASED COMPOUNDS AS ANTI-TUBERCULOSIS THERAPEUTIC AGENTS," Journal of Applied Biological Sciences, ISSN: 2146-0108, Anatolia Academy of Sciences, Konya, Turkey [Editor: Assoc. Prof. Dr. Husamettin Ekici, Email : husamettinekici@hotmail.com]

[URL: https: // jabsonl ine. org/ index. php/jabs/reviewer/submission/1092]

— Contribution in designing of new curriculum for M.Sc. Chemistry, RMPSSU, Aligarh.

Ms. NEHA KAMAL (PURSUING PH.D.)

Responsibilities

— Member Admission Committee of Faculty of Science (College level)

— Technical support for AQAR 2021-2022 (Department level)

Publications (2 publications)

— "The Band gap of Sulphur Doped Ag_2O

Nanoparticles", Physical Chemistry Chemical Physics, Royal Society of Chemistry (RSC), 20 Dec 2022, Vol 25, ISSN: 1463-9076, pages 2320-2330 [https ://doi. org/10. 1039/D2CP05236A]

— Digital Education: Its Impact on Society, Art, and Culture, Ms. Neha Kamal and Dr. Sangeeta Kumar, International Research Journal of Management Research and Technology, ISSN No. 2348-9367, Vol 13, Issue 10, October 2022, UGC No. 47959

Conferences/Faculty Development Programmes

— Faculty Induction Programme: Organized by the UGC Human Resource Development Centre, Aligarh Muslim University, Aligarh (06 February 2023 - 14 March 2023) (172 contact hours)'

— NEP: its impact on Art and Culture', at National Seminar, NEP 2020: A revolutionary Step towards Digital India, Organized by Sri Tika Ram Kanya Mahavidyalaya, Aligarh, (Sponsored by ICSSR) on 5-6 November, 2022.

— Two Days Hands-on Training on Nanomaterial and Nano device Using NANODCAL software, 14-15 April 2023, by IT Impulse Technology, Gurugram , Haryana

Others

— Student Seminar and Discussion - IInd Semester on Medicinal Chemistry and Chemistry of Proteins.

— Student Seminar - I st Semester on Structure and Bonding.

— Student seminar and Discussion - IV semester on Separation Techniques.

— Student seminar and Discussion - IIIrd year on Bio-inorganic Chemistry and Inculcation of the Mechanism of Organic Synthesis via Enolates.

— Introduced "ChemDraw" software to IIIrd year students.

· Taught NMR by using ChemDraw software to IVth-semester students.

CURRICULUM DELIVERY

— The first batch of III and IVsemester under NEP 2020 was introduced in this session.

— The first and third batch had their end semester in November-December 2022and the second and fourth semester had their examinations in April-May 2023.

— The department held four quiz tests, one assignment and four practical tests under CIE (mid-term) semester-wise.

— New experiments on Chromatography and Spectroscopy were introduced in the syllabus.

— The department has started its shift to incorporate green principles in the chemistry lab by minimizing the use of concentrated sulphuric acid and acetylation agents.

— The faculty members regularly conductedblended and online classes for BSc I (semester I), BSc II (semester III) and BSc III year. Special online tutorial was undertaken before the theory examination and the practical examination for problem solving purposes. This was done with the view that these girls had not appeared for any examination for the pasttwo years due to Covid 19.

— The students are taught using PowerPoint. All topics have been nearly digitized and uploaded on Google Classroom and the college website for benefit of students.

· The classes of B.Sc. I, II and III were provided with question banks.

BOTANY - DEPARTMENTAL REPORT 2022-23

Prof. Rekha Arya

The focus of botany is on thorough teaching of plants and their environment. Department is involved in imparting theoretical knowledge and experimental skills through a learner centric approach. Students are encouraged to study plant diversity of college campus through gardens of college which are maintained by department.

New Education Policy-2020

Under New Education Policy for UG I-IV semester students had studied microbiology and its application, microbiology techniques, Diversity of plant kingdom from algae to angiosperm, digital taxonomy involving identification apps, herbaria and gardens, economic utilization of plant resources, herbal preparations including herbal medicines under semester system. Department has offered two vocational courses. One is interdisciplinary vocational course with Zoology department in vermicomposting and one in MS Office and Internet.

Co-Curricular Events

Department organizes regular co-curricular activities for holistic development under diverse themes.

Activities Under DBT Star College Scheme.
Workshops

a. Molecular Techniques: PCR Demonstration, 07.11.2022

Resource Person. - Dr. Richa Arya, Asstt. Prof., Zoology, B.H.U., Varanasi

b. Anatomical Technique Microtomy

Resource Person. Dr. Archana Bansal

Number of Participants - 75 Skill Development and Entrepreneurship.

This year department has taken an innovative step for the holistic development of students. Students were given an exposure to entrepreneurship under which they were given proper training starting from making of a product upto process of selling. This includes forming a budget, packing, marketing, selling, and accounting. Products made were selected from the syllabi topics.

a. Herbal Preparations: Herbal Gulal (Syllabus topic from B.Sc. IV Sem Paper II)

Students had prepared 27 kg herbal gulal with mixing dried and powdered flower petals with arrow root starch, food grade colors and "itras". A sale was organized in college at 2nd and 4th March 2023. The effort met great commercial success.

Class B.Sc. (ZBC) IV Semester. Number of Participants - 157.

b. Organic Farming Techniques: Vermi-composting (Vocational Course)

Student has been taught about the complete process of vermicompost technology. Pit method was adopted, and approximate 200 kg compost was produced in 8 months. The compost was kept for sale in college campus and the effort got an enthusiastic response.

B.Sc. I Sem (PCM & ZBC).

Inspection of M.Sc. in Botany was also held in this session.

National Seminars under the aegis of Azadi Ka Amrit Mahotsav in Sri Tika Ram Kanya Mahavidyalaya, Aligarh

Dr. Rekha Arya and Dr. Beenu Tripathi.

Role of ICT in teaching and learning Biology in reference to Indian Education System in ICCSR funded National Seminar "NEP 2020-A

Revolutionary Step Towards Digital India" 4-5 November 2022.

Dr. Rekha Arya

Science Education and Self Reliance in National Seminar on Women Self Reliance-

Opportunities. Obstacles and Outcomes in Indian Modern Scenario-4-5 March 2023. (Funded by U.P. Government)

CAS Promotion.

Dr. Rekha Arya is promoted from level 13 A to 14 and became professor we.f. 01.11.2021.

Faculty Development Programme.

Dr. Beenu Tripathi has completed her online induction programme 06.02.2023-14.03.2023 from Aligarh Muslim University, Aligarh.

Research Publications

Research Papers

1. Rekha Arya (2022) Effect of different carbon and nitrogen sources on growth and pathogenicity of Rhizoctonia solani and Meloidygyne incognita disease complex în tomato c.v. Pusa Ruby. Gujrat Agriculture University Research Journal, 46 (4). p ISSN-0250-5193
2. Rekha Arya (2022). Isolation and screening of some rhizosphere fungi for antagonistic potential against Fusarium oxysporum f. sp. lycopersici in tomato cv Pusa Ruby. Indian J. Applied & Pure Biology, 37(3), p.765-769. ISSN - 0970.

Book. (Shared Editorship).

Proceedings of "NEP - 2020 - A Revolutionary Step Towards Digital India. ISBN-978-93- 92129-02-5.

Book Chapter

Application of ICT in Teaching of Biology: A Study in reference to Indian Higher Education System Ms. Soni Singh', Dr. Beenu Tripathi[2], Prof. Rekha Arya[3] in, Use of ICT Tools in Higher Education. ISBN-978-93-92240-36-2 Yking Books, Jaipur.

DEPARTMENT OF GEOGRAPHY

-Taruna Singh

Two batches of UG consisting of, around 150 students of multiful streams i.e. BA. B.Sc & B.Com have passed out successfully with good performance. Department has taken offline along with Online classes as per the requirements & conditions for the welfare of the student and to promote the subject awareness.

Main Areas of Acadamic thrust till date :-

Physical Geography- Elements of map and Surveying

Human Geography - Thematic mapping and Surveying

Environment, Disaster Management and Climate change

Statistical Techniques and surveying

Economic Geography Weather maps, Geological maps and Surveying

Upcoming Areas of Study to be convered:-

Regional Geography Basic of Remote Sensing and GIS

Geography of India - Tour & Tour Report Geography of India-Evalution of Geographical thoughts.

Activities : Till date department has worked on following assignments :-

Volcanoes, Earthquake, Major Religions of world and India Relationship of Man with his Environment, World **Transportation:-** Major Sea Routes and Major Trans- Continental Railways, Ganga Action Plan, Tehri Dam Project Narmada Valley Project, Tiger Project

DEPARTMENT OF MATHEMATICS (ANNUAL REPORT 2022-23)

In the session 2022-23 Department of Mathematics has organized an **"One-Day Mathematics Exhibition"** on 24-02-2023 (Friday) at Mathematics Department of Sri Tikaram Degree College. **The Chief Guest of "One-Day Mathematics Exhibition" was Prof. S.C.Tiwari, retired from S.V. College, Aligarh.** The objectives of this Exhibition were to create interest towards Mathematics among students and to show/display their work done in the classes/Labs/Practical's using Scilab- A Strong Mathematical Software and also ensured participation on various other designated activities (as details given below) in this "One-Day Mathematics Exhibition".

Followings are the details of One-Day Mathematics Exhibition:

1. Video Presentation of projects done by the students using Scilab.
2. Display of Vedic Mathematics Tricks.
3. Display of Banners/Paper Collage about
   Ancient Mathematicians
   Modern Mathematician
   Pascal Triangle
   Shakuntala Devi
   Sixteen formulae of Vedic Mathematics

Paper Collage of Mathematicians and Functions.

4. Mathematical Rangoli.
5. Quiz.

Students have awarded in their group of works and also encouraged towards studying Mathematics

Followings are the list of winner students in rangoli, display of banners/paper collage/vedic mathematics tricks and quiz.

In Mathematical Rangoli:

Prizes distributed by our chief Guest Prof. S. C. Tiwari at his own expenses as given below:

He presented Rs 500 each for First, Second and Third Prize winners

1st Prize (B.Sc. IVth Sem.)	IInd Prize Group-I (B.Sc. IIIrd Year)	IInd Prize Group-II (B.Sc. Iind Sem.)	IIIrd Prize (B.Sc. IInd Sem.)
Kaushambi Pawar	Rohince Vashishtha	Neha Saini	Muskan Rajput
Konika Pawar	Akansha Vashishtha	Uma Gautam	Laxmi Kumari
Ashi T. Singh	Sakshi Saraswat	Niresh	Sonam
	Shivani		
	Firdous		

In Display of Banners/Paper Collage/Vedic Mathematics Tricks:

Prizes distributed by our Chief Guest Prof. S. C. Tiwari at his own expenses as given below:

He presented Rs 1100 each for First, Second and Third Prize winner

Ist Prize In The Project Of Ancient Indian Mathematicians (B.Sc. Iv Th Sem.)	Iind Prize In The Project Of Mordan Indian Mathematicians (B.Sc. Ivth Sem.)	Iiird Prize In The Project Of Vedic Tricks (B.Sc. Iind Sem.)
Ritika Mukharjee	Tamanna Agarwal	Ashika
Tanishka Gautam	Neha Mahajan	Mehrunnisha

Prizes distributed by our chief Guest Prof. S. C. Tiwari at his own expenses as given below:

He presented Rs 500 each for First and second prize winners.

Ist Prize (B.Sc. IVth Sem.)	Ist Prize (BBA Ist Year)	IInd Prize (B.Sc. IVth Sem.)	IInd Prize (B.Sc. IInd Sem.)
Roshani	Khushi Koili	Anushka Singh	Shivangi
		Chaya	

Prize Distribution Ceremony:

The prize and certificates were distributed to the winners on 24th Feb 2023 by Prof. Sharmila Sharma, Principal STRKM, Aligarh and our Chief Guest Prof S. C. Tiwari. He gave tips and blessings to the students and have encouraged participants to go ahead and to excel in the field of Mathematics.

Students have also participated in various activities like **Science Exhibition on Science Day, Financial Education for Young Citizens-kona-kona Shiksha organized by National Institute of Securities Market(NISM), Quizzes, Assignments, Presentations etc.** during the entire session.

Department Report (2022-23) Commerce Department

Dr. Vartika Verma
(HOD)

Department of Commerce has forever stood for its values which aimed at nurturing Commerce professionals with a high level of knowledge and competence to effectively contribute to the society with commitment and integrity. The guiding philosphy of the department through out has been to create and impart knowledge, influence commerce practices and integrate globally to be a department of generative ideas so that we remain relevant to our society through excellence and equity.

In this session Department of commerce has organised poster making competition, debate competition report writing competition and essay competition and other activities which are as followed.

1. **Debates Competition :-** Department conducted debate competition on 7 Feb. 2023. The topic of debate competition was **'Does Digital technology make children's** lives better. **"Winners of this competition are as follows".**

1. Mansi Dixit, B.Com III year - First
2. Himansi Kumari, B.Com II Sem. Second
3. Kavita Lodhi, M.Com. II Sem. Third
4. Nisha Gupta, M.Com Ii Sem. Consolation

2. Essay Competition :- One essay competition was organized by commerce department. on 9 Feb. 2023 . The topic of this essay competition was **"Family values and the rule in a person life."**Anshi Agrawal of B.Com. II Sem. got first position, Sifali Mudgal of B.Com II Sem. got Second Position, Jeetan of B.Com II Sem. hot third position and Nidhi Varshney M.Com II Sem. Consolation.

3. Poster Making Competition :- Further one poster making competition was organized on **"Reducing Plastic in the ocean"** and **"Addictions of Mobile Phones"** Winners of competitions are as followed.

Students of U.G. :-

1. Shristhi Upadhyay (IV Sem.) - First
2. Ritambhara (IV Sem.) - Second
3. Himansi Verma (II Sem.) - Third
4. Bhavna Kumari (IV Sem.) Conslation

Students of PG (M.Com. II Sem)

1. Himansi Agrawal - First
2. Kavita Lodhi - Second
3. Anjali - Third

4. Journalism Report Writing Competition:- This Competition was organised on 16 Feb. 2023. The topic of writing competition Rehabilitation Policy for affected people". Archana Savita of B.Com. IV Sem. got first position and second topic was **"Aero India"**. Priya Sharma of B.com II Sem. also got first position.

5. Futher one day national workshop on "Industrial Innovative Practices on 4th Feb. 2023 organised by IQAC in Collaboration with Dept. of Economics and Commerce which was attended by B.Com II Sem., B.Com IV Sem. and M.Com II Sem. students. Dr. Mohammed Naved Khan, guest speaker delivered on Industrial Innovative Practices.

DEPARTMENT OF ZOOLOGY

The entire education system is changing, in the last few years this change was more visible, today most of the education has become technical or screen-based. The students and their parents have also started giving their consent for online courses, some people are not able to change in the changing environment and they still consider offline education more important than online education. Preference for the mode of education was the key issue during a pandemic. An online survey was conducted to assess the students' perspectives on online and offline teaching methods. The questionnaire was made on Google form and the link was https://forms gle/ H5F L12 V3 wvS7ZUTm7 in which 460 students of our college as well as other colleges of Uttar Pradesh participated and data were collected in September 2022 and concluded that both online and offline education have their own set of advantages and disadvantages. Students agree that they benefit equally, both online and offline methods, both ways are suitable for them, and knowledge should be taken wherever it is found. Blood profile tests of students including blood group,hemoglobin, blood sugar, and BP have been made by a large number of students in the B.Sc II semester. An online quiz was also conducted on the topic BP in which 53 students participated. Suruchi Sharma, Anjali Sharma, Anshika Raghav, Iqra Anwar & Ilma Idrees obtain an 80% score.

The online quiz was organized by the Zoology department for B.Sc IV Semester students in which 94 students participated and the following students scored 90% i.e. Asna Shakil, Rida Zehra, Gunjan Sharma, Shivani Sharma, Nida Abbasi, Jagrati Raghav, Simran, Bhavna Singh, Priya Gaur, Lakhjeet Kaur, Muskan Singh Thakur, Kumari Tamanna, Fareha, Rashmi Kumari, Azra, and Purnima. This year, a task of Insect collection was assigned to all the students in the third year from the college campus and outside vicinity. They collected the insects from their natural habitat and then they learned to preserve them. The extempore essay competition was also organized for B.Sc. third-year students. The topic of the essay was the food chain in the an ecosystem in which 36 students participated. The result was as follows

First prize	-	Libya
Second prize	-	Sakshi,
Third prize	-	Sowmya Varshney

Annual Report - BBA Department - 2022-23

Bachelor of Business Admnistration (BBA) is one of the popular 3 years Bachelor Degree Programmes for students who wish to make their career in the field of Business Management.

BBA programme was introduced under self finance. Currently Number of students in Sem II (I year) 59 and number of students in sem. IV (II year) is 20 Faculty.

Dr. Unnati Jadaun (In charge)
Mrs. Preeti Sharma
Km. Priya Sharma
Activities of Semester II, IV (2022-23)

(1) Organised speech by students on **"Hindi Diwas"**.

Participants

II sem. - 25 (I year)
IV sem. - 5 (Ii year)

(2) **Chart making Activity**

BBA Iyear - 22 (II sem)
BBA IIyear - 5 (IV sem)

Winners - I year (II Sem.)

1. Kajal Mathur
2. Tayyaba Khan
3. Vaishnavi Singh

4. Anjali Sharma
5. Sakshi Saxena
6. Priyal Yadav
7. Tanu Raghav
8. Khushi Kohli

II year (IV Sem)

1. Manvi Saubhari
2. Shurti Sharma
3. Varsha Rawat

(3.) **Waste Material Activity**

Participants - 18 Students (I year) II Sem.
9 Students (II year) IV Sem.

Winners : I year

1. Harshia Jindal
2. Harshika Varshney
3 Sejal Singh
4. Geetanjali
5. Roshni Singh Jadaun
6. Babita Kumari
7. Kirti Varshney
8. Priyanka varshney

II year (IV Sem.)

1. Prerna Varshney
2. Muskan Chaudhary
3. Yukti Sharma
4. Radha

(4.) **Writing Activity (Participants)**

BBA I year - II Sem (28)
BBA II year - IV Sem (5)

Topic of essay-

1) Education in Current Scenario
2) Management functions
3) Business Entrepreneur

5. **Holi Celebration -:**

Participants - BBA I Year (II Sem) 45
BBA II year (IV Sem) 20

Activities-

i) Saraswati Vandana - (Participants)

1) Khushi Kohli
2) Anam Khan
3) Jaya

ii) **Rangoli Activity**

1) Anjali Sharma
2) Kajal Sharma
3) Tanshu Saraswat
4) Tanu Raghav
5) Nandini
6) Sakshi Saxena
7) Anam Saxena
8) Shivani Dhanger
9) Geetanjali

IV **Sem - II Year**

1) Yukti Sharma
2) Radha
3) Varsha Rawat

III **Dance Performances - I year (Sem II)**

1) Harshika Varshney
2) Sejal Singh
3) Kirti Varshney
4) Khushi
5) Sangeeta Verma
6) Richa Singh
7) Vaishnavi
8) Priyanka Varshney

IInd **Year - (IV Sem)**

i) Yakti Singh

Ist **Year (II sem)**

i) Harshika Varshney
ii) Khushi

Speech Activity -: I year (Sem II)

i) Priyal Yadav
ii) Tanshu Saraswat

Singing Activity-:

i) Roshni Singh Jadaun

Decoration Activity :- (Poster Making Activity)

Participants - 12

1- Ishpreen Kaur II year
2- Priya Sharma I year
3- Archita - II year
4- Shivani - II year
5- Neelam - I year
6- Nandini - I year
7- Surbhi Gautam - II year
8- Vaishali Singh - I year
9- Jaya - I year
10- Kumkum - I year
11- Vaishnavi Sharma - I year

Teachers day

Participants - II Year (I year) 40
IV sem (II year) 18

Certificates were distributed to all the participants for these activities on (14th May 2023)

BCA DEPARTMENT

The department of Computer Science has been oraganising various academic activities through the year for the overall development of students. The details of activities and deveploment are as followed-

1. Department organized Techno quiz Participating members are as follows

1. Atima Rajoriya (BCA IInd Year)
2. Harshita (BCA IInd Year)
3. Kajal (BCA IInd Year)
4. Sakshi Mishra (BCA IInd Year)
5. Ruchi (BCA IInd Year)
6. Priyanka (BCA IInd Year)
7. Jyoti Jadaun (BCA IInd Year)
8. Shalu Rani (B.Sc., CS)
9. Ritika Mukharjee (B.Sc., CS)
10. Priya Sharma (B.Sc., CS)

Winners of Techo Quiz:

1. Ritika
2. Atima Rajoriya
3. Harshita

2. Another activity which was done by the department in collaboration with HCL Techonologies whose mentor was Sharad Varshney in which 7 students participated in dated 11.11.2023

1. Ritika
2. Atima Rajoriya
3. Harshita
4. Priyanka
5. Priya Sharma
6. Tanishka Gaur

and selected students year

1. Ritika Mukharjee (B.Sc. IInd year)
2. Atima Rajoriya (BCA IInd Year)
3. Harshita Varshney (BCA IInd Year)

Department oragnised a Holi Festival program **"Holi Ke Hasgulle"** in which participated students are

1. Anamika Sharma (BCA Ist Poetry on father)
2. Priyanka (BCA Ist year) (Sarswati Vandana)
3. Harshita Poetry on Maths (BCA IInd Year)

Rangoli Making participants

1. Arya Maheshwari (BCA Ist year)
2. Anshika Maheshwari (BCA Ist year)
3. Pooja Kulshreshtha (BCA Ist year)

Department organised a teachers day celebration Students who participated were-

1. IlMa (BCA Ist year)
2. Atima Rajoriya (BCA IInd year)
3. Soniya (BCA Ist year)
4. Jyoti Jadoun (BCA IInd year)
5. Himanshi (BCA Ist year)
6. Priyanka (Ganesh Vandana)
7. Anamika Sharma (BCA Ist year Drama) and all BCA students.

Department organised a chart making activity and winners of the activity were

1. Tanu Kumari (BCA IInd Year)
2. Drishiti Jadaun (BCA Ist year)
3. Kajal (BCA IInd year)

Department presentation activity on weekly basic in which students make their our presentation for the overall programming & following in English of the students.

1. Tammna (B.Sc. IInd year)
2. Ritika Mukherjee (B.Sc. IInd year)
3. Priya Sharma (B.Sc. IInd year)
4. Pragati Chauhan (B.Sc. IInd year)
5. Ashi Singh (B.Sc. IInd year)
6. Kaushambi Pawar (B.Sc. IInd year)
7. Konika Pawar (B.Sc. IInd year)
8. Khushi Singh (B.Sc. IInd year)
9. Vijay Kumari (B.Sc. IInd year)
10. Tanishka Sharma (B.Sc. IInd year)
11. Atima Rajoriya (BCA IInd year)
12. Tanu Kumari (BCA IInd year)

and it will continue for the next session with rest of all students.

PHYSICS DEPARTMENT

Department of Physics organised **SCIENCE QUIZ COMPETITION (objective)** on the occasion of National Science day (28th February-2023)on 27thFebruary 2023. The theme for this competition is **"LASER SYSTEMS& ITS IMPORTANT APPLICATIONS"**. The result of the above said competition as given in the following table:

COURSE WISE RESULT OF SCIENCE QUIZ COMPETITION (2022-23)

B. Sc. - III Year

S. No.	University Roll No.	Name of the Students	Father's Name	Prize
1	2100100041062	Firdous Khan	Sikander Ali	I
2	2100100041090	KavitaKumari	Sanju Singh Chauhan	II
3	2100100041271	Upasana Sharma	UmakantNagaich	II
4	2100100041232	Shivani	Sunil kumar	III
5	2100100041006	Akankshavashishtha	Dharmendra kumar gaur	III
B. Sc. - IInd Year (SEM.- IV)				
6	2200100041095	KaushambiPawar	Sanjay Kumar	I
7	2200100041274	Varsha	Atul Sharma	II
8	2200100041257	TanishkaGautam	Dev prakash	II
9	2200100041109	KonikaPawar	Sanjay Kumar	III
10	2200100041041	Deeksha	Rajkumarsingh	III
B. Sc. - Ist Year (SEM.- II)				
11	2322030041044	Deepa kumarisingh	Surendra Bahadur Singh	I
12	2322030041023	Ashika	Sunil Kumar	II
13	2322030041251	Shivani	Kamlendra Kumar	III

Apart from the above, all academic activities (assignments, tests, quizzes etc.) have been conducted within the given tenure by the concerned faculty.

श्री टीकाराम कन्या महाविद्यालय, अलीगढ़ में भैतिकी विभाग में प्रकाशिकी प्रयोगशाला का उदधाटन प्रो0 सी0वी0अग्रवाल द्वारा दिनांक 20 मई, 2023 में सम्पन्न हुआ। प्रकाशिकी प्रयोगशाला के सभी प्रयोगों को खरीदने एवं स्थापित करने के लिए प्रो0 सी0वी0अग्रवाल ने अपनी स्वेच्छा से रूपये एक लाख का अनुदान दिया।

पुरातन छात्र समिति

हर वर्ष की भांति पुरातन छात्र समिति का कार्यक्रम दिसंबर में आयोजित हुआ । इस कार्यक्रम में फेडरेशन ऑफ़ ऑब्स्ट्रटिक एंड गाइनेकोलॉजिकल सोसाइटी के सहयोग से कराया गया जिसमें महिलाओं में एनीमिया के कारण, लक्षण और बचाव के उपाय पर गहन चर्चा की गई इसमें डॉ सीमा हकीम , डॉ नम्रता भारद्वाज, डॉ अलका मित्तल, डॉ नीति गोयल ने वक्तव्य दिया और एनीमिया से बचने के उपायों पर विशेष जोर दिया। शिक्षिकाओं ने अपनी समस्याओं भी डॉक्टर के समक्ष रखी। जिनका समाधान किया गया इसके बाद महाविद्यालय की छात्राओं का हीमोग्लोबिन परीक्षण और ब्लड ग्रुप टेस्ट कराया गया। इसमें बीएससी और बी. ए. अंतिम वर्ष की छात्राओं ने का निशुल्क ब्लड ग्रुप और ब्लड हीमोग्लोबिन टेस्ट किया गया। इस कार्यक्रम में पुरातन छात्र समिति की अध्यक्ष डॉ प्रभा वार्ष्णेय, उपाध्यक्ष डॉ गीतिका सिंह , सचिव प्रो नीता वार्ष्णेय, उपसचिव प्रो सीमा अग्रवाल, कोषाध्यक्ष प्रो मंजू यादव तथा समिति के सदस्य डॉ कृष्णस बाजपेई, प्रो रेखा आर्या, प्रो विनती गुप्ता, प्रो मीनू शर्मा और महाविद्यालय की सभी शिक्षिकाओं की उपस्थिति रही।